HRA की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 3 5]

नई विस्लो, शनिवार, अगस्त 31. 1985 (भाद्रपद 9, 1907)

No. 35

NEW DELHI. SATURDAY, AUGUST 31, 1985 (BHADRA 9, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संक्षणत के का में रखा जा सके (Sepa...te paging is given to this Part in order that it many be their as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

। उच्व न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रभाः०-III--इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 25-1-85 तथा 8-8-85 के प्रमुक्तम में संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के नियमित प्रमुभाग प्रधिकारी सर्वश्री के० पी० प्रग्यर तथा इंदरजीत सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 1 जुलाई, 1985 से प्रागामी प्रादेशों तक, संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में डेस्क प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्त रूप से नियमित प्राधार पर कार्य करने के लिए सहुई नियुक्त किया जाता है।

संघ लोक सेवा भ्रायोग में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित नियमित भ्रनुभाग भ्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए भ्रथवा भ्रागामी भ्रावेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में डैस्क भ्रधिकारी के पव पर तदर्थ भ्राधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ०सं० श्रधिकारी का नाम

डैस्क ध्रधिकारी के रूप में तदर्थनियुक्ति की श्रवधि

1. श्री भ्रार० पी० सरोज 1-7-85 से 31-8-85 तक 2. श्री राम ग्रबतार 1-7-85 से 31-8-85 तक

2. श्री राम ग्रवतार 1-7-85 से 31-8-85 तक

2

श्री सूदेश कुमार
 2-7-85 से 31-8-85 तंक

4. श्री एन०पी०एस०गुजराल 2-7-85 से 31-8-85 तक 5. श्री कृष्ण लाल-U 3-7-85 से 31-8-85 तक

6. श्रीग्रानिल कुमार 15-6-85 से 29-6-85 सक

उपर्युक्त श्रिधिकारी, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार ज्ञार संर 12/1/74—सीर एसर (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतों के श्रनुसार रूर 75 प्ररुपार की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा०-III--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग के के० स० से० के नियमित निम्निलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्विष्ट भविष्ठ के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर ग्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

फ्र०सं० ग्रधिकारी का नाम तदर्थ नियुक्ति की **ग्रवधि**

सर्वश्री

श्री के०एल०सूद
 2-7-85 से 30-9-85 सन

2. श्री एस०डी०मल्ल

2-7-85 से 29-10-85 राष्ट्र

1-216 GI/85

(29483)

को केन्द्रीय संतर्कता भायोग में मुख्य तकतीको परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर वेतनमान रू० 2250—125/2-2500 में 1 जून, 1985 (पूर्वाह्म) से पांच वर्ष की भविष्ठ या ग्रगले ग्रादेश तक जो भी पहले हो, के लिये स्थानापम्न कप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता, भवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता स्नायुक्त

का॰ एवं प्रशि॰, प्रशा॰ सु॰ और लोकशिकायत तथा पैशन मंत्रालय

> कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो,

मई दिल्ली-110003, दिनांक 6 प्रगस्त 1985

सं॰ सी॰-4/65-प्रशासन 5--निवर्तन होने पर, श्री सी॰ सीताराम मूर्ति, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय ग्रन्वेषण स्यूरो ने दिनांक 30 जून, 1985 के भ्रपराह्न से भ्रपने पद का कार्यभार स्याग दिया।

सं 4/69/प्रणा० 5—प्रत्याविति होने पर, श्री पी० पी० सिंह, वरिष्ठ लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण अ्यूरो की सेवार्ये दिनांक 2 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से बिहार सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं॰ एस-2/2/70-प्रशा॰ 5---श्री णिव प्रकाश की विधि कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पू० बल

नई दिल्ली-110003, विनांक 5 भगस्त 1985

सं० ओ० दो 1971/84-स्थापनाम-हानिदेशक, के० रि० पु० बल में डा० टी० में० राय को दिनांक 13-7-85 पूर्वास से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा भिष्टकारी के प्रस पर केवल 3 माह के लिये भयवा उस पर नियमित नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० घो० वो 1971/84-स्वापना--महानिदेशक, के • रि० पु० बस ने डाक्टर टी० के • राय को दिनांक 29-6-85 पूर्वाह्म से 7-7-85 घपराह्म तक के लिये के • रि० पु० बस में कनिष्ठ चिकित्सा भिकारी के पद पर तक्ष्यं कप से नियुक्त किया।

सं० ग्रो० वो 2001/85-स्थापना—महानिवेशक के० रि० पु० बल ने डा (श्रीमती) ज्योतिरमई लाहोत को दिनांक 9-7-85 (पूर्वाह्न) से के० रि० पु० बल में किनदि पिकत्सा ग्रधिकारी के पद पर केवल 3 माह के लिये ग्रथबा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ कप से सहर्य नियुक्त किया है।

सं धो वो 2045/85-स्थापना---महानिदेशक, के रि पु बल ने डा के सीतारामराज को के रि पु बल में दिनांक 21-6-85 पूर्वाह्न से कनिष्ठ विकिरसा श्रीधकारी

1	2		3		
3.	बीर इन्दर	2-7-85	से :	29-10-85	तक
4.	एच० सी० शर्मा	1-7-85	से	31-8-85	तक
5.	पहलाद सिंह	15-7-85	से	31-8-85	तक
6.	ए० एस० बेदी	2-7-85	से	31-8-85	तक
7.	एस० बी० गुप्ता	2-7-85	से	31-8-85	तक
8.	मो० पी० तेहन	15-6-85	से	31-7-85	तक
9.	भार० एन० माथुर	2-7-85	से	16-8-85	लक
10.	श्रीमती संतोष कपूर	2-7-85	से	16-8-85	तक
11.	श्री ग्रवतार सिंह	2-7-85	से	16-8-85	तक
1 2.	विशम्बर दयाल	3 → 7 −85	से	17-8-85	तक
13.	तारा सिंह (भ्र०जा०)	13-7-8	5 से	31-8-85	तक
14.	जे ० पी० शर्मा	3-7-85	से	17-8-85	तक
15.	एस० पी० एस० सागर (भ० जा०)	16-6-8	5 से	31-7-85	तक

दिनांक 16 जुलाई 1985

सं० ए० 32013/3/83-प्रशा०-I--कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/1/83-सी० एस०-II- विचोक 30 जुलाई, 1983 में निर्दिष्ट प्रनुदेशों के प्रमुसरण में भौर वित्त मंत्रालय के के० से० स्टे० से० संवर्ग के ग्रेड 'ख' प्राशुलिपिक श्री टी० श्रार० वीरराधवन, जो इस समय सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क तथा संवर्ग (नियंत्रण) श्रपील प्रिकरण नई दिल्ली में प्रतिनियुवित पर हैं, को जोन योजना के श्रन्तर्गत विभाग द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग

निर्विष्ट श्रविध के लिए श्रथवा श्रागामी श्रावेशों तक, ज भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैय-फ्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख') के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

अव सव	न।म —————	भवाध
	पी० महाजन तरोज के० कपूर	2-7-85 से 30-9-85 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति श्रवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख') के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है श्रीर इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' में विलयन का श्रथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा। इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के श्रनुमोदन के श्रध्यधीन है।

दिनांक 22 **जुलाई** 1985

सं० ए० 35021/1/85-प्रणा०-11-- प्रध्यक्ष, संब लोक सेवा धायोग एतद्दारा संब लोक सेवा धायोग के कार्यालय में सहायक निदेशक (रा० भा०) श्रीमती सुधा भागंव को धायोग के कार्यालय में 17-7-1985 से 16-1-1986 तक छः महीने की धवधि के लिए धयदा धायामी धादेशों तक 1100-50-1600 द० के वेतनमान में, वरिष्ठ अनुसंधान श्रधिकारी (भाषा माध्यम) (ग्रुप 'क' राजपन्नित) के पद पर तदधं धाधार पर राजकाषा विभाग की सहमति के ध्रध्यकीत विश्वकृष्ट के

29486

भारत का राजपत्र, अगस्त 31, 1985 (भावपद 9, 1907)

्माग ।।[--वावता

के पर केवल 3 माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमि नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं ग्रो दो 2046/85-स्थापना---महानिदेशक के दिल पु बल ने डा० बी० पी० नारंग को दिनांक 20-5-1985 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी के पव पर केवल 3 माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख सक तथर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

मं० भो० थे। 2047/85—स्था०:—महानिदेशक, के०रि० पूर्वाह्म ने बा० विनेश चन्त्र गोस्वामी को विनाक 13-6-85 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पद केवल 3 माह के लिये भ्रथवा उस पद पर नियमित मियुक्ति होने तक इन में से जो भी पहले हो, उस तारीख सक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 6 मगस्त, 1985

सं० ग्रो० दो 7416/82-इस्टेट- महानिदेशक, के० रि० पु० बल ने डाक्टर बी० पी० हजारिका को दिनांक 3-6-85 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में किनष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर केवल 3 माह के लिये श्रथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ कप से सहर्ष नियुक्त किया है।

संब्झों दो 2010/85-स्थां : महानिवेशक के रिव पुं बल ने डाक्टर डब्ल्यू व्यावन राव को दिनांक 16-7-85 पूर्वाह्म से के विर्णाप बल में केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित रूप से नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तवर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

ए० मार० महीपती सहा निदेशक (स्थापना)

महानिवेशालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 घगस्त, 1985

सं० ई-3201536/85-कार्मिक:---राष्ट्रपति श्री पी० धार० भृष्ट्रन को, श्रोन्नति पर, 25 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85 तक की ध्रवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, के० घो० सु० ब० यूनिट, नालको ध्रगुल में पूर्णतया तदर्ष ग्राधार पर तथा ग्रस्थाई तौर पर उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ६-32015(3)/5/85-कार्मिक-1:--राष्ट्रपति, श्री एस० के० वर्मा को प्रोप्तति पर, 22 जुलाई, 1985 के पूर्वास्त से 27-8-1985 तक की श्रवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, के॰ घ्रो॰ सु॰ ब॰ यूनिट ई॰ सी॰ एल॰ शीतलपुर में पूर्णतया तर्व्य घ्राधार पर तथा घ्रस्थाई तौर पर उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> (ह०) भ्रपठनीय महानिदेशक के० भ्रो० सु०**य०**

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार लेखा परीक्षा 1 का कार्यालय आन्द्र प्रदेश हैदराबाद-500463- दिनांक 8 धगस्त, 1985

सं० प्रशा 1/8-132/85-86/72:—महालेखाकार महोवय (लेखा परीक्षा) 1 आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद ने सहर्ष निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारियों को स्थाप्त लेखा परीक्षा श्रधिकारियों को स्थाप्त लेखा परीक्षा श्रधिकारियों के रूप; 840-40-1000-द० श्र०-40-1200 रू० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी श्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिये दिये गये श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रौर श्रान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय /उच्चतम न्यायालय में लिम्बत रिट याचिकाश्रों के परिणामों के प्रधीन माने जायेंगे।

उन्हें चाहिये कि थे ग्रापना विकल्प भारत सरकार कां० ज्ञा० सं० एफ० 7/1/80-स्थापना पी० टी० 1 दिनांक 26-9-1981 की शर्तों के ग्रनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के ग्रन्थर वें।

	77 777 PÅ
नाम	पद ग्रहण की तारीख
	414181
सर्वेश्री	
	पूर्वाह्न.
1. पी० पी० बी० नृ्त्युजयराव	
2. सी० हनुमन्तराव-1	10-7-85
 के० सीतारामाराव−2 	10-7-85
4. टी० शिवराय	10-7-85
के० भीमेश्वर राव	11-7-85

हस्ताक्षर भ्रष्ठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार - (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, लेखा परीक्षा, केरल तिरूवनन्तपुरम-695039, विनोक 6 श्रगस्त, 1985.

सं० स्थापना रोकड़/1/10-3/85-86/61—महालेखाङार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरूवनन्तपुरम के लेखा-परीक्षा प्रधिकारी श्री के० के० ग्रलक्साण्डर श्रीर सहायक लेखा परीक्षा ग्रीधकारी श्री पी० रंगनाथन, ग्रीधवर्षिता के

नई दिल्ली-110011, दिनां ह 13 जून 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III:—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में के० सं० से० के नियमित अनुभाग जिस्कारी भी कृष्ण लाल-II को राष्ट्रपति द्वारा 10-6-85 से 12-7-1985 की प्रविध के लिये ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, वो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय के छेक्क अधिकारों के पद पर तदर्य ग्राधार पर स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. श्री कृष्ण लाल—II कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/84—सी० एस० 1 दिनांक 11—12—1975 की सतौं के अनुसार रू० 75/— प्र० को दर से विश्रेष वेतन प्राप्त करेंगे।

रूप चन्द शर्मा, श्रवर सविव (श्रा०) संघ लो ह सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

संक 6 पी पी॰ श्वार॰ एस॰ 014—इस श्रायोग की श्रीध्रम्चना सं० 2/21/84-श्रशासन दिनांक 13 जून, 1985 का श्रीध्रक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद् द्वारा सद्धानिदेशक (निर्माण) केन्द्रीय लोक निर्माण निभाग, के कार्यालय में मुख्य श्रीभयन्ता (सिनिन) स्तर-2, श्री जे० एल० पिन्टो को केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नेतनमान रू० 2250—125/2-2500 में 1 जून, 1985 (पूर्नाह्न) से पांच नर्ष की श्रविध या श्रगले श्रादेश तक जो भी पहले हो, के लिये स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता, श्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

कां • एवं प्रशि •, प्रशा • सु॰ और लोकशिकायत तथा पैशन मंत्रालय

> कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरो,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

सं॰ सी॰-4/65-प्रशासन 5--निवर्तन होने पर, श्री सी॰ सीताराम मूर्ति, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण स्यूरो ने दिनांक 30 जून, 1985 के श्रपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं 4/69/प्रशा 5 - प्रत्यावित होने पर, श्री पी० पी० सिंह, वरिष्ठ लोक श्रिभियोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 2 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से बिहार सरकार की सींपी जाती हैं।

सं • एस-2/2/70-प्रशा • 5--श्री शिव प्रकाश की विधि कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

में सहायक विधि सलाहकार, (ग्रेड-IV) के रूप में मूल नियुक्ति होने पर निदेशक, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूगे बतौर विभागाध्यक्ष एफ० आर० 14 ए(वी) के अधीन दिनांक 20-5-1985 से लोक अभियोजक, के अ० ब्यूरो के मूल पद पर से उनका पुनर्गहणाधिकार एतद् द्वारा समाप्त करते हैं।

दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

सं० ए-19021/7/80-प्रशा० 5--प्रत्यावर्तन होने पर, श्री के० जे० सिंह, भा० पु० सेवा (प० वं०-1969) पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सा० अ० स्कन्ध, दिल्ली शाखा की सेवार्ये दिनांक 18 जुलाई, 1985 के अपराह्न से पश्चिम बंगाल सरकार को सींपी जाती है।

सं० ग्रार०-4/70 प्रशा० 5—राष्ट्रपति के ग्रादेश द्वारा नौकरी से हटाये गये श्री ग्रार० के० बांधा ने दिनांक 29 जुलाई, 1985 के ग्रपराह्म को वरिष्ठ लोक ग्रिभयोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> भार॰ एस॰ नागपाल, प्रशासनिक प्रधिकारी (स्था॰)

गृह् मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

सं० म्रो० दो 1971/84-स्थापनाम-हानिदेशक, के० रि० पु० बल में डा० टी० के० राय को दिनांक 13-7-85 पूर्वाझ से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा म्रधिकारी के पुद पर केवल 3 माह के लिये मयवा उस पद नियमित नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं भो वो 1971/84-स्थापना--महानिदेशक, के दि पु बल ने डाक्टर टी के राय को दिनांक 29-6-85 पूर्वाह्म से 7-7-85 भ्रपराह्म तक के लिये के रि पु बल में किनष्ठ चिकित्सा भिषकारी के पद पर तथ्यें रूप से नियुक्त किया।

सं० ग्रो० दो 2001/85-स्थापना-महानिदेशक के॰ रि० पु० बल ने डा (श्रीमती) ज्योतिरमई लाहोच को दिनांक 9-7-85 (पूर्वाह्न) से के॰ रि० पु० बल में किक्टेंट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर केवल 3 माह के लिथे प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० घ्रो० दो० 2045/85—स्थापना—महानिदेशक, के० रि० पु०वल ने डा० के सीतारामराज को के० रि० पु०कल में दिनांक 21-6-85 पूर्वोह्न से कनिष्ठ विकित्सा श्रीधकारी ने पर पर केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमि नियुक्ति होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं ग्रोब दो 2046/85—स्थापना—महानिदेशक के० रि॰ पु॰ बल ने डा॰ वी॰ पी॰ नारंग को दिनांक 20-5-1985 पूर्वाह्न से के० रि॰ पु॰ बल में किनष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर केवल 3 माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक उनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं श्रो दो 2047/85-स्था०:--महानिदेशक, के०रि० पूर्वाल ने डा० दिनेश चन्द्र गोस्वामी को दिनांक 13-6-85 पूर्वाल से के० रि० पु० बल में किनष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पद केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इन में से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

सं० भ्रो॰ दो 7416/82-इस्टेट--महानिदेशक, के० रि० प्रुट्टाबल ने ड्राक्टर बी० पी० हजारिका को दिनांक 3-6-85 प्रवृद्धि से कें॰ रि० पु० बल में किनष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर केवल 3 माह के लिये श्रथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक सदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

संब्धों दो 2010/85-स्थाः -- महानिदेशक के रिष्पु बल ने साझ्टर डब्ल्यू यावन राव को दिनांक 16-7-85 पूर्वाह्न से के रिष्पु बल में केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित रूप से नियुक्त होने तक इनमें से जो पहले हो उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

ए० धार० महीपती सहा निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1985

सं० ई-3201536/85-कामिक:--राष्ट्रपति श्री पी० श्रारः भृट्टन को, प्रोन्नति पर, 25 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85 तक की अविधि के लिये या ऐसे समय में विद्यमित निधुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, के० श्रोष्ठ सु० म० यूनिट, नालको अगुल में पूर्णतया तदर्थ आधार पर तथा अस्थाई तौर पर उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं के इम् 32015 (3) | 5 | 85 - कार्मिक - 1: - - राष्ट्रपति, श्री एसक के वर्मा को प्रोन्नति पर, 22 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्म से 27 - 8 - 1985 तक की अवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुवितयां किये जाने तक, जो भी पहले हो, के० ग्रो० सु० ब० यूनिट ई० सी० एल० शीतलपुर में पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर तथा ग्रस्थाई तौर पर उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

(ह०) ग्रपठनीय महानिदेशक के० ग्री० स्०**व०**

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार लेखा परीक्षा 1 का कार्यालय आन्द्र प्रदेश हैदराबाद-500463- दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

सं० प्रशा 1/8-132/85-86/72:—महालेखाकार महोदय (लेखा परीक्षा) 1 ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद ने सहर्ष निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों को स्थापन लेखा परीक्षा ग्रधिकारियों के रूप; 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 रू० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी ग्रगले ग्रादेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिये दिये गये ग्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, ग्रौर ग्रान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय /उच्चतम न्यायालय में लिंखत रिट याचिकाग्रों के परिणामों के ग्रधीन माने जायेंगे।

उन्हें चाहिये कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का॰ ज्ञा॰ सं॰ एफ॰ 7/1/80—स्यापना पी॰ टी॰ 1 दिनांक 26-9-1981 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर दें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
सर्वेश्री	पूर्वाह्न.
1. पी० पी० वी० नृत्युजयराव	
2. सी० हनुमन्तराव-1	10-7-85
3. के॰ सीतारामाराव-2	10-7-85
4. टी० शिवराव	10-7-85
5. के० भीमेश्वर राव	11-7-85

हस्ताक्षर ग्र9ठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, लेखा परीक्षा, केरल तिरूवनन्तपुरम-695039, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985.

सं० स्थापना रोकड़/1/10-3/85-86/61--महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरूवनन्तपुरम के लेखा-परीक्षा प्रधिकारी श्री के० के० ग्रलक्साण्डर ग्रीर सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी श्री पी० रंगनाथन, ग्रधिविषता के कारण 31-7-1985 घनराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> बी० लक्षमीनारायणन, महालेखाकार

कार्यातत्र महाते बाकार मध्य प्रदेश (लेखा परीका) प्रथम ग्वालियर, विनांक 6 धगस्त, 1985

सं प्रशासना। समूह-1/पदोन्नति ले ० प० प्र०/153/303-महालेखाकार (ले ० प०) प्रथम में निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न ले ० प० प्र० के पद पर वेतनमान रू० 840-40-1000- द० प्र०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शायें गये कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नति किया है।

ऋमीक नाम स्थाई कमोक कार्यभार ग्रहण झावंटन करने का दिनांक

सर्वश्री

1. जे० पी० मर्मा 01/331 18-7-85 पूर्वाह्मम० ले० (ले० पूज्र श्री रूप किमोर प० II म० प्र० माखा

2. झार० के० भट्ट 01/347 22-7-85 ,, 3. बी० एन० सिंह 01/345 22-7-85 ,,

प्राधि अर मध्लिबाकार (लि॰पे॰) प्रयम के आदेश दिनां ह 5-7-85 17-7-85)

> ह० अपठनोय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, ग्वालियर

कार्यालय, महालेखाकार (ले॰ प॰) बम्बई-400020, महाराष्ट्र विनांक 17 जुलाई, 1985

दिनांक 6 ग्रगस्त, 1985

 (वर्ग समूह ''व --- राजपन्नित) पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० नाम स०ले०प० ग्र० कार्यालय जिसमें पद पर नियुक्ति की नियक्ति हुई है तिथि

1 2 4 4

- 1. श्री एच० एल० मंधनानी 28-6-85 श्रय ०महालेखाकार (ले० प० नागपुर
- 2. श्रीटी० श्रार० विजयन 5--7--85 पूर्वाह्म निदेशक लेखा परीक्षा(एस० सी०

डी०)बम्बई

3. श्री जी० एच० दोनवाड 24-6-85 पूर्वी० निदेश कलेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

बम्बई

4. श्रीसी० जे० थामस 26-6-85 पूर्वी० ,,

श्री सी० पी० महिरराव 24-6-85 ,, ,,

6. श्रीयू० ग्रार० देशपांडे 1-7-

1-7-85 ,, ,,

पी० के० रामचन्द्रन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार /प्रशासन

महालेबाहार कार्यालय-I (लेबा व हहवारी) महाराष्ट्र बम्बई, दिनांक 22 जुलाई, 1985

सं० प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-III/सी-1(1)/825 प्रमुख लेखाकार महाराष्ट्र, बम्बई, प्रधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री एम० प्रार० खरे को दिनोक 18-7-1985 पूर्वाह्म से आगामी भादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० विश्वनाथन, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार (ले॰ व॰ ह॰)राजस्यान जयपुर, दिनांक 9 मगस्त, 1985

सं प्रशा 11/जी राजपत सिंस्चना | 85-86 | 1414:--महालेखाकार (लेखा व हकदारो) राजस्थान जयपुर मे
निम्नलिखित प्रवर अनुभाग सिंधकारी | अनुभाग सिंधकारी को
पदोननन करके जनके आगे दिये गये दिनांक से सम्रता आवेशों
के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थाना उन्न लेखा बिकारियों
के पद पर नियुक्त किया है:---

सर्वश्री	(पूर्वाह्न)
1. पूरूसोतम दास	2-8-85
2. हीरा लाल गुप्ता	2-8-85

ए० के० मैत्रा, व० उपमहालेखाकार प्रशासन महालेखाकार कार्यालय: उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1985

सं प्रशासन 1/1492—श्री राधेश्याम श्रवनाल, स्थाई लेखा श्रधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (प्रथम (लेखा) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, (श्रधिवर्षता की प्राप्ति करने पर दिनांक 30-6-1985 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

यू० जोगलकर, उप महालेखाकार प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय भाईनेन्स फैक्टरियां सेवा आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकला, दिनांक 7 धगस्त, 1985

सं० 28/जी/85—वार्षक्य निवृत्ति मायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री० श्री० डी० मुखर्जी, निदेशक (स्थाई संगुक्त निदेशक डी० जी० ए०) दिनांक 31 वीं जुलाई, 1985 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता, उप महानिदेशक

श्रम मंत्रालय

कारकाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, विनोक 5 मनस्त, 1985

सं • 33/4/84-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र ने श्री ए० जी० सामंत को धातिरिक्त सहायक निदेशक (गोदी सुरक्षा) के पद पर इस महानिदेशालय के धधीनस्थ कार्यालय गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय बम्बई में दिनांक 1-7-1985 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्त रूप से नियुक्त किया है।

> एस • बी० हेगड़े पाटिल, उप महानिदेशक भीर विभागाध्यक्ष

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन धनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 02 समस्त, 1985

सं प्र-6/247(142)/76:—भारतीय निरीक्षण सेवा, मुप "ए के स्थाई ग्रेड-1 के अधिकारी और बम्बई में दक्षिण पिष्यम क्षेत्र में उप महानिदेशक (निरीक्षण) के पद पर स्थानान्यन्त रूप से कार्यं कर रहे श्री एस० एन० बोहरा का 17 जुलाई, 1985 को स्वर्गवास हो गया है।

श्रार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन) इस्पात खान एवं कोयल मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान स्यूरो

ंनागपुर, दिमांक 6 धागस्त, 1985

सं॰ ए॰ 19012/213/85—स्था॰ ए:----विभागीय पदोम्निति सिमिति की सिफारिश पर, श्री बी॰ टी॰ झखलकर, स्थानापन्न धिक्षक को भारतीय खान ब्यूरोमें स्थानायक क्ष्प में सहायक प्रशासन धिकारी के पद पर दिनांक 1 ध्रयस्त 1985 के पूर्वाह्म से धामामी धादेश तक पदोग्नित श्रदान की गई है।

सं० ए- 19011 (382) / 85स्या० ए० खण्ड 1:--राष्ट्रपति संघ लोक सेवा घायोग की सिफारिश पर श्री महैन्द्र कुनार सोमानी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) की भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानायम्म रूप में दिनांक 16 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्म से धायामी घादेश तक सहवं नियक्त करते हैं।

> जी० सी० शर्मी, सहायक प्रशासन प्रशिकारी कृते वहानियंत्रक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनोक 5 अगस्त, 198

सं० 10/4/85-स्मा०-- प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं प्रवशेष नियमावली, 1959 के नियम 4 के प्रधीन प्रवत्न प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं महेश्वरी दयाल खरे, निदेशक (संस्मारक) यह विदेश जारी करता हूं कि पुरातत्वीय क्षेत्र, लाल किला, दिल्ली पर्यक्कों के लिये 14 प्रगस्त, 1985 प्रीर 15 धंगस्त, 1985 प्रपराह्म 12 वजे तक वश्व रहेगा।

महेश्वरी दयाल खरे निवेशक (संस्मारक)

दूरवर्णन महानिवेशालय

नई विल्ली, विनोक 1 क्रगस्त 1985

सं० 8/7/85-एस-2--- प्राकाशवाणी महानिवेशालय के 29 प्रप्रैल, 1985 के भावेश संख्या-1/18/84-एस-2(वौलयूम-2 के भ्रनुसरण में, पूरवर्शन महानिवेशक अघोलिखिस भ्रष्ठान- लिपिक/लेखाकार/वरिष्ठ स्टोर की पर्रोक के सामने भ्रांकित तिथियों से 650--960/- क्यंये के वैतनमान में भ्रस्थाधी

रूप में नियमित प्राधार पर में सहयं नियुक्त करते हैं:	प्रशासनिक मधिकारी के रूप
क० नाम व केन्द्र जहां तैनात सं० किए गए	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
 श्री की एक एस अदयर, दूरवर्मन केन्द्र, जिवेन्द्रम 	16-5-85 (पूर्वाह्म)
2⊾ श्री एस⇔ बी० शिंगे, दूरवर्षेत केन्द्र, सम्बद्द	10-5-85 (पूर्वाह्म)
 श्री की० एन० भाखरी, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली 	22-5-85 (पूर्वीह्न)
4. श्री जी० जे० सैम्युल, दूरदर्भन केन्द्र, मद्रास	10-5-85 (पूर्वास्त)
5. कुमारी उषा तिरके, कूरदर्शन केख, रांची	23-5-85 (पूर्वाह्म)
 भी एम० ए० खाडिलकर, दूरवर्णन केन्द्र, नागपुर 	6-5-8.5 (पूर्वाह्म)
,	कशमीरी लाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 5 भगस्त 1985

सं ० ए/32014/4/83-भार ० सी०--विभागीय पदोनति समिति की संस्तृति पर सक्षम प्राधिकारी ने श्री जी० के० गृह राजु, स्थायी सहायक कैमरामैन भौर तवर्षे प्राधार पर कार्यरत सहायक समाचार विव्व अधिकारी फिल्म प्रभाग, नई दिल्लो को, रू० 650-30-740-35-880-दू० रो०-40-4960/- के वेतनमान में रू० 680/- प्रतिमाह के वेतन पर दिनांक 18-6-1985 के पूर्वाह्न से भगला आदेश होने तक उसी कार्यालय में कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा प्रशासनिक ग्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैवराबाद-500016, दिनां ह 2 घगस्त 1985

सं० पखप्र-16/8/85-भर्ती—ि निवेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न लेखपाल श्री राम नाथ को उसी प्रभाग में श्री भाई० एस० मोखा, सहायक लेखा प्रधिकारी, के छुट्टी पर जाने पर, 17 जून, 1985 से 17 जुलाई, 1985 तक तदर्थ रूप से स्थानापम्न सहायक लेखा प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनोक . 6 ग्रगस्त 1985

सं० प ख प्र-2/2723/77-प्रणासन—श्री राजन साह, वैज्ञा-निक मिश्रकारी/एस बी, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जी विभाग द्वारा दिया गया त्यागपत्र निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा 31-7-1985 (म्रपराह्न) से स्वीकार कर लिया गया है।

> एस० परमनाभम वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008 दिनांत 8 प्रास्त 1985

सं० 05012/भ2/फर०85/2941—भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयन्त (बड़ोदा)
के श्री मनिल मित्रा, वैज्ञानिक सहायक 'सी' को इसी संयन्न
में 2-2-1985 पूर्वाल्ल से आगे भाषेण होने तक के लिए
स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एसबी)
नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/म3/2946—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (कोटा) के श्री सी० एस० श्रीवास्तव, वैज्ञानिक सहायक 'डी' को इसी परियोजना में 1-2-1985 पूर्वाह्न से भागे भादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एसवी) नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के॰ पी॰ कस्याणीकुट्टी प्रशासन प्रधिकारी

इ :रो उपग्रह केन्द्र भन्ऽरिक्ष विभाग भारत सरहार बेंगलूर-560017, दिनोक 26 जुलाई 1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्रंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री के० ग्रार० हेमंत कुमार, वैज्ञानिक/ग्राभियंता "एस० श्री" से प्राप्त त्यागपन्न को विनाक 23 जुलाई, 1985 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन प्रधिकारी-II

विक्रम साराभाई भंतरिक केन्द्र तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 30 जुलाई 1985

सं वी एस एस सी ि स्था ि एफ ि । (17) — निवेशक, वी ि एस ि एस सी ि प्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में श्री के सी ि कुरूप को वैक्षानिक । इंजीनियर "एस बी" के पद पर रू 650-30-740-35-810-द रो 0-35-880-40-1000-द रो 0-40-

120	00	के ग्रे	ड	में अपव	नूबर	1,	, 1983	के	पूर्वाह्म	से स	या	नापस्न
क्प	में	श्राध	ामी	म्रावे	श त	क	एतव्दा	रा	पद्योग्नत	कर	ते	हैं।
							ত	Î۰	मुरली	ध रन	Г	नायर
							प्रशासः	Ŧ	श्रश्चिकार	ी-II	(₹1	या०)
						Ð	ते निदेश	4 5-	-वी० एर	प्र ० ए	स०	सी०.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग) नई विल्ली-3, विनोक 8 अगस्त 1985

सं० स्या०(1)05397—-श्री क० ब० पुनिन्ना, मौसम विज्ञानी, भारत मौसम विज्ञान विभाग, स्वेच्छा से भारत सरकार की सेवा से 11-3-1985 की भपराह्म को निवृत हो गए हैं।

> कु० मृखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

1 2	3
सर्वस्रो।	
3 . पीं व ीस	1-3 1985
4 एस०एस० सन्धु	1-3-1985
5. बं । ०एम० गुलाटी	1-4-1985
6. एस०पो० वासवडा	1-4-1985
7. कीर सिंह	1-6-1985
8. जे०एस० <i>वेधी</i>	1-6-1985
9. जे॰ : घोष	1-7-1985
10. जनवंत्रा चन्य	1-7-1985
11. जं7०एन० नेस्रशःस	1-7-1985
12 सा॰एल॰ सेन चीबरी (धनु॰ जाहि)	1-7-1985
13 आए०के० विपारी (भनु० पादि)	1-7-1985

वि जयवन्द्रन उपनिदेशक प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्लो, दिनोक 31 जुलाई 1985

सं० ए-38013/1/85-ई० सी०—नागर विमानन विभाग, वैज्ञानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के कार्यालय के श्री वी० सी० घोष, सहायक संचार मधिकारी ने निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवत होने पर दिनांक 30-6-85 (अपराह्म) से भ्रपने पद का कार्यभार छोड़ विया है।

सं० ए-32014/5/84-ई० सीं०— मह निदेशक नागर दिस रन निस्तिलिखत संचार सहायकों को (इस समय तदर्ग प्रधार पर सहायक संचार प्रधिकारी के पद पर कार्याता) प्रत्ये के नाम के सामने दी गई तारीख से भीर पन प्रदेश होने तक र० 650-1200 के जेतनमान में सह्य संचार प्रधिकारी के प्रधार पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नःम	नियमित ग्राधार पर नियुक्ति की तारीखा
1	2	3
•	रस० धिवट म ् ष्णन् एस० सिघल	1 -2-1985 1-2-1985

नई दिल्ली, दिनोह 11 जुल ई 1985

सं०ए० 32013/6/84-ई०ए०---र ष्ट्राति, नियत्तिखित, विमानक्षेत्र प्रधिणारियों कर सदर्थ नियुक्ति की दिलोक 1-1-85 से 13-2-85 साह का प्रार्थि के लिए जारी रखने का स्वोशिय प्रदान वस्ते हैं:

		,
क∘सं०	न म सर्व/धा	
1.	केश्सः० बिस्य स	
2.	एतः एलः बिटास	
3.	वा०वा० हिने .र	
4.	संख्यां० यदनिङ	
5. 1	एस०ए० 💤गन	
6. 1	ए०सं∶० दास	
7. 3	वा ई ०पं:० साहनं:	
8. 3	जं≀०वं≀० सिंह	
9. 1	एम०एस० रायत	
10. 3	जे०पं≀० सपूर	
11. (एन०सी० एडवीरे	
12.	<i>ो।</i> ० डब्स्यू० धनरःज	
1 3 . Ū	र्०सीं० जस्सल	
14.	जे०सं <i>।</i> ० दरसानिया	
15.	हैं।०के१० जैन 📊	
16.	एस०डी० काम्बले	

1			•

- 2
- एम०बी० खुराडे
 अतर० सम्बत
- 19. गुरभुख सिंह II

मुकुल भट्टाचाजी उपनिदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनार: 27 जून 1985

मं० ए-38013/1/85-ईं०ए०—िनदेशक विमानक्षेत्र, दिल्ली के कार्यालय के श्री त्राई०पं \cdot ० साहनी, विमानक्षेत्र श्रीधकारी निवर्तन श्रायु प्रास्त एर लेने पर दिनां के 30-4-85 से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

एम० भट्टाचाजी महायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

निर्गक्षण महः।निदेशालय मोमा शुल्क व केंद्रोय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

मं० 17/85—(सी०मं० 1041/66/85) श्री मोता लाल बाला ने, जोप हले केंद्रीय उत्पादन शहक, कल इसा
II में विरष्ठ श्रदीक्ष ह के रूप में तनात थे, मंत्रालय के पत्र
सं० ए-22012/42/85-प्रभा० II द्वारा जारी दिनांक
9-7-85 के श्रादेश सं० 98/85 के श्रनुमार निरीक्षण
महानिदेशालय, सीमा शुरुक व केंद्रीय उत्पादन शुरुक में स्थानांतरित हो जाने पर 18 जुलाई, 1985 के प्रवित्त में इस महानिदेशालय के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिड में सहायक निदेशक, निरीक्षण (सी० शू० व के० उ०श्०) के पद का जार्यभार सभाल लिया।

ए० मी० सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली, दिनां र 6 ग्रगस्त 1985

मं० 492/85-फ़ा॰मं० 22/1/85-प्रशासन--I(बी)--- श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, एतद्द्वारा निम्नलिखित नक्ष्मोकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय के प्रीड में स्थानापन्न क्षमता में 2—216GI/85

प्रत्येक के नाम के भ्रागे दी गई तारीख से । नयुक्त करते हैं:---

क्रम सं० नाम व पदनाम	प्रतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में ।नयुक्ति की तारीख
मर्बर्भ <i>।</i>	
1. एस०के० वार्शनी	30-7-1985
2 . बलबीर सिह्- ${f II}$, 3 0-7-1985
3. वां०के० शर्मा	31-7-1985
	ग्रार० शेषाद्र
	भ्रव र सचिव
	कृते ग्रयध्क्ष

उद्योग ध्रौर कम्पनी कार्य मंज्ञालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनीः श्रिधिनियम 1956—श्री रामकृष्णागर एण्ड खंडमारी शुगर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

सं 1284/टी ०ए० III/ 560—कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मुचना दी जाती है ि इस नारीख से तीन माह के श्रवसान पर श्रीरामकरणा गर एन्ड खंडसारी णुगर्म प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिशा गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कुमानो विष्टित कर दी जाएगी।

्रम्थनोः ग्रिधिनियम 1956 सांवया मी फु<mark>ङ्</mark>स प्राईवेट लिमटिंड के विषय में

हैदराब/द, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

सं० 2582(टो॰ए॰ III) 560—कम्पर्नः प्रधिनयम की धारा 560 कः उपधारा (3) के प्रनुपरण में एतद्हारा यह सूचना दो जानो है ि इस न रोख से तान माह के प्रवसान पर सांवया मो फुड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी मधिनियम 1956 नवकला सीर्रास प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद दिनांक 9 अगस्त 1985

सं० 2604/टी॰ए॰III /560—कस्पनी श्रिधिनियम की श्रारा 560 की उपधार। (3) के अनुस्त्य में एतद्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर नवकला सारीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से साट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> सत्य प्रकाश तायल कम्यनियों का रजिस्ट्रार श्रांन्त्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी प्रधिनियम 1956 के मामले में श्रीर

ट्राक्तकुर भ्रोगले गिलास मानुफैक्चरिंग कम्पनो लिमिटेड के मामले में।

तिरुवनन्तपुरम, चिनांक 5 ग्रगस्त 1985

सं० 1185/लिक्व/5779/85 — सिविल सं० सिपी3/84 में एरणाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 10-6-85 के अविश द्वारा ट्राक्तकुर ओगले गिलाम मानुक क्विरिंग कम्पनी लिमिटेड का परिसमापन अस्ते का आदेश दिया गया है।

> वि०ए० विजयन मेनन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कार्यालय मुख्य श्रायुक्त (प्रणासन) उ०प्र० एवं श्रायकर श्रायुक्त, श्रायकर विभाग

लखनऊ दिनांक 5 ग्रगस्त 1985

सं क्यापना/मधिसूचना/सी०सं० 22(ए)/65-4/722-म्र्या एस० सी० भट्टाचार्य, स्रायकर मधिकार्यः (वर्ग-"क") जो मायकर भिधकार्यः "ए" वार्ड, फैजाबाद के पद पर तैनात में दिनांक 31-7-85 के स्रपराह्म में निवर्तन कः स्रायु पर रिटायर हो गये हैं।

श्री परमानन्द कंसल, श्रीयकर श्रधिकारी (वर्ग "छ") जो श्रीयकर श्रीधकारी (बसूली) लखनऊ एवं जन-सम्पर्क श्रीधकारी के पद पर कार्यरत थे दिनांक 31-7-85 के श्रपराह्म में निवर्तन की श्रीय पर रिटायर हो गये हैं। श्री कृष्ण कुमार महाजन, श्रीयहर निरीक्षण, लखनक प्रभार को आवहर श्रीधानरी (वर्ग "ख") के पद पर श्रीफिसियेट करने के लिये हुए 650-30-740-30-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पदोन्नत । प्रया जाता है। पदोन्नति पर उन्हें दिनांक 16-7-85 के पूर्वाह्म में श्रीयक्रर श्रीधकारी का 'ए" वार्ड लखनक वृत्त, लखनक के रूप में प्रार्थभार सम्भाला ।

श्री भवध बिहारी राम (भनु० जानि) श्रायकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार की आयगर प्रधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर प्राफिसियेट करने के लिये रू० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०रो० 40-1200 के बेननमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नित पर उन्होंने दिनांक 24-7-85 के पूर्वाह्न में श्रायकर श्रिधारों, इन्टेलिजेन्स, गोरखपुर के रूप में कार्यभार सम्भाना

धरनी धर मुख्य धायुक्त (प्रशासन) उ०प्र० एवं ग्रायहर घ्रायुक्त, लखनऊ

कोचोन भ्रायक्त भ्रायुक्त का कार्यालव कोचोन, दिनांक 26 जुलाई 1985 भ्रादेश

विषय : स्थापना—प्राय हर श्रधिकारी गुप "ख" के रूप में पदोन्नति

सो०सं० 2/प्रणा०/कोण/85-86—निम्नलिखित भ्रायक्तर निरोक्षकों को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में श्रायक्तर अधिकारी, ग्रुप 'ख' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके द्वारा कार्यभार संभाल लेने की तारीख (तारोखों) से तथा श्रगले श्रादेण पर्यन्त, पदोन्नत किया जाता है:

- श्री पो०टो० नेम्नन
- 2. श्री एन०भ्रार०सी० मेनीन (फिलहाल मद्रास सक्षम प्राधिकारः के रायनिय में प्रतिनियुक्ति पर)
 - वे दो वर्ष को प्रवधि तक परिवाक्षाधीन होंगें।
- 2. उपर्युक्त पदोन्नति ग्रनन्तिम तथा शिसी सूचता के बिना समाप्त करने लाया है। यह पदोन्नति पदोन्नत ग्रधि-कारियों को पदोन्नत ग्रेड में अपनी वरायता श्रथवा उस पद में जारी रखने का कोई ग्रधिकार प्रदान नहीं असी है।

एम० जे० मालन को**च**}न भ्रःयकर <mark>श्रायुक्</mark>त

प्रकार कार्ड . ही . एन . एस . ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल---अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एक मकान नं 0 109/2 है तथा जो गांधी चौराहा बालागंज (नई आबादी) मंदसौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय मंदसौर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रिश्नित के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उज़ित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे व्यमान प्रतिफल के पंक्ष प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; करि/या
- (अ) एसी किसी श्राय या किसी धन या बस्य बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित ध्यक्तियों, अधीन, --- (1) श्री आसाराम मनवानी आत्मज गोपालदास मनवानी, निवासी बालागंज, मंदसौर ।

(अस्तरक)

(2) श्री वासुदेव आत्मज आसुमल सिश्री, मकान नं ० 190/2 गॉश्री चौराह्या, बालागंज नई आबाबी, मंदसौर (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सवंधी स्पानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त स्पान्तयों में से किसी स्पानित ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पत्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्तुची

मकान नं० 109/2- स्थित गाँधी जौराहा, बालागंज (नई आबादी) मंदसौर यह वह स्थावर सम्पति है जिमका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सङ्घायक आयकर आयुक्त अर्जन रेन्ज, भोषाभ बायकर भवन मेदा मिल के पास,भोपाल

तारी**वा**: 29-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 ं अर्ई-2/37ईई/14690,84-85---अतः

निर्वेश सं० अई- 2/37ईई/14690/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० प्लाट नं ० 505, पांचवी मजिल, रेसिडेन्सी-ए ० 4 बंगलोस, बसीवा श्रंधेरी (प) वस्बई=58 में स्थित हैं (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1984

को पूर्वे किस सम्पत्ति के उचित बोजार मृत्य से कम के इस्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृझं यह त्रिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का ग्लूह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी बाब की बावत खबत बिध-विषय की अभीचु कह दोने की बन्तह्रक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीद/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरणः में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) मेसर्स लोखंडवाल पिमैसेसे (प०) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मास्टर मंदन राजेन्त्र बाबला ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

र्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, वो उपत विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 505, जो पाँचवी मंजिल, रेसिडेन्सी-ए, फ्लाट नं० 38 एस० नं० 41_i (पार्ट) 4 बंगलोस, बसाँधा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्ष० सं० अई-2/37ईई/14690/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप नाइ.टी.इन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक जामकर वायुक्त (निरोक्का)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निर्देश मं ० अई- 2/ 37 ईई/ 14666/ 84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1.00,000/- रंड. से मधिक है

प्रौर जिसकी स० फ्लेट नं 702, मातर्वा मंजिल, एकार्ड-ए, 4 बंगलोस, वर्मीवा, प्रंथेरी (प), वम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसकी करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम की स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल निम्निचित्त उद्देश्य से शक्त क्ष्म्लरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जल्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उज्ल बंधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिवाँ काँ, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, जिन्नों में सूरीवधा के निए;

बत: अभ, उकत अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरक में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसमं प्रापरटीज एण्ड इस्टेट मनेजमेंट (प) लिमटेड ।

(अन्तरक)

(Հ) प्रम मंथिल

(अन्तर्रिती)

का यह त्याना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू कंरता हुं।

अवस अस्पत्ति के वर्षन के संबंध में काही भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाम को तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती कन्य विकत द्वारा अधोहरूरोाक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वाकारण:--इसमं प्रयुक्त शक्या और पर्वो का, आं उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया इ.

सम्स्नी

कलैट नं २०२ जो सनियों मीजल एकाई-ए, प्लाट नं १७. एसर नर् ३। (पार्ट), ४ बंगलोस, बसीबा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जंसा कि करु सं अई-2/1 37 ईई, 14666 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> वद्याण श्रास पक्षम पाधिकारी सङ्घयक आयकर आ**युक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

नारी

माहर :

प्रकृत कार्ड. ही. एवं. एकं. लंग व व्यवस्थ

सामकर सिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीत स्फार

WHITE SPACE

कार्याजन, यहायक जायकर बायुक्त (हैनरीक्रम)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5, जुलाई 1985

निर्देण सं० अई-2/37 ईई/14594/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह त्रिश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 120912 वीं मंजिल, माग्नम टावर्स 4, बंगलोस वसींवा प्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क, ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 16-11 1984

को प्वोंक्त संपर्तित के उचित बाबार भूस्य से कम के इस्प्रमान प्रतिकल के लिए जन्तीरल की गई है और मुफ्ते यह निक्यास अरने का कारण हो कि एशिएगोंक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एमे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह मितात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा पना मितासन, निम्निसित उद्विका से उक्त अन्तरण जिल्लिक के बारतिक कप से किला नहीं किया पना है क्ष्य

- (क) अन्तरण संहुद्दे किसी बाब की शबत, उपल विधिनियम के जधीन कर दोने की बन्तारक को दायित्व में कामी करने मा उत्तसे अपने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एमी किसी जाम था किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा अकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए।

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भार 269-भू के अनुसरण वें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) कें अभीन, जिम्मीनिकिस व्यक्तियों, अव्यक्ति :--- (1) मेसर्स लोखंडबाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प) लि० ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी उष्मा एस० मुल्टानी, श्रीमती सुनीला एस० मुल्टानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कस्कै पृथेबित संपत्ति कं वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तं सम्पित्त के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हु—

- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी ववधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर क्वोंक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए वा सकोंगे.

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो जन्त अधिनयम, के अभाष 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस कथाय में दिया गमा ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1209 जो 12वी मंजिल माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357 एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस वसीवा ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37 ईई/14594/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 5-7-1985

माहर:

प्रकार कार्य . टी . एव . एव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 769 र (1) के अधीर स्थार

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/14610/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7, श्राठवीं भंजिल, बो-स्कंध विलेन ग्रोशिवारा, टवीन, टावर्स, 4 बंगलीस, श्राफ़ जे० पो० रोड वर्मौवा, ग्रंधेरा, (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधोन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारिख 16-11-1984

ो पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण तं हुँच किथी बाय की वाबत, जबत अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्बर्गक के दारिक्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविश्वत व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स इंदरजीत प्रोपरटीज (प) लिमिटेड । (भ्रन्तरक्र)
- (2) श्रामती सयीवा ए० मलार मोटलीवर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीश से 45 विन की जविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवीध, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरों के पाम विवित में किए वा सकोंगे।

स्वस्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अम्स्ची

फ्लेट नं० 7, जो ग्राठवीं मंजिल, टवंग्न टावर्स, प्लाट नं० 8 ए, 8 वं।, एस० नं० 41 (पार्ट) विलेज श्रीणिवारा, 4 बंगलोस, ग्राफ़ जे० पी० रोड, वसीवा, श्रधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37 ईई/14616 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिवारंः, बार्व्ड कु.ए दिनां 16-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा पत्रम त्राधिका सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निर्दाक्ष स्रजन रोज-2, बर

तारीख: 5-7-1985

असम बार्ड, ठी. एन. एस. ------

नायकार अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की पाम 264-भ (1) के अधीन सुचमा

भारत प्रश्नार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तः नामृक्तः (निर्देशकः) सर्वतः रोज-२. वस्वडे

बम्बई, विनास 3 जुलाई 1985

निर्देण गं० श्रर्क-2/37-ईई/15031/84-85----मृतः स्क्री लक्ष्मण दास,

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात (जिस्ते मधिनियम) कहा नवा ही, की भारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 609, नेप्ट्यून अपार्टमेंट्स हीरानंदानी इस्टेट, आफ जे० पी० रोड, अपना घर के पाछे ओणिवारा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद अन्सूची में चौर पूर्ण रूप में वर्णित है), चौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 30-11-1984 ।

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित नाजार मून्य ते कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफों यह विद्यसम करने का कारण है कि यथाएवोंक्त मम्मित का उपित वाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) से नीय एसे बन्तरण से लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुवं फिकी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के बन्दरक के खरिएथ में कमी करने वा उखबे बचने में बुनिधा के लिए; अरि/या
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भ्या आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी मुनिभा के सिए;

कतः सकः, उक्त सिर्धनियमं की धारा 269-य के अनुसरण , भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) नभीनः, निम्नसिक्तिः व्यक्तियों, अर्थात् ४००० (1) मेजर्स होपानयाना जिल्डसं ।

(भ्रम्बर्ड)

- (2) भी मीन गावल मंडन और भी नवल मीनू मंडन (अन्तरिका)
- (3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

की यह मुचना चाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्ड सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेंद्र----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीच हं 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकोंगे

स्पार्कारण र इसमें प्रमुक्त शब्दों बहि पर्यों का, को उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 609, जो नेष्ट्यून श्रपार्टमेंटस, हीपानंदानी, इस्टेट, श्राफ जे० पी० रोड, श्रपना घर के पीछे, श्रीणियास, श्रंपेरी (प). बस्बई मी स्थित है।

श्रनुसुर्चः जैसा कि क० सं० श्रई-2.37-ईई/15031/ 1984-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई इारा दिनांक 30-11-1984 की रजःस्टर्ड जिया गया है।

> लक्ष्मग राम नत्रम प्रतिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

मारीख: 3-7-1985

माहर :

त्रसन् बार्च . दी. एन्. एच . क्यान्यान

क्षायकार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकात्र

कार्यास्य महायक अध्यक्ष र वायुक्त (विरीक्षक) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई. दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देण सं० अर्ध-2/37-ईई/14657/84-85---- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनिवण, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें असके एक्सके के क्सीन राज्य प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावण राज्यित, जिसका जिल्हा बाजार मृत्य 1,00000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 705, ए-स्कंध, स्थानवीं मंजिल, "ग्रीज", 4 बंगलोश, ग्रोशिवाण, धर्मोवा, ग्रंधेर्ग (ए), बम्बई-400058, में स्थित हैं (ग्राँग इससे उपाबद्ध प्रनृस्च में ग्राँग पूर्ण एप से बणित हैं), ग्राँग जिसरा वरारनामा ग्रायकर ग्राधितियम की धारा 269 व ख के ग्राधीत सक्षम ग्राधितिर के जार्यालय, यम्बई में एजंस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्णेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्के यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अवामान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किसिल में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (का) रामी किसी कार प्रताकती धन का अन्य वास्तिकों कि साम किसी का 1922 (१५, का ११) का उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवेचनार्थ अन्तिरिती इनारा प्रकट नहीं किया के भाषा किए। पाना काहिए था, कियाने में विश्वा के निक्त:

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ने उपधीर जिस्सीलिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3---21661/85

(1) मसर्स रिवराज बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री अनूप शंतर सबनानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां कारता हों।

सकत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोर्ड मी बालेप:--

- (क) इच ब्रुपमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 हिम वर्षे क्वरिय का करवान्त्रणों क्वरित्यों पर
 धूचता की ताजीक से 30 दिन की जनिया, वो भी
 जन्मीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 क्वित्यों में से सिन्दी स्थापन ह्वारा;
- (ब) इस सृभना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को नीसर सक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य ध्यक्ति स्वारा नथीहस्ताक्षरी की शब्द सिवित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्रची

फ्लैंट नं० 705, जो ए० व्हंत्र, पात्त्रीं मंजिल, "ब्रंश्ज", व्लाट नं० 25, एप० नं० 41 पार्ट 4 बंगलोप, फ्रोशियारा, यसौंया, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैसा कि कि सं ग्रई-2/37-ईई/14657/ 84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारो बस्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि हारी सहाय रु श्राय हर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 3-7-1985

मोहर .

प्रकृष नाहाँ, टी. एन. एस. -----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नभीत क्वना

नार्छ सरकार

कार्यांचय, सहायक नायकर नाय्नत (निरोधन)

श्चर्णन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14827/84-85---श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपिन्न बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 406, ए जीय में जिल, "ब्रीज", 4 बंगलीय, ग्रोशिवारा, वर्सीवा, ग्रंधेर्र. (प), बम्बई 400058, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज मनुसूर्य) में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, का धारा 269 के ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुणीस्ट्रीं है, तारीख 22-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे क्षवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से विभक्त है और वह कि अंतरक (बंबरका) बीर बंबिरती दिती (जन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के सिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से स्वतर अन्तरण की सिए तो प्राप्त में वास्तिक रूप से कीच्या नहीं किया गया है मन्तरे

- (क) अन्तरक से हुई कियी नाम की बाबत, अक्स अधिनियन के नधीन कर देने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बडि/बा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य जास्तियों कि जिन्हों भारतीय आय-कर जीधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए:

भतः अव, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) है सभीन, निम्निसिकिक स्विक्तयों, अर्थात् ----

- (1) भैसर्स रविराज बिल्डर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामतो कान्ता श्रीकान्त दलवी। (ग्रन्तरिती)

का बहु बुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

तकत सम्परित से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओं। :---

- (क) इस तुषना के श्रवपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूषना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जेकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विसा गवा हैं।

वस्यूच

प्लौट नं 406 ए, जो चौथी मंजिल, "बीज", प्लाट नं 25, एस० नं 41, (पार्ट), 4 बंगलोत; श्रोशिवारा, वसौंवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

भनुभूवी वासा कि कि सं भई-2/37-ईई/14827/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधि। कारी बम्बई बारा दिनाक 22-11-1984 की रजिस्टई िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर श्रायुक्त (गिरोक्षण) श्रर्जन रेज-2 सम्बर्फ

नारीख: 3-7-1985

मोहर 🛚

प्रकृप बाह्", टी. एन्. यह , ----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

SIST WE WILL

कार्याक्य, सहायक मायकर मामक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2. बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37 ईई/14828/84-85---- **ग्र**त मुझे, लक्ष्मण दास,

त्रायकर कांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-प के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 4.05 ए, चौथो मजिल, "क्रीज" 4 बगलौम स्रोजितारा, वर्सीवा, प्रधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ ग्रनुमूचं। में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जरतः उरत्यामा, ग्रायकर ग्रधिन नियम की धारा 269 के खा के प्रयान सक्षम प्राधिकारी के बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अतरकों और अतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नतिश्वित उद्दश्यसं उद्धल अन्तरण सिधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अाथ की बावत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कनी करने वा उचने वचने में द्विशा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह⁵ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता चाहिए था, क्रियाने में प्रविधा के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भर्पत निम्नलिकित व्यक्तियों, अभात् .---

(1) मेमर्स रविराज बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा श्री मान्त एकनाथ दलवी।

(अन्तः स्तीः)

की यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के अिय कार्यवाहिया करता हु ।

उन्त सम्मति के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप -

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, तो भी बंबीय बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाञ्च धा भागों मा म जिसी व्यक्ति दवारा:
- (व) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरण '---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों की वो उक्क मिभिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याब में विया गया है।

फ्लैंट न० 405 ए, जो जीयो मजिल, 'क्रीज', प्याट त० 25, एस० न० 41 (पार्ट), 4 बगलोस भ्रोगिकारा, वसौंवा, प्रधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ०स० श्रई-2/37 ई**ई**/ 14828 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-11-1984 को रजोस्टर्ड क्या गया है।

> लाना स मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त, (। नरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 बम्बई

नारीख २-7-1985

नोहर 🖺

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुनना

भारत बृहकाङ

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज -2 बम्बई

बम्बई, दिनांव: 3 जुलाई 1985 निर्देश सं० अर्थ-2/37 ईई/14654/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर तम्बीत, जिसका उचित बाजार मून्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 605 बो, छठी मंजिल, "श्रीज", 4 बंगलीम, श्रीश्मवारा, वर्मावा, श्रंधेरी (प), वस्बई-400058, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुभूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रीर जिसका तरारस्य श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिशारी के कार्यालय बस्बई में न्जीस्ट्री हैं, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिष्टिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त, निम्नितिचित उद्वेश्य से उचित मन्तरण लिचित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण ते हुई किशी भाव की वावस, अवस अधिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (व) श्रेसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आसिएयों की, जिन्हों भारतीय आयळार ऑधिनियम, 1922 (1922 का 17) या एकत अधिरियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीत, निस्तिवित व्यक्तियों, अभित् ६ . च्याच्याच्याच्याच्याच्या चन्त्र । चन्त्र (1) गैंसर्स रविराज बिरुदर्स ।

(प्रत्तरक)

(2) श्री महेन्द्र एस० छोपडा ।

(अन्यारती)

की वह सूचना जारी कारके पूजीकतः सन्पादत क लखन क लिए कार्यकाहियां कारता हुः।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से 45 चिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध फिसी जन्य क्यांक्ल द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किय जा सकींग ।

स्पब्स्पिकरण ----इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव समा हैं:

अनुसूची

फ्लैंट नं० 605, बी० जो छठी मंजिल, "ब्रीज", प्लाट नं० 25, एम० नं० 41 (पार्ट), 4 वंगलीस, श्रोकिन् वारा, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है। श्रनुसूर्वा जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/14654/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रास्ट हिनांक 17-11-1984 को रजास्टर्ड स्थितागा। है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) स्नर्गन रोज-2 बस्बर्ड

नार्/ख: 3-7-1985

माहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुजना

भारत बस्कार

कार्याचय, सहाय ह भावकर भावन्त (विरोधक)

जर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड ,दिना ए 3 जुलाई 1985

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर मंपरित, जिसका उपित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिपका सं ० प्य ट नं ० 502, ए- साध,पांचवा मजिल, "हेन्सील ४ बगलीन, श्रीधिवारा, वर्मावा रोड, ग्रंधेर. (प), बस्बई ४०००58 के स्थित हैं (ग्राँर इसन उपावत श्रमुस्ती श्रौर मेंपूर्ण रूप ने विणितं हैं), ग्रीर जिला, करारतामा श्रायकर श्राधानयम को धारा 269 है ख के ग्रंथान मक्षम प्राधिकारी के प्रालय, बस्बई से रज़ंस्ट्री हैं, तारीख 22-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्त यह विकास फरन के कारण है कि अव्याववां कर संरक्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्यमगान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बोक एस उन्तरण के लिए तब माना गवा प्रसिक्त निम्नतिविद्य उद्दर्शिय से अवस बन्तरण विविद्य में साम्बन्धिक का मानित नहीं विकास स्वार्थ हैं

- (क) बन्दरण वे हुई कि ती बाय की बाबत उपत अधि-शिक्ष के बचीन कर वे वे बन्दरक के बाबित्य में कर्मा कर्म या जनमें वचन में सुनिया के जिय; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तिनों की, जिन्हों भारतीय आय-कर नाधिनियम, 1922 (१९८७) वर्ष की पित्रमा, के अपने की पित्रमा, के अपने की पित्रमा, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को, अन्सरण मैं, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अवित् :---

(1) मेसर्स रिवराज डेव्लपर्स ।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ अनील तिलकराज अरोरा, डॉ॰ श्रीमती ज्योतिका अनील अरोरा

(प्रन्तरिती)

का यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कर्यनाहियां शुरू करता हूं।

उनत राम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीस से 30 दिन की अविभि, जो भी जनिय बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिसमों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजणक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में दिल-बद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा सभीहस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए का क्यों गै।

क्षच्याकिरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च क्षिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस कध्याय मी दिया गया ही।

THE REAL PROPERTY.

पर्संट नं० 502, ए० स्कंध, जो पांचवी मंजिल, ''डेन्सीस'' प्लाट नं० 31, एस० न० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस,ओसिवारा वर्सोवा रोड, श्रंधेरी (प), बस्बर्ड-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/14826/84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-2, बम्बई

नारीख: 3-7-1985

६ अप अपर^द. ट^ड प्रपृ. एस ------

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/14449/84-85----- मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' ब्रह्म गया हैं), की धारा स्वरूप के अधीन मक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित; जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ७०१, मातवि मं। जल, बिल्डिंग रिचमंड 4 बंगलोस, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौ इसमें उपबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) इसौर जिसका कर रनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के निवत बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखिक में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण चे हुई किथीं बाव की बावब , जनक जीवनियद के जभीन कर देने के जेतरक के दायिक में कभी करने वा उत्तरी वचने में सुनिया के शिष्ट्र मार/या
- (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या सन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरणं ,मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भेसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड। (प्रस्तरक)
- (2) श्री भ्रदुल विजेय गर्ग भ्रौर भ्रन्य (भ्रन्तरिता)

की कृष्ट कृषना कारी कारके पूर्वोत्तत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीज से 30 विन की जनिथ, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाराई
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में कि इ स स्थीन।

न्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रमुक्त सम्बाँ और वया का, यो उथव अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हैं,, वहीं सर्व होगा यो उस अध्याम में विका नवा है⊥

अनुसूची

फ्लट नं० 701, जो यातनी मंजिल, बिल्डिंग रिचमंडे प्रवाद नं० 13, एव० गं० 41 (गार्टेस 4 बंगलोन, वसींबा, ब्रांघेरी (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

श्रनुमूर्वी जैसः कि कि से श्रई-2/37 ईई/14449/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांक 9-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहयक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2 बम्बई

तारी**ख 3-7-**1985 मो**हर**: प्रस्प भार'. टो. एप. एस. ------

बावकड म्हिमीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (विरोक्तिक)

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपिल प्रसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 1001, दसवी मंजिल, "एकरेस्ट" बिल्डिंग, जेय प्रकाणनारायण रोड, त्रमौता, श्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम की धारा 269 क ख के श्राधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को प्योंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विकास कारने का कारण हैं कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्यममान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्दान प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्या निम्निविचित उद्योग से उच्छ बन्दरण निचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी नाम की नावत अक्त विधिन नियम के नभीन कर की में जै अन्तरक के दामिल्य में करी करने या उसके वचने में सुविधा के निए: बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए वा छिणाने में स्विधा के लिए;

वन अप. उक्त विभिन्नियम, की पारा 269-न वै वन्तरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, वर्षात् ड—

- (1) मेनर्म नहार संत और जोगानं श्रसोशियेट्स (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जोमेफ, पैट्रिक केडी (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में काई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, बो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीकों से 45 दिन को भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए था सकोंने।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

अनुसूची

पर्लीट नं० 1001, जो दसवी मंजिल, "एवरेस्ट" बिल्डिंग, जैय प्रकाश नारायण रोड वसौंवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14404 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-2, बस्बई

तारीख: 3-7-1985

मक्ष बाहै. दी. १२ . एस. -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन नुषया

नारत बरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बर्ड, दिवांक 3 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14389/84-85---अत: मुझे लक्ष्मण दास,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भाष 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, दूनरी मंजिल, बिल्डिंग होम कोर्ट, 4 बंगलोस, बर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधान सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रर्ज स्ट्रिंहै, तारी ६ 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफाल के लिए भरागित की गर्छ ही गाँउ मुख्ये यह विकास करने का कारण हाँ कि यथापूर्तिक स्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंसरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय किया गना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्त अंतरण किरीवत को अस्तियक स्थ से कविता महीं किया पना है है—

- (क) अस्तरण भ हुन्ने किसी बाब की बाबल, उन्ने अधिनियम के जभीन कर वाने के जन्तरक के श्वित्थ भा कमो करने या उससे बचने मां सुविधा के लिए; बॉर/ज
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 192? (1928 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निया।

बत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक को, की, अवत जिभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को जिथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हो—

- (1) भेपर्स लोखडयाला प्रिभैंसम (प) लिमिटेड (ग्रन्तरः)
- (2) श्रीः ए० पे० तवाडिया भ्रीर जेड०ए० तवाडिया। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर ते 45 विन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस कुषना के उपन्यम में प्रकारन की सारीय से 45 िन के भीतर उत्तर स्थायर संपन्ति में हितबद्ध किसी उत्तर व्यक्ति इसारा अधीवन्ताक्षरी के पास निहित्त में किसा आ सक्तेन।

स्पष्टीकरण :— इममें प्रयुक्त शक्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में निया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 204, जो बूसर: गजिल, बिल्डिंग होम कोर्ट", प्लाट नं० 36, एस० नं० 41 (गर्ट) 5 बंगलोस, वसीवा, श्रंधेरी: (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैसा हि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14389 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिहार) बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 रजोस्टई हिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाह आया र आयुक्त (विराजण) प्रजीत रोक-2, बम्बाई

नारीख * 3-7-1985 । मो**हर** : प्ररूप भाई.टी.एर.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

मारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बसबई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-2/37 ईई/15055/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, जनोन मंजिल, "एवरस्ट" बिल्डिंग, जेय प्रकाश नारायण रोड, वसींना, श्रंधेरी (प), बम्बई, 400061 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायक्तर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रें हैं, गारीख 30-11-1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित दाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिकास के प्रत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बॉर/का
- (ब) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 के (1) भा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग को अनुसरण मो, मो, उन्ता अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (।) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---4--216GI/85

- (1) भेसर्स नहार सेत श्रार जोगानी श्रसीशियेट्स । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मिरटिल मानुमल मालमीडा सौर श्री राल्फ मानुमल मालमीडा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के कर्जन के सिख् कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त तम्परित के अर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं

 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिम की बविध, को और
 जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति इसाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्थव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त कव्यां और पवांका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगर वां उस क्थ्याय में दिवा गया है।

नमस्त्री

शाप नं० 3 जो अनोत मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग, जैय प्रकाश नारायण रोड बसोंबा श्रंधेरी (प) बम्बई-400061, में स्थित है।

श्चनुसूत्री जैसा कि कि कं सं० अई-2/37 ईई/15055/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनारु 30-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षक) भ्रजन रेंज- बस्बई

तारीख 3-7-1985।

באותי ושמנו

.

(1) मेर्स्स नहार सेत ग्रौर जोगानी ग्रसोशियेट्स

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

१९ मा (१) रे कालेर अवसा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्सण)

श्रकंग **रे**ंग-2, बण्नई

बम्बई, दिलंग 3 जुनाई 1985

निर्देश मं० अर्थ-2/37 ईसी - 205/82-85- - अतः भूमे लक्षमण दास,

बायकार आधिनिएम १०४१ । १९ । । । तिस्मे इसमें इसके प्रकात (अन्न अधिनियम कहा गता है), की धारा 269-स के अधीन सदार । । । । । । तिस्मे इसमें का कारण है कि स्थानर प्यापि विस्तान उचित याजार मन्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

का पर्वाचन गणिता के प्रित्य के एक एक एक में क्रम के इष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास इरन का कारण है कि एक गणित स्वापित के उचित किया मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एमें दृश्यमान प्रतिफाल का पन्सह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उस्त अन्तरण निश्चत में बास्तरिक स्पूर्ग कथित ग्रहा किया गरा है

- (क) बन्तरण से हुई किसी शब की बाबस. उत्तर जीवाध्या का शब्दिया , । स्वर्ध के दायिस्य में क्यी फरन मा अध्या पान में सुविधा क निकार १८८४
- (क) एमी किसी अध सा एकसरे पत या जन्म वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयम्बर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १८०७ (१९८३ के १९८०) के प्रयोगनार्थ अन्तर्भ निर्माण किया एया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, माँ, उत्पार श्रीतिकाम की घारा 269 श्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति अधिकारों, अर्थात :--- (2) श्रो हरबन्त एन० भायूर ।

(भ्रन्निरतो)

(म्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवास में किए जा सकने।

स्पटनीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया है।

अनुस्**यी**

फ्लेट नं० 410, जो चौथी मंत्रिल, "एवरेस्ट" बिल्डिंग जय प्रकाण नारायण रोड, वसौवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400061, में स्थित हैं।

श्रनुसूचें: जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37 ईई/1440584-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजास्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायका, (निराक्षण) श्रुजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख 3-7-1985 मोहर:

प्रक्प आई.डी.एन.एस.-----

मायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० भई-2/37ईई/14406/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, "एवरेस्ट" जेय प्रकाश नारायण रोड, वसीवा, श्रंधेरी (प) बम्बई 400061, में स्थित हैं (श्रीर इससे उापबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 के ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी

को नार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-11-1984 को पूर्वाक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एंसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एंसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, आर/या
- (क) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिष्,

कतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भेनर्स नहार का आं. जं।गाना श्रसोणियेट्व। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री फिरोज बो० छा नगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाजी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितदस्थ किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि। खत में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः — ५ सभ प्रयुक्त क. श अन्त का जिन्ह का अधिक्रिया, यह अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 202, जो सूनरी मंजिल, "एवरेस्ट", जेय प्राप्ताम नारायण रोड, वर्नीवा, संधेरा (प), वस्बई 400061, में स्थित है।

अनुसूची जैं। हि क० मं० ग्रई-2/37ईई/ 14406 84-85 ग्रांर जो असम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजीस्टर्ड कियागयाहै।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, पहायक आयक्तर भायुक्त (निरोक्षण), निरीक्षण महिंग रेंज-2 बम्बर्ह

तारीखं : 3-7-1985

प्रकृत नाइ. ही. एम. एत. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-च (1) के जभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्तिय) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋ६-2/37 ईई/15030/84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण सास,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मूझ्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201/ए, दूसरी मंजिल, नेप्ट्यून, हीरानंदानी इस्टैट, ओशिवारा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 30-11-1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त कौधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्क अभिनियम की भारा 269-थ की उपधार (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स हीरानंदानी बिल्डर्स।

(धन्तरक)

- (2) श्री रमेश प्रसाद पांडे
- (ε) अन्तरक

(मन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित --हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा एया है।

ग्रमुसूची

पलैट नं० 201/ए, जो, दूसरी मंजिल, नेष्ट्यून, हीरा-नंधानी इस्टेट, श्रोशिक्षारा, अंधेरी (प), बस्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कि के श्रई-2/37 ईई/ 15930/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 30-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-7-1985

प्रकृप बार्ष: टी. एन्. एस्. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (पिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

धम्बई; दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/14891 84-85—श्रतः नुसे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1406, 14 वी मंजिल, बिल्डिंग भ्राइवरी हैट्स 4 मंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई 400058, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्राइकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 24-11-84

के कार्यालय, वस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख़ 24-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिधम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मृतिथा चैं तिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (1) में सर्स लोखंडवाला प्रिगैसेस (प) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रणोक के शाह, केश्चर श्राफ श्री द्रफुल एम० मेहता।

(ग्रन्सरिती)

कां यह स्वा वारी करके प्रोंक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकितयों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**धी**

फ्लैंट नं०, 1406, जो 14वी मंजिल, बिल्डिंग ब्राइवरी हैट्स, प्लाट नं 1, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलेस, वर्सोवा, ब्रंधेरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि सं आई-2/37 ईई/14891/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख 3-7-1985 मो**ड**र : प्रकृष आर्ड टी एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/14889/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनको स० फ्लैट न० 1304, तेरहवी मंजिल, बिलिंडग ग्राहबरी हैट्स 4 बंगलोम, वर्सोवा, ग्रंधेरी बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमान करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 24-11-1984।

को पृथितित सम्पत्ति को उषित साजार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) को नीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उसत मन्तरण निस्तित में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं क्षुंद्र किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में मृविभग के निए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, विनहों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम श्री धारा 269-ग के अनसरण भें, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयुक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमैसंप (प) लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रशोक के॰ शाह। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यत्राहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परहोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया यया है.

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 1304, जो तरहवां मंजिल, बिल्डिंग श्राइवरी हैंड्।, प्लाट नं०, 1, ए.५० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधरो (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

श्रनुसूचो जैमा कि ऋ० सं० श्राई-2/37 ईई/14889/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2 **बम्बर्ध**

तारीख 3-7-1985 मोहर : प्रकण कार्ड टी एन एक --- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-ण (1) के अभीन सृथनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र\$-2/37 \$\$/14397/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 703, लातवी मंजिल, विल्डिंग श्रीम रोम, 4 बंगलोस, वसॉवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कब के श्रधीन पक्षम शिधि हारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-11-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यकात प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्त्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के ब्ल्यूह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अतिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की शबत उन्त विधितियम के प्रशीत कर दोने के अन्तरक के दाखित्व मों कसी करने या समसे बचने मों न्युक्रिया के सिए विदिशा
- (स) एसी स्पान व सा किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या जिया राना चाहिए था, कियाने में सुनिधा

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अभिनियश की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधील निष्टिलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात ह——

- (1) मेनर्स लोखण्डवाला प्रिमैमेस (प) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री साबिर ताहेन मिठाईवाला । (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करक प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर यचना की तामील से 30 दिन वी अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त दिवायों में ये किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध क्षी असे अर्था ह ह्यारा अधाहस्याक्षरी के पास

स्पत्त किरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट सं० 703, जो तातवी मंजिल, बिल्डिंग प्रैम रोस, प्लाट सं० 318, एस० सं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोबा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400054, में स्थित है।

अनुसूचो जैना कि क० सं० प्राई-2/37ईई/14397/84- 85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनां हु 9-11- 1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी। सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-7-198**5**

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/14537/84-85-अतः मुझे, सक्ष्मण धास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 100. ♣0€/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैंट सं० 44, जो, 4थी मंजिल, बी-विग, प्लाट सं० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रयप्त की-श्राप० हाउसिंग सोनायटी लि०, निर्मागाधीन इमारत, श्रीणवरा विलेज, वर्मोवा, श्रंधेरी, वम्बई में स्थित है (श्रीर इनसे उपावत श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर धिंियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 13-11-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित क्षाणार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वक से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उव्योध्य से उक्त बन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहर्ष्ट किसी आय की बबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

बार अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निक्र्मलिखित, अधिलयों, अर्थात् :— (1) ट्रोयका कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंपकलाल सी० गोदीवाला, श्रौर श्रीमती कुसूम सी० गोदीवाला।

(ग्रन्गरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

वन्स्ची

"फ्लैंट तं० 44. जो, 4थी मंजिल, बी०-विंग, प्लाट नं० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को०-ग्राप० हाउलिंग सोसायटी लि०, निर्मानाधीन इमारन, एस० नं० 41 (ग्रंश), ग्रोक्षिवरा, बिनेज, 4 बंगला के पास, वर्सोवा, ग्रंधेरी, वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14537/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्रकम आर्च. सी. एस . --- ---- --

(1) मनसं राज कुमार एजेसीज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्पना

(2) श्रीरियाज मूलतान सजान।

(ग्रन्तरिती)

मारत सरकार

भायांलय, महायक कायकर माय्यत (निरीक्षण) म्प्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 ज्लाई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/14629/84-85---श्रत मझे, लक्ष्मण धाम,

वायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व को नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार कृत्य

1,00,000/- रत से आधिक है

श्रीर जिसकी सर फ्लैंट नर 702, जा, 7वी मजिल, ''एवरेस्ट'' इमारत, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा , ग्रधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इपये उपाबत अन्यूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कला के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजस्दी है, दिनाक 17-11-1984,

का पूर्वेक्स संपरित के उभित याजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्रेसह विश्वास करने का अतरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार भूल्य, जसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिथक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरच के सिए तय पाना चना प्रति-कल निम्नसिवित उद्देषय से उक्त बन्तरण निवित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया 🐉 :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत उच्छ विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक दायित्व में अपनी करने या उससे अभने में सुविधा को सिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ हा, जिन्हां भारतीय बायकार वीभीनथय, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मीधीनवन, या चन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) **औ** प्रयोजनार्थ वन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया प्रया था दा दिवादा जाता पाहिए था. छिपाने वो सुविदा के लिए;

के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

5-216GI/85

क्त: ६६, उध्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त संपर्टि और वर्जन के सिक कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के अर्फन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सुचनाकी तामीस से 30 दिन की बविध, को महै अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वर्षाष्ट्रस्ताकरी के पार लिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

अन्त्ची

फरैट न० 702 जो 7वां को का, "एवरेस्ट" इमारक जय प्रकाश राड, वर्सीता ग्रवेर। (प), बम्बई-61 मे स्थित है। सनुनुना जेता कि का ना महे-2/37ई र्री 14629/84-, 85 और जा ाअस पाधि हारो, वन्यई द्वारा धिनाक 17—11— 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रागुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाव: 5-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप कार्यु टी ु एव ु एस ुनवनन्त्रननन

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्क (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 5 जनाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14776/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण धास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० दुकान सं० 8, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, इमारत काम गेटस, प्लाट सं० 334, एम० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्मोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58, में स्थित है (ग्रोर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बिणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम को धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19—11—1984.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाचार मूक्य से कम के सक्तमाम प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाचार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एरे क्रयमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ बाया जबा प्रतिकल, जिम्मितियाँ कुष्टित क्ष्मुक्य है उच्त अन्वरण किया में नात्तिक रूप से क्ष्मित नहीं किया प्रवाह है :---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी वाय की बावत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विध। के लिए; बौद्/वा
- (क) एसी किसी शय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के मिए;

शतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कमला जे० वाधवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रस्लान परेरा ग्रीर ग्रन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा कवा है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो ग्राउण्ड फ्लोश्नर, इमारत क्रासगेटम, प्लाट नं० 334, एन० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/14776/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बर्ट हारा दिनाक 19-11-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारो महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-2. बस्बई

दिनाक : 5-7-1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/14734/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕- रु. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 601, जो, ए विंग, स्कायवलकर हिरानंदानी इन्टेंट, श्राफ जे० पी० रोड़, श्रोधिवरा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिमका करारनाम श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मेमर्स प्रपेक्स कन्सद्क्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती किनया सँगल और डा॰ एन॰ सी॰ पुरी। (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं ० 601, जो , ए विंग, स्कायववाँकर, हिरानंदानी इस्टेट, ब्राफ जे पी रोड, ब्रोधिवरा श्रंधेरी (प), बस्वई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/14734/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, बस्बाई

विनांक : 5-7-1985

मुक्य जार्च . दी . युन् . युन् . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुम्ता

धाउद ब्रुक्ता

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निदेश सं० प्रई-2/37ईई/14721/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे ५सवें ६सकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी मं० फ्लेट न० नित्ती/22, जो बर्सोवा व्हयू मोशायटी फ्लाट नं० 13, 4 बगला श्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाव अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

का पूर्वों क्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तौरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषात से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किया गया हैं —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियुत्र, के अभीन कर दोने के अप्सरक क वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तिय। को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ज्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सुविधा के लिए;

स्तः भव, स्वतं विधिविषय की भारा 269-ए के वम्सरण वें, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रेमारानी टंडन ।

(भ्रन्तरक)

(2) धमेन्द्र कुमार।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पति हैं)।

की यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त क्रम्मित के वर्धन के सिर्फ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विमृक्ती वर्गीय ना तत्त्रस्थानी स्वविद्या पर स्वना की तामीन से 30 विन्की वर्गीय वर्गीय का भी संविद्या में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीवत स्वतिस्था में से किसी स्ववित स्वारा;
- (व) इब ब्रुपना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के सीवर बक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध प्रकाश कुन्य क्षानित हवारा सथाहस्ताकड़ी के शब दिसायत में किए या सकोंगे।

स्वध्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, जो उक्त वृद्धिववन, के धध्याम् 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम में विका पद्मा है।

प्रमुखी

फ्लेट नं 4मी/22, जो, वर्मीवा व्ह्यू सोमायटी, प्लाट नं 0.13, 4 बंगला, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रनुसूची जैमा कि कम सं 0 ग्रई-2/37ईई/14721/84-85- ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्रक्ष बाह्" .टी . एन . एस-------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्नर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाक 5 जलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14724/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० ए- 52, जो साई ग्रपार्टमेंट्स, प्रसाप सानायटी के समाने, जे० पी० रोड, 7 बंगला, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की बारा 2698, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कायालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

कर पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के सरममान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; आर्रि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टे प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की ारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1़े के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तित्यों अर्थात ध—

- (1) श्री गुलणन जुनेजा ग्रौर श्री दिलोप जुनेजा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मुलीला ग्रार जगतीयानी ग्रौर श्री रुपचंद डब्ल्यु जगतीयानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवर्षिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्तों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं ० ए-52, जो, साई अपार्टमेंटस , प्रताप सोसायटी के सामने, जे ० पी ० रोड़, 7 बंगला, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूनी जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/14724/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 5-7-1985

चीहर 🛊

प्ररूप आहें. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन भूमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अल्पक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14730/8-1-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ए प्लेट नं ० 303, जो, 3री भंजिल, ए-धनारत पिक श्रिपटिमेटस", 7 बंगला, वसोंबा रोड गार्डन के पास, वसोंबा बस्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकार) बौर अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्विय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा के सिए;

जत: जभ, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स वर्धन इस्टेटस प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय अग्नवाल श्रीर मनोज अग्नवाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए। कार्यनाहियां करता हुंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगसची

फ्लेट नं० 303, जो, 3री मंजिल, ए- इमारन "पिक अपार्टमेंटस", 7 बंगला, वर्सीवा रोड, गार्डन के पास, वर्सीवा, बस्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/14730/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 5-7-1985

झोहर :

प्रकृष् भाष्ट्रं .टी .एन. . एव .-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/14702/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1. जो, 1ली मंजिल, ए-विंग,

णिधीन इमारत, आर्शीवाद, प्लाट तं ० 11, एम० नं ० 41, (ग्रंग), विलेज, ग्रोशिवरा तालूका ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्वे क्ति । स्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के निए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वे क्ति संपत्ति का उचित साजार मूला, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिश्ति स्व्यंच्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्कि अक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के गीयत्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा धेलिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

असं क्षत्र, उक्तं अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण मं, में, उक्तं अधिनियम की धारा २६९-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) आर्थीर्वाद इटरप्राद्रांस ।

(अन्तरक)

- (2) डा० मिरा पारीख फ्रीर डा० मुरेश पारीख। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

(4) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता हो कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी नाश्रीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकों ने।

स्पाचित्रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भम्सची

पर्ल नं । जो 1ली मंजिल, ए-विंग, निर्माणाधीन इमारत, आर्णीबाद, प्लाट नं । 11, एस० नं ० 41 (ग्रंण), विलेज ग्रोणिबरा, तालुका ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-2/37ईई/24702/ 84-85 ब्रांग सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रापिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिभाक 5 जुलाई 1985

निदेश स ०अई-2/37ईई/14703-84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके एक्काए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी सं० फ्लंट नं० 25, जो, 7वी मंजिल, ए-विंग, निर्माणाधीन इमाप्त, आर्मीवाद, प्लाट नं० 11, एस० नं० 41, (अंग), विलेज ग्रोणिवरा, श्रंधेरी (प), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची मेऔर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जितका करारभामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान **अन्त**रित गङ् लिए की ₹. प्रतिफल को ज्ञो यह विज्ञवास करन कारण का यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयभान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है नौर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिवित इड्डरेंड्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित **शहीं जिया गया है**ं----

- [क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा बायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ अधीत्:—— (1) आशिवाद इंधरप्राइमेप ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णितल जी० शहा ग्रांर श्री गिरीश पी० शहा।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

अनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थितित व्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए चा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वन्दों और पदों का, ओ अक्ट अधिनियन, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन सची

फ्लेट नं० 25, जो, 7वी मजिल, ए.—विंग, निर्माणाधीन इमारत , अर्शिवाद, प्लाट नं० 11, एस० नं० 41, (ग्रश), विलेज क्रोशिवरा,नालुका अंधेरी (प),बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैया कि क्रम मं० अर्ध-2/37ईई/14703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिशाक 17-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षम आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बम्बई

दिभांक ' 5-7-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अम्बर्ड सम्बर्फ, दिलाक 5 जुलाई 1985

निवेश स॰ अई-2/37ईई/14651/84-85--अत[्]म्हो

लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्फे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० पलेट न० 131, जो, 13वी म जिल "अमीत इस्टेटस", प्लाट न० 44, 4 बगला, लोख उवाला काम्पलेक्स के पास, ग्रधेरी, (प), बम्बई – 61 ० मे स्थिन है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 2697, ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिक। री के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 17–11–1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल वं लिए अतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने इरने का कारण है कि यभापवांकर सपरित का लिए ताजार भूक्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) जौर अंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक अप से किथत नहीं किया गया है '--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावल, उक्त अधिनियम में अधीन कर देने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-फर पिश्तियण, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए,

बत: ब्रथ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अपोन नियानिस्थित त्यानिस्थाने अधित ----6—216GI/85 (1) में भ का कि के

(अन्तरकः)

(2) श्री गजब । ती ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के समध मा कोई भी आक्षा :---

- (स) इस स्थानः से ना निकार की तारीय से 45 दिन र भी रूप निकार में हिसबब्ध किसी अन्य कर्या किया स्थाहिस्ताक्षरी के वाच निकार में किया राजकर्म

हमस्टीकश्वाः—-हससी प्रयुक्त पत्नों और पत्नों का, **वो उपत** अधिरंग्या १() किसी परिशासिक ही, बही अर्थार प्राउस अध्यास में विसागना ही।

अनुभूची

पलेट नं ० 131, जो । ४ मिजिल "अमीन इस्टेटस" प्लाट नं ० 44 4 बगता तिष्वा । अस्पलेक्स के पास, प्रधेरी (प) अस्ति भी भिल्ला है।

अनुसूची जैसा की नगा 10 अई 2/37ईई/14651/84-85 और जो उस साहित्सी, बम्बई द्वारा विमांक 17-11-1984 को किस्टई िय गरा है।

लक्ष्मण **दास** एलम प्राधिका**री** नित्राय ग्याबन्य आयु**न्न (निरीक्षण)** अजन रेज— 2, **बस्बई**

विभाक 5-7-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस, -----

(1) श्री के० की० गिडवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरेंन्द्र वुमार भनीन और श्रीमती ग्रनिता एव० भनीन।

(म्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14655/84-85-अतः मुझे लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- र_{ि.} से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 704, जो "ए" विंग, "हेन्जील 7 वी मंजिल, गैरेज के साथ, प्लाट नं० 31 एसं० (अंग), ओशिवरा, वर्सोवा, अंधरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, नारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बानार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिसियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तन्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी के किन द्यारा,
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रत्नाशन की नारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेग।

स्पद्धीकरण '--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय मे दिया गया है।

<u>जन्स्</u>ची

पर्लंड नं० 704, जो, "ए" विग, टेन्जिल, 7दी मंजिल, गैरेज के साथ, प्लॉड नं० 31, एस० नं० 41, (अंश), ओशियरा वर्सीवा, अंधेरी (ए), वस्वई में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि यम गं० भ्रई-2/37ईई/14655/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 नो रिजस्टर्डी किया गया है।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बर्स

विनांक : 5-7-1985

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- त्रका बाद'. टी. एत. एव.

बाएकार की जीनगढ़, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई वम्बई वम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई /14627/84-85—ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वा उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3-बी जो उरी मंजिल-उत्कर्ष को०, ग्रोप० हार्जिस सोमायटी लि०, माधवदास ग्रमेरशी रोड़, ग्रंधेरी (प), वन्बई – 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफो यह निश्वास करने करूने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुइ जिसी बाय की बातर उन्हें को कि नियम के अभीत हर या की अन्तरक की दर्गियत्व में कार्म अन्तर है। उन्हें की स्विद्य की कीर/या
- (ह) एमा किसी आप या किसी वन पर अप आस्तिया की, जिन्हों भारतीय अपय-बार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) है अधीन, निक्लिक्षित स्थानतया, अधीत् 🗽 - (1) श्री बचूभाई ए० पटेल श्रौर श्रीमती सरोजबेंन बी० पटेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द गिरधरलाल शेठ ग्रौर श्रीमती लताबेन लक्ष्मीचंद शेठ।

(भ्रान्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकारक की तारीं है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यानितयों पर सूचका की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पर्धिकरणः इसमें प्रयुक्त कर्वो और पदों का, जो उक्त अधिनिक्स, को अध्याव 20 के में परिभाषित हैं, वहरें अर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3वी, जो 3री मजिल, उत्कर्प को० श्रोप०-हाउसिंग सोसाय्टी लि०, सक्षिवदाल श्रमेरशी रोड़, श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची लेगा कि क्रम प० सई-2/37ईई/14627/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोजण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-7--1985

अस्य बाइ'. टां. एन. एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-9 (1) क अधीन सुचना

भारत धरकार

कार्यानव, सहायक इत्याजन अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बन्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई $-2/37/|\hat{\tau}\hat{z}| : 4750/84-85$ —श्रतः मूझे, **लक्षमण** दास.

बायकर अधिनियम, 1981 1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम लहा भया हा), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1 जो ग्राउन्ड फ्लोर नंद किपा ग्रनेक्स शॉपिंग सेंटर, चार बंगला रोड़ ग्रंधेरी (प) बम्बई— 58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावह ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19—11—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचल बाबार मृन्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति कर पर्य रे जार मृजे यह विश्वास करने कर कारण है कि प्रशासकार जानाति का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिफल स, एमें ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बान एस का का का का का प्रवास का प्रतिफल, निम्निचिद्धत उद्दान के उपत जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हाई दिश्मां पार की गांधत. उक्त अधित्यस्य के स्थान का उन्न के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बबने में सुविधा
- (क) एसी किसी गर्य कर्म के किसी की कार्न कार्म क

अतः अब, उत्तर गोणोता है। ११ १० १ औं अनसरण मी, मी, उत्तर अधितिएम को ११ १५३० का उपधारा (1) में सभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसँ, असीत् :--- (1) मैसर्स विमल कन्सट्रक्शनस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिरालाल वि० क्रपलानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) नयी दुकान।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारो करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु।

उक्त सम्पति के बारन के नकते हैं। शाक्षिप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य धाक्ति प्रत्या अधाहमाक्षरी के पाक्ष जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स् भी

दुकान नं० 1 जो ग्राउन्ड फ्लोर, नंद क्रुपा ग्रनेक्स शॉिंफ्ग सेंटर, 4 बंगला रोड़, ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/14750/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 5-7-198**5**

प्ररूप आहूं .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14617/84-85—ग्रतः मुझै, **लक्षमण दा**स.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए/13, जो फलोवर ब्लूम, वीरा देसाई रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई--58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिजित के बास्तिविक रूप से किया गया है ;—

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में सुविध के लिए;

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ व्ही उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-— (1) श्रीमती बसंती भोजराज गुरनानी।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. थी फक्रूददीन श्रहमद नसरुल्ला,
 - 2. श्रीमती सोना फक्रुवदीन नसरुत्ला,
 - श्रीमती ग्रस्मी ताहेर वासी, ग्रौर श्रीमती यस्मिन जेड, मोग्री ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट न० v/13, जो, फलोबर ब्लूम, वीरा देसाई रोड़, श्रंधेरी (v), बस्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/4617/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1934 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षगण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बस्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्ररूप आहाँ.टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ार छुन्य **१४० व्यक्त सम्**तिम् या**मा**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज-- 2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1935 निदेश सं० अई--2/37ईई/14552/84--85---श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम - 1961 (1961 का 43) (जिस क्लमी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक ह

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 705, जो, 7वीं मंजिल, ग्ररेनाए→ इमारत, प्लाट नं० 338, एस० नं० 41, (श्रंग), वर्सीवा, अंधेरी (प), बग्बई-58 में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की अत्य 269 है है के अधीन नक्षनशाधिकारी के कार्यालय वस्वह में रजिस्ही है दिनां र 15-11-85

को पूर्वोक्त सम्परित संउपित बाजार मूल्य संवाम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**ई है और** मुभ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंखल उब्देश्य स उवत अन्तरण सिम्बित मा

ब्रास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया 🗗 :----

- (क) अन्तरण संसुद्ध किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन लाइ दंश के अन्तरमा के वार्यक्त में कमी करने या उसके उसने में मृतिया है जिए मौर/शा
- (च। एसी फिर्सी नाम या किता पन था क्या आस्तियाँ कां., जिन्हां भारतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 को 1)) या उक्त अधिनयम या धन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 2**7) के** त्रयोजनार्थं अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया बा कः किया शाना चाहिए या, स्थिम में सुविधा 🖷 किस्

कतः सम, लयत प्रीमनियम को वास ५६७ ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियो, अधीत :---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती यस्मिन मोतीवाला श्रौर भ्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सकता आरी करके पश्कित सम्पत्ति को अपने को लिए कार्यवाही करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भे। अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्वेंक्ट व्यावस्तवां में सांकिषी व्यक्ति दुवाराः
- (का) इस स्थाना के राज्यात में प्रकाशन का सारी**व एं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बरुष किसी अरम व्यक्ति बुवारा अधीहस्थाक्षरी के पात लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्परकाकरण:---। समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम क अध्याम 20-क मा परिभाषिक है, बहु वर्ष होगा बो उस अध्याय अं १४ था गया है ।

फ्लैट नं० 705, जो 7वीं मंजिल, ऋरेना ए इमारत, प्लाट नं० 338, एस० नं० 41, (प्रांश), वर्सीया अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/14552/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्षमम दाम यक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-2; बम्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्ररूप आई. टॉ. एस. एस. -----

(।) इंदरजीन प्रोस्टींज प्राठ लिए।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री दवी चोपडा ।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंग-2, वम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रर्द-2/37ईई/14614/84-85--भ्रत: मुझे लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्साम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दाजार मल्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 5वीं मंजिल, निर्माणाधीन इमारत टूवीन टावर्स, प्लाट नं० 8ए श्रीर 8बी, सर्वे नं० 41, (श्रंश), विलेज श्रोशिवरा , 4 बंगला श्राफ जे० पी० रोड, वसींवा, श्रंधेरी (प), वस्वई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय.क श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-11-84 की पूर्ण के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वाम करने का कारण है कि गथपूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रियशन न अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विय में उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्धने में मुविधा के लिया; और /या
- (स) एंसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अत: अत, उब्स अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— कां यह सूधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी यिक्त द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उदार स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध विभी अन्य नावित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिस्टिन में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, कें अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

पलैंट नं० 1, जो, 5वीं मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, दूवीन टावर्म, प्लाट नं० 8ए ग्रीर 8वीं, पर्दे नं० 41. (प्रंग), विलेज ग्रोशिवरा 4, बंगला, ग्राफ जे० पी० रोड. वर्नावा. श्रवेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० घर्ट-2/37ईई/14614/84-85-घौरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बस्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्ररूप बाई.टी एन.एस ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/14736/84-85--म्ब्रतः मुझे लक्षमण वास

नायकर गीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-क के गधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह गिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 105, जो 1ली मंजिल, कृश प्रपार्टमेंट वीरा देसाई रोड, अंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है (भौ इसमे उपाबद्व, अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसक करारनामा श्रीयकर अधिनियम की धारा 269 क, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रीच तारीख 19-11-1984

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार ज्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत्ति से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कि निम्नलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक क्य में कीशन नहीं किया गया है .—

- (फ) अन्तरण वे हुई जिली जाव की वावस्त, उक्त अधिनियम के सथीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उत्तव अपने में मुन्या के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रवोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए।

बतः कन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यवितयों अर्थात् :---

(1) मेसर्स ठक्कर एण्ड कारवा एसोसिएटस,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभुतास तुलसीदास पार्टनर । श्री एन० के० के० मोहस्मद ।

(श्रन्तरिती)

का यह तुष्ना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति की अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप १---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक कैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकाशिकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उक्क निभिनितम, के अध्याय 20-क में परिभाषित-हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिसा गवा हैं।

मन्त्री

फ्लेट नं० 105, जो 1ली मंजिल, कुश भ्रपार्टमेंटम, बीरा देसाई रोड़, अधेरी (प), बम्बई~58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/1473684-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 5-7-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14641/84-85---- श्रनः मुझे, लक्ष्मण वास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 के +3) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं० 336, एस० नं० 41, (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रीतियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 17-11-84 को पूर्णेक्त सम्पत्ति को उचित्त बाजार मल्य से कम के उध्यक्तान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल द्धयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं सीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिएयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात '——
7-216 GI/85

- (1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निम्मी राम पाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कि ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्रंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लेट नं ० 104, जो 1ली मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं ० 336, एस० नं ० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/14641/84-85--धौर श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

विनांक : 5-7-1985

मोहरः

त्रक्ष्य नार्षः टी. एत. एव.-----

बावकार वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा . 269-व (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रई--2/37ईई/14691/84-85--ग्रतः मुझे लक्षमण वास.

कायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत रेसीडेन्सी-ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41, (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई 4 स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-8

का पूर्वोक्श सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिकात से अधिक है और कंतरक (अंतरका) और अंतरित (बंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निक्ति उत्दिश्य से उसत अंतरण लिखित की बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है हि—

- (क) अलरण स हुइ' किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिय को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजरार्थ जन्तिराती इनाग प्रकर नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में सुविधा खेलिए।

कतः कदः, उक्त विधिनियम की भाग 269-न के, कन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निविस्त, व्यक्तियों अर्थान :---

- (1) मेसर्से लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रा० लि०। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र उत्तमदास ह्याह्यला (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब रे 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हों
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परु किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में िया गया है।

पनुसूची

पलेट नं० 403, जो , 4थी मंजिल इमारत रेसीडेन्सी-ए प्लाट नं० 38 एस० नं० 41 'घ्रंश) 4 अंगला वसोंवा ग्रंधेरी (प) अम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम० सं० श्रई-2/37ईई/14691/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हेमागिनी श्रार० बाबला।

(भन्तरिती)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/14692/84-85--म्रतः मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत रेसी डेन्सी-ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्मीवा ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब इ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11~1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत रेसीडेन्सी-ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41, (ग्रंश), वर्सीबा, ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई-2/37ईई/14692/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 5-7-1985

प्रकार नाहर्_य द्वी<u>. प्रमात प्रसात सम</u>ास

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार -

कार्बालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 5 जुलाई 1985

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनमम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, जो, 2री मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41, (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि युभापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित् बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश के उच्च अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किथार गड़ी किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथितियज के अधीन कर दोने के बन्तरक के शांबित्य में कमी करने या उससे बचने में सृक्षिभा के लिए; जीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, अक्त सधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) मेसर्स लोखंडवाला एन्ड डेव्ह्लोपमेंट कंपनी प्रा० लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मुक्दराय गांधी ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

क्ष्मरा सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर गूनना की दामील में 30 जिन की गाजि, जो भी वयिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अक्षाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पक्षतीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

अन्स् वर्ग

फ्लेंट नं० 203, जो 2री मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लाट नं० 351, एस० नं० 41, (ग्रंग), वर्सोवा, श्रंधेरी, (प) सम्बर्ध-58 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई-2/37ईई/14720/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 5-7-1985

प्रस्त्र कार्द्र, टी. एव. ए६. -----

बायकर मरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985, निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14744/84-85----ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की गारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० युनिट नं० 32/वयूजी, जो ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़, एक्सटेंशन, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-11-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य में कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित को गई हैं और मूके ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित को गई हैं और मूके ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्म, उसके दश्यमान श्रीतफल से एसे क्यमान श्रीतफल का प्रमुद्ध तिस्त से बाधिक है बीर बंदरक (बंदरकों) बौर बंदरित (बंदि तियाँ) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब बाबा गया श्रीतिक का प्रमुद्ध तिस्त तहाँ किया गया है हि—

- (क) अन्तरभ से हुई भिन्नी बाय की बाबत सबस क्षेत्र की अन् नियम के अधीन कार दोने के अंतरक से दायित्य मीं कामी कारने या उससे अचने मीं भृतिका की निता और/या
- (व) एसी विकास आव का मिलते भव या अप्य आस्मिमी की, विकास आरटीन अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रवोद्याचि स्वारिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा विकास वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-~ (1) मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट ।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स विवि स्नार्गोकेम इंडस्ट्रीज ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के स्टिएं कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि भा तत्संबंधी अविक्रियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद' में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यादिसमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

अनुस्ची

युनिट नं० 32 क्युजी, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड़, एक्सटेंशन, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/14744/84-85- श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 5-7-1985

माहर :

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश सं० म्रई-2/37ईई/14770/84:85—म्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 30, 101, 102, 103, 104 स्रौर 106, जो, 1ली मंजिल, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़ एक्सटेंसन, श्रंधेरी (प), बम्बई—58 ; स्थित है (श्रौर इससे उपाब स्नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसक करारनामा श्रायकर श्राधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19—11—1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. स्त्रिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम० पी० आई० इथीकल्स प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह प्रचिमा जारी करके पृत्रौक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

युनिट नं० 30, 101, 102, 103, 104, धौर 106, जो, 1ली मंजिल, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़, एक्सटेंशन श्रंधेरी (\mathbf{q}) , बस्बई-58 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क्रम सं० भ्राई-2/37ईई/14770/ 84-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बस्बई

्रिक **बय**, उक्त वॉथनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भ" वाँ, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

दिनांक : 5-7-1985

. मोहर:

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश सं ० ग्राई-2/37ईई/14793/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत श्ररेना बीठ, फ्लाट नं ० 338, ए स० नं ० 41, (श्रंघ) 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंघरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा स्नायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है, तारी ख 20—11—84 को पवेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मे नर्म लोखंडवाला प्रिमायसेम प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सलिम एन० खान ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी हा से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीक्षर पूर्वे कित व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसू ची

फ्लेट नं० 504, जो 5वीं मंजिल, इमारत श्ररेना—बी, प्लाट नं० 338, एस० नं० 41, (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है।

प्रनुसूत्री जैसा कि कम सं० प्रई-2/37ईई/14793/ 84:-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दनांक: 5-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/14737/84-85--- प्रतः मुझे लक्षमण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, जो, 5वीं मंजिल, सिंचन को० ग्रीप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० एम०-1, बीरा देशाई रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एरे अन्तरण के लिए हम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकिक रूप से किथत ही किया गया है.—

- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विभाग निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेमर्म णेल्टर ट्रस्ट (श्री भनोज आर० शहा (द्रस्टी) (श्रन्तरक)
- (2) डा॰ (श्रीमतो) दिप्ती व्यास ग्रीर डा॰ दिपक प्रताप राय व्यास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वख्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नैट नं० 506, जो 5वीं मंजित, विश्वत को० स्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० एम-1, बीरा देवाई रोड़, स्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कम मं० श्रई-2/37ईई/14737/ 84-85 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज-2, बस्बई

दिनां कः 5-7-1985

मोहर

प्ररूप आई, टा. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के बचीन सुमना

भारत सरकार

कार्याखय, सद्दापक वायकर बायुक्त (निरक्षिण)

थ्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14532/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-क के अधीन सकम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उधित आकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 71, जो 7वीं मंजिल, रोशनलाल श्रग्रवाल काम्पलेक्स, श्राफ जे ० पि० रोड़, एस० नं ० 41, (श्रंण) श्रपनाघर के पास, श्रंधेरी (प) वसौँवा अम्बई - 58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गध्र है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मंपरित का उपित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में किशत नहीं किया बना है हम्

- अन्तरण से हुई किसी आय की प्राचन, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कमी करने या उत्तर बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही शारतीय आदकर विश्वित्यक, 1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बदः अट, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुभरण में में, जन्त अधिनियम की धारा 760-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8-216GI|85

(1) ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोज दाविद श्रीर कुमारी संद्रा धावेस । (ग्रन्तरितो)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यज्ञाहियों करका हूं।

उक्त एंपरि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की जबिश का तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृपना की तानील से 30 बिन की अविश्व, को भी अविश्व को संसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीवर उसत स्थावर संपर्ति में हितबक्ष किसी जन्म स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकों ने।

स्थव्यक्षिकरणः - इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, वो सक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्ह्या

फ्लेट नं ० 71, जो, ७वीं मंजिल, रोणनलाल **अग्रवाल** काम्पलेक्स श्राफ जे० पी० रोड, एस० नं० ४ (श्रंश), श्रपना घर के पास, ग्रंधेरी (प), वसींवा वस्बई—58 में स्थित है।

श्रन्स्ची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/14532/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रिजम्टङ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज⊶2, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

हर :

प्रक्रम् कार्डंटी एउ एस

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सहस्राष्ट्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 ज्लाई 1985

निदेश स० श्रर्ड-2/37ईई/14639/84-85--स्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके धर्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मन्य 1.00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पर्लैट न० 602 जो, 6वी मंजिल इमारत मग्नम टावर्स प्लाट नं० 357, एस० न० 41, (श्रम, 4 बंगला, वर्मोवा,) अधिरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास अर्तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार्ण) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण वे लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बाम्मीबक अप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- [क) नंतरण वे हुइं किसी नाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उसमें देखने में सविधा के सिए; वरि√वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ऑसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थियान ह स्वैद्या के बिहुः;

जत: जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) चैं वारीन, निय्नीजीवत व्यक्तिकों, वर्धात ⊱ - (1) मेगर्स लोखडवाला इस्टेटम एन्ड ड० हलएमेट, प्राइनेट लिमिटेड ।

(पन्तर)

(2) श्री पकज भाहनी (एच० यु० एफ०) (स्रस्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई भी आक्षप --

- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकींगे।

स्वस्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लेट न० 602, जो, 6वी मिलि, इमास्त मण्यम टावर्स फ्लाटनं ० 357, एप०नं ० 41 (अस) 4 वमला, वर्मोवा, अधेरी (प), बस्वई—58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि त्रम स० श्र $\frac{5}{2}-2/37$ ईं $\frac{5}{14639}/81-85$ श्रीर जो पक्षम पाधिकारी, तस्बई द्वारा दिनारु 17-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दात राज्ञम पाधि नारी सहायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेज—2, बस्बई

दिनाक 5--7--1935 मोहर : प्रसम्बन्ध ही एर एस -----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 260-ल (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985 निर्देश गं० ग्रार्ट-2/37-ई ई/14534/84-85---यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम', ऋष्म गया है, की भारा 269-ध के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो िक स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

(और जिसकी सं० प्लाट न० 4, प्रोपर्टी मोन्टाना-ए, अनक्स, मोन्टाना ए, इसारत एस० न० 41, (ग्रण), 4 बंगला, वर्सोवरा प्रधेरी (प), बस्वई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायह श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख क अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-11-1984

का पूक्त कर सम्भात के अचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान शिलफल का । लए अन्तरित की गई हा आर मफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूबा कर सपित का उचित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान शितफल में, एसे दश्यमान शितफल का पन्द्रह शितका में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उद्यत अन्तरण कि खित में वास्तीवक रूप संकथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स ह ६ किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों नार होता जिल्हा अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के निर्मा के सिर्मा जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के सिर्म,

बतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम को, मी, अवन अधिनियम की भारा 269-म की जपभारः (1) को अधीन, निकालिखित व्यक्तिमारः अधीत् :--

- (1) मेसर्म लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवंट लि॰। (भन्तरक)
- (2) मेसर्स क्राईटन इंटरप्रायमेस । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गना है।

अम्सुची

प्लाट नं० 4 प्रापर्टी , मोन्टाना—ए, ग्रानेक्स, मोन्टाना— ए० इसारत एस० नं० 41 (ग्राण), 4 बंगला, बर्सीबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कम मं श्राही-2/37ईई/14534/84-85 ग्रीर जिसका जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 4-7-1985

माहर :

प्रकृष बाहाँ, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत त्रकाडु

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रई-2/37ईई/14536/84-85—प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें द्राक पश्जात 'उवत अधिकाम' क्यां था हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 505, जो 5वी मंजिल, इमारत श्रीमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला बर्सीवा, श्रन्धेरी (प) बम्बई—58

(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूणुरूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियमा 1961 की धारा 269क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दर्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल निम्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे सुस्तिक स्प से किशा नहीं किया गया है किन

- (क) बन्तहरू से हुई किसी नाय की शबत, उक्त बिन्दिल के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कनी करने वा उससे नचने में सुविधा के निष्ट, और/या
- (च) एती किसी नाय वा किसी धन वा बन्ध आस्त्रशं को जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धत-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में अधिभा वौ किए।

बंबर सब, उसत सीधीनयम की धारा 269-म के अमृतरक में, में, उसर सीधीनयम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पक्तियों, सर्थत :— (1) मेससं लोखंडवाला इस्टेट एन्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंजुल कुमार सिन्हा।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षोप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना को यावपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों लीर धर्दों का, वो अक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ध होगा वो उस अध्याय में विया गका है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 505, जो इमारत प्रिमियम टाबर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41, (श्रंण), 4 बंगला, बर्सोवा, ग्रंधेरी (Ψ) , बम्बई-58 मं स्थित है

श्रनुसूची जैंसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/14536/84-85 श्रौर यो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक : 5-7-1985 मोहर - प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14538/84-85—-ग्रतः, मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एलेंट नं 74, जो 7वी मजिल, सी विंग, प्लांट नं 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को—ओप हार्जिसग सोसायटी लि विमिणिधीन इमारत एस न व 41, (ग्रंण), ग्रोणिवरा विलेज, ग्रधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उणावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप र विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि ारी के कार्यालय में रजिस्ट्री

है, दिनाक: 13-11-1984

को पूबीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंकित में वास्तिक हुए से किथा नहीं किया गया है .--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मूबिधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सिंवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 प का उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तितयों, अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन,

(1) ट्रोयको कन्सट्रक्णन कंपनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंदीप वसत बाबूलकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अर्थाध गा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अदिशि बाद मा समाप्त होती हा, के भीतर पर्वोकत व्यक्तिया मा स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र मा एकाशन की तारीख रा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकागा।

स्पष्टीकरण. — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा यथा परिभाषित है, यहां अथ हाना जा उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

पलंट नं ० 7 4, जो 7वी मजिल, सीविंग प्लांट नं ० 2 4, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्त की-ग्रोप० हार्जीसग सामायटी लि०, निर्माणाधीन इमारत एस० न० 41, (श्रम), ग्रोणियरा विलेज 4 वंगला के पास, बसेवा, ग्रंधेरी (प), बस्वर्ड में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं ० ग्रई-2/37ईई/14538/84-85-ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड हारा दिगांक 13-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाक : 5-7-1985

मांहर .

वका बाई टी एन एक ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शास्त्र सम्बद्ध

कार्यालय सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निर्देश स० ई-2/375ई/14747/84-85—म्रत मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 कि 43) (बिस इसमें हमके परवाट उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु स अधिक है

स्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 603, जो, ७वी मजिल, इमारत सिम्फोनी—ए, फ़्लॉट न० 344, एस० न० 41, (यश), 4 बगला वर्सोवा, स्रधेरो (प), वम्वई—58 में स्थित हं स्रोर इसम उपाबद्ध स्रनुसूचों में स्रौर पूर्ण रूप से विम्नित है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

का प्राप्त सम्पत्ति क उचित बाद्यार मृल्य स कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अतिरत को गइ है और मभ्ने यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वों कत सर्पात्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अतिरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्क निम्नलिखित उद्योग स स्वर्ण अन्तरण निश्वत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (व अन्तरण पृष्टुः किसी बाव की वावल, उच्च अभिनियम क वर्षीत का दोने के अन्तरक के सामत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा अंतरण, वार/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 टा 27) के प्रयाजनाथ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म वाशिए था कियान प्रवास की किए।

बतः जब, अबत अभिनियम, की धारा 269-ग के अनकरण जः, मा, उत्तक अभिनिनगम की धारा 260-म की नवभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४---

- (1) मैमर्स लोखडवाला प्रिमायसेम प्राइवेट लि० । (अन्तरक)
- (2) श्री अक्ष्तार स्रालम शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचन। बारा करके वबाँकत सम्पत्ति के बर्बन के सिए कार्यवाहिया करना हा

उक्त सम्पत्ति के सर्बन के नक्षण के कार भी बाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील 150 दिन की जनी का भी बविध बाद में समाप्त होना हो। दे समा व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्वत स्थावर सपी त में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अधाहम्राक्षरा क पास लिखित माँ किए का सकरेंग।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम व १०४० ३० वारणीय ह वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय के एका है

अन्सूची

फ्लैट न० 603, जो 6वी मजिल, इमारत सिम्फोनी—ए, प्लाट न० 344, एम० न० ± 1 (ग्रग); 4 बंगला वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कम स० श्रई-2/37ईई/14747/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, पहायक स्रापकर स्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाक 5-7-1985 मा**हर** . _____

बायकार अधिशियम 1961

प्रकार काहे हो सन एक

ं ५५॥ का ४३) की भारा

1 मैसरा जैय सी कन्स्टक्शन को०

(ग्रन्तरक)

2 श्री मोहनलाल निमनलात पटेल

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पूर्वों क्सा प्रथमिस के वर्षन के निष् कार्यवादिया कपता हा।

उक्त सक्षित के कर्णन क सक्कत्व में कोई भी बाखेंच :---

- (क) इस साना के राज्यपन स प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सामाधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील में ३० विन की अवधि, जो भी जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी स्पष्टित स्वारा
- (ख) इन न नगर र राजान स्थापन की तारीस स 45 दिन के भौतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एसम निर्माण कर रहा राजीन

स्वण्डीकरण --इसमें पाप्रकत शब्दा और पदों का, आ उक्त विभिनियम् के अध्याय २०-कः में परिभाषित हैं प्रतिकार हो। जे का करणाय में दिया गया है।

भारत संस्काः

कार्यालय, सहायक आयम्बर प्रायम्बर (निर्माक्षण)

160 मा (+) व मधीन वसना

यर्जन रे 1-2 अस्तर्भ

बम्बई, दिनाक 5 तलाई 1985

बायकर अधिनियम 1961 (1961 है 43) जिस्हे हसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम कहा गण हैं। की भाग 269-स के अधीन सक्षम पाणिकारी जी, यह विद्याम करने का कारण हैं कि स्थावन राष्ट्री जिल्हा जिल्हा गारा रूप 1,00,000/- र से अधिक हैं

> क अवस्य हुट । भाग अवस्य अवस्य नियम को अधीन कर दान को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सिनिधा को लिए, गंगा

अत अब पेक्त अधिनिया का गरा 26 भा के अनमरण अ अ उत्त अधिनियम का गण १६५ न र राजधारा (०) के की पितान स्थानियम का समा

असरा की

प्रिमायसेस न० ।० तो 2। पुरूषोत्तम इमारत, जे० पी० रोड नपरा सितेस स्पन्न ब्राधेरी पश्चिम, बम्बई 400058 में सित्र र

स्रनुमची जैसा कि रु० सर्व दी 7-ईई/14835/84-85 स्रौर जो स्थम प्राधिकारी, प्रमार्ग द्वारा दिनाक 22-11-1984 स्रो रजिस्टर्ड स्थि। स्था है।

> लक्ष्पण दास सक्षम प्राधिकारी सद्यापक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 5-7-19९**६** मोहर ाम्बर्ध देशका की **यम्. एस**्च-----

- - ऑन्स्स 1961 (19**61 का 43) क**ी धारा 269 व (1) के बधीन सुबना

शी विद्याधर गजातन म्हात्रे और ग्रन्य

(भ्रानरक)

2 भैसर्भ बिल्ड निकक

(भ्रन्तरिती)

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रजेन नेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निर्देश स० अर्ड-2/37-ईई/14 17 1/84-85---यत. म्झे. लक्ष्मण दास.

(जिसे इसमें लगके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा \$9 % े कि मार्ग कि यह विश्वास करने का कारण है हि रभावर सम्पन्ति, विस्तका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सर्सर्वे तर 27, हिस्सा नर 1 (पार्ट), सीर टी० एग० न० 1198 (पार्ट) वर्सीवा, अंधेरी वस्बई में स्थित है (प्रीर इससे उपावद धन्स्ची मे ग्रीर पूर्ण रूप से ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ध में रिजस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

ले पूर्वीका संपत्ति को उधित बाजार मूल्य में कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गर्द है और मुभ्ने यह विक्वास कारने का कारण है। कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार श्ल्या, उसके परयमान प्रतिफल से एसे प्रथमान प्रतिफल का जन्मह प्रिष्टिमत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निर्मात्मिन उद्देश्य में स्वतं अन्तरण सिमित में बास्त-रिकट रूप स किथार नेही किसा गया है :--

- (क) अनरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए; और/या
- भार मंत्री है। में उस व रिक्र के का पा पत्र आहिला का जिन्ही भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या अनकार पीभिनिधम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्र दवारा अकट नहीं किया गया था वा किया अप र पालिए था, क्षिपाने में मौबधा के लिए

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 47, मी, उक्त अधिनयम की धारा 269-व उपधारा (1) व्य कथीन, निम्निजिसित व्यक्तिस्त्रां, वर्षात 🌬---

को यह स्थन। जारी करके पर्वावत सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुः।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोब 🕬 🗝

- (क) इस स्वनाके राजधन में प्रकाशन की हारीय त 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँबर अधिकतयाँ मा से किसी स्थावित इवारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी 💐 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदो का, को जनक जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ৰবা 📂

ग्रन्सूची

जमीत का हिस्सा जिसका सर्वे न० 27, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), मी० टी० एस० नं० 1198 (पार्ट), वर्सीवा, प्रवेरी पश्चिम, बम्बई है।

भ्रनसूची जैसा कि कि । मं० ग्र⁵- 2/37-ई ई/14471/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख 5-7-1985 मोहर :

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

मेसर्स रिजबी फाऊन्डेशन्स

(भ्रन्तरक)

2 श्री पुथनिवतील अज्ञातम भाषपे और राज अज्ञाहम अस्तरे.

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ई ई/15048/84-85—यतः मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 501, गुलिस्थान इमारत, प्लाट नं० 12, जे०पी० रोड, मात बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी, पिष्वम, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा, 269 क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर, 1984 को प्रबंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान ग्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रसं प्रतिकत से स्थापक है कीर बन्तरक (अन्तरकों) जोर बन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया विकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया वा है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरण क दाकित्य में अभी अपने या असस अधने में सुविधा के नित्र और पा
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी थन या नन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उच्च निधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्यारा प्रस्ट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के सिए;

बत: बब, उक्त विधिभवम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के व्यक्ति निम्मिनिश्चित व्यक्तियों, वर्धांत ----9---216GT/85 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संजंब के कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वात के रावण र भा र ताशन की तारीख है 45 जिन को न भा पा र संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 20 दिन की अविधि, जो भी अविधि गढ मा रण त होंकी हर के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में राजिस के अधिक दिना है।
- (स) इस म्हास व. र न प्रशासन की तारीस में 45 पिन के भी प्रशासनिक में हित्बब्ध किसी बन्य कर्रीत प्रशासनिक प्रशासनिक स्थासनिक स्यासनिक स्थासनिक स्थास

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयक्त अन्तः और पदों का, जो उक्त अधिनियम के राज्य २०-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाता जो जाम अध्याय में विया गमा है

वस्पुभा

"फ्लट नं० 501. जा गारि शास्त्रास्ता, फ्लाट नं० 12, जै०पी० रेड, नात त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्थान अम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैप कि २० प । प है- $2^{7}37$ - $\$^{7}15048/84$ -85 श्चौर जो सक्षम प्रतिप्रकारि, बरप्रे द्वारा दिनांक रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज-2, **बस्बई**

तारीख : 5-7-1985

मोहरः

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

म्हायां स्वयं, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्राई-2/37-ई ई/14008/84-85—यतः मुझे,

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 311-बी० बी० ब्लाक, इनलैक नगर फ्लाट नं० 15 यारी रोड, त्रसोंवा श्रीपावई-4सबम्०0058, है, तथा जो बम्बई में स्थित है स्थ्रीर इससे उद्ध श्रनुसूची मधें श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रियस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्याल श्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर श्रीधनियम खाडी घारा 269क, के श्रीत तक्षत श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिबे स्ट्रीय तारीख 1-11-1984

कर्त पर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिप्तिक्त के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का नारण हो कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रसिद्यन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में धामनीवन हुए से कीचन नहीं किया एया है:—

- (क) कल्लायम से हुई किसी भाव की शावत, उक्त अधिनियम की अभीन कर बाने के झम्तरक की पर्वादक की अभी कर्णा समझे सकत की समित्र के लिए; बॉर/या
- (स्र) एसी जिस्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ता. किन्ही गएनिय अप्रकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम था एएट जिल्लियम, 1957 (1957 का 27) ए लोक्सर्क अप्रिक्ति देवार प्रकार नहीं किया गया धन या किया आना चाहिए था, किया में

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-घ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन्धारा (1) को एपीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री दीपक कुमार एस० गुरनानी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमीला मनोहर नागपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि कव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या क्या है।

''फ्लैट नं० 311वी, जो बी ,ब्लाक, इन्लैक्स नगर, प्लाट नं० 15, यारी रोड, वर्सोबा श्रंधेरी, हैबम्बई-400058 में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37- श्रर्ड/1408/84-85ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्राय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेन्ज-2 बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🚜

प्रकृप बाइ . टी. एन. ए४ .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यात्त्व, सहायक जायकर बाय्क्स (निर्दाक्ति)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश स० अई-2/37-ई /14257/84-85→-यत: मुझी, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, :961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स कं अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० रूम न० 73, रोणनलाल अग्रवाल शापिग आरकेड, अपना घर के पास, एस० नं० 41 (पार्ट) ऑफ जे० पी० रोड़, वर्मावा अंग्रेरोप एवन है नथा जो बस्पई-400058 में स्थित है (प्रीरहा उन्नाइ जातूची में और पूर्ण रूप से विधित है), श्रीर जिनही कर राज स अग्रवहर अधिनयम की धारा 269 क ख के अग्रोज सतम मा प्रकारी के कार्यालय बस्बई में राजस्ट्री है तारीख 9 नवस्वर, 1984

का पूर्वित सपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूथमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि स्थापनांचत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का उन्दर्ध प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरिता) के बाच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नोलीखन उद्दर्ध से उचत अन्तरण किचित में अस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- ं तन्तरण संष्ठा किमी बाद की बादक, उक्क म । न कर बनों के अन्तरक के र १ रच का उसक क्षाने में वृश्यिमा क लिए; और/या
- (म) एसो किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 की 11) या उक्त अधिनियस या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्वास के लिए,

अतः अबः, जलः आभिन्यम का पारा 269-१ के अन्मरण मो, मी, जलम निपनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मेसर्स आर० एन० ए० बिलडर्स ।

(अन्सरक)

3. श्री शंकर भीमराव ज्ञान मोन्टे।

(श्रन्तरिती)

की यह बुधना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन का नविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी न्यपित व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरों के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वस स्टेरी

"ह्म न० 3 रागनल ल अगरव न शोबिंग जारकड, आ असा घर केपास आफ गे०वी राड्,एस० एत० न० 41 (ए टं), वर्सीवाअंधेरी पाउचम, घम्बई-100058 में लवल है।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अ.ई-3/37-ई ई/14:25:7/34 श्रीर जो अक्षम प्राप्तधारी बम्बई द्वाराजिना है 9-11:34 का रिजस्टर्ड किया गया है।

> संस्मार ६ । गलम प्रविद्याली सहायक आयलर आय्वत । कराजण) अजनरूर-४ वस्त्रही

नारीख: 5-7-1985

मोहर .

प्ररूप बाईं. टी. एन. एसं 🚉 =----

1. मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के बधीन स्वना 2. श्री रंमेश छिबरीया।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम रिवय कि कि विश्वाम, करने का कारण हैं कि स्थावर कथीन, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 76 रोणनलाल अप्रव त शोपिग अरकेंड, अपना घर के पास, वर्सोवा, अंधेरी गण्डम, में हे तथा जो बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका कर रतामा अप्रकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सजम प्राधिक री के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर 1984

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रायन सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्निह प्रतिश्व से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण स्निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संह्यं जिल्ली अध्य कर बाबत, उक्त ब्रिशियम के अधीन कर दोन के बन्तरक की वाबित्व के जमी करने या उल्लंख चने को सुविधा को लिए; बार/या
- (ख) एसं किसी अय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1)57 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए !

मा: मब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन. निम्निकिस्त व्यक्तियमें अर्थात् :— को यह सूचना जारी रूपके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्ची

"रूम नं० 76' रोशनलाल अगरवाल शोपिंग आरकेड जो अपना घर के पास, एस० नं० 41 (पार्ट) आशिव रा वर्सोव, ग्रंधेरी पश्चिम,बम्बई-400058 से स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ई ई/14117/84-85 स्रीर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1/2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

र ६मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख : 5-7-1985

त्रका बार्डं टी.एन एत. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 5 जुलाई 1985

निर्देण स० आई-2/37-ई ई/14854/84-85---यत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'कश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० हम त० 84, रोणनलाल अवात णापिग आरकेड, अपना घर क पास आफ जे० पी० रोड वसीवा अधेरी पिण्चम है तथा जो बम्बई-400058 में स्पात है श्रार इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) और जसका करारनामा आयकर अधियम की धारा 269 कख अधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 23 नवम्बर 1984 को पूर्वेंक्स सपित के उचित बाजार मूल्य म कम के रश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमाव प्रतिफल से एसे रश्यमन प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्रत से विधिक हैं और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पामा गया) प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तर में वास्तविक रूप से किसत नहीं फिया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस वजने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

भराः अर्था, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अनुसरण में मैं, उभत अधिनियम की भारा २६९-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् .— 1 मैंशर्सभ्रारः एन०ए० बिल्डस ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती (मन(आत्मा वासवानी ।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जबत सम्पत्ति के वर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा,
- (ल) इस स्चना के राजपश्च मा प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त करी के पास निश्चित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: -----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनस नियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में- दिया गया है।

धन संची

'क्रम न० 84, जो रोणनलाल अगरवा गोपिग आरकेड आफ जे०पी० रोड एस न० 41 (पाट) अपना घर के पास वर्सीवा अधेरो पश्चिम, बम्बई-400058में स्थित है।

अनुसूती जैसा । ४ क० म० जर्द-2/37-ई ई/14854/84-85 श्रीर जो सञ्जम प्राथिकारी बम्बईद्वारा दनाक 23-11-1984को रुजिस्टई वियागया है ।

> लक्ष्मण द(स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्ब**ई**

नारीख 5-7-985 माहर .

प्रस्य बार्ड. टी. एर. एर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, वम्बई बम्बई ।दनाक 5 जुलाई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37ई\$/14256/84-85—ग्रतः मुझे•, लक्षमण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ध क मजान सदाम का जारी का, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० रूम न० 67, रोजनलाल अगरवाल शोपिंग आरके ज आफ जे० पी०रोड, अन्ता पर के पास, वर्सावा स्रंधेरी पश्चिम बम्बई-400058 में तस्थत हे (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची भे स्रौर पूर्ण रूप विणित है) स्रोर जसका जरारनामा आयकर आधिनयम की धारा 269 के खे के जवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है, तारीख 9 नवम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत सं अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण मंहूर किसी बाब की बावस, उपस् जिमियम के जभीन कर दोने के जन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के 1750 जीर/क
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन य' अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीण शय-कर क धानरम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, जियाने में मृतिथा के निष्;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिन्यम की धारा 209-च की उपधारा (1) को अर्धन, निम्नलिखित व्योक्तया, अर्थात् :— 1. मैसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र जी० झवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा.
- (क) श्रुष्ठ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्विधिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगेंग जो उस अध्याय में दिया गुबा है।

अनुसूची

''रूम नं० 67 जो रोशनलाल अग्रवाल शोपिंग आरकेड, अपना घर के पास आफ जे० गी० रोड एस० नं० 41 (पार्ट), वर्सीवा अधेरी पश्चिम, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि के० स० अई 2,37 ईई,14256,84-85 प्रौर जो सक्षत्र प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनाक 9-11-1984को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2 बम्बई

तारीख . 5-7-1985

फार्यवाहिया करता हा।

प्ररूप आई.टा एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जलाई 1985

निर्देश सं० श्राई- $2/37=\frac{8}{5}/14531/84-85$ —यत मझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म पाधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निस्का उचित प्राजार मन्य 1,00,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी संवर्णम नव 86 रोशनलाल श्रग्रवाल शोपिग श्रारकेट, श्राना घर के पास श्राफ जेंव पीव रोड वर्गोवा, श्रन्धेरी पिष्णम बम्बई-400058 में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है) श्रौर जिसका काररनाम। श्रायकर श्रश्तियम की धारा 269 के खें के श्रधी सक्षम प्राधिकारी ने कार्यालय, वम्बई रिजस्ट्री है तारीख 13 वम्ब

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मल्य संकम के रूश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुम्से यह विश्वास करन का नारण ही कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत संजिधक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उदस्का से उक्त अंतरण लिसित में वास्तैयिक रूप में किथित नहीं किया गया है ——

- (क) प्राप्त संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के कियत मा हमी कान या उससे बक्त मा सविभा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आए रा किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयजर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ अन्योगि स्वार पसट नहीं किया गया था या किया जा जा जाहिए था छिपाने मा स्विधा के लिए,

डिल अब ार पीयिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण म में राज बरिपिणम भी धारा १६९ झ की उपधारा (०९ के अधीन रिफ्निटियिय समिता, अधीतु :— 1 मीमस श्रार एवंट ए० विल्डा

(ग्रन्तरक)

2 श्रीहरीण प्रप्रायाम मनमा स्वास रानी अग्रवाल (श्रन्तरिती) को यह सचना जारी करक पश्चिममन्ति के अर्जन के लिए

उदत सपति क १र्जन १ र जाप म बाई भी आक्षेप

- (क) इस सचना व राजपत्र में प्रकाशन का तार्यंत न 45 दिन बा अवाथ या त्रावती व्यक्तिण कर सूचना को रार्थं पर 20 नि की अवाध, जा भी अविधि के बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेंकि व्यक्तिया में स्टेक्स एक्सियां

स्पष्टीकरण -- गा अर उक्त आधिनग्रह गा (१५ म में प्यापित है, बही अर्थ सारा प उस अध्यार में दिया गया है।

अन्सुची

कम न० 86, जो रामनलात गग्नवाल शोपिंग श्रारकेड, श्रपना घर ने पास शाफ में की कार एसकनक 41 (पार्ट), बर्सोबा, श्रधंरी पण्चिम वर्ग्य-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैस कि अ० स० श्रार्ट 2/37-ई ई/11531/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई झारादिनाक 13 नवम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया ८ ।

> लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिकारी सनायक प्रायतार प्रागात (निरीक्षण) श्राजीन रेज-21 **बस्ब**ई

तारीख 5-7ब1985 **मोहर**ु

प्ररूप बाहें. टी. एम. एवं.-----

शासकर जिथितियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14530/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- राज्य संअधिक ही

स्रोर जिसका सं० रूम नं० 68, रोमनलारा श्रग्ररवाल मोपिंग श्रारकेड, स्रपना घर के पास, श्राफ़ जे० पी० रोड, वर्सोवा संधेरी पिचम है, तथा जो बम्बई-400058 में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख़ 13 नवम्बर, 1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उषित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त मम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नतिषित उष्टोश से उक्त बन्तरण निवित में शास्तिक स्प से कीवत नहीं किया भवा है ह——

- (क) जनतरण मं हुई किसी शाय मा ग्रावल, उक्त औधनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दावित्व में कमी करने या उससे वचने पें मुविधा को चिद; बौर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के विष्;

बत: बंब, उब्त विधिनियम, की भाग 269-व के अनुभरण वें मैं, उब्त अधिनियम की धारा 269-व की जयभाग (1) वें प्रक्रीन, जिल्लीनियत व्यक्तियों, अर्थात् मैसर्स श्राप्त एन० ए० बिल्ड्सी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेन्द्र जी० झवेरी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोर्ड भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकाश में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कम्य व्यक्ति इंगा अभोहस्ताक्षरी के गांव विश्व में किए जा सकेंगे।

स्थाकतीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कही अर्थ होंगः जो उस अध्याय को विका गया है।

श्रनुसूची

"रूम नं० 68, जो रोशनलाल श्रग्नवाल शोपिंग श्रारकेड, श्रॉफ़ जे० पी० रोड, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रपना घर केपास वर्सीवा श्रंधेरी पश्चिम बम्बई-400058 में स्थित हैं।

स्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2/37-ईई/14530/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, **ब**म्बई

तारीख : 5-7-1985

प्रकप नाहर्ः, टी. एन. एस. नन्यवनन्यनन नायकतु निधिनयम, 1961 (1961 को 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ई ई/14849/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं कि म नं ० 8 2, रोशनमाल श्रग्रवाल शोपिंग श्रारकेड श्रौंफ जें ० पी० रोड़, श्रपना घर के पास, वर्सोवा, श्रंधेरी पिष्चम, है, तथा जो वस्बई-400059 में स्थित है (श्रौर इसमें उपांबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23 मध्मबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरम के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) बनारण ये हुई कियी बाम की बाबध, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शियरण में कमी अपने या तसमें अपने में सविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

सत. अस, उन्तर विभिन्नियम की भारा 269-य के वनुसरण में में, जन्नत आंधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, जिप्तिलिसित व्यक्तियों, अभीत चे—10—216 ता/85

1 मैसर्म आर० एन० ए० बिल्डस

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजीनी बाला थरेजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयूक्त सक्यों और पवाँ का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया समा हैं।

वन्यूची

रूम नं० 82, जो रो ग नलाल अग्रवाल शोपिंग आरकेड, ऑफ़ जे०पी०रोड, एस० नं० 41 (पार्ट), अपना घर के पास, पश्चिम, वर्सीवा, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई- 2/37-ई ई/14849/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी∂ : 5-7-1985

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ------

माभकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

 मैमर्म लोखंडवाला प्रिमैं सेस (प), लिमिटेड । (अन्तरक)

2. श्रीमती रामदेवी दीनानाथ मोडी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई-2/37-ईई/14561/84-85-म्रात: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ पारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 708. 7वी मंजिल, मोंटाना-सी, 4 बंगलोस, वर्सोवा, अंधेरी (प०) बम्बई--58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है प्रारंजिनका करारभामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 15 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के द्रवस्थाल इतिफक्ष के लिए अन्तरित की गक्षे हैं क्लेन मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य उसके द्रवस्थान प्रतिकक्ष के प्रति द्रवस्थान प्रतिकक्ष का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए वय नचा प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियर के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ने लिए, बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा से किए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :----

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्बक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाकाप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की मविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की मविधि, जो जी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (ब) इस त्याना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्यारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकीने।

रचकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पद्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित-ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा गया है.

ग्रनुसूची

प्लैट नं० 708, जो सात्र्यी मंजिल, मोटाना, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्भोवा, ग्रंधरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की क० सं० अई-2/37-ईई/14561/84-85-और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 5-7-1985

प्रारूप आर्द्दा. एन . एस . ----**--**--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14562/84-85---श्रतः मुझे,

लक्षमण दास

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० फ्लैंट नं० 305, तीसरी मंजिल, श्रैंटन टावर्स 4 बंगलोस, वसोंवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15 11-1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उपित बाजनर भूज्य उसकी दश्यमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (स्रो भन्तरण संहुप्रे किसी भाग की बावल , उथक अभिनियम के अभीन कर दोने के अप्तरक के दावित्य में कशी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; ऑड√वा
- (क्) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बर्तिस्तरों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनवस्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस्, या धनकर विधिनयस्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ६व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अधीन, —

- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई दलामाल पंजाबी । (अन्तरक)
- (2) मारूति नारायण भगतलाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत संपत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूच करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिमिकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्बों और पूर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 305, जो तीसरी मंजिल, ग्रैटन टावर्स, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधोरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37-ईई/14562/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-7-1985

प्रकृष बार्च टी. एन. एस.-----

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीत सूचना

भारत बरकार

कार्वाजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई-2/37-ईई/14518/84-85——श्रतः मुझे अमण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, दूमरी मजिल, लेशी श्री स्थामी सामर्था प्रसन्ना कोश्रापरेटिव हाउभिंग सोसायटी लि०, श्रांफ जे० पी० रोड श्रधेरी; (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रन् सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कुछ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 13-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा क्या प्रतिक्रस, निम्नसिखित उद्वेष्य से उदत बन्तरण निविश में बास्तविक कप से कवित नहीं किया क्या है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की गांधत उनत बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करणे या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (च) एँसी किसी शाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

बत: जण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्क :---

(1) हरिनद कर्पिरेशन

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ एम॰ शाह (एच॰ यू॰ एफ॰) (स्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध के कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिनबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्य:

पर्लैट नं० 5, जो दूसरी मिजिल, लेकी, प्लाट नं० 90, यूनिट नं० 647, श्री स्वामी सामर्था नगर, प्रसन्ना को-श्राप-रेटिव हाउसिंग सोमायटी लि०, श्राफ जे०पी० रोड, श्रंधरी (प) बम्बई 5 के, में स्थिन है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-84-85-ईई/14518 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्ड किया गया है।

> नक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोक: 4-7-1985

प्रकृष बार्ष . टी. एन् , एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

मारव परकार

कार्यात्तयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, वस्बई
बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14554/84-85—ग्रतः मुझे, लक्षमण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा

269-इन के अभीन सक्षय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उपेचत बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कबी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; अद्देर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया भा या किया जाना काहिए था, कियाने में स्विभा के लिए,

बतः वज् , उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलि**श्विर व्यक्तियों, वर्णात्** (1) मसर्म लोखंडवाला इस्टेट्र एण्ड डवलपमेंट कम्पनी (प्रा०) लि०।

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी अंशु एस० मुल्टानी श्रीर श्रन्य। (अन्तरिती)

को वह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह सम्बद्धि के कर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वका के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगं।

स्पष्ठीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिमाधित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मा दिया गया ही।

घन् सूची

प्लौट नं० 1210 जो 12 वी मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोज, वर्सोबा, ग्रिधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37-ईई/14554/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2, बम्ब**ई**

दिनाक: 4-7-1985

योद्दर:

बक्द बार्द हो , एव , व्य

शावकार वॉथिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नथीन स्वना

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) वारत बृह्यस्य

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश मं. श्रई-2/37-ईई/14551/84-85——श्रतः मुझे, लक्षमण दास

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभीनयन' सहा गया है), की भारा 269-स के मभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तका उचित् वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 511, पाचवी मंजिल, माग्नम टावर्म, प्लाट नं 357, एस न 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, वर्सीवा, ग्रंथेरो (४) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा धारा 269क के ग्रंथीन मुक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-11-84

का धूनांनत सम्मित के उचित नाजार मूस्य से कम के खबनाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निवनास करने का कारण है कि सथापूनोंक्त तम्मित का उचित नाजार मूल्य, इसके खबमान प्रतिफल से एसे खबमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के सिए तब पाना अन्न प्रतिकत, प्रम्नीनिवित उद्दोस्य से उच्च मृत्तर्ण निवित्त में नास्तिक कप से कांचत नहीं किया ग्वा है :—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्त विभिन्नम् के वृथीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिय; बांद्व/वा
- (क) एवी किसी नाम मा किसी प्र मा जन्म नारितकों को, जिन्हों भारतीय नासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन्कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रवोचनार्थ मन्तरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया बना ना साहित् वा किसाने में स्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण कें, कें, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) वे कथीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अधीय ह—— (1) मैं उर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डवलपमेंट कपनी (प) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नेहाल पी० माही।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पृत्रोंक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी नामेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की क्षविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसिट में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु विश्व होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

फ्लैट नं० 511, पाचवीं मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, ए.स० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोज, वर्सीवा, भ्रम्धेरी (प), बम्बई-400058।

श्रनुसूची जैसा कि कि लें ग्रई-2/37-ईई/14551/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण **दा**म सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-7-1985

मॉहर 🗈

प्रकृत बाह्य हो. एत्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14565/84-85---श्रनः मुझे. लक्षमण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 512, पांचवीं मंजिल, माग्नम टाबर्स, 4 बंगलोम, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा. 269 क.ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाय्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबल अक्ष अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे इ। यित्व मीं कमी अपने या उपने इदनें में स्विधिक के दिल्हा और/या
- (ह) इसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया "का चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैं मर्स लोखंडवाला इस्टेट्र य एण्ड डेवलयमेंट कंपनी (प) । ल० ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर करनराज पी० माही ।

(ग्रन्मे,रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीख से 4.5 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वयक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हु⁵, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जा संची

फ्लैंट नं० 512 पांचवीं मंजिल जो माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357 एप० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलंग्न, बसौंबा फ्रांधेरी (प), बम्बर्ध-58 में स्थित है।

भ्रानुसूत्रो जैसा कि कि प० ग्रर्ड-2/37-ईई/14565/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राठिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास मक्षम प्राधिकःशी (सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, सम्बर्ष

दिनांक: 4-7-1985

पक्य नार्. टी. एन . एस . ------

वावकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में विधीत सूचना

भारत संस्कार

कार्यांचय, सहायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई. 1985 निर्देश मं० श्रई-2/37-ईई/14640/84-85---श्रतः मुझे, लक्षम दामण

कायकर क्रीभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उन्त अधिनियम' कहा गना हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षण प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मल्य 1,00,000/- ∞ . से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 910, नौबी मजिल-माग्नम टावर्म, 4 बंगलोस. बसोवा, श्रंधरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बींगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा, 269 क.ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिनस्ट्री है दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्ति उद्विष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनिजय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कक्ष धव, उक्त मीभीनवभ की धारा 269-ग के अनुवरण के, मैं उक्त मीभीनवम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--- (1) मैसर्स लोखंडवाता इस्टेट्न एण्ड इवलनमेंट कंपनी (प) लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजन एन० निवारी

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां शुरू करता हुं।

उसत संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 910, जो नौबी मंजिल, माग्नम टावर्स फ्लाट नं० 357 एम० न० 41 $(पा^{\frac{1}{2}})$, 4 बंगलो 1, वर्भीबा, ग्रंधेरी (4) वस्वई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंना कि कि कि में अई 2/37 ईई/14640/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 की रिनस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास स्थाप प्राधकारी प्राप्त पापकर प्राप्ता (विरोक्षण) प्रार्वन रेंज 2 बस्बई

दिनोंक: 4-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के श्रभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यक्षियः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2 बम्बर्ष्ट बम्बर्ड, दिनांक 4 जुलाई 1985 निदेश सं० श्चर्ड-2/37-ईई/11520/84-85--श्वनः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाबकर धिवित्यम्। 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चाल् 'उन्त अधिनियम' अहा यया है), की जारा 269-ज के अजीन सजम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 4, जमीन मंजिल, नेस्ली श्री
स्वामी सामर्था प्रसन्ना कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०,
ग्राफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प) बम्बई-5२ में स्थित
है (ग्रीर इससे उपाधन्न श्रन्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम
की धारा 269 क ख के ग्रधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय.

बम्बई में रजिस्दी है, दिनांक 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह निश्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक कं वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर विधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

(1) हरसिद्ध कारपोरेशन

(भन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल वाडीलाल शाह

(श्रन्तरिती)

को बह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्थन के तिब् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इत्तस्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरों के पांच लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होना यो उस अध्याय में विसा नया है:

वन्त्र्यी

फ्लैट नं० 4, जमीन मंजिल जो बिल्डिंग बी-नेसली: क्लाट नं० 7९ यूनिट 638 श्री स्वामी सामर्था प्रसक्षा को-ग्रापरेटिव हाउमिंग सोशायटी लि०, श्राफ जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूचो जैना कि क० सं० अई-2/37-ईई/14520/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11:1984 को रिनस्टिड किया गया है।

> लक्षमण दाप गंक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई।

दिनांक: 47 1985

प्रकृत बाह्र . ही . ब्रू . एव . ----------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रजीव सुवधा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, अम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14521/84-85----ग्रनः मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रन. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, सातवी मंजिल, लेग्नी, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना कं ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, श्राफ जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कथा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 12-11-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह्व प्रतिकृत से प्रक्षिक है और प्रकारक (जन्तरकों) और प्रकारिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के किए तय पावा नया प्रति-क्य विस्थालिकित बहेश्य ते उक्त प्रकारण कि बिक्त में बाक्तिक क्र कृष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मिश्रियम, वा बन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ा किया बानर बाहिए था, खियाने में मृष्कार के निए ;

नतः जन, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभास (1) भें अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत ६~ (1) हरसिद्ध कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त टी० पटेल

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रूचना की तानील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारिकारणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उकत विभिन्निमा, के वध्याय 20-क में सभा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में विस् गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 5 सानवी मंजिल, जो लेशी, प्लाट न० 90, यूनिट 647 श्री स्वामी सामर्था प्रमन्ता कोश्रापरेटिव हाउ-सिंग सो नायटी विल०, श्राफ जे० पी० रोड, श्रधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सठ० ग्राई-2/37-ईई/14521/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण **दास** सक्षम प्राधिकार। सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई।

दिनाक: 4-7-1985

प्ररूप भार्दे. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश स० ग्रई-2/37-ईई/14533/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,,00,000/- र. स आधक ह श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 411, चौथी मंजिल, माग्नम टानर्स ,4 बंगलोस, वसींवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 12-11-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित। की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से ऐसे हरयमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उच्च हेय से उक्त अन्तरण दिस्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गुवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के <u>नि</u>ल्ए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्ध अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड बेवलपर्मेंट कम्पनी (प०) लि०।

(ग्रन्सरक)

2. श्री मुनील दत्त मारिया।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमा, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन् सूची

फ्लैट नं० 411, जो, चौथी मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बस्बर्ध-38 में स्थित है।

प्रमुस्ती जैसा कि कि से प्रद्य-2/37-ईई/14533/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 4-7-1985

109 115.21.24.25.----

बाक्कर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन स्थान

THE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985 निर्धेश सं० श्रई-2/37-ईई/14556/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इत्तर्जे इसके पश्चात् 'जनत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वानार मून्य 1,00,000/~ रा. से अधिक **ड**ै श्रीर जिसकी मं० 706, सातवीं मंजिल, रेसिडेन्स-ए, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियस, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-1984 को पर्नोक्त सम्पत्ति के अचित बाबार मृस्य से कम के अस्पमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार क्रद्_{या} ज्याची कार्यनान प्रतिकान से, एसे क्यामान प्रतिकाल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिसी (अन्सरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया परिफन निम्नलिबित उददेश्य से उसन बन्तरण सिबित में वास्त्रविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किती बाय की शक्स उन्नर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सविधा के लिए;

कतः कथ उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् \wp —

- 1. मेमर्स लोखं उवाला प्रिमायसेस (प्रा०) लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. मास्टर हरीण एम० परवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट ही, वहीं अर्थ कोणा, जो उस अध्याय में दिवा स्था ही।

अन्स्ची

पर्लंट नं० 706, जो, सातवी मंजिल, रेसिडेन्सी--ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बेंगलोस, वसीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14556/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बबर्स्ड द्वारा दिनांक

15-11-1984 क रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बस्बर्फ

नारी**ख**: 4-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई, 1 नाक 4 जुनाई 1985

निर्देश स० अई-2/37-र्रेड/14656/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्व 1,00,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लैंट न० 502-ए पाचवी मजिल बेसर ्र बगलाम ग्रोशिवारा, वर्सोवा ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 मे स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध श्रनुभूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-निगम, 1961 की धारा 259क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान गितफल क लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपित्त का उचित गजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1 श्रीमती बिन्दिमा म्रार० गुलराजानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री देवरत रामकृष्ण चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सपित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। कहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट न० 502-ए जो पाचवी माजिल, बेन्सर, प्ताट न० 9, 9-ए, एस० न० 11 (पार्ट), 4 बगलोस, थ्रोश्विया वर्मीवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रतुमूची जैसा कि त्र० स० ग्रई-2/37-ईई/14656/ १4-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

नारीख: 4-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985

निर्देश स० अई- 2,37- ईई, 14663,84 85--म्रात मुझे नक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

शीर जिसकी से फलैंट ने 104 पहली मंजिल हार्मणी ए 4 बंगलीस वर्सीवा, श्रधेरा (प०), बम्बई- 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारलामा आयकर अधिल्यम, 1961 की धारा 269के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक करी के कार्यात्म में रिजस्ट्री है, मारीख 17-11-1984 को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मदान प्रतिफल के लिए बंतरित की नई है बौर बुको यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्ममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से आधक है और बंतरक (बंतरका) बौर अंच-रिजी (बंतरियाँ) के बौच एसे बंबरण के सिंच तम पाया गया प्रतिफल, निम्निवीवत उक्व के से उक्त बंतरण सिचित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिन नियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के चिक्क ; और/या
- (च) ऐसी किसी आज जा किसी भन वा अन्य आहि तयाँ को जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 19 122 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भा कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या / किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

असः अन्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अभ् सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती श्रीति एच० नागपाल।

(अन्तरक)

2. श्र इरेदा कसकर।

(मन्ति रिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

फ्लैट नं० 104, जो पहली मजिल, हार्मणी–ए, प्लाट नं० 343 एम० नं० 41 (पाट), बगलोम, वर्सोवा, ग्रधेरी (प०) बम्बई–58 में स्थित हैं।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ऋई-2/37-\$\$/14663/84-55 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-198 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आहर् टी एन एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985 निदेश म० श्रई-2/37-ईई/15038/84-85---ध्रतः मुझे स्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 9, जी-विंग, सिलवर प्रक्लेट यारी रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (ग०), बम्बई—400 061 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं, (ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1—11—1984 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूबांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण कें लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

1. मैं० मोनाकास्ट डेवलपर्स एण्ड बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री डेरीएस मोबो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

क्ष्मकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट गं० 9, जो, पाचवी मजिल, विंग-जी, सीस्वर ग्रंक्लेट, यारी रोड़, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्ब ξ -400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-2/37-ईई/15038/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 4-7-1985

मोहर '

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

कायवःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्थन।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश मं० प्रई-2/37-ईई/14638/84-85---ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 116-डी०, गीतांजिल 7 बंगलोस, वर्सोवा, विलेज श्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीवत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्नावधन के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

अतः त्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण नैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं वाम्बे हाएसिंग कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

2. श्री श्रजीत सिंह् गुलाटी।

(ग्रन्तरितो)

का बह बूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास;
- (त) इस सूचना के राजवत्र में प्रक्राशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ति सिक्ति में किए जा हकोंगे।

स्पाचितरणः - इतर्जे त्रयुक्त कक्षों और पवों का, जो उक्स अधिनिवस, के अध्याव 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 116-डी, जो गीतांजलि, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7 बंगलीत, वर्सीया विलेज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14638/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बम्बई

तारी**ख**: 4−7∽1985

मोहरः

प्रकृष आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-2, बन्धई

बम्बई, विनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15037/84-85-मत. मुझे सक्सण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पनैट नं० 10, पांचवी मंजिल, जी-विग, सिलवर प्रक्लेट, यारो रोड, वसींवा, श्रंधेरी (प०) बरवई— 400061 में स्थित हैं (श्रीर इनते उपावत श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, सारीख 1-11-1965

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक में शोधरम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निरा और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

मत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--12-216GI85

- 6. मै० मोनोकास्ट **स्वेय**लपर्स एण्ड बिल्डर्स। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एडविना सिप्लिसीया नर्जीरेथ। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायाः
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित गया हाँ।

श्रन्**भूची**

फ्लैट नं० 10, जो पाचवी मजिन, जी-विग, निलवर भ्रम्लेट, यारी रोड, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), वम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सिं प्राई-2/37-ईई/15037/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बर्ध

सारी**ख**: 4-7-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

कासल्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

'गांतय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई अम्बई, धिनांक 4 जुलाई 1985

निदेण सं० श्रई-2/37-ईई/14519/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रजात 'रास्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारज हैं। के स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्व 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 5, चौथी मंजिल, लेली, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना कोन्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, श्राफ जे० पी० रोड, श्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसता करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984 को पर्वोक्त अम्पत्ति के रिचन बाजार सत्त्य में कम के क्रयमान किफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कार्य है कि यथाप्याकत समपत्ति का उचित बाजार हम्ब, उसके द्वयमान प्रतिफल का पत्यह इतियत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक (बन्तरकों) बौर अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिकास कि किया गया है:---

- रक) श्वन्सरणः पंकृषं किसी बायकी बाबत, उक्त अधिनियश के अधीन कर दोने के अन्तरक को द्यिश्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और∕मा
- (ल) श्रेसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था का किया बाना चाहिए बा. किया के लिए;

बार बाद समल अभिनियम की भार 269-ग की समलरम बा, की, जगत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, गिम्निलियित व्यक्तियों, अधीत:— 1. मैसर्स हरसिद्ध कारपीरेणन।

(भ्रन्तरक)

2 श्री प्रहलाद भाष जे० स्रिवेदी।

(भ्रातरिती)

भा रह ब्याना बारी करके प्यासित सम्परित के अर्थन के जिंग कार्यपाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की अविध या क्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज सं 30 दिश को अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्वीक्वयों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सद्भ के राजपत्र में प्रकाशन की शारील हो 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म श्विकत द्वारा अधाहरताक्षरी के पार जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्वकाक्ष्यरणः— इबमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, को उवक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया मया हैं॥

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 5 जो चौथी मंजिल, लेक्सी, प्लाट नं० 90, यूनिट 647, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना कोग्रापरेटिय हाउ-सिंग सो गायटी लि०, श्राफ जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैना कि त्र० सं० प्रई-2/37—ईर्ड/14519/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड ढारा दिनाक 12–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आहें. टी एन. एस 1

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्याजव, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क यो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 1808, 18वी मंजिल, मैननम टावर्स, 4 बंगलोस, वसींवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17—11—84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निस्थित उद्देश्य से अक्त अन्तरण में निक्ति बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है —

- [क] बन्तरूप धं हुई किती शायकी वाशत उभव वाधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के कायत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन का अन्य नास्तिको की, जिन्हों भारतीय जाय-कर निर्मानक्ष, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मान स्मानकर अधिनियम, सा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहा किया गया दा या किया जाना थाहिए वा, ज्याने में सुविक्ष के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधार (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 मेसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी, (प०) लि०।

(भ्रन्तरक)

2. डॉ॰ इरशाद फरूखी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी जविष कर में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रीक्त स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इद क्षता के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्ति से हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभाइस्ताक्षरी के शक् सिवित में किए का सकाग

स्थाकरणः — इत्रमं प्रयुक्त वस्यों और परों का, जो उनत् विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वाही।

अगसची

फ्लैट नं० 1808, जो, 18वीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, बर्सोबा, मंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

प्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2/37-ईई/14643/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸2, बम्बई

सारी**ख**: 4-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के विभीन सुचना

श्वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/14642/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, छठी मंजिल, मैंग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी, (प०) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मोना पंकराज साह्नी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतिस् के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की बर्वाध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ चित्रका में किए बा सकों में।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वया है।

अनुसूची

फ्लीट नं॰ 601, जो छठी मंजिल, मैग्नम टावर्स, प्लाट नं॰ 357, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/14642/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 जुलाई 1985

निरेश सं० भई-2/37-ईई/14818/84-85--भ्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से बधिक है

प्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 502, पांचवीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

सतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों कि स्थाति :--- भैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलयमैट कम्यनी। (प०) लि०।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स भनीता इंटरप्राइसेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कॉई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्मवयी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर मम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

अनुस्ची

पलैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, मंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-2/37-ईई/14818/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप माइ. टी. एच. एस. -----

भाभकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुभना

भारत **सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं ॰ ग्रई- 2/37-ईई/14843/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1010, 10वी मंजिल, मैंग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 22-11-1984

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहोमान प्रतिकल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से क्रिशत नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें स्विधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखिट व्यक्तियों, मर्थात :-- मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमैंट कम्पनी, (प०) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री की० बी० पय।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :=-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेग ।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्राक्त सन्दीं जीर पदौ का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

पलैट नं॰ 1010, जो दसवीं मंजिल, मैग्नम टावर्स, 'लाट नं॰ 357, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, मंधेरी (प॰), बस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-2/37-ईई/14843/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-11-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) भ्राजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 5 जुलाई 1985

निदेश सं ० ग्राई-- 2/37--ईई/14652/84--85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्भात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० 405-ए०, चौथी मंजिल, बेन्सर, 4 बंगलोस, ग्रीशिवारा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 17-11-1984

का पर्वावत सम्पन्ति के राजित बाजार मन्य म कम के रहणमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एमें रहयमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रांतशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिजक कप से कांभत नहीं किया गया है दे—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकर विभिन्तियम के जभीन कर दोने के जलरक के बादित्व में कभी करन या उसम बचन में कोच्या के सिए; बॉर/बा
- (ब) इंसी किसी बाव वा किसी भन या बन्य बास्तिया की, बिन्ह भारतीय सायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसते विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. मैसर्स रविराज कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री फिरोज इरोनी, श्रीमती कामाक्षी इरानी। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🌫 –

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक मे 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्बन में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्तर किश्वीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाविक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्यौ

फ्लैंट नं० 405, -ए, जो चौथी मजिल, बेन्सर, प्लॉट नं० 9, 9-ए, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, ख्रोशि- वारा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ध्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37-ईई/14652/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आत्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्रत (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज-2, **बग्ब**ई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं ० श्रई-2/37-ईई/14841/84-85--श्रत: मुझे, लक्षमण दास,

आयदार अधिविषम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें पहलान 'उटत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन विषय आधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाटर संविध किसठा उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 302, तीसरी मंजिल, रीगेन्सी→
ए, 4 बंगलोस, वर्मोवा, श्रंबेरी (प०), बम्बई—400058
में ियन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रंब नियम, 1961 की धारा 269क, ख के नगी, ब-बई स्वित सप्तम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री हैं, तार खि

करे पर्वोबद्ध संप्रीत के उचित वाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिप्रत के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएयोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रल किमारिकोंने उद्वेश से उक्त अन्तरण लिखित में व्यर्गिक क्रिस सो सिका कर से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हाई किसी आम की बाबत, उनस अस्तित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (३) एरेनी किगी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

জন জা, उक्त अधिनियम **की धारा 269-ग के अन्सरण** मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा (1**)

को अधीन. निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :--

- 1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प०) लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुनीता गोपालदास राजवानी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ 302, जो तीसरी मंजिल, रीगेन्सी-ए प्लाट नं॰ 342, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, बर्सोबा, ग्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं०ग्रई-2/37-ईई/14841/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप बार्चे.टी.एन.एस -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भायां स्वयं सहायक जायकर जाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रर्ड-2/37-5ई/14842/84-85--ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, रीगेन्सी— ए०, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बस्बई—400 058 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई ' स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में दश्यमान अतिफल के लिए जन्ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फ म, निम्नलिखित उद्बोध्य से उचत अन्तरण कि विधित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्दरण उहाई किसी साथ की बासक, इक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कामी कारने या उससे स्वयं यो सुविधा क लिए, बीर/पा
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या कन्य कास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवम, या धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

श्रतः अस, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण सँ, मँ, उक्त विधितियम की भारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन निस्तिविक्त व्यक्तिकाँ. अर्थात :---

13—216;GI|85

- 1. मेसर्स लोख डवाला प्रिमायसेस (प०) लिमिटेड। (म्रन्तरक)
- 2. भी यशपाल मेलाराम धवन।

(ग्रन्तिरती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जनधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जी नदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सर्पात में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

रवादीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उप अधिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा स्था हैं।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, रीगेन्सी-ए०, प्लाट नं० 342, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, म्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रर्ड-2/37--ईई/14842/84-85 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास भक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🕫

प्रकथ नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्तक) धुर्जन २७-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निवेश सं ॰ श्रई - 2/37-ईई/14910/84-85--- श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 53, पांचवीं संजिल, स्रोम निकेतन, 314 पालीराम रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई— 400 058 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिगो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय में अक्त अन्तरण निषित बास्तियक हथ में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उसल अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सविधा के लिए;

कतः अस उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण क में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निष्निलिणित व्यक्तियों, अर्थात है—— 1. मेसर्स भ्रोम बिल्डार्स (प०) लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

 श्री शशि कुमार मेहरा, सुनीता मेहरा, रिव कुमार मेहरा, नीना मेहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी की पास निसित्त में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्यी

पलैंट नं० 53 जो, पांचवी मंजिल, ग्रोम निकेतन 314 पालीराम रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{1}{2}-2/37-\frac{1}{2}\frac{1}{2}/14910/84$ 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राप्तृक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर •

प्रस्य बार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय. सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाब 3 जुलाई 1985 निदेश म० ऋई-12/37ईई/14193/84-85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

और जिपकी सं फ्लैंट न 503, जा, विक्रमादित्य कोब्राप-रेटिच हार्जा म सागावटी आफ 4 बगलोंन रोड़, वर्मीवा, अधेरी (प०), बस्बई 400 058 में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा सायार ब्रिधिनियम, 1961 की धारा 2696, ख के ब्रिबीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्याण्य में क्रिस्ट्री हैं, नारीख 7-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक उध्यक्षन प्रतिफल का पेवह प्रतिवात से अधिक हैं और अतरक (अतरका) और अतरिती (जन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिस्त उद्दर्ध से उक्त अन्तरण लिखित में सुरतिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तर्ण में हुई किसी साब की शावत, उसके अभिनियम के अधीन कर दीन के उत्तरक की दासित्व में कमी करने था उसमें अचने में सुविधा कालए, अ.र. ..
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह अपलीय अध्यक्त र जन्य अधिक्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्यिम, या धन-कर अधिक्यिम, 1957 (1957 का 27) र जिल्लान में किया ग्राम के किया जा पाहिए था छिपान में सिक्था के लिए;

केंति: अब, उक्त अभिनयम की धार 269-में के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अबीन, निम्नोतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

1. श्री जान बापटिस्टा कोयलो।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जेम्स जूड मेहरोल्ना।

(भन्तिरती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रौकत सम्पन्ति के उठन है जिल्हा कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यवित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अर्थान, जो भी बर्यीभ बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिन में किए जा सकीये।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिस्तापत है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्ची

फ्लैंट नं > 503. जो, पिक्रपादिस्य कोद्रापरेटिय होउँ मा स्थिति, आफ 4 बगलीत राइ, घर्मेदा, अध्री (१०), बम्बई-400.058 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा ि ॐ० स० १ई · /37ईन्। 1-2193/ 84-85 अर्थ को भक्षम प्राध्नारी, बन्दई द्वा ं , ४५ 7 11-1984 को रशिस्टर्ड िया गा है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राणिनारी सहायक स्रायकर ऋभ्यक्ष (गिरीक्षण) ऋजीन हेज-2 बस्बई

नारींख : 3-7-19**8**5

महिर:

प्रक्ष बाइं.दी. एत्. एक. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत वरकाइ

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बङ, दिनातः 3 जुलाई 1985 निदेश स० अहै- 2/37ईई/14237/84-85--ग्रतः **मुझे,** सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

और जिनकीं सर फ्लैट नर 208, दूसरी मजिल, निर्मल वाटेज, यारी रोट श्राप जेर पीर रेडि, वर्सीबा, अधेरी (पर), वस्वई-400 061 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायवर श्रीधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के व्याणिय में रजिस्ट्री हैं, तारींख 9-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दर्भे पिश्वास से अधिक है और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिसित उद्योदय से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उपस अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे • धने में मृतिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन ॥ बन्य ब्रास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बायकर विश्वनियम, 1922 (1) पे उपन निविसम, का स्वन्तिर बांधानियम, का स्वन्तिर बांधानियम, का प्रयोजनाय अन्तरिसी बारा अकर नहीं किया गया वा वा विश्वा जाता वाहिए वा. फिकाने में सुविधा के लिए;

चितः अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीत, निज्नीतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती नीलिमा बालहष्ण देणपाडे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रब्दुल रजाक इक्काहीम मर्चेंट।

(अन्तरिती)

श्रन्तिरती।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के लजन क सब्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इ.इ. सूचना ह राजपज म प्रकाशन की तारी के से 4.4 विन की प्रकृषि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की प्रविध, जो भी खबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विस्ति व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त क्यावर सम्मत्ति में दिवबंद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताकारी के पास लिखित में किसे जा सुकेंगे।

श्यब्दीकरण म्—इसमें प्रयुक्त भक्ता और पदो का, जा उक्त या ध-नियम के अध्याय ान्त में परिभाषित है, बही धर्ष होसा, जो उस धाक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैप्ट २० 208, जो दूसरी मजिल, निर्मल दाटेज, सीं० टीं० एस० 1036, यारी रोड, श्राफ जे० गी० रोड़, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बई-400 061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि० स० श्र $\frac{1}{2}-2/37$ हैं $\frac{14237}{84-85}$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2 बम्बई

दिनाक: 3-7-1985

मोहर 🛭

प्रकल्प नाइरं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांव, 3 जलाई 1985

निदेश गं० प्रई- 2/37ईई/14201/84-85----- प्रत. मझे, **सक्षमण** दास्र,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैंट नं० 1, जा, यूनिट नं० 5, जमीन मंजिल, बिल्डिंग स्टेलर टावर्स. 4 बगलीम वर्सीका अंधरी (प०), बम्बई-स्वण 058 में स्थित है (आंर इसमे उपाबद्ध प्रनसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिएका अस्तिमा अधिकार प्रधिनियम, 1961 की धारी 269 का ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय मे रिजस्ट्री है, नारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चिक्त में वास्तिवक कप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, 'छिपाने में सुविधा खें विष्ट;

अत अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं भिं ृष्णा द्रेडिंग अपेरिशन।

(श्रनंतरकः)

2. श्रीमती अमीना एस० का।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के उर्चन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 हिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी स्थानितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थाननकों में से किसी ध्यानित हवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवी का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे गिरभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्सूची

फ्लैंट नं 1, यूनिट नं 5, जो जमीन मिजिल, बिल्डिंग स्टेनिर टार नं, घ्याट नं 352, एसा नं 41 (पार्ट), 4 बंगलोस बर्सीवा, अधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रमुग् जैंगा कि करु गंर श्रई 2/37 ईं\$/14201/84-85 शाँर जो सक्षम प्राधिधारी, बम्बई द्वरा दिनांक 7-11-1934 हो र्राजस्टई िया गया है।

लक्षमण दास नक्षम प्राधितारी गहायह श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

वारीख 3-7-1985 मोहर: · ' ६ ८ (१५ .**१स** . ----वव-वव-वव

भावकार की भी नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्थन रच- ८ अस्बई

बम्बई, दिना 3 मुलाई 1985

निदेश म० श्रई-2/37 ह्य/14214/84-85--श्रत मुझे, लक्ष्मण यार्

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रम्भात 'उक्त अधिन्यम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

प्रीर जिसका स० फ्लंट २० ७४, जी, स०-स्कब्र, दूसरी मंजिल, रोहित अपाटमद्य अधिकार, अप्त जय प्रवाश रोइ; वसीवा, श्रधेरः (५०), बम्बई- 400 059 में स्थि। है (श्रीर इपने उपायद्व सनुसूच, न श्रार पूर्ण रूप स वर्णित है), ब्राट जिस्सा हरारनामा ब्रायाहर ब्रायिनयम, 1961 का धारा 2697, ख क श्राधन, बम्बई ।स्था सक्षम प्राधि-कार, के ार्यालय म र्राबस्ट्र है, तार,ख 7--11--1984 को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान ग⊈ अन्तोरत को त्तिए विश्वास करन का वारग _टे कि **यथा**⊴ पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है **भार** अतरक (अंतरको) आर अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिखित मा वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया ह*ं ः—

- (क) अन्तरण स सुद्द स्कती अध्यक्ष आधानत, उनका अधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी अपने भा उससे । चने में अधिका कार्यस्त्र, और/या
- (ध) एसी किसा जा ना किसी धन ए अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का नियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया करती साहिए था, ए अपनि में सुविधा करती

अतः अव, ज्ञस्त अधिनियम को धारा 260-ध की, अनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-ध की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नसिसित व्यक्तियां, अर्थातः :—

- मंत्रसं होरालाल लल∴्तुकुमार एण्ड कम्पनी। (भ्रम्तरक)
- श्रं ग्रकूर बसतराव काम्बले। (श्रन्तिरितो)
- 3. ग्रन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

4. श्रन्तर्क।

(वह व्यक्ति, जिसक बारे में ग्रधो-हस्ताक्षर। जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नमन, के बुध्यास 20-क में प्रिभाषिष्ठ हाँ, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हाँ।

श्रनुसूची

प्लैट नं० 64, सी-स्कंध, जो दूसरी मजिल, रोहित क्राव्टिमेट्स, प्लाट न० 5% श्रोधिवारा, श्राफ जय प्रकाश रोड, वसीव, श्रवेरा (५०), प्रस्वई-100059 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा वि ७० स० प्रई-2/37-ईः/14214/ 84-85 प्रंप जा सक्षम प्राधितारः, बम्बई द्वारा दिनाक 7-11-1984 को पजिस्टर्ड दिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रचेत रेज--2, बम्बई

तारी**ख** 3-7-1985 मोहर: दक्ष बाहें. हो एन . एक ,

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाउँ। 269-थ (1) के अभीन स्थना

शास्त्रं सुरुक्त

कार्यास्त्र, सहायक आयकर कार्यक्स (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निवेश सुरु प्राई-2/37ईई/14235/84-85--प्रन. मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के कभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिस्की सब पर्नेट नव 303, तीपरी मजिल, 7 बग-लो र, अबेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में अं।र पर्ण रूप से वर्णित है), और जिवस करारनामा श्रायार प्रधिनियम, 1961 की धारा 2697, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को गर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार श्रुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे नतरण के लिए तब पाया गया प्रति-कल, निम्नजिसित उद्देशिय से उक्त अंतरण लिसित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसस बचने भी मिविधा के निर् वरि/वा
- (श्व) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर्विधिनियम्, 1957 (1957) को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं क्रिया गया थाया किया जार। चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए:

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात :---

। श्री मज्ल कें जिल्हा।

(भ्रान्तरक)

श्रीमती तीना पानद अगन्ताट

(अन्तरिती)

8 भ्रन्तिर्गा।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सर्काल में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी व से 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अभीध, शोभी व्यक्ति बाद में समाप्त हाती हा, क भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में स दिशी असि ब्वारा.
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की शारीख सं 45 विन के भीतर जवन स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किमी अना व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए का मकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्राक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित 🕊, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या यया 🐔 🖯

बन्स्की

फ्लैंट नं० 303 जो नीमकी गलिल, ग्लाप्ट न० 50-54, 7 बगलोम, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रन्मूची जैंगा ि अ० ग० अई- 2/37ईई/14235/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी अम्बई द्वारा दिनक 9--11--1984 को रिजस्टर्ड रिया गया है।

> लक्ष्मण दास स्क्षम प्राधिकारी "सहाया श्रायाक श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

सारीखं. 3~-7--1985 मोहर '

प्रथ मार्च टी. एन एव -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के सभीन स्णाना

भारत सरकार

कार्यां लय, महायक शायवर आयुक्त (निरीक्षण)

ाजेंभ ≀ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई--2/37ईई/1422**7**/84--85---श्रतः मुझे, सक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). हो नाम 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की ध्रु विश्वास करने का करने का करने का करने के स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी स० शाप स० 2, जमीन मजिल, बिल्डिंग नं० 9-10, कचनगंगा (प्रिमायसेन) कोग्रापरेटिंग हाउमिंग सोनायटी, मनीण नगर, जे० पीं० रोड अथेरी (प०), बन्बई-158 में स्थित हैं (और एमें उनाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और चिपा 'रारनामा प्रायमर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के स्थितिय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमाम द्विफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापवावत सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिभत अभिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आभानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या जसम उक्तन में सुविध्य के स्तिष्ट और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम (1957 1957 का एन) के ध्याबार्ध कर्नारेशी द्वारा कर जी किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 6 श्री जागार श्रहंसद सिह्विकी, शरीफ श्रहंडद सिह्किकी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री पुरुषोत्तम मुरुवीधर भागेंच, श्री बनवारीलाल पुरुषात्तम भागेंच।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिया कारत। हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की शमील स 30 दिन की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरक '---हसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो जस अध्याय कें दियां गया हैं।

श्रनुसूचीं

शाप नं० 2. जमीन मंजिल. जो बिल्डिंग नं० 9-10, कचनगंगा. (प्रिमायसेस) काश्चापरेटिय हाउसिंग सोसायटी मनींग नगर, जे० पीं० रोड, अधेरी (प०). बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि प्राई- 2/37ईई/14227/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जभ रेज-2, बम्बई

तारीख 3-7-1985 मोहर प्रकल काइ¹. टी. एन. एस. ------

नाथकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत स्रुकार

शायनिय, सहायक आयकार जायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , बस्बई

बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985 निदेश स० ग्रई-2/37ईई/14297/84-85---ग्रनः मुझे, लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्षे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मंज फ्लैंट नंज 2, हिंकाण पूर्व की ओर), पहली मंजिल, मार्था पालेस, छाफ जैंच भवानीमाता मार्ग, अंबाली बिलेज, अधेरी (पंच), बम्बई 400 058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसका बरारनामा आयकर ध्रिधितियम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के बायलिय से जिस्ट्री हैं, तारीख 9-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्नॉक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया । ति-कम निम्निसित उद्योक्त से अन्त अन्तरण के लिए तय पाया गया । ति-कम निम्निसित उद्योक्त से अन्त अन्तरण के लिए तय पाया गया।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्ष्य उन्नस विकित्त नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी जान ना किसी धन ना जन्य जास्तिनों का, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में स्विधा के विका;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---14—216 GI /85

म (र्म गिरिराज कस्टूक्शन्म ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एड्गर इगनेशियम डिस्जा।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु—।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सूचपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी क्यितस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उच्च स्थानर संपत्ति में द्वितः वस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकतें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा का उस अध्याय भें दिया क्या है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 2, (दक्षिण पूर्व की ओर), पहली मंजिल, जो मार्था पालेम, सी० टी० एस० नं० 385/बी०, आफ जै भवानीमाना मार्ग, अबोली विलेश, अधेरी (प०), बम्बई--400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि ऋ० स० ऋई-2/37ई%/14297/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रिजिस्टई निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

1. मेशर्स गिरीराज असासियेट्स।

(भ्रन्तरः,)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

2 श्रीमती यूचिटं मासकरानस ।

(श्रन्तरितीं)

की धारा 269 ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेण सं० म्रई- 2/37ईई/14296/84~85----- मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 6 (उत्तर की ओर), दूसरी मंजिल, श्रह्मेंन भगवानी माता मार्ग, सीसर रोड़, अंबोली विलेज, अंधरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थिमे हैं (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख़ 9-11-1984

कां पूर्वीकत सम्पत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के बच्याना प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बार बंत-रिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति गाँ वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बानत, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने लिए, और/या
- (ख) एनी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर बिधिनयक, 1922 (1922 का 11) या उक्स बिधनयक, या धन-कर बिधिनायक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिधा प्रिथमा के लिए,

की बहु सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां खुरा करता हुं।

उन्त रान्यरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (थ) इ.स. स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं० 6 (उत्तर ऑर), जो दूसरी मिजिल, श्राल्पैन, ज्लाट सी० टी० एस० न० 40, भगवानीमाता मार्ग, सीमर रोड़, अंबोली विलेन, अंधरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैना भि क० स० श्रष्ट-1/37ईई/14296/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अस्वई द्वारा दिनाफ 9-11-1984 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> लक्ष्मण दार सक्षम प्रानिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्राजीन रेंज-2, बम्बई

यत: सकः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन: निस्नितिखित व्यक्तियों, सथित :---

नारीखः 3-7-1985

मोहर 🖫

प्रकम बाइं. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14057/84-85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण द।स,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 62, छटी मंजिल, बी स्कंध, श्री स्वामी, सामर्था प्रसन्ता को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 4 बंगलोज के पास, वर्मोवा, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्टी है दिनांक 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिकित से अधिक है और अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिचित में वास्तविक क्य से क्यित महीं किया गया है है—

- (क) नंतरण ते हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त निभागियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाब का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः बदा, उक्त व्यक्तियम की धारा 269-ग के बनुबरक वं, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन. निम्नितिबित व्यक्तियों, वधार्तः— 1. मैसर्स द्रायका कन्स्द्रवशन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती फारसीन इकबाल म्वादम् ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं 62, जो छठी मंजिल, बी स्कंध, प्लाट नं 24, श्री स्वामी सामर्थी प्रसन्ना, को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पूर्पा नं 41 (पार्ट), ग्रीशिवरा, विलेज, 4 बंगलोस के पास, वर्सोवा, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14057/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक : 3-7-1985

बङ्ग आहुर्-्टी एन एक . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना नारत बरका≝

कार्याजय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं श्र ध्र-2/37ईई/14060/84-85----- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, यूनिट _ 2 क्ली मंजिल, बिल्डिंग, स्टेलर टावर, 4 बंगलोस, वर्मोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिस राकरारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है विनांक 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया हैं....

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाथ की बाबत उक्त बीभनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा स्टोमिण; बीर∕वा
- (का) एंती किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया आना शाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

बसः बदः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविद्युत व्यक्तियों, वृधीत् :--- 1. श्रीमती हकीकुम निशा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिमा ग्ररोरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ--

- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरं उक्ती अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 2, जो यूनिट नं० 12, पहली मंजिल, बिल्डिंग स्टेल्लर, टावर, प्लाट न० 353, एम० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोम, वर्सोवा, स्रंधेरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है। श्रनुसूची जैमा कि क० सं० स्रई-2/37ईई/14060/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास प्रमाधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बस्बई

विनांक 3-7-1985 **मोहर** 🛭 प्ररूप नाइर. टी. एन. एस.-----

बायकर सिंधनियम,, ∤961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14061/84,85—-श्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 403, चौथी मजिल, बिन्डिंग होमस्टेड, 4 बगलांस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका रारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 3-11-1984

को प्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं पाया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी जाय या जिस्सी धन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया प्रया था विकास जाना चाहिए था, छिपानं से स्विभा के किया

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्थानतायों, अर्थातः :---

1. श्री चिमनदास एव० खिलनानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रवी टंडन, केर म्नाफ श्रीडी० एन० टंडन। (भ्रन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां द-रूकरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

पलैंट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग होमस्टेट, प्लाट नं० 337, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/14061/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाम 3-7-1985 मोहर:

प्रकार आहे. डी., एवं. एवं. नामान्यक्षा

बायकार बीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--न (1) को अभीन सूचना भारत संस्कार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/14331/84-85--- ग्रत: मुझे, लक्षमण दास,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 209-ख के अधीन सक्षम प्रिमिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 5, मनीश सणफकलवर को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, 25/26, मनीश नगर, 4 बंगलोम रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-11-1984

को ब्लॉक्स संपर्तिस के उपित बाजार मृत्य से कम के सममान शितफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मूझे यह निक्शास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीर जन्तरक (जन्तरका) की जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के जिए इस बाग गया प्रतिफल निम्नीतियित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि जिए इस बाग गया प्रतिफल निम्नीतियित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि जिए सम

- (का) अल्लरण में हुई किसी बाय की बायस उक्त बर्षिक दिशम के बभीन कार दोने के सन्दरक के श्रादित्व में नामी करने या उससे वधने यें सुविधा के सिस्; श्रीर/या
- (वं) एंडी किसी नान ना निकी पन ना नन्द आस्तियों को, चिन्हें शास्त्रीय बायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधीनयम या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीच-नार्व क्रिस्टी बुनाच प्रकट नहीं किया पना था या किया नाना चाहिए था क्रियाने में समिधा के मिक्ट

जतः क्षतः, उन्त विभिनियन की भारा 269-व के अनुवरण वै, मी. अक्त विभिन्नियन की भारा 269-व की स्टबरा (1) के वभीन, निज्निविधित व्यक्तिकों, वर्णात् क्ष्मान 1. श्री गाला गागजी सूरजी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री काजी जेठा पटेल, देवजी भूरा पटेल, श्री गोथी परबत मानजी।

(भ्रन्तरिती)

को नह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्पन के सिक् कार्ववाहियां करता हुन्।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र ,---

- (क) इस स्वाम के रावनण में प्रकाधन की तारीय ते 45 दिन की जगिंध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जगिंध, जो भी अविष भाष में समाप्त होती हो., के भीतर वृत्रें कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहा अभारी के वास मिसित मों किए वा सकों ने।

लिखीचरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त विजित्तक के कथ्यान 20-क में परिभावित हाँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियाः वया हाँ।

प्रनुसूची

शाप नं० 5, जो मनीश सणफकलवर को-श्रापरेटिव हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड, 25/26, मनीश नगर, 4 बंगलोस रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14331/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 3-7-1985

प्रसप बाह्र टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 4 ज्लाई 1985

निर्देश मं० प्रई० 2/37-ईई/14209/8485---प्रनः भुझे, लक्षमण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० पर्नेट नं० 702/ए स्कैवाकर हीरानंदानी इस्टेट अपना घर के पीछे, ओणिवारा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 9-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उवविषय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नेहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहाई किसी आय को बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोते की असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, वरि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम को भाग 269- अ के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिकित व्यक्तियां, वधात :---

मैसर्म प्रपेक्स कंस्ट्रकशन्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दमयन्ती, लक्ष्मीदास करानी ्श्री प्रकाश लक्ष्मीदास करानी।

(भ्रन्तरिती)

3 मन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पाभहै)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 डिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य विकत दवारा अधोहस्टराक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नेट नं० 702/ए जो ए-स्कंध, स्कैवाकर, हीरानन्दानी, इस्टेट्र, भ्रपना घर के पीछे, ओशिवारा, अंधेरी (प०), बम्बर्ड में स्थित है।

भ्रन्**सूची जैसा कि फ० मं० भ्रई-2/37-ईई/14309/84-8**5 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्षमण दास यक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिन(क: 3-7-1985

प्ररूप बार्ष टी एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14199/84-85—-श्रतः मुझे, मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, यूनिट 5, पहली मंजिल, बिल्डिंग, स्टेल्लर टावर, 4 बंगलोम, वर्मोवा,अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विणित है) और जिमका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के स्रिधीन मक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दियल के कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (स) एंसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , में तकत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) है अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—- 1. मैमर्स श्री बालाजी कैरियर।

(भ्रन्तरक)

2. शाहनवसज खा।

(श्रन्तरितो)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीस में हितबद्यध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जबाही।

मनुसूची

पर्लैट नं० 2; जो यनिट नं० 5, पहली मंगिल, जिल्डिंग, स्टेह्लर टावर, प्लाट नं० 352, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। प्रतुसूची जैमा कि ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/14199/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बस्बई

दिनोक: 3-7-1985

को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्ररूप् आर्घ.टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्राई-2/37ईई/14253/84-85—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समात्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 31 और 32, बिल्डिंग, ए, घनश्याम, इंडस्ट्रियल शेड, दूसरी मंजिल, वीरादेसाय रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है (और डससे उपावड़ ग्रन्यूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 9-11-198 🕸 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान पितिफार के लिए अन्दरित की गई है। और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्स संपत्ति का बाजार भ्रुष्य, उसके दरमान पतिफल ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रिमिचात से **জা** ঘল और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिण नष्टी किया गया है '----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सिवा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, राष्ट्र अभिनयम, राष्ट्र अभिनयम, 1957 (1957 का २०) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ठवाना प्रकट नशी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त प्रीयितियम की धारा 260-च की प्रथाना (1 के अधीन निम्मितिकत त्यावितको अर्थातः :— 15—216 GI/85 1. मैसम बाण वनरीज (प०), निमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र एम० मोडी।

(भ्रन्तिरतो)

को बह सूचन। जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः- --ध्रमनः प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम, को अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं कर्य गोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

यूनिट नं० 31 और 32, बिल्डिंग, नं० 'ए' घनण्याम इंडिस्ट्रियल ग्रैंड जो दूसरी प्रंजिल वीरादेसायरोड मे स्थित है

मन्चची जैमाकि ऋ० ग्राई० ईई 2, 37-14253, 84-85 और जा सक्षम पाधिकारी वस्त्राई द्वारा दिनांक 9-11-1984 का राजस्टई किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायर प्रायकर कृत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, बम्बई

दिनांक 3-7-1985 गोहर प्रकप बार्ड . टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निर्देश स० प्रर्ह-2/37ईई/14254/84-85—-म्रतः, मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे **एसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), कर्म धारा**269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट न० 33, तीपरी मंजिल, सारगा टावर रोणनलाल अग्रवाल काम्पलैक्स आफ जे० पी० रोड, अपना घर के पास, वर्सोवा अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपावद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 9-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाधार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किकी आप की ग्रबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने का उससे अधने के सविधा के लिए
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिया में सुविधा क

अत अब, उक्स अधिनियम की धारा २६९-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिभित व्यक्तियों, " 1 मैंसर्स आर० एन० ए० बिल्डसं

(अन्तरक)

2 श्रीमती मोरिया एजलीक। गोम्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्टिया करता हो !

उक्त मर्म्पात्त के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप 🤃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविभिन्न मा तत्मम्बन्धे न्यांक्ता, पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त क्यिक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्वोंगे।

म्पष्टीकरण ---६ममे अयुगत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-के में परिभागित हैं. वहां अध हागा, आं उस अध्याय में विया गया हैं।

पनम्नो

पलैट न 33, जो तीसरी मजिल, मारगा टावर रोशनलाल अग्रव ल कम्मलैक्स, आफ जे०पी० रोड एस न० 41 (पार्ट), अपना घर के पास, वर्सावा अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची जैसा क करु स० अई-2/37-ईई/14254/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 9-11-1984 को रजिस्टई नियागया है

> लक्ष्मण दास एजम गाधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रागन रेज-2, बम्बई

दिनाक . *3*-7-1985 मोहर**ः** प्रकृप नाई.दी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमृत

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 3 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14385/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं कृधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न ० 604, वोनस ग्रपाटमन्ट्न, हारा-नंदानी: इस्टेट, श्राफ जे० पी० रोड, वर्सावा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रार इससे उपाबत अनुसूची में श्रार जो पूर्ण रूप स र्वाणत ह) श्राराजनका करारनामा ग्रायकर प्रधि-नियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 9-11-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दश्यमान गई है लिए अन्तिरत की विश्वास करने का यह कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ए'सं द्रयमान् प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण का लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्कित उद्देषोप्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काश्वित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आश्रा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण पें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किमनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स ही रानंदानी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रीमा करनानी ।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बर्गत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट $_{1}$ नं $_{1}$ 604. को बीनस श्रपार्टमेन्टस ही रानंदानी, इस्टेट, श्राफ जे ० पी ० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14285/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-7-1985

मोहर 🥫

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ------

भाषकार वाँभनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभारत सुध्या.

श्वारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई-2/37ईई/14387/84-85:—-अतः मुझे, लक्ष्मण धाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित याजार मंद्रव 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० शाप न० 6, जमीन मंजिल, ट्वीन टावर्स, विलेज, श्रीशिवरा, 4 बगलोग, आफ जे० पी० रेड, वर्माता, श्रीशी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण मण से विणित है) श्रीर जिस्ता स्वार-नामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 को धारा 269 क्ष के अर्धान सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजिस्ट्रों है दिनां क 9-11-84 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उपात बन्बई में रिजिस्ट्रों है दिनां क 9-11-84 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से अस के ध्रश्यम अतिकल के लिए जन्तरित की गई है और श्रुके यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्स सम्पत्ति का उपात व्याप क्रूप, ससके व्ययमान प्रतिकल से, एस व्ययमान प्रतिकल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण से लिए तम पाया गया प्रतिक क्ष निम्निनिसित उद्धरिय से उन्त बंतरण सिक्षित में बाकाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) असाराज में क्ष्मूं जिल्ला काम की माने जनक मीमियाम के बामीन काम बीम के अन्तर्स का बाबित्स में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्थिती का, जिन्हीं शासीय जाध-कार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने के सविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, जनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की गाधारा (1) के जधीन निम्नुनिषित व्यक्तियों, वर्धात :---

 भीराज ए. सिमोटबाला, कोमर ए. सिमोटबाला, लोलाक्षी ए. होजमाडी ।

(अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार जेठालाल शाह ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन को शीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

शपनं 6 जो जमीन मंजिल ट्वीन टावर्स प्लाट नं ० 8ए. 8वी, सर्वे ० नं ० 41 (पार्ट), विलेज, श्रोणिवरा, 4 बंगलीम, श्राफ डे ० पी० रोड, वर्मोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14387/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी स्स्हायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक: 3-7-1985

प्रकृप बाहै टी. एस. एस. -----

गायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत म्रकार्

नार्याभय, सहायक भायकर नायुक्त (गिरीक्राक्)

अजंन रेंज-2, बम्बर्ष बम्बर्ड, दिनांक 8 जुलार्ष 1985

निर्देश सं० श्रर्श-2/37ईई/14314/84-85---श्रतः मुझे, **लक्षम**ण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इवनें इसके पश्वास उत्तर अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृन्यू 1,00,000/- रा. सं अधिक ह

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं एन | 604, छठी मंजिल, नेप्टयून, अपार्टमेन्ट्स, हीरानंदानी, इस्टेट, ऑफ जे ० पी० रोड, वर्सोबा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर अधिनियम 1901 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाक 9-11-1984 को पूर्वोंबस सम्पत्ति के जियत अजार मृत्य स कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्थ है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यभावनींबस सपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसकी द्वयमान प्रतिफल को प्रतिक है और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्सरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरक से जबत अन्वरण की निए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उप्योध्य से उबत अन्वरण सिवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :~

- (क) भारत एक संहूद किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम की नभीन कर दोन की बन्तरक की शायित्व यो की करन या उससे वचन में सुविधा की लिए; जौर/वा
- (क) पुरेसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना याहिए या, जियाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुप्रदम्न न, भं, उस्त अधिनियम की थारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधितः :--- मैसर्स हीरानंदानी बिडर्ल्स।

(ग्रन्तरक)

2. सुनीता ग्रार० चोइन्नामानी।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना चारी करक प्यानित संपर्शित के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासोप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिभ या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की जबीभ, वो भी जबीभ बाब में समस्य होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निर्मिश्य में किए का सकीनी।

स्थव्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

फ्लैट नं ० एन/604. जा छठी मंजिल, नेप्ट्यून, श्रपार्टमेन्ट्स हीरानंदानी, इस्टेट, ऑफ जे०पी० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-2/37ईई/14314/84-85 श्रीर जो गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,बम्बई।

तारीख: 3-7-1985

वस्य वार्ड की. यून्. यूत् . -----

नायकर विधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के वधीन बुजना

ग्राचा श्रेरकार

कार्यालन, तहायक जायकर आगुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/14315/84-85—-श्रतः मुझे, लक्षमण दास

आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संवत्ति जिल्लका उचित बाचार भूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 15, बिल्डिंग नेबूला, हीरानंदानी इस्टेट ऑफ जें० पी० रोड, ओशीवारा श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो। पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम पाधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 9-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रति-कल सं, ए ते क्यमान प्रतिफल का पंक्स प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एके अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकत, निम्मिशिक उन्नरिय के उक्त मंतरण सिवित में वास्तिक क्य के कियह महाँ किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी नाय की बाबत, उन्तर निर्धान के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में सभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; नौर/बा
- (वा) होसी किसी जाम या किसी धन था अन्य अप्रेस्त्यों को चिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, १९२२ (1922 को 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर विकित्यम, शा धन-कर विकित्यम, 1957 (1957 का 27) के स्थानुनार्थ सम्बद्धित क्यारा प्रकट गड़ी किया वरा वा किया गर्मा कार्यकर मही किया वरा वा किया गर्मा कार्यकर मही किया वरा के विकर,

कतः स्थाः व्यक्त अभिनियम की भारा 269-र से अनुबरण वी-्- मी-्- अव्यक्त वीक्ट्रैक्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) विक्रामिक् निकालिक्स व्यक्तियों, संभूति ८००1. मैं सर्स प्रपेक्य कंस्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती संगीता एन० लालवानी, मास्टर सुनील एन० लालवानी।

(ग्रन्तरितीः)

3. श्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना बारी करके धृशोक्त सम्मस्ति से अर्जन को किए कार्यवाहिया करता है

ज्यस बज्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोग :----

- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 विक की अमीच या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की कानीक से 30 विन की नकीच, यो भी जबकि सद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्वाप्त होती का कि स्वाप्त होता हो।
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विक के भीतर सक्स स्थानर संगीत में हिल-क्य किसी अन्य का किस क्यारा अधीहरूताक्षरी के पास सिमित भा किस वा किसी ।

ल्क्ड्रीकरण :---इसमें प्रमुक्त बन्दों और पर्यो का, को अध्य क्रिक्ट्रिक्क के अध्याक 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में ब्रिक नवा हैं।

मन्यू 📫

साप नं० 15, जो बिल्डिंग नेबूला, होरानंदानी इस्टेट आफ जे० पो० रोड, श्रोधिवारा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्चाई-2/37ईई/14315/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3 जुलाई 1985

मोहर ः

प्रारूप आर्घ.टी एन.एस.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37 ईर्ड/11311/84-85—अतः मृक्षे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम !961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 702/बी, स्कैवाकर श्रपार्टमेंटस हीरा नन्दानी उस्टेट, अपना घर के पीछे, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प) बस्बई में स्थित हैं (और इसने उपायद प्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), शौर जिसका करारगामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्टी है, नारीख 9-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति है जिन्न प्रकार वर्ष में क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हित्र , गिम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखिस में वास्तिवक एप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हार्ड किसी क्राय की बाबता, उक्त होतीता के किसी अरु या उसम असने से स्विधा दाधित के लिए; और या
- (म) एसी किसी अग रा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अब्दा अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, िपाचे में मुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग **के बन्सरण** भें., भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अपीन निकर्गलिक्षित अधिनयों. अर्थात् :---- 1. मैसर्स ग्रपेक्स कंस्ट्रक्शन।

(भ्रन्तरक)

श्री प्रकाश लक्ष्मीदास करानी,
 श्रीमती दमयन्ती लक्ष्मीदास करानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

पलैट नं० 702/बी, (ए-स्कन्ध), स्कैवाकर श्रपार्टमेन्टस, हीरानन्दानी इस्टेट, श्रपना घर के पीछे, वसोंवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/14311/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारी**खा** : 3-7-1985

नंहर:

प्रकृप बाद . टी. एम. एस. - - - ----

शायकर क्षरिधनिसम् । 961 (1961 का 43) की भारा 260 रु (१) हे उन्हींन मुजना

भारत सरकार

भागित्य, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनीक 5 ज्लाई 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/14312/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर मिथिनिएम, 196 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' सन्ना गमा है"), की धारा 269-स को अभीन स्थाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर तस्पत्ति , जिसका उचित बाचार मूक्ब 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० ए-501, पाचवी मंजिल, स्कैवा-कर श्रपार्टमेन्टस, हीरानन्दानी इस्टेट, श्रोणिवारा, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थिन है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 9-11-1984

- (का) अम्मर्थ व शुर्थ किमी आय की वाबस, उपस अधिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ठालए; और/वा
- (क) एची किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तिकों का, जिन्ह भारतीम् आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था कियान में सिवध के लिए

नसरः क्षतः, उत्तरः विधिननमं की धारा 269-मं कं नमसर्व वै, जै, उक्त विधिनिनमं की धारा 269-मं कं उपधारः (1) के अधीयः, निम्मसिक्तिः व्यक्तिसर्वे, व्यक्तिः व्यक्तिः (1) मैसर्स भ्रपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स

(भ्रन्तरक)

श्री श्रादर्ण वल्लभ गर्मा,
 श्रीमती मोहिनी ए० गर्मा

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्म श्रपेश्स कंस्ट्रवशन्म (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोञ्स सम्पन्ति के जर्जन के सिंप् कार्यवाहियां करता ही।

उक्त सम्बन्धि के कर्बन के सम्बन्ध में करेतें भी आक्षीप :---

- (क) इंड सूचना के राज्यपम में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की जमीच मा शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, वो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, जे भीता पर्दोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्साक्षरी की पास निश्चित में किए जा सकोंगे:

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त योजनिवन के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

वन्त्यी

फ्लैट नं० ए-501 (ए-स्कन्ध), जो पाचवी मंजिल, स्कैवाकर श्रपार्टमेन्टम, हीरानन्दानी इस्टेट, श्रोशिवारा, श्रन्धैरी (प), वस्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-/37ईई-14312/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, हम्ह्यई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज– 2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर ब्राधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्र $\hat{z}=2/37\hat{z}/14245/84-85$ —ग्रतः मुक्ते, लक्षमण दास.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिगायम' कहा गवा ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 303, नीसरी मंजिल, बेन्हर ए, लोखंडवाला डेवलपमेंट कार्पोरेशन, 4 बंगलोस, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई रिजस्ट्री है, नारीख 9-11-84 को व्यक्तिस सम्पर्तित के उण्यत वाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पर्तित का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बम्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ट) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में मितिभा के लिए;

आत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---16---216GI|85 (1) श्रीमती चाद भासिन।

(भ्रन्तरक)

(2) काप्टन हरमिन्दर सिंह, श्रीमती रामिन्दर कौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अगिश या तत्मम्बन्धी ग्वितिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अगिश, जो भी अगिश बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (का) इस सचना को राजापत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 हिन को भीतर प्रकृत स्थावर सम्पत्ति माँ हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों से किए जा सकींगे।

स्थाकीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, **ओ उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिगा** गया ह¹।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, बेन्हर ए, लोखंडवाला डवलपमट कारपोरेशन, 4 बंगलोस, ग्रन्धेरी (प), बम्बर्ड 400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० मं० श्रई-2/37ईई/14245/84-85 भ्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल**क्षमण दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायरूर प्रायक्त (तिरीक्षण) झर्जुन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्मई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई 2/37ईई/14027/84-85—म्रतः मुझे, लक्षमण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रिकेट एउनार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 404, बी-स्कन्ध, बेन्हर, लोखंड वाला काम्पलेक्स, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 400052 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 9 11 1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, लम्बे दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गबा प्रतिफल निम्नलियित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, जबत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वावित्व में इसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- '(स) एोमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ४वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीनः, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मरीता मिह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तेहमूरास्प नौरोसजी वस्तूर, श्रीमती डोनी तेहमूरास्प वस्तूर

(भ्रन्तरिती)

(3) मैसर्स श्रोकियारा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प) लि०

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास्न लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज→2, बम्बई

दिनांक: 3-7-1985

प्रकृष बाह्रं. टी. एन. एव. -----

नायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (म) (1) के अभीन त्यता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई' दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ईई/14034/84-85—-श्रतः मुझे, लक्षमण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधान सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल, ब्लू चिप्स, को प्रापरेटिय हार्झामग मोसाईटी लिमिटेड जुहू लेन, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध प्रनुसूची म और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करार- नामा ग्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख

3-11-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एमं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार बंद-रिता (अपार्वात्वा) के बीच एम अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलस्त उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिकित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क' अभारण में हुइ' किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक की दासिस्थ में अभी करने या उसमें बचने में मुबिधा प्राप्त का का का
- ज रेर्फ िसी नाए का किसी धन या अन्य शिस्तियों को जिस्से भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ असारिती दवारा प्रकट नहीं किया गरा था या रिस्सा साना चाहिए था, छिपाने में स्विया है लिए,

अतः अषः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मो, भी, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अबीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विनोदचन्द्र ओघावजी कागदादा, रामा विनोदचन्द्र कामदादा।

(मन्तरक)

(2) श्री म्रानन्दकुमार भद्रेश्वर दास, श्रीमती रामाराणी श्रानन्दकुमार दास। (धन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन की नविभ ना तत्त्रमनधी स्मितियों वर्ड स्वना की तामीन से 30 बिन की अविध, जो भी नविभ बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिन्तवों में से किमी स्मिन्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपार में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तीं उथावर सम्पंति में दिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाड़ लिखित में किए हा सकेंग।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में ठिक्स गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं 203, जो ह्याँ मिजिल ब्लू चिप्म, ब्लू चिप्म कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, जुह लेल ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कर संर अई-2/37ईई/14034/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> न्ध्रमण दास सक्षम प्रतिकाती सहायक आयवार आध्वत (तितिक्षण), श्रार्वन रेज-2, बम्बई ।

नारीख : 3-7-1985

प्रकल आर्थ .टी . एन . एव . ------

बाधकर नाधनियभ 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शारिक भएका

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वम्बई

वम्बर्ध, दिनाक अजुलाई, 1985

निदेण म० ई-2/37ईई/14001/84~85—श्रतः मुझे लक्षभण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसिक प्राचित के अधिक के अधिक है कि स्थावर उपित जिसका उचित नाजार मूल्य १,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी में पर्नंट ने 703, सानवी मिजिल, मांडल टावर्स, वर्मीवा अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ती में और एण रूप में विणित हैं), और जिमका करारनामा आयक्तर अभिनियम की धारा 269 के ख के अधीन मक्षम आधि रहा के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 3-11-1984

को प्रांक्त सपत्ति व अचित वाजार भृत्य त कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अतरित की गई है और भूके यह निश्वास करने का कारण तं कि यभाप्तित सम्प्रीत्त का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एने दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रांत्यात स लिपित है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरितियो) के बोच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नान्तित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिक रूप से कीयत गृही किया गया है:—

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मा नियो करने या उससे बचन माँ सृत्रिधा क निए, अन्तर्
- (क) एसी किए। जार र किसी बन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर और नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अथाजनार्थ अर्जरती द्वारा प्राट नहीं किया गा शासा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की गारा 269-घ की उपधारा (1) (1) श्री बिमल जी० खन्ना, श्री गिर्धारीलाल जी खन्ना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मिश्र देव बी० घई, श्रीमती पुष्पा मित्रदेव बी० घई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस न्यूचना के राजपल में प्रशासन की शारी से 45 दिन की धवित्र या तस्सम्बन्धी अवनित्र में पर सूचना को तामील से 30 दिन की सबिध; को रे मबिस बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों मन जिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण — इस में प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट न० 703, जो मानवी मजिन, गाब्स टावर्स, वर्सीवा अन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्मल ई-2/37ईई/14001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकाणे बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेपा-2, वस्बई

नारीख 3-7-1985 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सय्यव हमीव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसबेन इन्दुकुमार भट।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० अई 2/37ईई/14223/84-85—-म्रतः मुझे, लक्षमण दास,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचिक बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 502 बिल्डिंग नं० 2-3-4, बी-स्कन्ध, मनोश नगर, 4 बंगलोस, प्रन्धरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप में बॉणन है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के व्यर्थालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स कांथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ि ज्याने में सूविधा के लिए;

अतः उदा, उद्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्कीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में जिए जा सकेंगे।

स्पटिकिरण:--इसमें प्रग्क्त रुद्धों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट गं० 502, जो बिल्डिंग गं० 2-3-4, बी-स्कंध, मनीश नगर 4 बंगलोम, श्रन्धेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ईई-2/37ईई/142:3/84-85 और जो साम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ाक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीखाः: 3-7-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 3 ज्लाई 1985

निदेश म० अई-2/37ईf/14310/84-85—-प्रत: मुझे' लक्षमण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लंट न० 501/ए, जूपिटर ग्रपार्टमेन्टस, हीरानन्दानी इस्टेट, ग्रपना घर के पीछे, ओशियारा, अन्धरी (प) बम्बई 'स्थित है (और इसमे उपाद्यद्ध ग्रनुस्ची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वेक्सि सम्पिति के उचित बाजार मूल्य में कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से, एसे श्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष म किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रंत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीन → (1) मैसर्स हीरानन्दानी विल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनीत टी० शर्मा

(ग्रनिरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्च मञ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 501/ए, जो जूपिटर ग्रापर्टमेन्टस, हीरानन्दानी इस्टेट, ग्रपना घर के पीछे, ओशिवारा, ग्रन्धेरी (प), वस्वई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/14310/84-85 और जो सधम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल्क्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, बम्बई

नारीखः 3-7-1985

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय., सहायक आयक्तर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्रई 2/37ईई/1418 /84-85--- ग्रतः मृ**झे** लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. ने अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, बिस्डिंग होरैजन ब्यू 2, प्लाट नं० 70, सर्वे नं 91ए (पार्ट), 95ए (पार्ट), प्र काग रोड, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बस्वर्ड में स्थित है (श्रौर इससे उराबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्राय पर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रवीन सक्षम प्राधि वरों के कार्यालय, बस्वर्ड में रजिस्ट्री है, नारीख 7-11-1984

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तीक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्स नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में तुक्थिं। के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा से लिए;

अतः उम, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण मैं, मैं, उन्न अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स के० भ्राप्त एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० भरद जे० '। ले।

(ग्रन्निर्तिः)

को ग्रह स्चना कारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वनाष्ट्रियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की क् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध शद मो समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः ----इसमो प्रयुक्त इब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, बही उर्धहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० फ़ु04, जो होरैजन व्यू फ़ु, लाट नं- 70, सर्वे नं 91ए (पार्ट), ग्राफ जेय प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), श्रन्धेरी (प), बस्बई में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि के सं श्रई फु/37ईई/14189/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 71184 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज 2, बस्बई

मारीख: 3-7-85

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज 2-, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जलाई 1985

निदेश सं० भई-2/37ईई/14228/84-85---- प्रतः मुझे, लक्षमण दाम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गणा हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाष्वींकत सम्पत्ति का उचित साजार क्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जि की संव पलैट नंव 402, चौथीं मंजिल, बसेरा श्रपार्टमेन्टप, ए.स. इन्छा, श्राफ़ 4 बंगलीस, बसोंबा, श्रन्धेरीं (प),
बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची)
में श्रीर पूर्ण रूप से विधित हैं), श्रीर जिसका करार नामा श्राय
कर श्रिष्ठित्यम की धारा 269 का, ख के श्रिष्ठीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में जिस्ही हैं, तारीख 7-11-1984
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दुश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथाप्वोक्त संपत्ति का जिसत बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्घरेश में उक्त बन्तरण निवित में वाम्तिक
क्य से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किली जान की बाबत, उक्त अभिनिधम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दर्शनस्य में कमी करने गाउससे अपने में बृधिभा के लिए. संप्रिश
- (स) ऐसी किसी बाब वा किसी अन वा बन्स बास्तिकों कार, जिन्हों भारतीर आसकर विधितिसन्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, बा धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सक्षा का बा किया का किया के सिए;

, जतः वनः, उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-न **के अनुसरण** अर्जे,, सौ, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-च की उपधारा (1⁾ अर्थे अधीन निम्त्रनिवित व्यक्तियों, अर्थातः :----

- (1) मैं नर्स एसंव एसव डेबलभ्येन्ट कारपोरेशन । (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारों कोमला बैन्स ।

(भ्रन्डरिती)

(3) मैनस श्रोधिवारा लैंग्ड डेबलपमेन्ट कम्पने। (प) लिमिटेड ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितब**ढ हैं)**

लको यह सूचना चारी करके पृथीक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु⊺।

्राजनतः, सरवत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ::---

- (क). इस त्यारा के राजपत्र में अन्यापत की लाइकि वं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्वतिष्यों द पर स्थाना की मामील से 30 दिन की स्वधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

्रथक्कीकरणः क्रिक्समाँ प्रयुक्त सम्बों सीर पर्यो का, जो क्रिक्सिक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिस्कृतिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में क्रिक्सिका यहां है।

मनक की

पर्नट तं 402, जो चौथो मंजिल, बिल्डिंग बसेरा श्रपार्टमेंटस, श्रन्धेरो (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

श्रतुमूको जैगिकि क० मं० श्रई-2/57ईई/14228/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दात) सक्षम प्राधिकारोः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रोज-2, बम्बाई

तारीख: 3-7-1985

मोहर ः

प्रकृष बार्ड . टी . एन . एक , नार्य वरण्यात्र

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तुन्ता

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरक्षिण) प्रज्ञेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/14829/84-85--- ऋतः मुझे लक्षमण वास

बायकर मिर्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें परचात् 'उन्त मिर्मियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिपकी मं पलैट नं 407, चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी 6, श्रपना घर यूनिट 7 कोश्रापरेटिव हाऊसिंग मोसायटी लिं० ग्रोणिश्रारा, श्री स्वामी सामर्थी नगर, ग्राफ़ जें० पीं० रोड, 4 बंगलीस के पास, श्रत्येरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को वृवांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और कम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) उत्सरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अबने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एभी किसी आय या किसी भन या कन्य काल्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेस था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृतिथा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरक में, में उबस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियनिस्सित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैं सर्स सामर्था डेवलपमेंट वारपोरेशन

(भन्तरक)

(2) श्री शिरीश भास्कर परंजपे

(ग्रन्तरितंर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स मध्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

इक्त सम्मृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हानों हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी न
 पास जिक्ति में किए जा सकीने।

स्पन्दीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिर हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्_{स्}न्न

पलैट नं० 407, जो चीया मंजिल, बिल्डिंग बी-6, श्रपना घर यूनिट 7 कोश्रापरेटिय हार्काभग सोसाईटी लि०, जो ओणियारा, श्री स्वामी सामर्या नगर, श्राफ़ जे० पी० रोड, 4 अंगलोस के पास, श्रन्धेरो (प), बम्बई 58 में स्थित है।

म्रनुसूर्व। जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/14829/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दात सक्षम प्राधिकारी सहायत श्रायकर श्रायुक्त (निर्गक्षण) श्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख: 27-8-85

माहर ३

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एसं.-----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्मेंई

बम्बई, दिनांग 27 जन 1985

निदंग स० अई-2/37ईई/14399/84-85--- श्रतः मुझे. लक्षमण दानः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्कीं सं० प्लाट न० 402, चं थी मंजिल, माग्नम टावर्स 4 वंगलेल, वसींवा, अंधरीं (प), धरवर्ष-58 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिल्ला द्रारासामा आधनार अधिनियम की धारा 269 क् ख के अत्रीन सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख -911-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिसत बाजार मूल्य, जसके द्रथमान प्रीतफल से, एसे द्रथमान प्रीतफल का पद्रह प्रतिशत से अथिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात्:— (1) मनर्स लोखंडचाला इस्टेट्स एण्ड डेवल्पमेंट वस्पनी (प) लि० ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भगवान आर० रेलवानी और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभार्ट हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

परौट न० 402, जा चौथीं मंजिल, माम्तम टावर्स, प्ताट नं० 357, ए २० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीन दसीचा, अंधरीं (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कर संर ग्रई-2/37ईई/14399/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनास 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांभः : 27-6-1985

मांहर :

श्कण् बार्षः टी. **एन् . एस**्यान्यान्यान्यान्यान

भागकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14829/84-85----- श्रतः मुझे लक्षमण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित आजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रांर जिसकी मं फ्लैंट नं 407, चौथी मंजिल, विलिश्या की 6, प्रपना घर यूनिट 7 कोम्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिं० म्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्थी नगर, म्राफ़ जें० पी० रोड, 4 बंगलोस के पान, म्रन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (भ्रीर इसरी उपावद्ध म्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिलका लगारतामा म्रायक्तर म्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 22-11-1984

को वृधांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बामा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर वाधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के निए; बार/या
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या जन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। एया था, या किया जाना शहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

शतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् ३— 17—216 GI|85 (1) मैंसर्स सामर्था डेवलपमेंट वारपोरेशन

(श्रन्तरक)

(2) श्रीः शिरीश भास्कर परंजपे

(स्रन्तरितः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्द सम्पृतित के वर्डन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हात्रों हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीत के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधांहरनाक्षण अपने जिस्त में किए जा सकीये।

श्यक्तीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाविर हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 407, जो चीयां भंजिल, बिल्डिंग बी-6, श्रपना घर यूनिट 7 कोग्रापरेटिव हार्ऊाक्षण सोमाईटी लि०, जो ओणिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, श्राफ़ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस के पास, श्रम्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

श्रनुसुनों जैसा कि क० मं० श्रई-2/37ईई/14829/84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ाक्ष्मण दाप सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर श्रीयुवत (निर्माक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 27--8-85

साहर 🧎

सदम प्रााधकारा क कालालक, प्रक्रय 22-111989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायि के में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी. किसी आय या किसी धन या अन्य जाम्त्या को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मुजिधा के लिए।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

जनुःसूची

एलैंट नं० 1103, जो 11वीं मंजिल, माग्नम टाचर्स, ग्वाट नं० 357 एउ० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोंच, चर्मीचा, अयरीं (प), बम्बई-400058 में स्थिम

अनुसूनी जेला कि कि नि श्रई-2/37ईई/14892/84-85 ओर जो क्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनोक 22-11-1989 को रिजस्टर्ट िया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरचक्षण) ग्रजन रेंज-2 बम्बई

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण को भी न अधि की धारा ि - म की उपधारा (1)

दिना . 1 17 जून 1985

त्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकाडु

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक ,27 जुन, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/15040/84-85—-श्रपतः मुझे लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उधित बारार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं पलैट नं० 301, गीक्षंत्रली, 7 वंगलोरा, वर्सीवा विलेज, अन्धेरी (प) बम्बई 400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय हर अधिनियम 1961 को धारा 266 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रिन्स्ट्रें हैं, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मर्द है और मुझे यह जिल्हास स्टार्ट का अन्या में कि मधामार्टीका सम्बन्धि का समित सामार्ट (1) मैं सर्म बाम्बे हार्कासण कारपोरेशन । (म्रन्तरक)

(2) श्रीः श्रम्ण भगवानदास मालविया । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवाकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिन्से करता हैं।

उक्त ब्रंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाम्बंचः---

- (क) इस सूचना के रावपण के प्रकाशन की लारीक से 43 दिन की जबकि या तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो धे! जबकि बाद से समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वन्ध किसी अन्य स्पन्ति ब्वारा अभोहन्ताक्षरी के एस निस्ति में किए जा सकोंगे।

यध्दिक्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

29614

भारत का राजपत्न, धगस्त 31, 1985 (भावपद 9, 1907)

[भाग II[--खण्ड 1

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज-2, बम्मेंई

बम्बई, दिलाम 27 जन 1985

निदेश सं० %ई-2/37ईई/14399/84-85---श्रतः मुझे, लक्षमण यानं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिस्कीं सं ० प्लाट नं ० ४०२, चौथी मंजिल, माम्सम टावर्स ४ बंगलीस, वसींवा, अंधरीं (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूचीं में और पूर्ण कर से चिणत है), और जिस्ता परारसमा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में क्लिस्ट्री है, तारीख -911-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मनर्स लोखंडवाला इस्टेट्रा एण्ड डेबलपमेंट बम्पनी (प) लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवान आर० रेलवानी और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अत्रिक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षांहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाग ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

अनुसूची

पर्नंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, माम्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, ए २० न० 41 (पार्ट), 4 वंगलो (धर्मीचा, अंधरीं (प), वम्बई-400058, में स्थित है।

प्रनुसूची जैना कि कर गंर क्रई-2/37ईई/14399/84-85 और जो नक्षम प्राधिनारीं, बम्बई द्वारा दिनारः 9-11-1984 को रिजस्टई निया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-19**8**5

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :-- प्ररूप आर्द्द . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनार 27 जून 1985

निदेग म० ऋई-2/37ईई/14396/84-85---ग्रनः मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बायार मृत्य

ा.00,000/- रः. से अधिक है

और जिनकी स० फ्लैंट न० 401, चौथी मजिल, मानम टावन, 4 व्राला , घर्मोचा, अधेरी (प), बम्बई-58 में रिधन है (बार इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 इ.ख के अबीन राजम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 9-11-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिद्ध की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरं/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं भं लोखंडबाता दस्टेर् एएड डेवलपसेट व स्पनीं (1) लिए ।

(अन्तर ह)

(2) श्रीमति लाजवंती बी० रेलवानी ग्रीर अन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्याक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त मपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिध या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त कारी हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना दः राभण्य मः प्रशादन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्स्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ हागा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैट नं० 401, जो चीधी मजिल, माम्मम टाइमी, प्लाट न० 357, एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बगलीन, बसीचा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कि० सई-2/37ईई/14396/84-85 ऑग जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाग दिनाह 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ाक्षमण दाम स्थान प्राधिकारा सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्ब**ई**

दिनाय 27-6-19**85**

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) को अधीन स्वना भारत सरकार

शायां सव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बमबर्स, दिनाब 27 जन 1985

निदेश मु अई-2/37ईई/14887/84-85- अत. मुझे, लक्षमण दाम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- स्ट. **से अधिक है**

और जिस्की मं० फ्लैट नं० 616, छठीं मंजिल, माग्नम टावर्स, 4 बंगलोर, धर्मीबा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में है (और इन्से उपाबढ़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिल्ला करारतामा स्नायकर अधिनियम की धारा 269 ह ख के प्राति सक्षम प्राधिकारी के शायीलय, बमबई में रजिस्दी है, नारीख 22-11-1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से किंभत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम को नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी भाष या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत: इन्ह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियाँ , अर्थात :--

(1) मेससे लोखंडषाला इस्टेट्स एण्ड डेबलपमेंट सम्पनी (प) लि॰।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ठाकुर लीलाराम खुमलानी और प्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को शह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस से 30 विन की बनीप, जो भं। बनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिको से से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (व) इस स्थल में चलन में अकारण की ठारीय है 45 **रिन के शीवर क्या स्थान्**र बन्गरित में डितनव्थ कियी सम्ब व्यक्ति दुवारा वधोद्वस्ताक्षद्वी से शस् विवित में किए वा सकें ने ।

लक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्धों और नदों का, यो उन्त वरिभानियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, रही वर्ष होना को उस अध्याव में विवा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 616, जो छठी मंजिल माग्नम टावर्स प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 9 बंगलोव, वसींचा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनस्ची जैंग कि ऋ० में अई-2/37ईई/14887/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायका (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27-6-1985

प्रकप आह . ती. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जुन 1985

निर्देश मं० ई -2_l 37 **ई**ई $_l$ 1432 4_l 84-85--अस. मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 107 बिल्डिंग मोन्टाना-ए प्लाट नं० 4 एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोस, वर्सावा अधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आथकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 9-11-1984

की प्रविभत सम्मति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयास प्रतिफत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्मत्ति का उचित बाधार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिशत में अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथ पाया नवा प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक की बाबित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है है जो है है है है है
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 10,72 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सविधा के विए;

कत:, मब, उपत विधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को विभीन,, निम्तीनिवात स्पक्तियों, जर्भात् धरूर

- (1) मैंसर्स लाखडवाल। प्रिमायसेस प्राईवट १४(मटेंड। (श्रन्तरक)
- (2) श्री उदय बहेल ग्रीर श्रीमती समिता बहेल।

(भ्रन्स(रती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित- अव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाकारण:---इसमाँ प्रयास्त शब्दों कौर पदों का, जा उसस कीभीनयम के अभ्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया नदा है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 107 जो पहली मंजिल बिल्डिंग मोन्टाना— ए प्लाट नं० 4 एम० नं० 41 (पार्ट) चार बगलोम, वर्सोबा अंधेरी (पाण्चम) ब्रम्बई—400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई—2,37 ईई,14324, 84—85 स्रोर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 9-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

नारीख: 27-6-1985

प्रहम आ**इं.टी.एन.एस**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार भाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जुन 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14165/84-85--श्रतः मुझे, क्षमण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट न० 911 नौवी मंजिल बिल्डिंग मान्तम टावर्स 4 बंगलोस वर्सोवा अधेरी (पिण्डिम), विक् ई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा अधिकर आंधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्रारंधकारी के कार्यात्वय वस्बई में रिजस्ट्री है तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गहर हो प्रतिफल लिए अन्तिरत की और विष्वास करने का कारण यह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसमं लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपर्स कम्पनी (प्रा०) लिंगटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी पुष्पा रती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त नम्पिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्ष्योग जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2,37 ईई,14165/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 की राजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

मारीख: 27-6-1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मृभना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 27 जून 1985

निर्देश सं० भ्रई-2,37 ईई,14292,84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के उधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुम्ब 1,00,000/- रु से अधिक हैं

- (ह) अन्यस्य में हुई िम्सी बाब औं राज्य उच्च-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उत्तरों अधने में सविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्सियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) रा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के पंगेजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना सिहए था, छिन्न में यूविध खें सिए।

अत. अब, उत्तल अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--18-216 GI|85

(1) मैसर्स बाम्बे हार्ऊसिंग कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० नारायण मेनन।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविधि या तरसवधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकती।

स्माचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पसेंट नं 128-जी, जो गीतांजली प्लाट न 3, एस० न 121; 7 बंगलोस वर्सोवा विलेज ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि क स० ग्रई-2,37 ईई/14292/184-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख: 27-6-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ******

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ईई, 14291, 84-85--अतः मुझे, लक्ष्यासः

लायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार भृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 127-जी, गीतांजली, 7 बंगलोस वर्सोवा विलेज हैं जो श्रंधेरी (पिश्चम) बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में भीर पूर्ण रूप से विणंत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्लय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 9-11-1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल कर पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निष् तब पामा प्रमा प्रति-क्या विस्वितिष्ठ स्थमान से स्थम सम्बद्धिक के बास्स्विक स्थ सं कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुई किसी अग्न की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविध के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अत: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीर , निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैंसर्भ बाम्बे हाऊसिंग कारपोरेशन। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मोहिनीबाग प्रवीणचन्त्र शाह (अन्तिरती)

को सह क्षत्रना जारी करके पूर्वोक्त कम्बृतिक से सर्वन के किस्, कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिनबहध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

वन्सची

फ्लैट नं० 127-जी, जो गीतांजली, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7'बंगलीस, बर्सीवा विलेज, अंधेरी (पश्चिम) सम्बद्द-400061 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि फ० सं० अई-2/37 ईई/14291/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 27-6-1985

मोद्रर

इक्प बाइ .टी.एन.एस.-----

भागकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौं) भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

भारत शर्मार

कार्यास्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षक) प्रार्जन ्रेंज-2, बम्बई

वस्बई, दिनांक 27 जून 1985 निर्धेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14289/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारा को गर्र विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रीत, जिनका उचित बाजार पूजा 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 102, गीतांजली, 7 बंगलोस, वर्सींवा विलेज, अंधेरी (पश्चिम), ब म्बई-400061 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका कारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

- का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वति कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दूह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिविक स्टर से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्ष सं स्थान में सृविधा अ लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रमोजनार्थ अन्तरिती इंदार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत स्थानितयों, अर्थात :--- (1) भैसर्भ बाम्बें हाउ सिंग कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) नीलम बुमार लूबा, श्रीमती लता लूबा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रीप :---

- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश्त में किए का सकोगे।

स्पब्सिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जकर विधिन्यम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विका श्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, को कीतांजली, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7 बंगलोस, वर्सोंबा विलेज, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ७० सं० श्रई-2/37-ईई/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-6-198**5**

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/14163/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिर बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 503, पाचकी मंजिल, बिल्डिंग मोन्टाना भी, 4, कगलोस, वर्सोबा ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम की धारा 269 क खें श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूट्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबेत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) मैंसर्फ लोखडवाला प्रामित्रेज (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्सरक)
- (2) कुमारी द्यानना एन० ग्रहुजा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 503, जो पाचवी मजिन, बिल्डिंग मोंटाना— सी, प्लाट नं० 44, एस० नं० 441 (पार्ट), 44 बंगलीस, वसींवा, अंधेरी (पिश्चम), बम्बई—400058 स्थित है। श्रमुस्ची जैसा कि ३०० म० श्रई—2/37—ईई/14163/ 84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3—11—1984 को राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

प्ररूप बाइ' टी. एन. एम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक जायकर जावुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14042/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 102, जो पहली मंजिल काम गेट-ए, प्लाट नं० 334, एस० नं० 41 (अंग), 4 दंगला, वर्सोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावल अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है,), और जिसका कराजनामा आयरकर श्रिक्षित्यम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के राज्यिक मा कामी करने या उसस बचवे में मृतिधा ६ जिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्फ लोख डवाला प्रिमायलेस प्रायवेट लिमिटेड (भन्तरक)
- (2) श्री गोपालकुमार गोविदनकुट्टी मेनन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्स सम्परित को अर्जन के सिए क प्रवाहिया करता हो।

उक्त रम्पिटित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) पत स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में स
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया

ग्रन<u>ु</u>मु**ची**

पबैट नं० 102, जो, 1 ली मजिल, शासगेट-ए, प्लाट नं० 334, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सीया, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि २० म० ग्र $\xi-2/37$ - $\xi\xi/14042/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

मोहर '

प्रकृष नाइ. टी एन. एवं. स.स.म.सन्तर

बायकर वाँचनियत्र, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म (1) के वधीन स्चना

शाइत सहस्रार

कार्यातय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षक)

प्रजीन रेंज-2, बम्बर्ट बम्बर्ड, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14388/84-85--- अतः मूझे, लक्ष्मण वास.

जावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हो, को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 612, छटी मंजिल, मानम टावर्स, बंगलीस, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम माधिकारी के कार्यान

लय, बम्बई में, रिजस्ट्री है, नारीख 22-11-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिबक रूप से क्रिक नहीं किया गवा है हा-

- (का) अन्धरण संहुई जिली जान की नामका, अवद अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मूनिधा के लिए अदि/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी मन वा अन्य बास्तिवी की, जिन्हें भारतीय चाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के विषय

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की शरा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निस्कित व्यक्तितमें अधीद हु—— (1) मैसर्स कोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट (प), लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) सवीरा ठाकुर खुणनानी और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वींबत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तों में से किसी व्यक्ति इंगाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्षश्रोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्ली कियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 612, जो छठी मंजिल, माम्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलीस, वर्सीवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ३० सं० भई~2/37 ईई/24888/ 84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, घम्बई

तारी**क**: 17-6-1985

माहर 🗯

प्रकथ बाहा टी एन एस -----

बायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत संस्कार

कार्यास्त्र, सहायक कायकर वायकर (निरक्षिण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं ॰ अई-2/37-ईई/14890/84-85---श्रतः मृझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1302 है, तथा जो 13वीं मंजिल, ग्राइवरी हैट्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-11-1984

को प्रवेक्त तम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रीपफल को लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुम्में यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापवांक्त मम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंनरकाों) और अंतरिती (बंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण से हार्च किसी जाय की बाबस, अक्स बीधनियम के जधीन कर दोने के संसरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचने में 'स्वीसधा के लिए, और/मा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा चौं सिए:

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अर्ड अडी। निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमैंसेस (प्राइवेट) लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमोक के० शाह, प्रफुल एम० मेहता

(भ्रन्मेरिती)

को यह ज्ञान जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस मृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यव्य किसी व्यक्ति य्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पात गया है।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उल्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, ओ इस अध्याय शे दिया गया है।

म्रनुसू ची

फ्लैंट नं० 1302, जो 13वीं मंजिल, श्राह्वरी हैट्स, फ्लाट नं० 1, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीवा, श्रंधरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37-ईई/14890/ 84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

ि निर्देश सं० ग्राई – 2/37 – ईई/15039/84 – 84 – – श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 305-श्री है तथा जो अंजली, 7 वर्मोवा बंगलोस, वर्मोवा, विलेज, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिननियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984 को

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदिय से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कमी करने या उससे अचने में सियधा के लिए; और/एं।
- (ख) एेसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्मियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निकार.

सन: अब, उठन अधिनियम की धारा २६० ग के अन्याण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (↑) के बधीन निम्नित्यित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) मैसर्स बाम्बे हाऊर्मिग कारपोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश गोविन्द नेने। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्णि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसची

फ्लैट नं० 305—बी, जो श्रंजली, प्लाट नं० 2, एस० नं० 121, 7 बंगलोस, बर्सोवा विलेज, श्रंधेरी (पश्चिम), अभ्ब ξ -400061, में स्थित है।

श्रन्स्ची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/15039/84-85 है श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 12-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख: 27-6-19**8**5

प्रकम बाइं. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-च (1) के प्रधीन सुचना

भारत संडकार

कार्यालय, महायक आयकर नायक्त (निरीक्तन) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

कम्बद्दी, दिनांक 27 जून, 1985

निर्वेण मं० ग्रर्ड- 2/37ईई/14447/84-85---ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नार 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का दारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट तं० 206, दूसरी मंजिल, मोंटाना-4 बंगलोम है, तथा जो वर्सोचा, अंधेरी पश्चिम), क्षम्बई-400006 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसता करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाष्वीक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के नीच एसे अंतरण के लिए इय पासा समा प्रतिफल निम्नीलिखित उद्दोश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिकक क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण ते हुई किसी नाव की नावत उक्त विध-निवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी जरने या उत्तरी बचने में सविधा के मिए. नौर/या
- (च) एमी किसी बाय या किसी बन या जन्म बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या जन्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के किए;

भाव भाव जलत लिभिनियम की धारा 269-त के जनसरक पं में "किन विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) श्रो वर्धान निरातिक्ति व्यक्तियों, सर्थात हे—— 19—216GI/85

- (1) मैंसमं लाखडवाला प्रीमैंसेंग (प्राइवेट) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुणील वुमार चटर्जी। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वका जारी कारके प्रवेक्त सम्परित के वर्षन की किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ड--

- (क) इस मूचना के उपचपत्र वें प्रकाशन की तारीच छै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इन न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के . फल जिक्ति में किए का क्कोंने।

स्पब्दीकरण. ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उनत अधि-निधम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्थी

क्लीट नं० 206, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग मोंटाना, प्लॉट नं० 4, एस० नं० 41 (पार्ट), 9 बंगलोस, वर्सोंबा, अंधेरी। (पश्चिम), बम्बई 4000 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14447/ 84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

मोहुर 🖁

प्ररूप आहरें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्वेश सं० श्र§→2/37ईई/14293/84-85---श्रतः मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० पलैट नं० 207, गीतांजलीं, 7 बंगलोज, वर्मीवा विलेक हैं तथा जो अंधरीं (पण्चिम), श्रम्बाई-- 400061, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूचीं में और पूर्ण रूप से धणित हैं), और चिनक ररारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधींन नक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बाई में र्राजस्ट्री हैं, तारीख 9-11-1984 को

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बाम्बे हाऊभिग कारपोरेशन।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री प्रकाण विण्लादत्त णर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया में गया हैं।

अनुसूची

पर्लंड नं० 207, जो गीतांजलीं, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7 बंगलोज, वर्सोचा चिलेज, अंधेरी (पश्चिम), कम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क० स० प्रई-2/37ईई/14293/84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिशारी सहायव भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 27-6-1**98**5

मोहर 🖫

प्रक्रप साई. टी. एन. एस

(1) मेसर्स बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नास 269-थ (१) के गर्यंत मजदा (2) श्री लक्ष्मीदास गोर्दनदास दावडा

(भन्तरिती)

भारत सहकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14294/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० — 216, गीतांजली, 7 बंगलोज, वर्सोव। विलेज, ग्रंधेरी (प), जम्बई — 400061, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 9 — 11 — 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान भितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एम स्थ्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति वृत्तारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

फ्लैंट नं० 216, जो गीतांजली, प्लाट नं० 3, एस० नं० 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा विलेज, ग्रंधेरी (प), वम्बई-400061, स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/14294/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2,

दिनांक: 27-6-1985

महिर:

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. -----

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश मं० म्रर्ह-2/37ईई/14321/84-85—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,09,000/-रः. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1503, 15वी मंजिल, माग्नम टायस 4 संगलोस, वर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 9~11-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए दूष पाया गवा प्रतिकृत, निष्नसिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित, में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उक्त विषयों में सुविधा के सिए; बीड/का
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर ऑधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अजीन, निम्नितिकत स्थक्तियों, अवित् :---

- मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट (प) लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री मनीलाल जे० वाधवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्**कें प्**र्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्विष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरों को पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, अही कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1503, जो 15वी मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-2/37ईई/14321/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 27-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एत.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विभीन स्पना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बभ्बई, दिनार 27 जून 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ई $\frac{14074}{84}$ -85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या फ्लैंट नं० 502, पाचवी मंजिल, मोटाना—सी, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई—400058 से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम को धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, दिनाक 2~11—1984

को पूर्वोक्स सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान भितिफल के निए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में में वास्तविक रूप में किशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- पेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष--- 1. मेमर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्री नंदलाल के० ग्रहूजा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओर।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहतब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए ज नकरे

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय हैं विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, पांचवी मंजिल, बिल्डिंग मोंटाना-सी, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बगलोस, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

स्रमुची जैसा कि के० स० धर्इ-2/37ईई/14074/84-85 भीर जो सक्षम प्रिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्र क्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-1985

मोहरु 🖫

प्रस्प बाइं.टी.एन एत.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के लभीन मचना

पारंत सरकार

स्थानिक, तहावक जानकर बाब्क्त (निर्देशक)

भ्रजन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 27 जून 1985

निदेश स० श्र $\xi-2/37$ $\xi/14062/84-85$ —-श्रत. मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000 रू. से प्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 604, छठी मजिल, रीगेन्सर-ए, 4 बगलोस, वर्सीवा, श्रधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-11-1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से, एसं इस्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकाँ) और अंत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्दोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अद्रूष्ट के कायित्य में कमा करने या उससे क्यन श्रीयाः। कारिया गरिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी पन या अन्य आरंप्सियों कार, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाणनार्थ अतिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान अ पृतिकास के निए

अतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इन्मीक निम्मितिक व्यक्तिस् वर्षात्.— 1 श्रीमती लक्ष्मीबाई बी० रामराक्यानी दृस्ट

(ग्रन्तरक)

2. श्री शैक एफ० ग्रहमद भौर भ्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को बहु तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सपरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाह्मेप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका प्रक्रियों में से किसी अ्यक्ति इतारा,
- (क) इब स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त त्यावर सम्पत्ति में दित- नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमा प्रयक्त शल्दों आरे पवी का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रे जुक्ता तथा पा पा प्राप्त अध्याय मा दिया

प्रनुसूची

पलैंट न० 604, जो छठी मजिल, रीगेन्सी-ए, प्लाट न बी०-3 एस० न० 41 (पार्ट), 4 ब्रगलोम वर्मोवा, ग्रधेरी (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-2/37ईई/14062/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक : 27-6-1985

Comment and the second

प्ररूप बाई'. टी. एन. एस. -----

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासय, बहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14040/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 504, पांचवी मंजिल, बिल्डिंग प्रीमियम टावर्स, 4 बंगलोस वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), वम्बई—58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—11—1984

को पूर्वोक्य संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के किए, औररंगा
- (अ) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया आ यां किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किया

बत. बब, उक्त अधिनियम की शाय 269-ग की अनुसरण बै, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प)

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार भासिन ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा:
- (अ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के लाध निखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 504, जो पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग प्रीमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/14040/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-1985

प्रकव नार्ड. टी, एन. एत.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बावक्स (निर्दाक्षक)

श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27-6-1985

निदेश मं० ग्रर्ड-2/37ईई/14196/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 901, नौवीं मंजिल, माग्नस टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, प्रंथेरी (प), बम्बर्ध-400058, में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कर ख के श्रधीन, दिनांक 7-11-1984

को पूर्वें केत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास अर्ते के कारण तै कि प्रधाप्यों कन संपत्ति का उचित बाजार मृत्य बसके वश्यभार प्रतिपत्त से एप्टें देशसान प्रतिपत्त का पन्दह प्रतिशत के उधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के तीक एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिपत्ति निम्नितिस्ति उद्योग से उक्त अन्तरण कि विश्वत के बास्तरण के वास्तरण के

- (क) जन्तरण से शुर्व किसी आव की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कभी करने मा जुनसे वसने में सविका र किस ज़र्दिश
- (अ) एनेसे किसी आड या किसी धण या अस्य बारिसडी को, जिस्ही भारतीय जाब-कर जीभीनयम, 1922 (1922 को 11) वा तजत अभिनियम वा धनकर जीभीनयम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संया था किया साना भाषिए था (देवपाने 17) एकिया के निकहा

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न वे विन्सरण वे. में. उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधाद् :--- मेसर्स लोखंडवाला इस्टेटम एण्ड डेबलपमेंट कम्पनी (प), लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किणन नरेनदास कासूरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बनींथ, जो भी जनींथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्वच्छिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाभित हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

अंग्रुपी

फ्लैट नं 902, जो नौवीं मंजिल, माग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एस वं 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई 400058, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14196/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक : 27-6-1985

बोहर 🥫

_ _----

प्रकार शहर हो एक एस - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा** 269-५ /।) के अभीर सूचना

भारत सरकार

म्बद्धाः ॥ ५३ । ५३४ आयक्त (निरिक्षण) भजन नेप-2, बम्बर्ध

बम्ब , दिसाक ∠7 जून 1985

निर्देश स० अर्ड -2 २७ १ १ | 1131 | 84-85-प्रांत मसे, लक्ष्मण दास, अवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात उन्त १ ५ न्या एटा हो, जी तथा 269-ख के अधीन सक्षम जाधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हो कि प्थायन प्रवत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य

ग्रीर जिसकी त० .) 2 ते तीवरी धजिल, बीज 4 वगलास, ग्रोणिवरा, वस्ति, प्रोती हो। जन्नई -400058 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उश्वान अस्ति संशोर पूर्ण रूप ने विणत है), ग्रीर जिसका कराशनामा अस्कर ग्रिधिनियम की धारा 269 कर्य के ग्रिधीन सक्षम पाबिकारी के नार्यालय, जन्म्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनाक 3-11-1984,

- का राज्य के सिंग के र जात पश्चम प्रतिक के की कि एकि के सम्बद्धिक का के कि कि कि किस्स का स्विधा का सुरिया
- ास स् रिच्या र १९ सी ६४ ११ प्रस्य बारियारे स रिकार स्तार १९ या राज्य अधिनयस, या अस-त्रार रिकार १९ स्तार १५५७ (1957 का 27) स स्थाजनाथ अलाक्ता स्थाण प्रस्य की स्थित गया र राज्य

सतः जब अवल ाभिन्यस्य का ५ सा (,9-ग क्षं अनसर्ग में, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन जिल्ला परिवार समिता अर्थात —— 20—216G1 85 (1) मेसर्भ रविराज बिल्डर्स

(श्रन्तरक)

(2) श्री विपिन कुमार जैन/मुनीता बी० जैन (भ्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति क अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के सीतर पूर्वोक्त न्यांक्तार में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की स्ट्रीब 4 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा स्कोंगे।

ग्रन्स्ची

"फ्लैंट स० 302 बी, जो तीसरी मजिल, श्रीज, प्लाट स० 25, एस० स० 41 (पार्ट), 4 बगलास श्रीणिवरा, वर्सोवा, श्रधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैमा कि कि कें स्र्रं -2/37ईई/14131/84-85 सीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1984 की रिजण्डई किया गया है।

> लक्ष्मण वाम मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक 27-6-1985 मोहर

प्ररूप भाइं.टी. एन. एस. -----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/14073/84-85-श्रतः मुझे। लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 407, चौथी मंजिल, मोंटाना—ए, 4 बंगलोस, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियग की धारा 269 कुछ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रम, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 1−11−1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण कि खित में वास्त्विक कृष से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

हत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के शक्षीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेसर्स लोखण्डवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मपना बाली चावला। (भ्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्शि के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

ननसची

"फ्लैंट मं० 407, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग मोंटाना— ए, प्लाट मं० 4, एम० म० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सीबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० श्र $\frac{5}{2}$ $\frac{2}{37}$ $\frac{5}{5}$ $\frac{1}{14073}$ $\frac{84}{85}$ श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड हारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27-6-1985

मोहर 🌣

ध्यम् वादः हो , वर् : ह्वा :------

नायकार विभिनिधन, 1961 (1961 🖦 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीन स्वना

नारक करकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्राय्वनत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/14174/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 401, चौथी मजिल, बिल्डिंग बी— 5, अपना घर यूनिट सव 6 कोभ्रापरेटिव हार्जीमंग सोमायटी लिव, श्रोशिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, आफ जेव पीव रोड, 4 बंगलोस के पास, श्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 3-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान असिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) औड अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के विष्•तव वाया गया प्रतिफास, निम्मतिवित उच्चेदस से उच्च अन्तरण सिवित में वास्तविक कप से कालत वहाँ किया बवा है :----

- (क) जनसरण ते हुए किसी बाय को गावत, अक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्तरक के दामित्व में कभी कारने या उत्तरो सचने में सुविधा के सिक्; शीड़/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया बना था, जिनाने में सबिधा के सिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स सामर्था डेब्लपमेट कारपोरेशन ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वृशाली विजय सावंत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जि कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविध या तत्सं कंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनकि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्स विभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यं होगा को उस अध्याय में दिना गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग, सं० बी-5; प्रपना घर यूनिट सं० 6 कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रोणिवरा, श्री स्वामीसामर्था नगर, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस के पास, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/14174/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्द

दिनांक : 27-6-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 27 जून 1985

निवेश म० श्रई-2/37ई $\frac{1}{4}158/84-85-$ श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधित्यन, 1961 (1961 का 43) (धित इसमे इसके पश्चात् 'उन्त निधित्यन' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विख्वास करत का कारण है कि स्थावर संपरित, जितका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी सं० पलैट स० 53, पाचवी मजिल, श्रोम मार्ग 314 पाली राम रोड, श्रधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण व्य से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 3-11-1984,

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान शतिकल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभाष्ट्रविक्त संपत्ति का उचित कार्याण ब्रुच, उसके द्वयमान प्रतिकल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रविक्त से बिथ्य, है और अन्तरक (अतरका) और अन्वरित (जन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिक क ज निम्नजिबित उद्वेषय से उचन बन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कवित नहीं किया गया है -----

- (क) नजरण वंशुर्व विजी नाथ की शबस, तकस अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शामिरण में कभी करने ना उनसे नचने में निक्या के किए: नीर/या

वतः वधः, रुक्त जीधनिवतः की धारा 269-ग के अनुसरभ वी, भी उक्त विधित्तियमं की पारा 269-भ की उपधारा (५) वीवधीर निम्नलिबित स्मीन्तमी वर्धातः :---- (1) मेमर्स भ्रोम बिल्डर्स (प) लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश नानालाल शाह ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूपना की तामील स 30 दिन ही अविधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त हो है। ते भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्तिया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन प्रांभीना उदन का राज्यान मा हित-बव्य किसी काहन द्वारा, क्षाराक्षणी के पास लिखित मा किए जा सकीय।

स्पद्धीकरण ---इसम अयुक्त श्रदा श्रीर पदो का, रां उक्त अधिनियह, को अन्याप 20-क के परिभाषित ही, वहां अथ होना को इस अध्याय मी विधा गया ही।

अन्सची

"फ्लैंट स० 53, जो पानवी सिति, योम निकेतन, धोम मार्ग, 314 पाली राम रोड, प्रधेरी (11) वस्त्रई-400058, में स्थित है।

श्रन्सची जैमा कि ऋ० ए० रहें 37^{स्ट}/11158/84-85 थोर जो सक्षम प्राधिकारी , 4स्टी द्वार दिसाक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ह

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाक : 27-6-1985 माहर . प्ररूप आइ र टी. एन. एस/.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनार 27 जून 1984

निदेश मं० अर्घ-2/37 ईई/14452/84-85--अतः **मुझे**, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्ह्या उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या सुनिल निवास कोआपरेटिव हा उसिंग सोसायटी लिमिटेड, 1 वगलोस के पास, स्रधेरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है (स्रौरडसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रारपूर्ण रूप संवर्णित है), स्रौर जिसका करारतामा आयक्तर अधिनियस की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री श्याम एम० सुमतानी ।

(अन्तरम)

2. श्रीमती जस्बीर गुलाटी ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपक्ति हैं) को यह गूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूमन कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यवित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त राब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुनिल निवास कोन्नापरेटिय हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, जो ज्लाट नं 89 एवं 90, 4 बगलोस के पास, अंधेरी (प), बस्बई 400058 में स्थित है।

अनुमूचि जैमा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/14452/84-85 ग्राँरिजोसक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्ब**ड**

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

दिनांक : 27−6−1985

माहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 27 जून 1985

मिर्देश सं० अई-2/37ईई/14451/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परभात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजर मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० ए-54, बिल्डिंग ए, पांचवी मंजिल, सुनिल निवास कोआफ्रेटिव, हार्डीसंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 89 एवं 90, 4 बंगलोस के पास, जे० पी० रोड, श्रंधेरो (प), बम्बई-400058 में स्थित है (भाँर इससे उपाबद अनुसूच। में ग्रौर पूर्ण रूप में विश्वत है) श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीम, सक्षम प्राधिकार। के कार्या- लय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विमाक 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पामा गया प्रति-क्रम विश्वविद्यात स्वृद्यास से अवस कंतरण सिक्षित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया पता है

- (क) बन्धरण वं हुई किसी नाम की नामबं, उक्क वरिशीनवंत्र के अभीन कार दोने के जन्मरक को दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों कर विनहें भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

शतः जव, उत्तव विधिनियम की भारा ':69-ग के बन्सरण वा, वी: अक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, विकासियक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रकाश रामकृष्ण तुलक्षियानी

(अन्तरक)

श्री लक्ष्मण जेठानन्द खानचन्दानी,
 श्रीमती मोहिनी जेठानन्द खानचन्दानी,
 श्री किशोर जेठानन्द खानचन्दानी,
 प्रकाश जेठानन्द खानचन्दानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उन्द धन्तृति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस ब्यान के राज्यत्र में प्रकारण की ताड़ीन हैं 45 दिन की जनिथ या तत्त्रकारणी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी समित माद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी स्थित ब्वारा ।
- (का) इ.स. स्चनः व नाजपण मा प्रकाशन का लागा का स्व 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मात्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विस्थित के नाम

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अन्स्या

फ्लैट न० ए-54, जो बिल्डिंग ए, **पीचियी** मजिल, सुनिल निवास, कोआपरेटिव हार्जिंग सोमायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 89 एवं 90 4 बंगलोस के पास, जे०पी० रोड, श्रधेरी (पं), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/14451/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-1985

टी एन एस -----प्रकार सामार्थ

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्वना

भारत मग्कार

कार्यालय, महायक त्रायकर नाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 27 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15043/84-85--अतः म्झे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्यस्त्र तडाम् । प्रतिकारण मार्ग हैं), **की धारा** 269-स की अभीन स्थम प्रति े ते विकास काने ला कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रन. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट न० ए-9, एवरसन कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप रे। वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, विनांक 30-11-1984

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्समान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुए किसी आम की बाबरा, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने में जन्तरक से दाबित्य में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/मा
- (स्त) श्रेसी किसी काय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या धनकर विधितियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अभारिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आता बाहिए था, क्रियाने में बुविधा के सिए;

अश अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उवधारा (1) के अधीय निकासिया स्पित्तको अर्थात ध---

श्रीमती सुधा माधव माने

(अन्तरक)

2 श्रीतानाजीएकनाथमाने

(अन्तरिती)

3 (भ्रन्सरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सपत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

बक्त श्रम्पत्ति को नर्णन को सम्बन्ध में कोई भी नाकांप :---

- (क) इस सूचनाके राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भी व्यविभ बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारः;
- (क) इस तुक्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा सिचित में किए जा सकों ये।

स्पक्ष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्योका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याद में दिया गया 🗗।

ममुस्वी

फ्लैट नं ० ए-- १, जो एवरसन कोआपरेटिन हार्डीसग सोसायटी, जें • पी • रोड, अधेरी (प) बम्बई-400058 में स्वित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई--2/37ईई/15043/84--85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **अ**जेम रें**ज**-2, बम्बई

दिमांक : 27-6-1985

मोहर 😘

मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकेल सं एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त विभिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिभा के सिए; बौर/बा
- (स) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्री धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चे लिए:

है, यही अर्थ होगा जा उस अभ्याध में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 4 ए,जो पहली मंजिल, ए-एकंग्न, टबीन टावर्स, प्लाटनं ० 8 ए एवं 8बी, सर्वे न ० 41 (ार्ट), दिलेज भ्रोशिवारा, 4 बंगलीस, आफ जें० पी० रोड, वर्सीवा श्रधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अई-2/37ईई/14**4**97/94-85 भ्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिना हु 9/11/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्म दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनां*ना* : 27-6-1985

मांहर 🖫

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ो में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की 🛋 अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---21 -216GI/85

अक्ष बाहें. टी. एन. एस.- - s a---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक सायकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 27 जून 1985

मिर्देश सं० अर्ड-2/37ईई/14939/84-85—अनः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्यति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- का से स्थित है

1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट न० 401/ए, चौथी मिजिल, ए-स्कंध्
प्रभा बिल्डिंग, अधेरी (प), बस्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़
अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पर्न विणित है), और जिसका करारमामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 24-11-84
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान

1. श्री दिलीप जीवनदास दिवान (एच०यू०एफ०)

(अन्तरक)

2 श्री अनिल मर्नालाल मागवो, मोना जगदीश मागवी, मानोर मिनलाल मागवो, हर्शद मनीलाल मागवी। (अन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करक पूर्वोक्स सम्पक्ति के खर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुूँ।

उक्त सम्मत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण मा प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त जीधीनसम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित

29644

णारत का राजपक, अगस्त 31; 1985 (माद्रपद 9, 1907)

[भाग III--- वय ।

अक्ष वर्षा<u>ः</u>ही. पूर्वा<u>. एवः , -----</u>----

नागकर नर्भिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहावक आयकर वामुक्त (गिरीक्रफ)

ग्रर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश स० भई-2/37ईई/14943/84-85---- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर व्याधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिते इसमें इसके परमास् जनत निधीतयम' कहा नया हुँ), की नारा 269-च के संधीत सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, चिसका उचित सामार स्थ्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो प्लाट नं० 29, आफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस चर्साचा, अंधेरी (प), बम्बई र 400061 में स्थित हैं (और इससे उपावद शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्राधकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्द्री हैं, दिनांक 24-11-1984 को पूर्व सम्मास्त के उपित बाबार मृस्य से कम के क्यामाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और माने यह विक्वास

करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, जनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफ , निम्निनिवित सद्देश से स्वत अन्तरण निवित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई जिल्ली बाव की नावत , क्यक वींपीनवन के संधीन कर दोने के बन्तरण के दावित्य में कड़ी करने ना उक्क वचने में सुविधा के सिक्ष; कॉर/वा
- (व) एती किसी नाय ना किसी भन ना बल्य शास्तियों नते, विन्हें भारतीय बाय-कर विश्वित्वया, 1922 (1922 कर 11) या उनत विश्वित्वया, शास्त्र निव्यत्वया, शास्त्र निव्यत्वया, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया नवा या ना किया वाना शाहिए वा, कियाने में सुविभा के सिक्;

शतः धव, उक्त विभिन्नमं की भारा 269-ग के अनूतरण औं, में, उक्त विभिन्नमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविचित व्यक्तियों, वर्षांस र--- (1) श्रीमती भ्राणा भ्रडवानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रमीत क्पाडिया,
श्रीमती निलनी क्पाडिया ।

(भ्रन्सरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के द्विप कार्यनाहियां करता हो।

क्यर क्रमित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की श्रवीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 विन की बर्बीध, को भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तित ब्रवारा;
- (व) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है वे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पणि में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमे प्रवृक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त जिल्-निवंश के जभ्याय 20-क में परिभाष्टि हैं. मही अर्थ होगा, खो उस अध्याव में विमा गया हैं।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 401, जो प्लाट सं० 29, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस, बर्सोंघा, अंधेरी (प), बम्बई-400061, में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-12/37ईई/14943/84→85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज--2, बम्बई

विनांक: 27-6-19**85**

मोहर 🖫

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षम, सहायक बायकर बायक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14997/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी संख्या प्लैट नं० 4 ए, पहली मंजिल, ए-स्कंध, ट्वीन टावर्स, विलेज श्रोशवारा, 4 बंगलोस, आफ के० पी० रोड, वर्सोबा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, दिनांक 9-11-1984

स्त्रे पृश्नेंस्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करणे का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक से सीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में अस्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से सुद्दें किसी आय की बाबता, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वियित्व में कमी करने या उसमें क्वने में मृतिका के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यी धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविभा से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. के उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निस्ति शित व्यक्तियों. अर्थीत् :-----21 ---216GI/85 1. मेससं इंदरजीत प्रोपर्टीज (प) लिमिटेड

(अन्तरक)

2 श्री ग्याम सुन्दर चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामीच में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी कित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन म त्रकाणन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास

स्वयोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

सनसभी

पलैट नं० 4 ए,जो पहली मंजिल, ए-कंध, टबीत टावर्स, प्लाट नं० 8 ए एवं 8बी, मर्बे नं० 41 (ार्ट), दिलेज ग्रेशियारा, 4 बंगलीस, आफ जे० पी० रोड, वसीवा ग्रंधेरी (प), बम्बई-40058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० म० अई-2/37ईई/14497/94-85 घौर जो सक्षम प्राविकारी, बस्बई द्वारा दिना रु 9/11/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

विनांक: 27-6-1985

अक्ष बाह् हो . पुण . पृष्ठ

भागकर कार्रियनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) से जधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निदीक्षण)

धर्जन रेंज→2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश स० ग्रई-2/37ईई/14943/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर नाँधनियन, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पर्यास् 'उक्स निर्धानय' कहा नया हाँ), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सन्पत्ति, जिसका उक्ति पाजार मृश्य 100,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैप्ट नं० 401, जो प्लाट नं० 29, श्राफ जो० पी० रोड, 4 बंगलोस वसींघा, अंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जियवा करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 24-11--1984 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के विषत बाबार मृख्य से कम के स्थामा श्रीकल के लिए जन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्छत् प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा शिषका, निम्निचित सब्देश से अक्त अन्तरण निचित में रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई फिली साथ की वासत, क्ष्यह संधिनियन के सधीन कर दोने के सन्तरण के दाकित्य में कमी करने वा उन्नचे वचने में सुविधा के सिम्ह और/का
- (व) ऐसी जिसी बाब वा किसी धन वा बाब बासिसवीं नते, विक्हें भारतीय बाब-कर बॉब्गिनवथ, 1922 (1922 का 11) वा उपत विधानवथ, ना धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती कुवारा प्रकट वहीं किना नवा वा वा किया बाना वाहिए वा, क्रियाने में व्यविधा के सिक्;

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, जो, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन, निम्निमिसित व्यक्तियों, वर्षात् "---- (1) श्रीमती श्राणा श्रडवानी ।

(धन्तरक)

(2) श्री धमीत कपाडिया, श्रीमती नुलनी रपाडिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह युजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के हिस् कार्यवाहिकां करता हो।

क्ष्मक कम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बामरे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की वर्वीभ का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की चर्वीभ, को भी वर्वीभ कार में सभाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकावन की तारीच के 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वब्ध किसी कन्य स्थावत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्का निरमः इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-निरम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं मही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

"फ्लैट सं० 401, जो प्लाट सं० 29, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस, घर्सोषा, अंधेरी (प), बम्बई-400061, में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि० सं० म्रई-12/37ईई/14943/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 24--11--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27~6~1985

मोहर 🗯

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, कम्बई बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई--2/37ईई/14903/84--85---श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं शाप सं 11, जमीन मजिल, नन्द छ्पा धनेक्प शापिंग सेंटर, चार बंगला रोड, अधेरीं (प), बम्बई, में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूचीं में और पूर्णरूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम की धारा 269 वखके अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनाक 24-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द्ह है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मान्त का उचित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त स्थिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तिरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, किया में सुविका के किसी

नतः वन, उक्त निधानियमं की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निल्कित व्यक्तियों के सभात हरू

(1) मेसर्स विमल कन्स्ट्रकशनन्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री भन्दुल रशीद ग्रम्बुल रजाक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्थि से 45 दिन की वर्षाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

शाप सं० 11, जो जमीन मंजिल, नन्द कृपा अनेक्स शापिंग सेंटर, चार बंगला रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं ।

भनुसूची जैजा कि कि कं एंडि-2/37क है है | 14903/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निक्षरीण), भर्जन रेंज→2, बम्ब€

दिनांक : 27-6-1955

मोहर 🛭

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

गतिशत से जायन हैं गौर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के गौच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इक्देंद्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित एहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित जिन्नयों अधीन, ——

अनुस्ची

क्लैट सं० 102, जो पहलीं मंजिल, गोल्ड कौन को०-जापरेटिव हाउउँग सोसायटी लिमिटेड, वर्सीवा, बम्बई-में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा ग्रि: ऋ० सं० अई-2/37ईई/14985/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण धास समम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भजेंन रेंज- 2, बम्बई

दिनोक : 27-6-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनार 27 जून 1985

निदेश सं० ऋई ·2/37ईई/14954/84→85→-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

'बायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बौर जिनक: सं० पर्नेट सं० 31, तीं तरी मंजिल, नेपोलिना कोम्रापरेप्टिय हार्शीण सो ता.टी िमिटेड, जे० पी० रोड, 7 बंगली के इसींपा, अधेर. (प), बरवई--400058 में स्थित हैं) और इन्ते उनाबद्ध अनुवर्धी में आर पूर्ण रूप से विणित हैं), ओर जिसवा वानवनामा पायर र अविनियम की धारा 269 कख के ग्रंथीन सक्षम प्राधि ।री के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिसान 26--11--1984,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरत्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त काधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० डी० मर्चेंट।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ पी॰ लोबो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के बर्जन के निश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्या है ।

अनुसूची

पलैट सं० 31, जो तीसरी मंजिल, नेपोलिना कोग्रापरेटिव हाउर्दिग सोझायटी लिमिटेड, जे०पी० रोड, 7 बंगलोस, पर्सोवा, अंग्रेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/14954/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, श्रम्बई

६ दतीक : 27-6-1985

त्रक्ष आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्य2, बम्बई अम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निवेश सं० ग्राई-2/37ईई/14985/84-85---ग्रतः मुझे, सक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 102, पहली मंजिल, गोलड कीन को०श्रापरेटिव हाउभिग सीभारटी लिमिटेड, वसींवा, बरबई-400058, में स्थित हैं (ऑग इससे उपाबद प्रमुखीं में और पूर्णेरूप से विणित हैं), और जिल्ला कागरनामा प्रायसर मधिनियम की धारा 269 वस्त के प्रधीन सक्षम प्राधित्रारी के नायलिय, बम्बई में गजिस्ट्रीं है, दिनांक 27-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह दिश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मौज एंसे अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित ही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त किता अधीन अर्थात :--

(1) श्री पी० के० गुप्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती धनिंडेट परवरेण ।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपर्शि के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्श
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**ची**

फ्लैंट सं० 102, जो पहलीं मंजिल, गोल्ड क्रीन को०-भापरेटिव हाउउँग सोसायटी लिमिटेड, धर्सीया, बम्बई-में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14985/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, कम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास स्थ्रम प्राधिकारी सहायक मायकण मायुक्त (निरीक्षण), मर्जम रेंज-2, बम्बई

विनोक : 27-6-19**8**5

मोहर 🖫

--- · --- --- -- -- ----

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षण) प्रजीत रोज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

िष्देश स० श्रर्द-2/37ईई/14982/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दान,

भाग्कर अिवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

और जिनकी सं० पलेट नं० (बन रहा है), चौथी मंजिल, विस्कृत्डन की आपरेटिय हाउसिंग सीमायटी, 4 बंगलीस रोड, अंधेरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धाय कर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बस्कई में रिजस्ट्री है, विनांक 26-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उधके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्षित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में अस्तिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में अस्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रुधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भी जधीन, निम्निसिक स्पितियों, अधीत् ह—

- (1) श्री पेरूबम्बा लक्ष्मण ध्रय्यर रामन । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री तपन कुमार चाटरजी (ग्रन्तरिंती)

को यह सूचना चारी कर्ज पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी नासीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्षे 45 दिन की क्वींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबीच, जो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लैट नं० (जो बन रहा है), चौथो मंजिल, चिम्बुल्डन कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, प्लाप्ट नं० 10, 4 बंगलोस रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 26-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 27-6-1985

मोहर 🕽

-

प्रस्य बाह⁴.टी.एन.एस<u>.</u> -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, अम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/14450/84-85--- धतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० ए-53 जो बिल्डिंग-ए-पांचवीं मंजिल, सुनिल निवास कोग्रापरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, 4 बंगलोज के पास, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर मिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरका) जार अन्तरित (अन्तरित में) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) जन्तरण ते हुए किसी बाय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/धा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री ललित राधा कृष्ण तुल्सियानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मोहनी जे० खानचन्दानी, श्री प्रकाण जेटानन्व खानचन्दानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श्व तिस्थित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसुची

पलैंट नं॰ ए-53 जो बिल्डिंग नं०-ए, पांचवीं मंजिल, मुनिल निवास कोग्रापरेटिव हार्जीसग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं॰ 89 ग्रीर 90, 4 बंगलोज के पास, जे॰ पी॰ रोड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्रम सं० भई०-2/37 ईई/14450/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 12-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 27-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धनरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निजीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० भ्रई०-2/37 ईई/14881/84-85—भ्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 1306, तेरहवी मंजिल, 'मनीश टाबर' जे० पी० रोड, इण्डियन स्नायल के पास, बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर स्विधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया हैं ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एोनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र—

(1) श्रीनरीन्दर सिंह बेडी।

(भन्तरक)

- (2) श्री निरंजन माथर दास टैकचन्दानी । (धन्तरिती)
- (3) अन्तरितो

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं ० 1306, जो तेरहवीं मंजिल'मनीश टावर' प्लाट नं ० 5 एवं 6, जे ० पी० रोड, इण्डियन धायल के पास, बम्बई-400058, में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि क्रम सं० ध $\frac{2}{37}$ ईई0/14881/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकरं घायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, बम्बई

तारीख . 27-6-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वावकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 27 जुन 1985

निदेश सं० भ्राई०-2/37 ईई०/15054/84-85--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसके परेचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000∕-रऽसे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 है तथा जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए/29, श्रपना घर यूनिट नं० 3 को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेंड श्राफ जे० पी० रोज, रोड नं० 4 बंगलोज, श्रन्धेरी (प), बम्बई-40058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1061 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में स्थित है तारीख 30~11~1985

को प्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ बामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के निए:

अतः भाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22 --- 216GI/85

(1) श्री श्रजीत महादेव क्षीरसागर।

(भ्रन्तरक)

(2) ख़ी प्रकाश इन्द्रालाल झुनझुनवाला श्री सुधीर इन्द्रा लाल झुनझुनवाला।

(भ्रन्तरक)

(3) श्रन्तरिती ग्रौर परिवार के श्रन्य सदस्य। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपरित के वर्णन संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्वना के राष्प्रज में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए का सकर्ग।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु जिथे होगा, जो लस अध्याय में दिया नगा हैं।

नगुस्की

पलैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए/29 अपना घर यूनिट नं० 3 को भ्रापरेटिय हाउसिंग लिमिटेड, श्राफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस, भ्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/15054/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग्र दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख : 27-6-1985

मुक्त बाइ . दी . एन . एस . ------

वाभवकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

डाइट दर्कर

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, विनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/15021/84-85—ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास

बायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की पार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-4, न्यू पारडैस हाउमिंग सोसाइटी लि० 137, एस० वी० रोड, ग्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-11-84

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के स्वयमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से किंवित नहीं किया गया है :---

- (का) जन्तरण से हुई किसी साम की बाबत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कम्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, टा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा वा या किया बाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिखाः

कतः वयः, तस्त अधिनियमं की भारा 269-गं सै अन्तरम तैं, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कोकिला ग्वारी मनसुख लाल बंजारा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सविता गौरी रसिक लाल बंजारा श्री रसिक लाल प्राण जी बंजारा। (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब कर संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाओर --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीत / 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रुवना की तामील से 30 दिन की नत्रधि को भी बंबधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारर
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीरू से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितवबध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के गर सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्दीकरण: ---- इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वों का जो उचन अधिनियम के अध्याय 20-के से परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गवा है।

अनुसूची

सी⊸4, जो न्यू पारडैंस हार्जीसंग सोसाइटी <mark>सिमिटेड</mark> ग्रन्घेरी (प), बम्बई–400058 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्राई-2/37 ईई०/15021 8485 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11→ 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग्र दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 27-6-1985

मोहर 🏻

प्ररूप बार्द. टी, एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>र</u>ा 269-ज (1) के विभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2 बम्बई
बम्बई, दिनांक 26 जुन 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14498/84ब85—-ग्रतः मुझे, लक्षमण दास

नायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है यहिन की मंद्राल एक्टर्स करीत

ग्रीर जिस की सं० फ्लैंट नं० 4 बी, पहली मंजिल, ए-स्कंध, टबीन टावर्स, विलेज श्रीशिवारा, 4 बंगलास, श्राफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), वम्बई 400058 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिष्ठिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-11-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गईं हैं और मूके यह विश्वास करने, का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का चंग्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा वै लिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हुं भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मसर्स इंदरजीत प्रोपरटीज (प) लिमिटेड (ग्रन्सरक)
- (2) मैससं एस० एस० चौधरी एण्ड सन्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्थितस्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क्) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारी का सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 4बी, जो पहली मंजिल, ए स्वन्ध, टवीन टावर्स प्लाट नं० 8-ए और 8-बी सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज स्रोशिवरा, 4 बंगलोज, स्नाफ़ जे० पी० रोड, वर्सीवा स्नम्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/14498 84-85 और भी सक्षम प्राधिकारी, बबई द्वारा दिनॉक 9-11-19 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

कतः बकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीभ, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-6-1985

प्ररूप भाइ .टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/14966/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भाप नं० 10, बी स्कन्ध जमीन मंजिल पिक भपार्टमेंट्स 7 बंगलोज गार्डन के पास, वसींवा, बम्बई— 4000061 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मेश्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध— नियम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25—11—84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अंतरक अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० वर्धमान इस्टेट (प्रा०) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना सुधाकर खरडे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अशीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भग्सूची

शाप नं० 10 जो बी स्फन्ध, जमीन मंजिल, पिंक श्रपार्टमेंट्स, ७ बंगलीज, गार्डन के पास, वर्सोवा, बम्बई— 400061 में स्थित हैं ।

श्रनुसुची जैसा कि क्रम संड श्राई०-2/37 ईईई०/14966/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास दक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज∼2, बम्बई

तारीख: 27-6-85

प्रस्य आइं.टी.एन.एस. -----

बायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत चरकाड

कार्यानय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/14884/84~85--- ऋतः मुप्तो, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, जो ए-स्वन्ध मनीश नगर, 4 बगलोज रोह, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूच, मे ग्रीर पूर्ण का न वर्णित है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अर्धान सक्षम प्राधि हारो, धम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रें है तार्र ख 23-11-84 को पूर्वीकत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के उदयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मुओं यह विश्वास यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ै :----

- (क) बन्तरभ से हुद्दं कि बी बाय की बाबत, सक्ट विभिन्निम के विभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या नन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर निभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इसोचवार्य क्लाउरी इचारा प्रकट नहीं किया वदा था वा किसा बाबा डाहिस् था क्लिजे जें स्विभा के निए;

बाद: बाद, बाद्य विविध्यान की पारा 269-म के बण्डारण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्र. भ्रर्जुन परस्तराम . १६२१ ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्री महबूब अली एम० मुकादम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए वार्वगाइको करता हूं।

उक्त सम्मिक्त को कर्बन को सम्बन्ध में कार्ब भी बाबोब हु-

- (क) इस स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामी न से 30 दिन की अविध, जो बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इयारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की शारीक के 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का कर्केंगे।

स्वस्तीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पयों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यहा है।

श्रनुपुची

फ्लैंट न० 503, जो ए-स्कन्ध, प्लाट नं० 25/26, मनोग नगर, 4 बगलोज रोड, जे०पा० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसुचो जैसा कि कम मं श्रई -2/37 ईई/14884/84-85 श्रौर जो सक्षम श्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 27-6-1985

मोहर

प्रथम बार्ष: टी एव. एष.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क्रे अधीन सूचना

भारत संद्रका

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनोंक 27 जून 1985

निदेश सं भई -2/37 ईई /15044/84-85--भातः मुक्ते, शक्ष्मण दास

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4/3) (जिसे में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अभी भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं गाला नं 3 बी एवं के लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वीरा देवास रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्राप्त पन्नम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में स्थित है तारोख 30-11-84

करे पूर्वेक्सि सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए जन्द्रारित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृह्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्विक इस से किथा नहीं किया गया है दि—

- (क) जैतरण ते हुई किती जाय की बाबत, उक्त त अ: नश्य के अभीन धर बान के जन्तरक के वाजित्य में कमी करने वा उदावे वचने में सुविधा के विद्यु; जीर/वा
- (व) ऐसी किसी बार वा किसी धन वा अस्य बास्तिनों की जिन्हों भारतीय बायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना ववा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में बृविधा से विष्;

वतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण वो, माँ, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निर्म्तलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् : - मैं सर्स इण्डिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैंनुफ़ौकविंग कम्पनी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री अभय कुमार एच० थाह फ़ैमिली ट्रस्ट । (अन्तरिती)

(वह ब्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्व्यतिह के वर्षन् के विष् कार्यनाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोदः---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर वृत्या की हामील से 30 दिन की स्वीध, को की नवाध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकिसी जन्म न्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के शब्द
 लिखित में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

गाला नं० 3-बी, एवं के, लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वीरा देवाय रोड, घन्घेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-2/37 ईई०/15044/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30∼ 11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 27-6-1985

नोहर:

प्रकथ आई. टी. एन . एस . -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई दिनांक 27 जून 1985

निदेश म'० आई०-2,37 ईई०,14911,84-85**---अ**तः मुझे लक्ष्मण दास

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52 है तथा जो पांचवीं मंजिल ग्रीम मार्ग 314 पाली राम रोड अन्धेरी (प) बम्बई—400058 में स्थित है (ग्रीर इमने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैतारीख 24—11—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पावा चवा ग्रीत-का, निम्नतिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण मिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है धु—

- (क) अन्तरण से हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अत अत जब्द गिधिनिग्ण की धारा 269-ग के अनसरण के में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के पधीन, निम्नलिमित व्यक्तिभयों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स भ्रोम बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटेड।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री एम० एल० मेहरा,श्रीमती निर्मला एम० मेहरा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबवभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 0 52 जो पांचवीं मंजिल श्रोम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पाली राम रोड अन्धेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमूची जैंसा कि कम सं० ग्रई०-2,37 ईई०,14911, 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

सारीख : 27-6-198**5**

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

काशीनन, सहायक नायकार नायुक्त (विरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० अई०-2,37 ईई०,14894,84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दास

नासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें दर्भात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

भीर जिपकी मं० फ्लैट नं० 402 है तथा जो चौथी मंजिल बिल्डिंग ग्रीन फिल्ड्न 4 बंगलोज वर्मोबा अन्धेरी (प) सम्बई—400058 में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी सम्बई के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 24—11—1984

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मन्य उसके दश्यमान पितफल में एोसे दश्यमान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय यागा गया प्रतिभाव. निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि शिक्त में वास्तरिवक अप से अधिन नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लासम्बद्ध के जधील कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त विभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि**कित स्पन्तियों, वर्षात् ह**——

- (1) श्रीमती जरीना रहीम तारियानी और अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री मृशताख अहमद कुरैशी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के सिए -कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेध हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and di

फ्लैंट नं० 402 जो चौथी मंजिल बिल्डिंग ग्रीन फिल्ड्म बी प्लाटनं० 333 एस० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोज बर्सोबा अन्धेरी (प) मिर्इि-400058 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम सं० अई ०2/37 ईई ०/14894/ 84-85 और जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 24-11 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

मोहर 🤣

प्ररूप आईं .टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिना 27 जन 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई०/14079/84-85—असः मुझे लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त उन्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 406 वीनस अपार्टमेंटम आफ 4 बंगलोज, वर्मोवा अन्धेरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है सारीख 2-11-84

को पर्शाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल धे लिए उन्तरित की गर्ब है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राका चाहिए था, छिपाने में स्विधा अं िता

ा तर, उक्त लॉफियम की **धारा 269-ए के अन्सरण** मो है जात अधिनियम की धारा 269-**९ की उपधारा (1)** - ''किया त्यक्तिस्यों, **अर्थात्** — (1) श्री प्राणबेदु धोस्वःमी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीदौलत एच० ग्रानिडानी।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स हीरानन्दानी बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिध-भोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत अपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्भ किसी अन्य व्यक्ति इंवारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिसा गया है।

प्रवस्पी

एनैट न० 406, जो बीनम अपार्टमेंटम ग्रांफ 4 बगलोज 4 सींबा ग्रन्थेरी बम्बई में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि क्रम स० अई०-2,37 हैई0,14079/ई 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-84 को रजिस्ट इंक्या गया है ।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बस्बई

नारीख : 27-6-1985

मोहर

त्रक्ष बार्ड द्वी . एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन स्थान

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशक) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 27 जून 1985; निर्देश सं० अर्ह०-2/37 ईई०/14895/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 17 है तथा जो जमीन मंजित बिल्डिंग नं० 353, 4 बंगलोज, वर्सीवा श्रन्धेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 24-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उशके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज् ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, विम्नीसिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया पंदा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त सीधिनियम के संधीन कर दोने के बन्तरक के दानित्व में कभी करने वा उच्छे बचने में सुविधा में सिए; मीड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, चिका भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के स्वारा के

कतः जव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अन्सरण वों, में, उक्त अभिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) को विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री उजागन सिंह, श्री सुरजीन सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्री मध् एन० सिंहु।

(अन्मरिती)

स्त्रे वह नुषना बारी करके पुत्रोंकत सम्मित्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्मन्त में आहे भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी। अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए वा सकेंगे।

लक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बच्चों जरि वर्षों का, वां उक्त विश्वनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस जभ्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

शॉप नं० 17 है सथा जो जमीन मंजिल बिल्डिंग नं० 353 एस० नं० 41 (पर्ट) वर्लोवा अन्धेरी (प) बम्बई— 400058 में स्थित है।

अनुचची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37 ई ई/14895/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्थई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ङ किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-6-1985

बोहर 🛭

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस .-----

भायकर लिप्निवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं॰ प्रई-2/37ईई/14415/84-85-प्रतः महो, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट सं० 501, पांचवीं मंजिल, टावर बिल्डिंग, प्लाट सं० 22, तुलसियानी काम्प्लेक्स, 4 बंगलोज, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-11-1984,

को पूर्वे क्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किपाने में सुविधा के निस्;

बतः बन, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निय्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ८—— (1) मेसर्स तुलसियानी बिल्डर्स एवं टैन्सटैल्स (प) लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती काजल भरजन भडवानी। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्त्रकी

"फ्लैंट सं० 501, जो पांचवीं मंजिल, टावर बिल्डिंग (जो बन रहा है) प्लाट सं० 22, तुलिस्यानी काम्प्लेक्स, 4 बंगलोज, मंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्चर्य-2/37ईई/14415/84-85 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-1985

प्ररूप. बार्च. दी. एन्. एस. -----

(1) मेसर्स काबिया इण्टरप्रैसेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

(2) श्रीमती मायाधर राजीवास मल्होत्ना, श्रीमती शक्रुन्तला भ्रोमप्रकाश मल्होत्ना (भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14825/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उच्चित साआर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 'बिन्सा फ्लैट सं 303, ए-स्कंध, तीसरी मंजिल, प्लाट सं 9, 9ए, एस० सं 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, वर्सोना, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 22-11-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपितित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ नाया नया प्रतिफल न, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे नवने में भृतिधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः भव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्रत व्यक्ति गाँ, अर्थात --- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छ 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों दा स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दा, और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, वहां अर्थ १ गा हा राम भाषाय भी दिया -गभा है।

अनुसूखी

"बेन्सा, जो फ्लैंट स० 303, ए—स्कंध, तीसरी मंजिल, प्लाट सं० 9, 9ए, एस० सं० (पार्ट) 41, ग्रोशिवरा, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० भ्रई-2/37ईई/14825/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 27~6-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्टारडेंट लाबोरेटरी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

यम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश मं० श्रई-2/37ईई/14953/84-85—श्रतः मु**र्से** लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 32/एन, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट न्यू लिक रोड एक्सटेंशन, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रीर जिसका करावनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क्षय के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-11-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उत्तित हाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुउई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम की मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अव, धक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ ही उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट सं० 32/एन, जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड एक्सटेंशन, ग्रंधेरी (Ψ) , बम्बई-400058, में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० भ्रई-2/37ईई/14953/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई--2/37ईई/14941/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 104, पहली मंजिल, "सुमन" यार ी रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई -400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-11-1984,

को पूर्विक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स हीतेश कन्स्ट्रवशन कम्पनी
 - (मन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रेसी फेडरिक फर्नांडिस । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-^क षित ह[®], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

''फ्लैंट सं० 104, जो पहली मंजिल, ''सुमन'' सी० टी० एस० सं० 1206, यारी रोड, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋं० मं० भ्रई-2/37ईई/14941/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-6-1985

प्रकर बार्ड .टी. एन .एस . - - --

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जाव्कर (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई- 2/37ईई/14969/84-85---श्रतः मुझे, नक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-खं के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 604, छठीं मंजिल, क्सिप्पर बीच क्वीन, जयप्रकाण रोड, वसींवा, बम्बई-400061, में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 26 कुख के अधींन सक्सम प्राधिकारीं के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 26-11-1984.

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया थका प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्त के सम्सविक स्पासे अधिन नहीं किया गवा है है---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की दावत, अवत विभिन्नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के काशित्य में कभी करने या उससे वचने में मृतिभग के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित्:—

- (1) मे पर्स स्किपर कंस्ट्रक्शन कम्पनीं (प) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन सीं० कोहलीं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रिप 🎞---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त कब्यों और पवा का, को उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया क्या है।

अनुसूची

"फ्लैंप्ट मं० 604, जो छठी मंजिल, स्सिप्पर बीच म्बीन, जय प्रवाण रोड, वर्सोवा, बम्बई-400061, में स्थित है।

ग्रनुसूची जमा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/14969/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 26-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, **कम्बई**

दिनांक : 27--6--1985

Then sile, and the Lie man sever

(1) किसी अंभ बिलाओं (प) क्रिसिडेड

श्रीमती प्रतिभा भरत पांड्या ।

(2) श्रं/ भगत मोनाजी पांड्या

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्त्ररिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∙2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० श्रई-12/37ईई/14940/84-85---अतः मुझे. लक्ष्मण दान,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्ति कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्र संपत्ति जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 61. छठी मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पाली राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इपमे एपाबड श्रनुसूचे में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आर जिल्ला करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कथा के बाजीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 24-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्ति में श्रामानिक स्प में अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में प्रष्टू किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निग्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कदी करने या असमें यावने में सुविधा के लिए.
- ल) एसी किसी अध्य मा किसी धन का अध्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रधट महीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा और किया

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के कर्णः विकासिक व्यक्तियों, धर्मात :--- की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्प्रित का अंजन जा निर्ण कार्यवाहियों करता हो।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तिया में से किसी पाक्त इयाग
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोत्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गब्दा है

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 61, जो छठी मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पाली राम रोड, अंधरी (प), बम्बई- 400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई- 2/37ईई/14940/ 84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24~11~1984 को रजिस्टर्ड निधा गया है।

> लक्ष्मण दाम क्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज⊶2, बम्बई

दिनोंक : 27-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्बाई कम्बाई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० अई- 2/37ईई/14083/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप सं० 26, जमीन मंजिल, बिल्डिंग सं० ए; लारम सेंटर, एम० वीं० रोड, अंघेरी (प), अम्बई- 400058, में िथत हैं (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), और जिल्हा क्रारतामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 तख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 2-11-1984,

को पूर्वोश्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान वितिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रथमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित धे वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाज की बाबत, अबद मिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा की हैंबए; बोफ़/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अला चाहिए था, जिसाने में सविधा औं लिए;

कत जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—— 24—216 GI/85 (1) श्रीं रैशी डान्जी शाह ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री अमीन अब्दुल मोहम्मद तारानीं, श्री मोहम्मद अली कासम अली मर्चेट। (अन्तरिती)
- (3) श्रन्तरितो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

भी यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रुक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की नवीं भा तत्संति की क्यां कर कुष्णा की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी सवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इत सूचना के ताजवन में प्रकाशन की तारीब छे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा कर्केंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

"प्राप सं० 26, जो जो जमीन मंजिल, बिल्डिंग सं० ए, लारम सेंटर, प्लाट सं० 24, एस० वीं० रोड, अंधेरी (प), बम्बई- 400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-2/37ईई/14083/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दनाक : 27-6-1985

प्ररूप वार्ड.टी एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 जुन 1985

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/14878/84-85-प्रतः मुझे, लक्ष्मण धास.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकीं स० शाप मं० 1, वर्सीषा, स्त्रींग लीफ को० श्रापरेष्टिष्ठ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड, क बंगलोस, वर्सीषा, बम्बई--400061 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कर के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 23-11-1984, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्च में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी खाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिय:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय जिस्सीलिया व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री सुरेश एम० शामदासानी, श्री चन्दु एम० शामदासानी, श्री मोहन एल० शामदासानी।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रींमतीं सोफिया बानू इखबाल हुसैन सूबेदार, श्रींमतीं झुबैर खातूण श्रजींजुल्ला सूबेदार। (ग्रन्तरितीं)
- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशका की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्किरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

"गाप सं० 1, जो वर्सीया स्प्रीग डैफ को०-प्रापरेटिय हाउउँ सोसायटी लिमिटेंड, जे० पी० रोड, 7 बंगलोस, वर्सीया, बम्बई-400061 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई--2/3 /ईई/14878/84--85 और जो सक्षम प्राधितारीं, बम्बई द्वारा दिनाक 23-11--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, बस्बई

दिनांक : 27-6-1985

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

प्रारूप आहे.टा.एन.एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14945/84-85----- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संश्रभाप संश्व 2, प्लाट संश्व 29, श्रापश्जेश्यां। रोड, 4 बंगलीज, वर्सोबा, श्रंधेर्य (प), बम्बई-400061 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका वरारनामा श्रायवार श्रिधिनियम की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी हैं, दिनांक 24-11-1984,

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्वें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुर्विभा चे मिए; बाहु/या
- (च) एंसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः कथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) मेमर्स एशियन डेंग्लपमेंट कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद सिंह मल्होत्ना, श्री जसपाल सिंह मल्होत्ना (श्रन्तरितो)

की बहु सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस त्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के शीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितवष्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

स्थव्हीकरण:---हसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के ब्रध्याय 20-क मां परिभाषि-ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिश गया है ।

अनुसूची

शाप सं० 2 जो प्लॉट सं० 29, ग्राप० जे० पी० रोड, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है ।

श्रनुसूर्वो जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14945/84~ 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीः। सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 27-6-1985

प्रक्य भार्षः टी., एन. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

बारक शरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्तिक) श्रजन रेज-2, अम्बई अम्बई, दिनांस 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रर्ह-2/37ईई/14832/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िणसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट सं 409, चाँथी मंजिल, बिल्डिंग ए-19, श्रपना घर यूनिट 5 को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि श्रीशिवारी, श्रास्त्रामा सामर्था नगर, श्राफ़ जे पी रोड, 4 बंगलोस के पास, अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसके उपावढ श्रनुसूच। में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 बख के अधीन सक्षम प्राधिवारी के गर्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-11-1984,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया म्या प्रति-अस् विश्वसिक्ति उद्योख से उच्छ मृत्यरण सिवित्त में नास्तृत्विक स्व विश्वसिक्ति उद्योख से उच्छ मृत्यरण सिवित्त में नास्तृत्विक

- (क) शक्षारण के हुन् जिली साद की वावत उपक विभि-नियम के अभीन कर कोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने भा उससे अकने में सुविधा के विष्णः और/भा
- (थ) एंशी किसी नाथ या किसी धन वा अन्य कास्तिन्।
 को, चिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) वे
 अवोक्तार्थ कर्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा
 ने सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः

- (1) मेसर्स सामर्था डेवेलपमेंट कारपोरेशन । (श्रन्तरक)
- (2) श्री खालील हसन (ग्रन्तरिती)

श्री वह ब्राजा वारी करके प्राप्ति सम्मिति के नर्वन के सिप्त कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की सामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्वनित ह्वाडिए।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्याकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, वा उक्छ विधिनयम के अध्याय 2, -क में परिशाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया एया हैं।

बनसची

"फ्लैट सं० 409, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग ए-19, भ्रपना घर यनिट 5 कोआपरेटिव हाउभिंग सोमायटी पुलि०, भ्रोणिबारा, श्रो स्वामी सामर्था नगर, श्राफ़ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस के पास, भ्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

मनुसूर्यः जैसा कि ऋं० सं० प्रई-2/37ईई/14832/84-2/37ईई/14832/84-2/375 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दा**स** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक : 4-7-1985

मोहर 🕹

प्रारूप आहें.टी.एनं.एस.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकल (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज⊷2, बम्बई

बम्बई, दिनांतः 4 जुलाई 1985

निदेश स० श्रई- $\cdot 2/37$ ईई/14823/84- 85—श्रतः भुशे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीर सक्षक प्रतिकाश की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह'

श्रीर जिसकी सं ० पर्लंट सं ० 205, राजल असार्टमेट् , प्लाट नं एम० 1 सीत एम० -2, राजा देता राज, अवेर (त्र), वस्त्रई— 400058, में स्थित हे (सार इस्त्र उपावड अनुसूच। में श्रीर पूर्ण क्या से विणित है), अस्तिति ता अस्त्रीमा आय-१ श्रीध-नियम का धारा 269 ते, च उर्ध्यावर्त, संक्रात प्राधि ता उर्ध के योलिय, वस्त्रई में एजिस्टूं है, दिन्तें (22-5) - 1984,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित, बत्वार मूल्य से कम के हश्यमान पतिफल के लिए अन्तिरत वर्ष गई है उन्हें में गई विश्वास करने का कारण है कि यक्षाकृष्यत नम्पत्ति के जिल्ला बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एच अयमान पातकल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पाया क्या प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निश्चिष्ठ में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुक् किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य कारिसकों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के उन्हें स्थाप का 27) के अधिपानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही है जाए। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः वयः, उत्तरः गधितियमः कः, अतः २००-मः ॥ अन्मरू मः, मः, उत्तरः अधिनियमः कः। ६१० २६०-४ को उपधारा (1) धः अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाः, अर्थातः— (1) श्रीमता तारू महोन्द्र वैद्या

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगराज कन्माल मुकिम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत ब्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिश् बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पर्यों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

"फ्लैंट नं० 205, संजन, श्रपार्टमेंट्स,फ्लैंट नं० एम० 1 श्रीर एम०-2,वंiरा देसाय रोड, श्रंधेर्रi (प), बम्बई-400058, में स्थित है

श्रनुसूची जॅसा ि क्रं० गं० श्रार्थ-2/37ईई/14823/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि शरी, बम्बई द्वारा दिनां रु 22-11-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिना र : 4--7-1985

इक्य नार्च. टी एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तस्कार

कार्यातमः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिन क 3 जुलाई 1985 निदेण मं \circ श्रई-2/37ईई/14064/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिर्गनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अनीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पर्णात्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिपकी स० फ्लैंट नं० 705, सातवी संजिल, बिल्डिंग हारमण। वा, 4 वंगली व' वसीवा, श्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिस्ता करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम की धारा 269 ा, व ह श्रात अन श्रीय हारा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टो हैं, दिनौं 3-11-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थममान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह् भितशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितात सं अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्मिलिशत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण सं हुई किसी आम की वावस, उक्त अधिनिश्त्र के अधीन कर दोने के जनतरक के समित्व में क्षत्री करने या उससे वचने में सुविका के लिए; और/गा
- (च) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिनाने में सूनिधा के लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) कुमारी श्रमृता एन० श्रह्जा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण रामस्वामी श्रौर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (б) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्याः एया हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 705, जो सा γ वीं मंजिल, बिल्डिंग हारमणी-बी, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस, वर्सोबा, श्रंधेर्रः (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि कि के सं श्र श्र -2/37 ईई/14064/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 3-11 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनाँक : 3-7-1985

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 ज्लाई 1985

निर्देश सं० ऋ६०-2/37 ६० ६०/14830/84-85---- प्रतः मुक्ते लक्ष्मण वाम,

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 203, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग बी— 5, श्रपना घर यूनिट 6 कोग्रापरेटिव हाउभिंग सोसायटी लि०, श्रोमिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर. 4 बंगलीस के पास. श्रंधेरी (प), बस्बई—58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनाँक 22-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उाचित बाजार बृज्य, उसके क्षरमान प्रतिफल से, एसे क्षरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तस पामा गया इतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था., कियाने में परिचा के बिक्ट;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् ः— (1) मेनर्स सामर्था डेवेलपमेंट कारपोरेशन ।

(प्रन्तरक)

(2) कुमारी नवर्गात घिलन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्मित के कर्जन के संबंध में कोई भी काकीप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिलास में किये का सकींचे।

स्वध्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा नवा हैं।

अनुसूची

पलैट सं० 203, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग, बी-5, ग्रापना घर यूनिट 6 कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी, लि०, श्रोकिवरा, श्री स्वामी सामर्था नगर, 4 बंगलोज के पास, श्रंधेरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14830/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिनौंक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायक्षर स्रायुक्त (निरोक्षण), स्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनौक : 4-7-1985

प्ररूप आइ. टी. रून. एस. -----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 4 जुलाई 1985

निवेश मं० ग्रई-2/37ईई/14410/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तां करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धि, जिसका उजित नाजार मुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अंधेरी मिनश बिजय कोश्रापरेटिय हाउभिंग सोभायटी लिमिटेड, प्लाट सं० 14(ए, एवं बी स्कंध), मनीश नगर, श्रधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई मे रिजिस्ट्री हैं, दिनौंक 11-11-1984,

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधिकतयों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती मोहिनो जेटानन्द खानचन्दानी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती उमैया ए० एम० मर्चेंट। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी जाक्षेप :---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाजन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिन में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरणः इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया

श्रनुसूची

श्रंधेरी मनीश विजय कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट मं० 14, (ए एव वी स्कंध), मनीश नगर, श्रंधेरी), (प), बम्बई-400058 ।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14410/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 11-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनाँक : 4-7-1985

प्ररूप बाइ' टी. एन्. एसं. -----

कायकर मणिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 169-म (1) के मणीन सुम्बा

भारत संस्कार

कार्यात्म, सहायक बावकर बाव्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनौंक, 4 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14834/84-85---ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 132, पहली मंजिल, श्रंधेरी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी वर्सोवा रोड, श्रंधेरी, बस्बई—400054 में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई मे रजिस्ट्री है, दिनांक 22-11-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान इतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य सतक रूपमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिचल से विश्वक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रति-फल, निम्निविसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कल्कियक रूप से किया नहीं किया ज्या है है—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के किस; भीत/मा
- (प) ऐसी किसी बाय पा किसी बन या अन्य सास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिवस, 1922 (1922 को 11) या उनके निधिनियस, मा धनकर विधिविषस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. विधाने में प्रविचा के विद्या

- (1) श्री बिमल के० वासु, श्रो प्रवीण वन्मालिदास णेत, श्री इस्मेल श्रब्दुल्लाबाय किताबी, श्री पीतल श्राधाली डायम मेमर्स तितासू एडवरटैसेम। (श्रन्त एक)
- (2) मेसर्स जी० कार्यालया

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी स्वित्तकों एर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किभी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में शकाशन का तारीख से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्मा और पर्यो का, का उक्स विधिनवम, के सम्बाद 20-क के परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याप में दिया स्वर ही।

प्रमुखी

यूनिट सं० 132, जो पहली मजिल, श्रधेरी इडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी-वर्मीना रोड, श्रंधेरी-बम्बई-400054, में स्थित है।

श्रम्भूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14834/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22/11/ 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनौंक: 4-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. बी. एन. एस . -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन स्भाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर नामुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, चिनाँक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14513/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकर अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षेत्र प्राधिकारी को कह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट स० 601, छठी मंजिल, जेवल महल, जे० पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई-4000061, में स्थित हैं (ग्रौर हमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) ग्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कव के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनौंक 12-11-1984,

को प्रॉक्त सम्पत्ति के खिनत नाजार मून्य ते कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रॉक्त संपत्ति का उचित नाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है नाए खंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नीलिसिस छब्वियस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्क विक रूप से कांभित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण के हुई किसी आज की वाबत, उक्त अधिनिषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (च) इसी किसी जान ना किसी भन ना जन्म नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 19" (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूतरण में में पत्रत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुपमा जी० गुगलानी।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलम डी० पलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संविश के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की मनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में ब्रितः है किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान तिकिस में किए का सकेंगे।

स्थलाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के कथाव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्री

फ्लैट सं० 601, जो छठी मंजिल, जुवल मेहल, जै०पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

ग्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/14513/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनौंक : 4-7-1985

अरूप बाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती रोजी वी० मोटेरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्याम किशिचन्द भ्रवात्रमानी

(ग्रन्तरिती

आवश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बर्ष

बम्बई, विनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/14420/84-85—— अत. मुझे, लक्ष्मण धास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2.69-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं वाइ श्रपार्टमेन्ट को आपरेटिय हाऊ सिग सो साईटी विमिटेड, चौथी मजिल, फ्लैंट नं व ए/41, प्रताप कालनी, वर्सीया रोड (प). बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची के श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 के खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के वन्द्रद् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्दरण वं हुई किसी बाग की बाबद, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिष्; और/वा
- (क) एंसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों का विन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

बक्त: श्वा, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण वो, वो, उक्त किथिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तिगरों, अर्थात् :--- को सह त्यना बारी करके पूर्वोक्त तस्पिक्ट को वर्षन के निए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकने।

स्यध्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

णन्स्थी

साई अपार्टमेन्टम कोश्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, चौथी मंजिल, प्नैटन० ए/41, प्रताप कालनी, वर्सीवा रोड, श्रन्धेरी, बस्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-2 37ईई/14420/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई ।

तारी**ख** : 4-7-1985

नोक्र 🗈

प्रकार भार्त्र, दी., एन्, एक्,, व व व व व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/14463/84-85---- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 403, वाँथी मजिल, सन्नीसैड-बी, 4 बगलोंस, वर्सीवा अन्धेरी, (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिल्ला लिलामा श्रीयकर श्रिधितियम की धारा 269 के खे के अवीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरिशोगयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा पवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त कि कि कि के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कार्यत्व मारित्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ

तः पन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती मीनू जें० चोपड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त एम० श्रवकानी श्रौर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की मनिप या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की मनिप, जो भी बनींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्ति में से फिसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहिस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकाग।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तर के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त ची

फ्लैटनं २ 403, जो वौथी मजिल, सन्नी सैंड-वी, प्लाटनं २ 355, एस० न २ 41 (पार्ट), 4 बगलोस, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कर सर्व श्राई-2/37ईई/14463/84-85 ग्रौर जो नक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई**।

नारीख: 4-7-1985

मोहरु 🛮

अक्ष बार्ड . टी . एव . एव . -------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आध्वत (निरुक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रर्ছ-2/37ईई/14458/84-85--- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 404, चीथी मजिल, बिल्डिंग बी-13, स्रपना घर पूनिट ४ कोश्रापरिटेव हाऊ निम मोमाईटी लिमिटेड श्रीशिवारा, श्री स्वामो मामर्था नगर, श्रन्धेश (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), स्रीर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनियम को धारा 269 क ख क स्रवान नक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्री है, नारीख 10-11-1984

का पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पर्शि का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल सं, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एस अन्तर्भ के लिए तम पामा गर्म प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथार नहीं किया प्रवाह के

- (क) अस्तर्भ व हुई किसी जाय की वाबस , अस्त अधिनियुत्र के जभीन कार दोन के नन्स्रक के दादि १९ च ककी करने था अभूत बचन में सुविधा के लिए, महिद्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सविधा के लिए;

बद्धः वय, अक्त वीधीनवम की पारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त विधीनवम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं सर्म सामर्था डेवलपभेट बारपोरेशन (भ्रन्तरक)
- (2) म्रानन्त शंकर गोगटे, श्रीमती रेखाआंनत गोगटे

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना बारी करनी पृशांतित कम्मितित् में अर्थन के विष् कार्यगाहिमा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्कन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस ब्यंग के रायपन में प्रकारम की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि, बाद में त्रवादर हाती हा, के भीतर प्रवानत अवस्थित देवारा,
- (क) इक त्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा मकोंगे।

स्यक्किरण:---इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया कवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी-13, श्रपना घर यूनिट 8 को प्रापरेटिव हार्ऊीनंग सोमाईटी लिमिटेड, ग्रोशिवारा, श्री स्वामी सामर्था नगर, ग्रन्धेरी (प) बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/14458/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, बम्बई ।

तारीख . 4-7-1985 मो**हर** 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14779/84--85---श्रपः मुझे लक्ष्मण दास

अधिकर र्राधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्कात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1705, 17वी मंजिल, माग्नम टावर्स, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम के क्षारा 269 ह, ख के ग्रोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी हैं, तारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथा गया है :--

- (क) अंतरण से हुंदू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की अपधारा (1) के अभीन, निम्निकां बत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं भर्स लोखंडवाचा इस्टेटस एण्ड डेवचपमेंट कम्पनी लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रूसी कामरोज ड्राइवर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उमत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में र किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया.≱ गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं 1705, जो 17वी मंजिल माग्नम टावर्स प्लाट नं 357 एस० नं 41 (पार्ट) 4 बंगलीस वर्सीना अन्धेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा हि क० मं० ब्राई-2/37ईई/14779/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 4-7-85

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष**क)** श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाँक 4 जुलाई 1985

निदेश मं॰ श्रई-2/37ईई/14436/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकार मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'जनत मधिनियम' महा नया हैं), की धारा 269-स के मधीन सभाव प्राधिकारी के कह कियान करने का महरण हैं कि स्थावर सम्मतिक, विश्वका उपित बायहर मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206 पेन-गंगा यमुना नगर, श्रोशिवरा, श्रन्धेरी पूर्व, बस्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजम्द्री है, तारीख 12-11-1984

क्षा पूर्वोक्स संवर्तित के जीवत बाजार मून्य सं कम के व्यवमान प्रतिकल के लिए अम्बरित की नई हैं और मुक्के वह विकास करने का कारन हैं कि ववान्वॉक्त सम्बद्धित का स्वीवत नावार बुक्य, उसके व्यवमान प्रतिकल के एवे व्यवमान प्रतिकल के वन्द्रह प्रतिवत से विधिक हैं और अंवरक (अंकरकारें) और अंकरिती (अंदिरितियों) के बीच एसे वंदरन के लिए इस बासा नदा प्रतिकल्ला, निभ्नसिवित उक्षेत्र से उसके वंदरन निवत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की वाचत, उपक जिथिनियम के अभीन कर दोने के जंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी नान या किसी भन ना नम्य शास्तिकों की, चिन्हें भारतीय नायकर नीपनियम 1922 हैं। 1822 का 11) ना उच्या नीपनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्वारः प्रकट नशीं किया जना ना या किसा नावा नाहिए था, कियाने वें स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) धोलाकीया एण्ड दयाल बिल्डर्स

(ग्रन्सरक)

(2) कुमारी बैला सोधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में झोह' भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यविध या तस्त्रंवंधी व्यवित्यों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति हुन के भीतर प्रोंबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इत स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दित- व्याप किती बन्न व्यक्ति व्याप क्योहस्ताक्षरी के श्वा सिवित में किए वा सकतें।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 206, जो पेन-गंगा यमुनानगर श्रोशिवरा श्रन्धेरी पूर्व, बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/14436/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्बई ।

तारीख: 4-7-1985

प्रकल बाह् दी एन एसः ------

मानकर मीर्पानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुमना

नार्त शरकार कार्यासय, बहाबक भायकार मानुक्त (निर्द्धीकन)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14288/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके प्रवात, 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 2 पाँचवी मंजिल, साजिद टावर, 58/59 मोग्रा विलेज, श्रन्धेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजित है). श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम शिधिकारी के दार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कव के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजान मूख उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकां) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निभ्नितिश्वत उद्वदेश से उक्त जन्तरण लिखित यो बास्तिक रूप से अधिक क्या वहीं किया गया है कि

- (क) मन्तरण चे हुई किकीः नाग की नागत, उनत मिनियम के नभीत कर दोने के बस्तरक की वामित्य में कती करने वा उसते वचने में स्विधा के लिए; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिथाने में सविधा वै शिष्टृ

म्पः जव, उपत अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में जधीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्रीमती नासीरा शब्बीर भावना

(भ्रन्तरक)

(2) मैमर्स चौहान एण्ड ग्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्चन के सिए कार्य-वाहिकों करका हुं।

उनत संपरित के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के सक्तपण में प्रस्काशन की तारीय से 45 दिश की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की व्यक्तिमों भी अवधि नाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस त्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षरी के शब सिक्ति में किए वा सक्ति।

स्पष्टिमिकरण:---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा इस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

फ्लैंट नं० 2, जो पौचवी मंजिल, साजिद टाबर, 58/59 मोग्रा विलेज, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित हैं श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/14288/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 3-7-1985

मोहर 🛭

प्रकल कार्ष' ही. यन. एक. - - - ----

(1) श्रा फन्लून रेहमान

(ग्रन्तरक)

भावकर निर्धातयम, 1961 (1961 का 43) की धाख 269-व (1) के नधीन सुचना

(2) श्री प्रेम कुमार ग्ररोग

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14063/84-85—-श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करमें का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, यूनिट नं० 12, बिल्डिंग स्टेलर टावर, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे एह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत उद्यव्य से उक्त अन्तरण लिकित के बास्तविद रूप में किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा क्रमी करण का उसका न किया करीना और को
- (क) एसी किसी आय या किसो धन सा अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रियाने से स्विधा के लिए;

को यह सूचना बारी करके पूर्वो न सपि के कर्जन के लिए कार्यक्रिक्या करता हा।

उक्त सम्यक्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की नर्जाध या नक्षेत्रंथी व्यक्तिकों पर सूचना का उल्मील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब के समाप्त हाती है, के भीतर पृक्षेक्त का नत्य में किसी जिस्ति इसारा,
- . ख) इस सुचमा के पात्रपा मा सकायन की तारीख है 45 दिन के क्षेत्ररा का भाष्य गम्भिन में हित बद्ध किसी अन्य पासित द्वारा अधोहस्ताक्षरी की गाम लिसित में किए का सकींगे।

स्वष्टीकरण अस्त प्रभाग करना आर पदा कर जा जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में ब्रथ्य परिभाविक हैं, वर्ष गर्म अस्त्राय में दिश

पन**स्थी**

फ्लैंट नं ० 1, जो यूनिट नं ० 12, बिल्डिंग स्वेलर टावर, फ्लाट नं ० 352, एउ० नं > $4 \cdot \left(ii\frac{\pi}{2}\right)$ 4 बंगलो न, वर्सीवा मन्धेरी (प) वस्तई-400058 में स्थित है।

अनुसूचा जेता । किन्सु प्रई-2/37ईई/14063/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधितारा, वपाई ग्रारा दिनाँक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मा साम ज्यम प्राधिकारो सहाय र ग्राय कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 **बम्बई**

तारीख: 3-7-1985

त्रक्ष वार्षः टी., एन., एवं,,-----

बायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

बाहत प्रस्कर

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निडींश्रक) धर्णन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14041/84-85--- मतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारक हैं। कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 1005. दूसरी मंजिल, बिल्डिंग बैल्स्काट टावर, 4 बंगलोस, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत सबस बिध-नियम के अधीन कर दाने के जन्तरक के शायिएल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए औं दी
- (स) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने से भीजधा के लिए.

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कां, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ह उपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ा ा

(1) श्री राजेश सुरेश एस० भीर भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्राणा सौंवनी

(भ्रन्तरिती)

को यह बूचना बादी करके पूनाँकत सञ्ज्यूरित के वृजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह बन्गीता के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनींभ या तत्स्वज्वरंभी स्योकत्यों पर स्वाम की तामीज से 30 दिन की जनींभ, का भी जनींभ बाद में बनाया होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्योकत्यों में से किसी त्य कित इनारा;
- (क) इक क्कमा के राजपण के प्रकाशन की तारी क् सं 45 विव के बीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंग।

स्पक्तीकरण: - इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदी का, वो उक्त सीधीमयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्सधी

फ्लैंट न ० 1005, जा दनवी मजिल, विल्डिंग बेल्स्काट टावर, प्लाट नं ० 15/7, एस० नं ० 41 (पार्ट), 4 वंगलोस, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), वस्वई-500058, में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/14041/84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनॉक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ध।

तारीख: 3 7-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14056/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1006, दसवी मंजिल, बिल्डिंग बेल्स्टो टावर, 4 बंगलोस, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीप किसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1981

को पूर्विकत मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सपिति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधि है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त
रिती (अन्तरितियाँ) के तीम एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिविक रूप स कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अर्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बी० एस० खेत श्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री रतुराज के लसावनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लैंटनं० 1006, जो देववी मिजिन, बिल्डिंग बेल्प्टोटा ए फ्लाटसं० 15/7, एत० सं० 41 (ार्ट), तबंगलंक वसोधाः अन्धेरी (द), बैबस्बई-400058, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/14005/3---२5 श्रर जो सक्षत्र प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिक्ष रू 3-1 - 1983 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लश्मण दास सक्षम प्राधि गारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज-2 सम्बर्ध

तारीख : 3−7--1985

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, महार शाक्तर आयत्त (निरीक्षण) अर्ज के कि.

वम्बई दिना , जलाई 1985

निर्देश म अर्द १५७७ रिस् । ४७ ४९/८४ - ८० अत मुझे लक्षमण दाम

आयकर अधिनियम, 1661 '61 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'चा पर्य का है), की धारा 269-ख के अधीन साम पान का कारण है कि सार समी का जारण है कि सार समी । जिस्का उचित वाजार मूल्य 1.,00 000/- रक्त स अधिक है

और जिसकी संपार) उति । सामा जार्ट-मेन्टस 2, बस्ति सं स्ती की बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर उस्ति कि कि कि प्राप्ति कर ने बिणति है), श्रारितिका स्ति । कि कि प्राप्ति कर देवि क, खंक जबीर तता । कि कि प्राप्ति स्ट्री है, तारीख कर कर कर

- (क) अन्तरण सार्हिक गाजार की बाबन, उक्त रिगाय के वार्ष पायत्व मा कम! करन र स्मारित मा विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी विभा गांग १९४१ ए र अन्य आस्तियों को निर्देश है । एक र गिरिनयम, 1922 (1922 । ।।) त उत्तर अधिनियम, या नरार और ए, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरिट द्वारा प्रवट नहीं किया गया था निरुधा र निरुधा र निरुधा र निरुधा के लिए,

अत ३ ब, मत भा एम ५८ वारा १७० ग के अनुसरण मी, मी, उन्हें अपि ना भा २०० की उपधारा (1) के अभीन, निम्लालीकत शिक्तश, अर्थात --- (1) १मा शीरत जी शह

(अन्तरक)

(2) टो र-ीर विकाष पटाल, थींगनी सिला फिराज गटाल

(अन्तरिती)

का यह सचना जारी वरक पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करा ह।

उक्त न्याति के जल्न क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इर सच्या क राजपन मा प्रकाशन की तारीख ते 45 । इर को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचरा की तासील स 30 दिन की अविधि, जो भी विधि मा समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त जारिया मा समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त जारिया मा समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (क) इस रूचना के राजध्व मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किर्णा अन्य व्यक्ति दवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिगि मा किए जा सकेगे।

स्थब्दिनिक्रण ---- उसमा प्रयविक् दिव्दो और पदो का, जो उन्स कार्यास 20-क में परिभाषित , ां अर्थिशा जो उस अध्याय में दिशा औ

' শু

एत्ट र ((-, १ ८० गाँउत, महावीर अणार्ट मेटस 2, एता १ (६), एस स 137, सी.टी एस न 1 17, र, पा (८, यम्बई-400058, मो

२० वि. १८ वि. वि. १८ व

ल**क्षमण दास** सक्ष्म प्राधिका**री** स्ट्रायक आपकर आयुक्त (कि**रीक्षण) -**अर्जन **रोज-2** , बम्बर्ड्स।

िं । 7 1985 महर . प्ररूप नाई. टी. एन. एव. ------

नावकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

नारद दरकाह

कार्यातन, तहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्**ब**ई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/14050/84-85-अतः मुझे सक्सण दास

बावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्थात् 'उन्ते निर्मानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्परित, विश्वका उपित वाधार भूत्य 1,00,000/- रु. ते निधक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, महावीर अपार्टमेन्टस, 2, क्सोंया रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण कि बिखर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर नांभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नांभनियम, या भनकर नांभनियम, या भनकर नांभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए था, जिनावे ने स्विधा के हिन्छ;

वतः वदः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरक में, में. उक्त विधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:--- (1) श्री प्राणलाल स ० शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमतं। सिल्लू फिरोज पटेल, श्री रशीव फिरोज पटेल

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त कर्यां और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभाषिण है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 154 (बी), जो एस०नं ० 137, सी०टी० एस० 1317, प्रशटनं ० 603, महावीर अपार्टमेन्टस 2, वर्सीवा रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058, में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/14050/84-85 श्रीर जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई।

सारीख: 3--7--1985

माइरि 🖺

प्रारूप आई टो. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जनरेज-2, सम्बर्ध

बम्बई, दिना छ । 3 जुलाई, 1985

निर्देश स॰ अई-2/37ईई/14056/84-85--अत मुझे लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनवर' कहा गवा है), की भारा 269-क से वभीन तकन शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि त्यावर सम्बद्धित, विश्वका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

स्रोर जिसकी स० पर्लंट त० 71, सातवी सजिल, सी-स्कन्ध, श्रीस्वःमी सामर्था प्रसन्ना को आपरेटिय हार्ऊ सिग मी माईटी लिमिटेड स्रोशियारा विलेज, वर्सोवा, अन्धेरी, बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारवामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3-11-1984

को पूर्वक्त सपित के उचित बाबार क्ष्य से कम के व्यवनात प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके क्ष्यवान प्रतिफल से, होते व्यवनान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच होते क्ष्यदन के लिए उन् वावा चवा प्रतिफल, निस्तिलिक्त उप्रवेश से बन्तर अन्तरण सिवित से बास्तिक कर से कर्मित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाग्रित्य में कभी करने या जन्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जंभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

बत: अब. उक्त अभिनियम की भारा 239-ग के अनुसरण कों, को उक्त कथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अर्थान, निम्नसिसित स्थाबितयों, अर्थांच — (1) मैसर्म द्रायका कन्स्ट्रकशन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री कोमोटिन बाबोलकर

(अन्तरिती)

का वह ूरना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया क्रकरता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने १८ दिन की जबधि या तत्संबंध, व्यक्तियों पृष्ट क् सूचना की तानील से 30 दिन की व्यक्ति, की औं व्यक्ति कार में समाप्त होती हो, की भीतार प्रोंच्या व्यक्तियों में से निकती व्यक्तिय क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति के साथ सिक्ति में किए जा सर्वीमे।

स्माब्दीकरण:---इबर्गे प्रवृत्ता शब्दों और वर्षों का, जो उक्छ अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित -ही, बहुरी वर्ष द्वीगा जो उस अध्याप में दिवा गया है।

अनुसूची

पर्लंष्ट न० 71, जो सानशी मजिल, "सी" स्कन्ध, प्लाप्ट नं ० 24, श्री स्वामी सामर्था प्रसन्ना कोआपरेटिव हाऊसिर सोमाईटी लिमिटेड एस० न० 4 (पार्ट), ओशिवारा विलेज 1 बगलीस के पास, वर्सोटा, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० गं० अई-2/37ईई/1405६/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम गाधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 3-7-1985 मोहर :

प्रकप काई . टी . पुन . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

बाइव बुड्या

भावांलय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निर्देश मं० अई-2,37ईई,14504,84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लैट नं 706 क्रिज सामवी मंजिल 4 बंगलोस वर्सीना श्रोणिवारा अन्धेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करापनामा आयकर अधिनियम का धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्ट्री हैं, तारीख 12-11-1984

को पर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के शेच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उनस अन्तरण निवित्त में वास्तविक कप से किथित नहीं किया नया है :--

- (कं, अत्तरण से हुद्दं किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दरियस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के 'सए; आर/वा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन मा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भवकर ब्रीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविभा के निए;

अंत: अब, अवड अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, बी, रूफ अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, राज्यनिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसमं पिषराज बिल्डसं

(अप्तनरक)

(2) श्री शंकर विसूमाल सबनानी

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीप ध-

- (क) बस नवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कस्पत्रित में हितसक्ष किसी अन्य स्थाबत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पथ्डीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्यंट नं० 706 जो बिज मंजिल प्लाट नं० 25 एस०, नं० 41 (पार्ट) 4 बंगलोस वर्सीवा स्रोणियारा अन्धेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि क० मं० अई-2,37ईई,14504,84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 12-11-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीखा : 5→7→1985

मोहरः

म्थ्य नार्षं. टॉ. एन. एथ.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अई- 2, 2, 3 7ईई, 1 4 1 0 8, 8 4 - 8 5 - अत: मुझे लक्ष्मण दास

कायकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भाग 269-य के न्यीन क्यान प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- क. ते अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट मं० 7 श्री स्वामी समर्थ अपार्टमेटस प्लाट नं० 60 लख्ण भारत को० आप० हाऊसिंग सोमायटी लिमिटेड सहार रोड अन्धेरी पूर्व बम्बई 400093 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है सारीख 3-11-1984

को प्रशेवित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई बार मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल ते, एते क्ष्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिचत से बाधिक है बार अंतरक (जंतरका) बार अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच होते अन्तरण के लिए तस पाना गया प्रतिफल निम्मितिचित उच्चेच्य से उचत अन्तरण जिल्हा में बास्तरिक रूप से काथत नहीं किया गया है हु---

- (क) जन्सरण संहूर्य किसी साम की बाबत, उक्त अभिनियस के वधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में क्वी करने वा उक्क वचने में बृतिधा रूनित्त, और/था
- (क) एसी किसी शाय या किसी थन या अन्य आस्तियों की विक्रं भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानं में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुचरण जें, जेंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निज्ञतिचित व्यक्तियों, अधीर '-~ (1) मैसर्स विनय बिल्डस ।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनाण रामचन्द्र बापट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त कमरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उनव बन्नति के अर्थन के बंबंध में कोई भी नाबोध :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शासीय में 45 दिन की नवींथ या संस्थान्त्राणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वर्जीय, को भी वर्जीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयम व्यक्तियों में से जिल्की व्यक्तिस प्रकाश;
- (व) इव तुमना के सम्बद्धित में त्रकावन की वारीच में 45 विम के श्रीकर उपव स्थानर वज्यकि में हिन्न-क्ल्प किसी अन्य ज्योंकर क्लारा, अधिक्रस्ताकरीं के शव सिविस में किए वा वकोंगे।

पच्छीकरण — इसमें प्रवृत्त क्षा कीर वर्ष का, को उनके निधानिक के नध्याय 20-क में परिश्राणिक हैं, वहीं नर्थ होगा को उस नध्याय में विकास हो।

प्रनुसूची

प्लैटनं० क श्री स्वामी समर्थं अपार्टमेन्ट जो प्लाटनं० 60, तरुण भारतको० अप्प० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड सहार रोड अन्धेरी पुर्वं बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2,37ईई,1408,84~85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द।स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जंम रेंज-2 वस्बई

तारीख: 2-7-1985

मोहरः

प्रकृत् वार्षः ही. इत. इत्. २००० वायकार वाधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की वार्षः 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षक , सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निवेश सं ० अर्द- २, ३७ईई, 14681, 84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वस

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैंट नं० 5 श्री स्वामी समर्थ अपार्टमेन्ट प्लाट नं० 60 तरुण भारत को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड महार रोड अन्धेरी पुर्व बम्बई 400093 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 17-11-1984

को पृथोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को दृष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास का कारण है कि स्थाप्बोंक सम्बत्ति का उचित बाजार मृस्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण को लिए तम बागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त-अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क), अन्तरण से हुइं किती आय की बाबत, उक्त निपनियम में अभीन कर दोने के जलारक के साबित्य में कभी करने या उससे बचने में तृतिधा के जिल बीड/वा
- (ण) एंबी किसी बाव या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंबार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, स्थिमाने में सुविका के शिक्त:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यिक्तमों, अर्थात् :——
27—216GI/85

(1) मैससै विनय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री साठे प्रमोद प्रभाकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत भ्रम्पति के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी स्पव्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति बुनारा;
- (क) इत स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपूर किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकों में।

स्वण्याकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो अक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कक्ष हैं।

मन्सूची

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/14681/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बर्ष ।

तारीखाः 2-7-1985

मोहर

(_ _===-

इक्त सही, दरि, स्थ , द्वा , -------

आग्नकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-च (1) के बजीन स्**चना

भारत तरकातु

कार्यामयः, कहायकः सायकः रायकः (पिरीयकः) अर्जन रेंज-2 बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निवेश सं० अई- 2, 37ईई, 14307, 84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

शास्त्र विश्विताय, 1061 (1961 का 13) (जिसे कार्सा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्तन प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित गाजार स्मा 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट सं० 211 एच० बिलिंडिंग ग्रंसा इंडस्ट्रीयल इस्टेट साकी विहार रोड साकी नाका अन्धेरी पुर्व बम्बई-400072 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) ग्रीर जिमका कराग्नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन प्राधिकारी के कार्यांक्य बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 9-11-1985

की प्रोंचा सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य में कम की दश्यमान शितफल को लिए बंतरित की गई है और भभी यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बारण मून्य, उसके दागमार पितान से एमें द्रापण प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अंतरकार) और जंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एमें बन्तरण के सिए तम पाया प्रवा प्रतिकत, निम्निलित उद्योग्य से उसत अस्तरक किसिस् वो बास्तिक रूप से कथित नहीं विवास व्याह दे

- (क) बंतरण से हुई किसी शाय की वाबता, क्ष्मक अधि-निवस को अधीन कर घोने को बंतरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा को किए; बॉर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय जायदान जिथिति है। 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-बार अधि त्यम १११ / (१९६७ हो उप। प्रे प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया महा था ए। किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. कथित :-- (1) मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स

(अन्सरकः)

(2) श्री कालीचरण डी मखिणानी।

(अतरिती)

की यह क्षाना बादों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कासमध्यिक नारण नोत

बन्द सम्पतिल के अर्जन के मध्यान यो कोशे भी काशंप ---

- (क) इस स्थान के रायवत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अथिथ या तरमम्बन्धी ध्यक्तियों पर मृथना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर ध्या करों के किसी स्लीहर तथारा
- (क) इस भूषणा के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकों ने।

स्वक्षीकरण ---- इसमें प्रयुक्त मन्दा और वर्षों का, जा उन्हा निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अधे होगा को उस अध्याय अं पेत्र मना है।

मन्स्ची

यूनिट न ं 211 जो एंच० बिल्डिंग श्रसा इंडस्प्रियल इस्टेट साकी विहार रोड साकी नाका अन्धेरी पुर्व बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि के० सं० अई- 2,37ईई, 14307,84~85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई ।

तारोख 2-7-1985

प्रकम् काई.टी.एन. एस.-----

आवकर अधितिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्कासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई 2/37ईई/14583/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० यूनिट नं० 27 मखारीया इंड स्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट न० 27 महाल इड स्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केव्हज रोड, अक्षेरी पुर्व बम्बई 400093 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है तारीख 15-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल स, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है छ्व्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित मृद्दीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियार का धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं मर्स मखारीया बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स केमी ट्रीस्ट

(अन्तर्रारती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्पाल से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिए उन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जीभीनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस् ची

यूनिट नं० 27 जो मखारीया इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं० 27 महाकाली केव्हज, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी पुर्व, बम्बई-400093 से स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14583/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (तक्ष्मण दम) सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बम्बई

नारीख : 2-7-1985 —

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वस्वर्ष

बम्बई विनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अर्थ- 2/37ईई/14408/84-85-अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं शाप नं 15 देवदर्शन झोल्ड नगरदास रोड अन्धेरी पुत्रं में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबस अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा अध्यकर अधि-नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में राजिस्ही है तारीख 9-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- (1) सियको इन्टरप्रायसैस

(अन्तरक)

(2) श्री दिपक उद्योग

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिय् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाप नं० 15 जो देवदर्शन श्रोल्ड नगरदास रोड अंधेरी पूर्व बम्बई 400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2,37ईई,14408,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 2-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाहु". टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ(1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक जावकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनोंक 2 जुलाई 1985

निवेश सं अर्ध- 2/37ईई/14407/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० शाप नं० 10 देवदर्शन घोल्ड नगरदास रोड, अन्धेरी पुर्व में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9~11~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं और मझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रक्यमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंसरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल मिन्मलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तिक कप कम से किथत नहीं किया गया है 4—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय का बाबत उक्त जिभिनियम् के जभीम कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिभा के लिए; बार/या
- श्वा एसी किसी भाग या किसी धन का अन्य अपित्समाँ को जिल्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) सियको इन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दरजीत सी० माटिया भीर श्री कैलाश सी० भाटिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाश्चेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्दा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमे प्रयुक्त कब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित; ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया; गया ही !

ere di

शाप नं० 10 जो वेयदर्शन घोल्ड नगरवास रोड, अन्धेरी पूर्व सम्बद्ध 400069 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-237/ईई/14407/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा विनोक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

नारी**या**: 2-7-1985

मोहर 🛭

नायकर निर्मानयस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई विनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/14936/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गाला नं 9ए पद दिव इंड स्ट्रियल को अपि सोसाइटी लिमिटेड कोड बिटी लेन अन्धेरी पूर्व में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है, तारीख 24-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार बूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उणित बाजार बूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोज एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नुसिजित उद्वेष्म से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तविक स्म से कर्मित नहीं किया गमा है :---

- (क) बनारण वं हुन्दं किसी बाव की बावस, उपस अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के बाहित्य में की अरने वा क्याचे मूचने में सुविया के शिष्; कर्र/वा
- (व) एली किसी नाम या किसी धन था नम्य नास्त्रवां को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियस, 1922 (1922 का 11) या जनत नोंधनियस, या धनकर निभिन्यस, या धनकर निभिन्यस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्त्रिती बुनारा प्रकट नहीं किया नवा था वा निमान जो निभ्या नी किया ने निभ्या नी किया नी किया ने निभ्या नी किया निया नी किया निया निया निया निया निया नी किया नी किया नी किया नी किया निया नी किया नी किया

बतः बन, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कुं अभीन निम्नतिष्ति स्थानतम् वर्णात् :--- (1) उषाबेन मिथुभाई गनासा

(अन्सरक)

(2) आरको मन्युफैंक्चरिंग कम्पनी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनस डम्परित् के क्षांन के सम्बन्ध में <mark>कोई सी बासोई</mark> ३~~

- (क) इस स्वा के राजपण में प्रकाशन की राशी से 45 दिन की जनकि या तुरसम्बन्धी क्यक्तियों वर स्वा की राजील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतप्र पूर्वोक्त स्थावत्यों में से किसी स्थावत क्वारा;
- (था) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीस का 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षर) को पास लिसित में किए जा मकींगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा स्था हो।

जन्त्वी

गाला नं ० १ए जो ननंद दिम इंडस्ट्रियल को० आप० सोसाइटी लिमिटेड वोंडिविटी लेन, अन्धेरी पुर्व में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/14936/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

नारीख: 2-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्". टी एन. एस. -----

बायकर क्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सूचना

शास्त्र दरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्कत (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/14017/84-85—म्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 504, उमिला बिल्डिंग, कोडोंगी, सहार रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपात्पद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री विनांक 1-11-1984

की पर्धोक्त सभ्यस्ति के उक्षित भागार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अस्तियत की गर्ध है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यस्ति का उक्षित बाजार मूल्या, उसके स्वयभान प्रतिपाल तो, एमें स्वयमान प्रतिपाल का बंबई प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अस्तिपाल, निम्मिलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया पंचा है क्रिक

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे-जीन कि. जिल्लिस स्थानसम्हें व्यक्ति:--- 1. मैसर्स कमला कंस्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रंजना विनयकुमार ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना आर्रा करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्थन के निष्क कार्यमाहियां करता हूं।

जकत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचका के राज्यक में अकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ननिथ, जो भी ननिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद्य में किए जा सकांगे।

क्यर्क्स करणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो स्वक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विवा वैद्या हाँ।

मन्स्यी

प्लैट नं० 504, उर्मिला बिल्डिंग, कोडोंगी, सहार रोड, इंडेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/14017/84-85 भीर जो प्सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 3-7-1985 मोहर: प्रकप बाइ.टी.एन.एस. -----

भाषकार विधिनिव्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के विधीन स्थान

SHEET BEIN

कप्रवर्शनय , सङ्घासक साथकार आयुक्त (किरीक्षण) दार्जन रेंज-2, सम्बद्ध

बम्बई, विनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० प्राई-2/37ईई/14418/84-85--- प्रतः मुझे, खक्षमण वास.

कामकर गंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा :269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 602, निरमन बिहार, बी-बि्ग, राजमाता जिजाबाई रोड, पंप हाउस, ग्रंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बिजित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की श्रारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकाणी के कार्यालय बस्बई, में रजिस्ही है दिनांक 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के द्रायमान अतिफक्ष के लिए रिजस्ट्रोकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की लई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च एसे उच्चत अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्डरण हो हुइं किसी जान-ज्याना नामकः, क्छा गणिनियम के नभीन कर रोने के सन्तरक को सामित्य में कभी करने वा उद्यक्त वचने में स्विधा के लिए; नीर/वा
- (क) एती किसी बाय का किसी धन या काय जास्तियों की , जिन्हें आड़िपीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, कियाने में स्विधा वे विका:

वतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1), के अधीन, निम्निसिक अधिकतमों, वर्णात् ग्र--- 1. मैसर्स निरमन कन्स्ट्रकान्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राज् गोम्स भौर श्रीमती तेजी गोम्स। (भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सध्यत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--- ~

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कें 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवाद में किए या व्योप ।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रवृक्त कर्यों और पर्यो का, वो उन्तुः विधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा वो अस अध्यास में दिना व्या है।

नग्राची

फ्लैट नं० 602, जो निरमन बिहार, बी-विंग, राजमाता जीजा बाई रोड, पंप इंग्जिस, श्रंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० माई-2/37ईई/14418/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण वासे; सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-7-1985 मोहर ॥ प्ररूप आहू .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज-2,

सम्बर्ध, दिनांक 3 जुलाई 1985 निर्देश सं० भ्राई-2/37ईई/14010/84-85—श्रतः मुझे, लक्षमण दास

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैटनं० के-4, कितीशा ध्रपार्टमेन्टस, सर्वे नं० 160, एच० नं० 3, सी०टी० एस०नं० 94, मारोल मारोशी, रोड विलेज मारोल, बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रौर जिसका करारनामा घायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान तिफल के सिए प्रश्तित्त को गई है प्रौर मुझे यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपचित बाजार मूल्य उसके दृश्यनान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च ह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर बन्तरिक्ष (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया बिष्डल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रग्तरण किक्सिल में बास्तरिक उप से स्वित नहीं किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वाक्या के सिए;

जिल: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनुसरज में, में उक्त मधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसित व्यक्तियों, संधात है—— 28—216GI/85 1. मैसर्स वीरत कंस्ट्रक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ग्रक्कम्मा आर्ज ग्रीर श्री जार्ज श्रोम्मन। (ग्रन्तरिती)
- 3. मन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर स्वान की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विध श्रीलियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला को किस् का रक्ता ।

स्वष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं के-4, जो पहली मंजिल, कितीशा श्रवार्टमेन्टस, सर्वे नं 160, एच० नं 3, सी०टी० एस० नं 94, मारोल, मारोशी, रोड, विलेज मारोल बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं प्रई-2/37ईई/1401(/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दितां हे 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्द

दिनांक 3-7-1985 मोहर: प्रकृष जाएँ.टी. एन. **एस**. -----

galerra (n. 1920). Elektronia ele

1. मैंसर्स, सतीश इटरप्राइसेस।

(भ्रन्तरक)

भाय थ र भाभिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मभीन स्वना श्रीमती सविता हरीश कपूर और श्री हरीश कपूर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक वायकार वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उकत विधिनियम कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विष्यास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं2 बन्नी होम, फ्लैट नं० 6, पहली मंजिल, प्लाट नं० 118, शेरे-पंजाब, को-श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड महाकाली, केवस रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 22-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (भा) अन्तरण वे हुई किसी नाम की शाधत, त्यक्ष जीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को शाधिरण में कभी करने या उत्तस वचन मां मृश्चिम के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

को बहु सूचना बाएरी करके पृथांकत सम्परित के अवंग के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शक्तां और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया वदा है।

वनुसूची

''बन्नी होम'', फ्लैंट नं० 6, पहली मंजिल, जो, प्लाट नं० 118, शेरे-पंजाब, को-श्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केयस रोड, श्रंधेरी, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैमा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/14821/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई बारा, दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर शापुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, वें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, निस्तिखिद व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 3-7-1985 मोहर ₃

प्रकार मार्च : बी : प्रनाः प्रवाः -----

बायकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय , सहाथक मायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनाँक 3 जुलई, 1985

निवेश सं० ऋई-2/37ईई/14003/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण दास

सायकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ?69-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, इमारत नं० 13, प्लाट नं० 3, भवानी नगर, गरोल, मरोशी, रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इनसे उगायद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रो है दिनाँक 2-11-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबस ग्रीभानसम के बधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के । सए; बीड/बा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, कियान में मृतिया के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपल अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अ अधीन निपतिस्ति, व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती शोभा कृष्णन ।

(भ्रन्तरक)

2. व्ही० रामदासन ।

(ग्रन्तरिती)

 दिपक बिल्डर्स, प्राइवेट लिमिटेड । (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पित्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्त सम्पत्ति ने अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध गद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के के 45 दिन के भीशार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिल्ला में किए जा सकेंग।

स्पब्धिकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया कवा है।

घन्सूची

फ्लैट न० 6, जो इसारत, नं० 13, भवानी नगर प्लाट नं० 3, मरोल मरोगी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० स्नई-2/37ईई/14003/84-85 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनौंक 2-11-1984 को रजिस्टर्ज्य किया गया है।

> लक्ष्मण घास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 3-7-1985

मोस्ड 🔊

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिगाँक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/14419/84-85---- श्रतः मुझे लक्ष्मण दाय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्र सम्बद्धता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पनैटनं० 502, निरमन बिहार, बी- विंग, राजमाता जीजाबाई रोड, पंग हाउप, भ्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थिन है (प्रोर इतने उनाबद्ध भनुसूत्री में भ्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) भ्रोर जिनका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 269 की धारा 260 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 12-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथिय नहीं किया गया है ——

- (क) बंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, खबर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए, बॉर/या
- .ख) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवर मा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सूर्विधा है स्थिए

्तः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अपित जिल्ला विवास व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स निरमन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

 श्री महमव सलीम निद्धिकी श्रीर श्रीमती महताब जोहन सिद्धिकी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का ताराच स 45 दिन की अविभ या तत्सवंभी क्यांक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (श) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

पक्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया कम्क है।

अन्स् की

प्लैट नं ० 502, जो निरमन बिहार, बी-विंग, राजमाता जोजाबाई रोड, पंप हाउस, भ्रांधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूवीं जैमा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/14419/84-85 श्रोरजो मक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनौंक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लिक्मण दास सक्षम प्रांधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्ब**ई**

दिनौक: 3-7-1985

बोहर ह

प्रक्रम काई. टी. एन. एस ------

भाष्कर सिंपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-क (1) के मधीन सूचना

शास्त्र जंदक्त

कार्यास्य , बहुश्वक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 2 जुलाई 1985

निदेश सं॰ भई-2/37ईई/14303/84-85—मत: भुझ लक्ष्मण चास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाभर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक कैं

1,00,000/- र. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, निरमन बिहार, ए विंग,
राजमाला जिजाबाई रोड, पंप हाउस के पाम, विकास नगर के
मामने, श्रंधेरी (पूर्व) बस्बई में स्थित हैं (शौर इनसे उराबद्ध
अनुसूची में शौर ग्रो पूर्ण रूप से विंगत हैं) शौर जिलका करारनामा श्रायकर मधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है दिनों क9-11-1984
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के तीमत बाजार मृत्य में काम वह रूपमान
शिक्षक के विष् अम्पत्ति की नहीं है और अभे यह विकास
करने का कारण हैं कि सथाप्योंकत सम्पत्ति का उपित बाजार
मृत्व, उसके रस्वनाम शिक्षक में, एते रस्यमान शिक्षक का
पदह प्रतिकत से अभिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे बदरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्या, मिन्नसिकत उद्वर्ज से उक्त मन्तरण निवित में वास्क्रिक
क्या, मिन्नसिकत उद्वर्ज से उक्त मन्तरण निवित में वास्क्रिक
क्या, मिन्नसिकत उद्वर्ज से उक्त मन्तरण निवित में वास्क्रिक
क्या में क्याया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से शुर्ध किसी आय की बावस, उनक अधिनियम के अभीन कर दोने के बस्तरक के दिश्यक में अभी करने गा उसमें दशन में शिविभा के एनए, दीं, ।
- (क) एंसी किसी नाय या किसी अन वा नन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नार जकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के सिय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डै क्रमील, विकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री सुरेश वसंत सावंत श्रीर श्रीमती शर्चना सुरेश सावंत ।

(भन्तरक)

2 श्रीमती प्रेम लता गोविन्द नरे।

(मन्दरितो)

को यह सुक्ता बारी करके पूर्वोक्त संपरित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना वे राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में द्वितवव्य किमी जन्य व्यक्ति व्वाय अभोद्वस्ताक्षरी के वाब् निवित में किए वा वकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के वध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध कृतेगा को उस वध्याय में दिया नवा हैं।

भग्सची

पर्वट नं० 304, जो निरमन बिहार, ए विग, राजमाता जिजाबाई रोड, पंप हाउस के बाजू में, विकास नगर के सामने, श्रंघरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/14303/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, विनाँक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास स्वाम प्राधिकारी सहायक प्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक : 2-7-1985

प्रारुप बाइ. टी. एव. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14068/84-85---- प्रतः मुझे लक्ष्मण दाय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, एवरजोय को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, मरोल, मरोशी, रोड, श्रंधेरी, बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विश्व हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनियम की धारा 260 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजरही है दिनौंक 2-11-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वरेग से उच्त बन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्र/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या बच्य ब्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ट पिक्सों, अर्थात् :--- 1. श्री रमेश ग्राय० ग्रडवानी।

(मन्तरक)

2. श्री भीमराज मंगीलाल जैन ।

(भ्रन्तरितो)

8. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों आरि पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियीं[∜] वना है।

बन्स्ची

शोप नं० 4, जो एवरजोय को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी, बस्त्रई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14068/84-85 श्रीर जो शक्षम पाधिकारो बम्बई द्वारा, दिनौंक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 2-7-1985

प्रकष् कार्षं हो . एन . एस , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/14011/84-85---ग्रातः मुझे,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ह⁸ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 64, शमिक इमारत, सैफी पार्क, मरोल व्हीलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-1-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान लिए बन्तिरत की ग**र्ड** है विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान पितफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिसियों) के थीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से विशिष्ठ तही कियाग्याहै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उच्च अधिनियम को अधीन कर दोनेको अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसर बचने में सविधा के लिए; और/पा
- (क्रा) एोसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ह³ भारतीय वायकर अधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, धर धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के वनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नस्ति**चित व्यक्तियों, वर्धात**ं—

ा. श्री मुस्तालीभाई टी० झकिउद्दीन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शब्बीर ग्रब्दुल हुसैन, मोरबी वाला ।

(भन्त(रती)

क्ये सह त्वाना जारी करके पूर्वोक्स स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया ह*।

जनसर्ची

फ्लैट नं० 64, जो शमिक इमारत, सैफी पार्क, मरोल व्हीलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

त्रनुमुकी जैसाकि ऋ० सं० भ्राई-2/37ईई/14011/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-7-1985

मोहर.

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुधना

नारव वर्षकर

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 ज्लाई 1985

निवेश सं० धाई-2/37ईई/14231/84-85—- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसमें इसमें इसमें एक्बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही और जिसकी सं.

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 114, पहली मंजिल, शिवई इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकीनारा, अंधेरी कुर्ला रोइ, बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रुप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है बिनाक 7-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दर्भमान प्रतिफल से, एसे दर्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नसिन्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरक विद्या में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- 'क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त शीधनियम के क्षीन कर दोन के अन्तरक क दाबित्व में कृती करने या उद्यव कथने में बाँतभा के बिए; व्योर/मा
- (च) एसी कियी नाम ना किसी भेग ना कर्य आस्तियी की, विन्हें भारतीय नाय-कार निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) ना उत्तर अभिनियम, या धर्म-कार निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरियो द्यारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया बागा चाहिए था, कियाने में सरिक्त वें विकर:

अतः बजः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मझडा इंटरनेशनल प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

श्री प्रवतार सिंह, ए० घरोरा घौर रामचन्द,
 जि० छिबिया ।

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तिरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके प्यॉक्त संपत्ति के स्प्रेन के लिए कार्यवाहिया शुक्त करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था एक थे:

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, वो अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिशा वया हैं:

मन्त्री

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 114, जो पहली मंजिल, शिवा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकीनाका, ग्रंधेरी, कुर्ला रोड, बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भाई-2/37ईई/14231/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, **बस्बई**

विनांक: 2-7-1985

मोहर 🛭

प्रकार आह<u>ै.</u> ह<u>ी. एव. एव. अस्तर</u>ाज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जी-1/2, प्रमुख विजय प्रिमायसेम, को-श्राप० मोमायटी लिमिटेड, विजयनगर ग्रपार्टमेन्ट्स, मरोल-मरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 26-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिंखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिचित में

- धक्त कंत्रारक ते हुई किसी बाय की बातत, उपल गिक्षितियम के बक्षीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा स्वीक्त्रास्त्र और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां नी, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनवसः, 1922 (1922 को 11) या उसत विधिनयस, या धन-कर विधिनयस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया समा धा वा किया जाना चाहिए था, स्थिपन में स्विधा से लिए

जर अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अप्तरभ में, में, उवन ऑधिन्सिम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अभीन, सिम्बिलिंक व्यक्तियों, अर्थात :—~ 29—21 GI|85

- गी के० एल० प्रधीकारी, भ्रौर श्री यू० के० ग्रिधकारी (भ्रन्तरक)
 - श्रीमती एन० एस० कपाडीया,
 श्री रुस्टम एस० कपाडिया,
 श्री रोहिटन, एस० कपाडिया।
 श्री पेस्तन एस० कपाडिया।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (**ए) इस स्वना के राजपत्र में** प्रकाशन की तारीख़ मं 45 दिन के भीतर उपक्त स्थावर सम्मिल में हित-बव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए जा सकार्जे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

नगराची

क्लैट नं० जी-1/2, जिवय नगर, ग्रपार्टेमेस्ट, प्रमुख विजय प्रिमायमेस को-ग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, मरोल, मरोग्री, रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-4000 59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं श्राई-2/37ईई/14965/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

धिनांक : 2-7-1985

इक् बार् ्टी पुर एड् -----

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

भार्यालय, प्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रा ८२२८ वर्ष

. बम्बई, दिनाक 2 जुलाई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/15029/84-85—ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० यूनिट न० 4, लूथा इडिन्ट्रियल प्रिमायसंज को-भ्रांप० सोसायटी लिमिटेड, सफेद पुल, श्रधेरी-कुर्ला रोड, साकीनाका, बम्बई-400 072 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 29-11-1984 को पूर्वोंकत सपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के द्रश्यमान श्रतिफक के लिए असरित की गई है और अभे यह विश्वास करम का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान श्रतिफल से, एसे व्यवमान श्रतिफल का बन्तर श्रीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया श्रतिफल, निम्निनिचित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिकक स्प से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण संसुद्धे किन्दी भाग की शबत., उपच स्थितियंत्र की अधीन कर दोने के सन्तरक के दासिस्य में काली खड़के या उत्तर्ध क्यूने में सुविधा के निए, सरि, या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम 19 रू (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरी इंकार प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में रिप्या के निए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनमरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन, निम्निविक स्वक्तियों. अधीत:---

सबानली भ्राय० मर्चेन्टस,
 रमजानली भ्राय० मर्चेन्ट्स,
 भ्रब्दुल रहीम भ्राय० मर्चेन्ट्स,
 इस्मत ट्रस्ट क विश्वस्त ।

(म्रन्तरक)

2 श्री महमदभाई एम० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्यांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाध्या शुरु करता हु।

उन्त सम्पत्ति के नर्भन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर बूजना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी स्थितित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यसा हैं.

अनुसूची

युनिट ने० 4, जो लूथ्रा इडिस्ट्रियल प्रिमायजेज, को-आप० सोमायटी लिमिटेड, मफेद पुल अधेरी -कुर्लारोड, साकीनाका, वम्बई-4000 72 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/15029/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 29-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्ब**र्ड**

दिनांक: 2-7-1985

प्रकम नार्च. टी. एन. एस<u>.</u>------

मैसर्स एलाइड मैन्युफैक्चरर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्म गलैक्सी इंडस्ट्रीज ।

(अन्तर्रासी)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना धारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 2 जुल।ई 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/14202/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास,

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० इंडास्ट्रियल यूनिट नं०11, नवयुग इंडस्ट्रियल इस्टेट ऑफ अंधेरी कुर्ला रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रौर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री है दिनांक 9-11-1984

का पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुए किनी आय की बाबत, उथर अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सबभ में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या रुस्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन ही अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण.—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिवा। गण है।

वन्स्यी

इंडिस्ट्रीयल यूनिट नं० 11, जो नवयुग इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, आफ प्रधेरी-कुर्ला रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-4000 59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ ई-2/37ईई/14202/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को राजस्टडं किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण मा. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) क अभी । स्वितिधार अधितयों, वर्धात ---

दिनांक: 2-7-1985

माहर :

प्ररूप आध्रां ही एन एस .-----

शायकर अ[भिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विभीन सुचना

भारत ब्रह्माड

कार्यालय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई विनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अ.ई-2/37ईई/14252/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाबार ब्रुव्य

1,00 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं म्यूनिट नठ० १ मधुबन इंडस्ट्रियल ॄइस्टेट महाकाली केश्म रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रोर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री हैं दिनांक 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिबवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह्म प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च के से उक्त अन्तरण विजित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- ाल पर पर से हुई किसी काय की काव्य, डक्क्य अधिनियम के स्थीन कर दोने के बंतरक के दासित्य मा कमी करने या उत्तर्ध स्थने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थन वा अच्य बास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय बायक र निर्धायक न, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः भी भारा 269-ग के अनुवरक में, में, उक्त अधिनियम करी पारा 269-व को उपधार (1) के नथीन, निम्नीसीयत व्यक्तियों वर्षांत् हम्म

- मैसर्स स्पेक्ट्रम रबर वर्क्स प्रायवेट लिमिटेड। (अन्सरक)
- 2. मैसर्स आदर्श प्रिन्ट आर्ट ।

(अन्तर्रती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बब्ध सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के रावपच्च में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त च्यक्तियाँ मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इब बुचना के रावष्य के प्रकाशन की तारिक -45 दिन के बीचर श्वास स्थायर सम्पत्ति के हितनवृथ किसी बम्म स्थीतिल बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पार्थ सिचित के किस् वा सकतें।

लब्बीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त श्रीधिनयम के अध्याय 20-क मां परिभाषिट है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय मां दिया। नुसा हैं॥

अनुसूची

यूनिट नं० 9 जो मधुबन इडस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केव्स रोड ग्रंधेरी पूर्व बम्बई- 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम सं आई 2/37ई ${6/14252/84~85}$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 9-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज- 2, बम्बर्ड

िदिनांक 2-7--1985 मो**हर** ह्य त्रका बाह्र. टी. एन. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सुचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीसन)

अजन रेंज-2

बम्बई दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अ:ई-2/37ईई/14272/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्जाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं पूनिट नं । न्यू इंडिया इंडस्डियल स्टेट महाकाली केटस रोड संधेरी (पूष) बम्बई-400093 में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबड अनुसूची में स्रौर जो पूर्णक्रप में विणत है) स्रोर जिनका कर रनामा आयकर आधिनियम की धारा 269 कष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है विनांक 9-11-1980

न्यं पृथांचत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम को द्रव्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास क ब्लं का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण को सिए तय वाया प्रया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योप्य से उक्त अन्तरण लिखित को हास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) ब्रम्परण वे हुई किसी बाव की बावत करत वर्षि-विव्य को अपीप कर दोने के अन्तरक के दावित्य हैं क्रमी करने वा उससे वचने में स्विता के लिये; क्रमी-
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया जना ना या जिया जाना चाहिए था, छिनाने में मृतिधा वी किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विभाग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री मुर्रिन्दर मिह नभरवाल (एच० यु० एफ०),
 उपापाल सिंह सभरवाल (एच० यु० एफ०)
 - (अन्तरक)

2. कोस इलैं क्ट्रानिक्स

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेकत सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कीए भी कासीय ह---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रिय में प्रकासन की तारीका के 45 दिन की नवीच या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की ताशीक से 30 दिन की स्वधि, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांगर;
- (क) इत सुमना के राजपन में अकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी अने गाम सिवित में किए जा बर्कोंने।

न्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा यो उस अध्याय में विद्या गटा हैं।

अनुसूची

यूनिट नं ा जो न्यू इंडिया इंडिस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केंक्स रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है

अनुचनी जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14272/84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टड किया याहै।

> लक्ष्मण दास सक्षमा प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

विनांक 2-7-1985

बक्द बार्ड. टी. एन. एव.-----

भावकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मुधीन कुपता

बारक सूरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2

बम्बई दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं अई- 2/37ईई/14603/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास,

नावकर निर्माननन, 1961 (1961 का 43) विशे इन्हें इन्हें विश्वत निर्मानन का गया है, की धारा 269-क के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर नम्मित्त, वितका उचित नाचार मृश्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 34 श्रीमख को-आप० हार्जिसम सासायटी मरोल श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री हैं विनांक 16-11-1984

को भूगों कर नजारित को अधिक गांचार नृत्य से का के प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि सभापूर्वों कर सम्पत्ति का उधित बाजार भूस्य, उद्युक्ते अध्यमान प्रतिकाल को एसे अध्यमान प्रतिकाल का पंत्रह भूगिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के निष्ट तय पाया गया शितकत, निम्नसिवित उद्युक्त से अस्त अन्तरण निवित्त में गुस्तीयक क्य से अधिक हमा विवित्त में गुस्तीयक क्य से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुन् किसी जान की शावत, उक्त निधनित्रम के अभीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी बाथ या किसी धन या बन्य बास्सियों की, विक्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, वा ध्वु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की हवोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्युः

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिष्ति व्यक्तियों, अर्थीत् ६—

1. श्री सज्जद अली ए० दोरीवाला ।

(अतन्रक)

2. कुमारी सकीना नुरुद्दीन दोहदवाला।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सपत्ति क अर्जन के सबभ में नाहां भी जाक्षेप :----

- (क) इस भूजना में राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की 'अवधिया तत्सम्बन्धी स्मितितयों पर भूजना की तासील से 30 दिन की जबधि, जो भी भूजधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृज्यक्त स्मित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताकारी के पास निवित में किस वा धर्कों वे।

त्यप्टी करणः — इसमें प्रयुक्त चन्कों मीर पत्नों का, वो उपक्ष मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ द्वीगा, यो उस मध्याय में दिवा शवा है।

पप्पूड

फ्लैट नं 34, जो श्रामिक 'को-आप० हार्जीसंग सोसायटी मरोल श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि का म अई 2/37ईई/14603/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंण-2 बम्बई

दिनांक 2-7-1985

नोहर 🛚

प्रसम्य आर्थः टी. एन एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकारु

कार्यालय महायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रई-2/37 ईई/14602/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रा. पे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 33 शांमख को-अत्प० हाउसिंग मोमायटी लिमिटेड मरोल अधेरी (पूर्व) गैरेज नं० 2 के साथ मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16-11-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति वं उधित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्पाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित म बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-माधानियम के मधीन कर दर के अन्तरक 🔻 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कं लिए, और/या
- पा एसा किसी काय या किसी बन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर आजिमिम, 1957 (1957 **का** 27) **क** मकारताच अन्तरिती **दवारा प्रकट नहीं किया गया** था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--

1. श्रीमती नफीम।बाई सज्जद दोरीवाला।

(अन्तरक)

2. श्री युमुकी हटीमभाई कान्तावाला शब्बर हटीमभाई कन्सिवाला शब्बर हटीमभाई कान्तः व(लाः खोझेमा हटीमभाई कान्तावाला।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके प्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उचत सम्पत्ति के अर्थ । रेमक , में कोर्ट भी बाक्षण 🛶

- (क) इस स्थानाको राजपत्र में अकाशन की तारीस ह 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में में किसी त्यक्ति देवारा;
- (था) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ कियी अना भीक दलारा अलेल अल्ला र लग निश्चित में किए आ सकोंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और भदी का, जा उदर्त अधिनियम के अध्याय २०-क 🗼 प्राम्य । प्रत 👫 , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गरा 🚰

अनुस्ची

फ्लैट नं० 33 गैरेज न० 2 के साथ जो शमिख को-अप्पः हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मरोल श्रंधेरी पूर्व, बम्बई में स्थित है

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37 ईई/14602, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

तारीख: 2-7-1985

त्रक्य बार्ड .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन स्थान

भारत श्ररकार

कार्मास्य महायक ग्रायकर आम्ब्रेस (निर्वाचन) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/14326/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 31 सेथी इंडस्ट्रियल इस्टेट 10/ई मुनेन रोड़ अंधेरी पूर्व, वम्बई-400093 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9-11-1984 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य के कम के अवजान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है बार मृत्में वह विचान करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपर्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अवजान प्रतिफल का पंचह श्रीतशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिरती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नवा प्रतिफल फल निम्मलिकित उद्देष्य से उचत अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुइ किसी बाय की वाबत, उच्च अधिनियब को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाब या जिसी अन या बन्य ब्रास्तियों कां, बिन्हें भारतीय बायकर व्यक्तियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त बाधिनियम, या धन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना थाहिए था, छिपानं में सविधा के किया:

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व औ अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारर '1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- मैं० दुलसेट इलक्ट्रीनिक्स प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री दीपक आर० कील्लावाला।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में े सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पर्णात के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कमें यथा परिभाषित -हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा बना हैं।

वपस्तरी

ंडस्ट्रियल यूनिट नं० 31, जो सेथी इंडस्ट्रियल ६स्टेट, $10/\xi$ ०, सुरेन रोड, अंधेरी पूर्व, बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि २०० सर्व श्रई-2/37–ईई/14326/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, बम्बर्ष

तारीख: 2-7-1985

प्रकप बाहै, टी. एन्. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (195% का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन र्जेज-2, अम्बई

भम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/14948/84-85---ग्रतः मुक्ते,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, तिसरी मंजिल, ध्मारत नं० एप, मृतेश पार्क, एंप हाउस, अंदेरी (पू०), अम्बई— 400 069 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्व रूप से विजित हैं), और जिसका करारनामा आय-कर अदिनियम, 1961 की द्वारा 269क, ख के अदिन, अम्बई स्थित सक्षम प्राद्विकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 26—11—1984

को गर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एमे रश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरक में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यव्तियों अर्थात् :—— 30—216GI/85 1. मेसर्स टेक्नो पि.स्ड सेल्स कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मधूर धमृतलाल वीरा।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

अन्सूची

फ्लैंट नं॰ 305, जो तिसरी मंजिल, क्ष्मारत नं॰ एफ मनीश पार्क, पंप हाउस, अंकेरी (पू॰), बम्बई-400 069 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37-ईई/14948/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बस्बर्ष

तारीख: 8-7-1985

मोहर ः

शारूप आर्ड टो. एन एस. -----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की क[ं] धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

तरत शरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वाय्कत (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/14445/84-85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि ग्रंगपूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 42, इमारत नं० 7, श्रमीता मन्दिर को० भ्राप० हार्जासग सोसायटी, वर्मा नगर, ओल्ड नगरदास रोइ, अंदेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रदिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984 की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थापर्वोक्त संयक्ति का उक्ति अञ्चर भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के उसके इस्पमान प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्यक्तिकल, निम्नलिखित उद्योक्यों वे उक्त बन्तरथ लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💅 🗫

- (क) बन्तरण वे शुरू फिली बाय की बावछ, उक्क मीधीनसम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शक्तिया में कमी करने या असने बचने में सुविधा के मिए; मीद/वा
- (च) एसी किसी क्षाप्त वा किसी का वा बान्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया का या किसा वाना वाहिए का, कियाने में सुविधा के सिक्रा

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनम्बेल बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बधाँत र--- श्रीमती रीटा हरीश मलहोता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुबुंद भुनीलाल कोटारी।

(ग्रन्त(रती)

को बहु सुचना चारी करके पृष्टीक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरि को पास सिचित में किए वा सकींगे।

स्वांकीकरण:---इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा भी उस अध्याय में विका नमा है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 42, जो घौथी मंजिल, इमारत नं० 7, अमीता मन्दिर को० श्राप० हार्डीसँग सोसायटी, वर्मा नगर, ओल्ड नगरदास रोड, अंदेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि प्रई-2/37-ईई/14445/ 84-85 और जो सज़म प्राक्षिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 8-7-1985

प्रकृष बाह्" टी एवं दक्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) जे वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षक)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० भई-2/37-ईई/14771/84-85---भ्रत: मुझे' लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 8, कमला भवन नं० 2, प्लाट नं० 30 (बी०) सहार रोड़, कोलडोंगरी, श्रंधेरी (पु०), बम्बई—400 069 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 19-11-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतारात्यों) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाम की वायत उचले अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य म कमी करने या उससे अध्यम में स्विधा के स्टिए; प्रतिकृति मा
- (ड) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्रीमती जाह्नवी डी० डिसोजा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला मेहरा।

(मन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

क्यों यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्मरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

क्षमत् कन्या रत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थिक्ट स्थित में से किसी स्थिक्ट इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सपित्र के हिम-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस चिक्ति में किए वा सकरेंग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैंद्र तं० 8, जो, कमला भवन नं० 2, प्लाट नं० 30(बी०), सहार रोड़, कोलडोंगरी, श्रंधेरी (पु०), बंबई-400 069 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि सं भई-2/37-ईई/14771/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 8-7-1985

महिर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के भृथीन सूत्रा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्त आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-2/37-ईई/14106/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण दास.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग्न 269-इन के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कु कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 29-बी०, न्यू भंपायर इंडस्ट्रियस इस्टेट, कोंडविटा रोड़, भ्रॉफ अंधेरी-कुर्ला रोड़, बम्बई400 059 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन' बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-1984

को पृथाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के कायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह दिश्वाध करन का कारण है

िक यथा प्रावित सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उक्द श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कृषित निर्देश केया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, अवक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे ब्यूनरे मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तिकों करं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरक भा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सोमेश एस० मौर्या।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मन्तालाल सोलंकी श्रौर भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वतः संपृत्ति के वर्ण्यन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

वन्स्ची

यूनिट नं॰ 29-बी॰, जो न्यू भंपायर इन्डस्ट्रियल इस्टेट, कोंडबिटा रोड़, भॉफ भंसेरी कुर्ला रोड़, सम्बई-400 059 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37-ईई/14106/ 84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

> श्रुवमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व**ं: 2−7−1985 बोहर ब इक्प काई.टी.एन, प्रस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिमोक 3 जुलाई 1985

निदेश सं • भ्रई-2/37-ईई/14084/84-85--- मतः मुझे, सक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० पलैट नं० 201, जो, रसीला मपार्टमेंट तेजपाल स्कीम रोड़ नं० 5, प्लाट नं० 12, बिले पार्ले, पूर्व, बम्बई-400 057 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करार-नामा भायकर मिनियम, 1961 की भारा 269क, ख के भिभीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य विश्वास स्पत्ति का जिल्ला वाजार मृत्य विश्वास स्पत्ति का उचित वाजार मृत्य विश्वे उद्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरिक वियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के सिए;

असः अव, उक्त विभिन्निम की भारा 269-न के अनुसरक वी, मी, उक्त विभिन्निम की भारा 269-न की उपभारा (1) को वभीन, निम्मिनिक व्यक्तियों, सर्वात :--- 1. श्री रमेश कुमार सी० जैन।

(भन्तरक

2. श्री प्रभुदास जेथालाल राठोड ग्रीर श्री वसंत कुमार जेथालाल राठोड।

(अन्तरिती)

कांयह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन हो तंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषिष्ठ ही, वहीं अर्थ मृग्या, जो इस अध्याय में दिया गया ही।

धमृस्ची

पलैंट नं० 201, जो रसीला भ्रापार्टमेंट, तेजपाल स्की रोड़ नं० 5, प्लाट नं० 12, बिले पार्ले पूर्व, बम्बई-400 057 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई--2/37-ईई/14084/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11--1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सलम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-7-1985

मोहरः

प्ररूप आई, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, जम्बई

बन्बई, दिनांक 3 जुनाई 1985

निदेश सं० भ्र $\frac{5}{4}$ -2/37- $\frac{5}{4}$ /14085/84-85--प्रतः मु से लक्ष्मण दास.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसको सं० फ्लैट नं० 304, रसीला श्रार्टमेंट, प्लोट नं० 12, तेजाल स्कीम रोड़ नं० 5, जिते पान पूर्व बम्बई-400 0587 में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद अर्दु सूवो में ग्रीर पूर्ण रूप से विजात है), ग्रीर जिसका करारनामा भागकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्राप्तेन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया भ्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में और/मा
- (ख) एसी फिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः इव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्-- 1. श्री रमेश कुमार सी । जैत।

(ग्रन्तरक)

 श्री रिवन्द्र शंकर जोशी भीर श्रीमती सुनंदा भार० जोशी।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की लागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, से अध्याय 20-क में दिसाजित हैं हैं , वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लैट नं॰ 304, जो रसीला प्रपार्टमेंट, प्लोट नं॰ 12, तेजपाल स्कीम रोड़ नं॰ 5, विले पार्ले पूर्व, बम्बई— 400 057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-2/37–ईई/14085/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

संक्रमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस., *******

मायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के जधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक बायकर बाय्क (निरीक्षक)
धर्जन रेंज-2, बस्बई
बस्बई, बिनौक 3 जुलाई 1985
निवेश सं० धर्ड-2/37-ईई/14086/84-85--- ग्रलः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर जिम्मीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च वे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 203, रमीला ग्रपार्टमेट, प्लोट तं० 12, तेजपाल स्कीम रोड न० 5, विले पार्ले पूर्व, ग्रम्बई-400 057 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए अस्परित की गई है और मृद्रों यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुई किती जाव की वावत, उजल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के निए; और/वा
- (च) एँसी किसी साय या किसी भन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-अर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिंपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थीत् —

1. श्री रमेश कुमार सी० जैन।

(मन्तरक)

2. श्री रूपचंद टी० गोलानी।

(मन्तरिती)

को यह सचना जारी करके प्रवेक्त मध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उदम सम्पत्नि के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाओप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व लिथित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ क्षागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 203, जो रसीला भपार्टमेंट, प्लोट नं० 12, तेजपाल स्कीम रोड नं० 5, विले पार्ले पूर्व, बम्ब ξ -400057 मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कि के सं ग्रई-2/37-ईई/14086/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 3-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-7-1985

प्रकल् बाइं.टी.एन.एव. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यांसद, सहायक भागकर नाय्कत (निरक्षिण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 3 जुलाई 1985

निदेश सं **अई**-2/37-ईई/14957/84-85---भ्रतः मुझे, सक्सण दास,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० रूम नं० सी-26, श्रौर सी-27, श्रमरदीप महल, सी-विंग, नंदा पाटकर रोड़, विले पार्ले पूर्वे, बल्बई 400 057 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्गे रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा भागकर श्रविनियम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 26-11-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वधापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार ब्ल्य. उसके दश्यमान प्रतिकल को एंसे अव्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तब पाया नवा प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बानक, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्व बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया बाबा किया चाना चाडिए बा, कियाने में प्रविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्पार , रूपत् :---

 श्री प्रतापभाई बकुभाई सागर भीर श्री यशवंत प्रतापभाई सागर।

(मन्तरक)

2. श्री प्रेमजी मोंशी सावला।

(भ्रन्तरिती)

प्रस्तिती।

(वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पति है)

को यह स्वना चारी करके पृत्रों कत तम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त वृक्षारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीत सं 45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए वा सकोगे।

स्व्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों नीर पद्यों का, को उन्त्य अभिनियम, के सभ्याय 20 -क में प्रिशायित हैं, वहीं नर्थ हत्या को उस अभ्याय में दिया नया हैं।

अनुसुची

रूम नं सी-26, भीर सी-27, जो भमरदीय महल, सी-विंग, नंदा पाटकररोड़, विले पार्ले पूर्व, बम्बई-400 057 में स्थित है।

श्रनुसूबो जैसा कि कि सं धर्म-2/37-ईई/14957/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 26-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लझ्मग वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-7-1985

मस्य मार्च हो प्राप्त प्रदेशकारणा

बायकर ब्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 3 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई--2/37-ईई/14952/84-85---ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

नावकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर मध्यत्ति, जिसका लिखत बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, नंद दीप, चौथी मंजिल, विलेज नकाला, तरुण भारत को आपरेटिव हाउमिंग सोमायटी रोड़, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई—4400 057 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधढ प्रनुस्वी में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 26—11—1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से विधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितार्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बासतिक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विष्, अतिकार अतिकार

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं उक्त क्षिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 31—216GI,85 1. पेपर्स एप० पी० कंपट्रक्शन्त कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हेरोनियो नजरेटो एस० लूइस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध को कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका जिल्हा जिल्हा याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

वन्स्वी

फर्नैट तं० 403, जो नन्द दीन, त्रौथी मंजिल, विलेज चकाला, तरुण भारत कोग्रापरेटिय हर्डीसग सोसायटी रोड़, विले पार्ले (पू०), बस्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37—ईई/14952/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 26-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बर्फ्स

नारोख: 3-7-1985

मोहर 🛭

प्रसम् बाद्र : ४ो : एव : एव :,------

वारकार व्यक्तित्वम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्णन स्वाम

AND AND

भावासिक, सहावक आयकर बायुक्त (निर्देशिक) श्रर्भन रेंज-2 बस्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 3 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्राई-2/37-ईई/14250/84-85---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण हास

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाचार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं एफ पी - नं 66-बी, टी पी ं एस 4, विले पार्ले (पू 0), प्रार्थना समाज रोड, विले पार्ले (पू 0) बरबई - 400 057 में स्थित हैं (ग्री टिंग्स उपाबद्ध प्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क; ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार अपूर्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का लंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब स्वा यया प्रतिफल, जिम्मिजियार ब्युवोक्य से उचित कस्तरम अविश्व में कार्यों के स्व व विश्व वहीं विश्वा स्वा है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त ऑभनियम के अभीन कर दोने के बल्तरफ से कवित्य ने कवी करने वा उच्चे द्याने में दृष्टिका के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाम वा किसी वन वा जन्म कास्तिकों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिने था, छिपाने में द्विया ने सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह क— 1. मेमर्स जयश्री बिल्डर्स (इडिया)।

(ग्रन्तरक)

 श्री सोहनलाल हीरालाल पाँडया, श्री भेषमाल राताजी कुमहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विल की सकीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सविध बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर प्वेंक्ति उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवड्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त बिचित्रमा, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बड़ा हैं।

अनुसूची

शाप नं० 7, तल माला, जयश्री विलिंडग जो एफ० पी० नं० 66-बी०, जो टी० पी० एम० 4, विले पालें (पु०), प्रार्थना समाज रोड़, विले पालें (पूर्व), बम्बई-400 057 में स्थित हैं।

अनुसूत्रो जैसा कि कर संरु श्रई-2/37–ईई/14250/84–85 श्रौर जें। सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-7-1985

प्रकृत बाह⁴. टी. एन. एस. - - - ----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को वर्धीन क्षाना

भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37-ईई/14493/84-85--भ्रत. मुझे' लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रास संअधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट न० 48, रत्न ज्योन इंडस्ट्रियल इस्टेट, इर्ला गावथन, विले पार्ले पिण्नम, बम्बई—56 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर 'ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 12—11—84 का पूर्विक्त सम्पक्त के जिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है अर्थ मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्व कित संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्र से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के

नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्चित

नहीं विवया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय की वावत , उक्त जिसीनयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसके अधने में सुविधा के लिए और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया जाना चाहिए वा किया में स्विधा खें लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्री मुनफ शफी मेमोन श्रीर श्रीमती शिरीन मुनफ मेमोन।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. इंडस्ट्रियल सर्विसेस ।

(भन्तरिती)

3. ग्रन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग नें सम्पत्ति है)

को बह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्ववाहियां कुरू करता हुं।

उनत सन्दरित के नर्पन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की नविध ना तत्सम्बन्धी स्थानतयों धर सूचना की तानील से 30 दिन की स्थिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थानतयों में से किसी स्थानत ब्वाय;
- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकाधन की मारीस के 45 दिश के शीहर उक्त स्थानर कम्पीत में हितंप बद्ध किसी जन्म स्थानत द्याच स्थाहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा ककेंने ।

स्वकासिकरण — इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो जनत जीधीनवन के नध्यान 20-क में पीरभाविक्ष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वका है।

अनुसुची

यूनिट नं० 48, जो रत्न ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, इली गावथन, विले पार्ले, पश्चिम बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रर्थ-2/37- ईई/1449384-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सह्रायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप खाइ टी गल एस -----

शायकर किंपिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के क्षीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक बायकर भाग्यक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई- 2/37-ईई/14110/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के जधीन समान प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हु कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हु

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० वी/4, श्री मग्दार पटेल को० श्राप० हार्जिमग मोसायटी ,पटेल बाग, नेहरू रोड, विले पार्ले, पूर्वे, बम्बई-400 057 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 3-11-1984

फो पूर्वो अस सम्पत्ति के उचित सापार मूस्य से कम के क्यानाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विसंख के अनुसार जंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सहयमान प्रतिफल के, लेसे सहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिलत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किश्व नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ण) ऐसी किसी आय या कसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें अप्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा धें किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकिकित व्यक्तियों अधीन — 1. श्रीमती दिव्या कौशिक मजुयदार।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती शालिनी दिनेश दिवेचा ग्रौर श्री दिनेश पी० दिवेचा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जनिंध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त सब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० बी/4, जो श्री सरदार पटेल को० श्राप० हाउमिंग सोसायटी, प्लाट न० 210, पटेल बाग, नेहरू रोड़, विले पार्ले पूर्व, बम्बई-400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14110/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, बम्बर्ड

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० भई-2/37-ईई/14266/84-85--भत: मधे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000 ∕ - रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, इमारत नं० 4, ग्रलकनंदा एच० ग्राय० जी० एडवांस ुन्दीब्यशन स्कीम, जह विले पार्ले डेबलपमेंट स्कीम, विले पार्ले, बम्बई-400 049 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984 को पूर्विका सम्बत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 🌓 त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अ^पधक है और अंतरक (अंतरकाॅं) और अंतरि**ती** (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धेनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) व अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. कैप्टन एच० के० शेट्टी ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री डी० एम० याज्ञीक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बवारा उधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। '

अनुसूची

प्लैट नं० 54, जो इमारत नं० 4, भ्रालकनंदा एच० भ्राय० जी० एडवांस कान्ट्रीब्युशन स्कीम, जुह विले डेवलपमेंट स्कीम, विले पार्ले, बंबई-400 049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/14266/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख 3-7-1985

प्रथम बार्षः टी. एन्. एतः ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारत प्रकार

कार्यालय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्र**जं**न रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 3 जुलाई 1985

िनिर्देश सं० ग्राई—2/37—ईई/14634/84—85——म्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

कायकार अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 1, इमारत नं० 10, श्री राम कृष्ण को० ग्राप० हाउमिग सोमायटी लिमिटेड, जे० वी० पी० डी॰ स्कीम, जुहू, बम्बई-400 049 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की **धारा 269क, ख**के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-84 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्व से कन के दश्वजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में भास्ति भिक्त कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कनी करने या उसके उचने में श्रीवधा के सिए; बीर/वा
- (का) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिक्श के बिए;

नत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, न्याति हि— श्री राम कृष्ण को० म्नाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती राधाबाई किशीनचंद दोदानी।

(अन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींबल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिया;
- (क) इब ब्यूका के राज्यम् में प्रकाशन की वारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंदा-बहुच किसी कन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए वा सकेंचे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनके अधि-निवस के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, इसारत नं० 10, श्री राम कृष्ण को० स्नाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० वी० पी० डी० स्कीम, जुहु, बम्बई-400 049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37–ईई/14634/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख 3-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई ^६1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14541/84-85--श्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- क में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 37, नंदवन, श्रंसारी रोड, विले पार्ले, बस्बई-400 056 में स्थित है (श्रौर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-11-1984

को प्यक्ति सम्पत्ति के उण्चित बाजार मन्य से कम के स्वयमान कितफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बाम्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: उत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती हमाबेन इन्दकुमार भट।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जयमुखलाल गोपालदाम पारेख, श्री वितोद गोपालदास पारेख, श्री मनसुखलाल गोपालदास पारेख।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर १७ हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मान्नन्थ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चिता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणं.---इसमं प्रयक्त शब्दो और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्क}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 37 जो नंधवन श्रमारी रोड, बिले पार्ले, बम्बई 400 056 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि क० सं० श्र $\frac{1}{2}$ $-2/37-\frac{1}{2}$ $\frac{1}{4541}/84-85$ श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 16-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारी**ख:** 3-7-1985

मोइर:

प्रकृप बाह्र .टी. एत. एस. -----

जायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्धांचय, तहायक आवकर आवृत्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बद्देः दिनाँक 10 ज्लाई 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/14195/84-85--प्रनः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इसके पश्चात् 'उसता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित याजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में बसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/य।
- (आ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनाम्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धन या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के भिए,

शत **अब उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण** सा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा** (१) প্ৰক্ৰিয়াৰ সাহিত্যিক আদিক আদি ক্লিয়াৰ विश्वास वर्ते एण्ड एगोनियेट्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वसन्त जे० शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इंस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मृज्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष प्रकार जाव व्यक्ति द्वारा सशहस्ताक्षरी के पास कासन मान्हण्या सर्कोंगे।

स्पन्नीकरण: ----इसमें अयुक्त ब्रस्यों बार पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुस्यी

फ्लैंट नं० 6, श्रनीश श्रपार्टमेंट, जो एक प्लाट न० 15, टी० पी० एस० 5, हनुमान रोड़, बिले पार्ले (प्०), बम्बई-400 057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि क स० श्राई-2/37—ईई/14195/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 7—11—1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 10-7-1985

मोहरः

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/14512/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नामकर मौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है'), की धारा 269-च के जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,06,000/- रु. से मीभक ही

ग्रौर जिसकी सं० गाँप नं० 29-बी०, नेहरू शाँपिंग एण्ड मेमी नाथ ग्रपार्टमेंट सोसायटी मिलिटेड, काम्बली वाडी, तेजपाल रोड, विले पार्ले $(पू<math>\circ$), श्रम्ब ξ -400057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 12~11−84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य ते काम को दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिय की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार अस्य बसकं बरयमान प्रतिफल से, एसे बर्गमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरियों (अन्तरितियाँ) के तीच ऐसे जन्तरण के जिए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नसिवित उद्योग्य से एक जन्तरण किवित में वास्ततिक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी नाय की बाबस उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्दर्क को दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स्र) एेसी किसी आय था किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय शायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, डिज्पाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरक र्मा, मी, अवस अधिनियम की भाग 269-च की अण्धारा (1) रू रूपीन रिप्निलिखिश **श्रमितवाँ, वर्षात्** स्— 32-216GI/85

मधिनियम की धारा 269 के ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ध में राजिस्ट्री है दिनांक 12 नवम्बर 1984

को पुर्वोक्त सम्मति के उपित वाजार मस्य से कम के स्वयमान पिकल के लिए कन्तरित की गर्क है और कु करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त कम्परित का उपित काबार मृत्य, उसके क्यमान प्रक्रिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत सा पन्द्रहप्रतिशत संअभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित <u>उद्दोश्य सं उस्त</u> अन्तरक िलीबत में नास्तविक रूप संकवित नहों किया क्वा है:---

- (क) मन्तरम से हुई किसी बाद की बादत उक्त मिथिसम्बर्ध के मधीन कर दोने के सम्लरक के दायित्व भ कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अंर∕या
- (का) प्रोती किती वाय या किती वन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर **बीधीनवन, 1957 (1957 का 27) दे** प्रक्रोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहां किया गया भा या किया काना पाहिए था, छिपाने में सुर्विधा के सिष्;

1. श्री रभेष एउनाथ काजलो।

(भ्रन्तरक)

श्री गौतिलाल ग्रानंदर्जा माला।

(श्रन्तरिती)

कों बहु कुम्बा आही करनी वृक्षों कर वास्परित की वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में करेड़े भी नाओंड:---

- (क) इस सुभाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुष्पना की तानील से 30 दिन की जनिष, जो भी व्यविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दवारा:
- (स) इस स्वानाके राज्यत्र के प्रकाशन की तारीस से ्र इत के वीतर अक्स स्थाबर सम्परित में हित**बद्ध** किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

अ.व.४४८ रूप - - इसम प्रमुक्त **शब्दों और नवों का, अधिनियम** के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

णॉप नं० 29-बी, जो नेहरू शॉपिंग एण्ड नेमी-नाथ अवार्टपेंट सोतायटी लिमिटेड, काम्प्रली वाडी, तेजपाल रोड़, विले पार्ले (पू०), बम्बई-400 057 में स्थित है। गा्नूची जैना कि क० सं० ग्राई−2/37–ईई/14512/ 84-85 प्रोर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक

12-11-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

सक्ष्माग दान नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 8-7-1985

मोहर:

पास लिखित में किए आ शकीं प

स्मव्हांकरण:---दममें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस कथ्याय में किया नया है।

वर्षा

''फ्लैंट नं० 804 श्राठवी मंजिल, जो सी० एस० नं० 662 और 669 विलेज ईर्ला विले पार्ले (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० स० श्र $\xi-2/37-\xi\xi/14413$ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

प्रकथ आहु . टी. एन . एस . ------

मायकार मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14928/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० शॉप नं० 7, जेर्मा विल्ला, 432, ग्राजाद रोड, विले पार्ले, पूर्व, बस्बई—400 057 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1984

करें पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलंखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:— 1. मेसर्स एफ० सी० एन्टरप्राईजेग।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जसबीर सिंग के० हुंग ग्रीर श्री नरेन्दर एच० खुराना।

(भ्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमः प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उम्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा फो उस अध्याय में विया गया है।

29734

भारत का राजपन, श्रगस्त 31. 1985 (भावपद 9, 1907)

्भाग III-- अण्ड 1

प्रक्य ब्राइं., टी. एन. २स.----

नामकर गंभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

अम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14478/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह जिस्तास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16 बी, श्रमिता को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड $141/\xi$ प्ले ग्राउड रोड विले पार्ले (प) बम्ब ξ -400057 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 12 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बाजिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिबिक उद्देश्य से उक्ट अंतरण लिबित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए। और/था
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ्रिश्भा के लिए:

(1) राठोउ एण्ड पारभार

(भ्रन्तरक)

(2)श्री श्रीदत्त जया राव

(श्रन्तारती)

को यह सूचना चारी कर्ड पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तार्तिक के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार;
- (क) इत त्याना कं राजपत्र मा प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्तक्ष किया क्यांति के पास निष्यत में किए जा सकींते।

स्थव्यक्तियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नगृष्यी

''फ्लैंट नं० 16 बी, जो श्रमीता को श्रॉपरेटिय हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड 141/ई प्ले ग्राउंड रोड विले पाल (प) बम्बई 400057 में स्थित है ।

भ्रतुसूची जैसाकी क्र॰सं॰ श्रई-2/37—हर्द्द/14478/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मन दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-2, बम्बई

प्रकृप आहें.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14512/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नामकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के जधीन सक्षम गाधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थामर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रा. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 29-बी०, नेहरू शॉपिंग एण्ड नेमी नाथ श्रपार्टमेंट सोसायटी मिलिटेड, काम्बली वाडी, तेजपाल रोड़, बिले पार्ले (पू०), बम्बई-400 057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-84 को पूर्विकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतक न है लिए अन्तरित की गई है और बूके यह बिक्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान श्रीतक से प्रतिकत है, एसे दश्यमान श्रीतक का पन्तह बत्ति ते सामार श्रीतक से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और अन्तरित (अन्तरित्ति) के गीप एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया इतिकत, निम्नासित्त उद्वास्य से एक बन्तरण कि लिए तय पाता गया इतिकत, निम्नासित्त उद्वास्य से एक बन्तरण कि लिए तय पाता गया इतिकत, निम्नासित्त उद्वास्य से एक बन्तरण कि लिए तय पाता गया इतिकत, निम्नासित्त उद्वास्य से एक बन्तरण कि लिए तय पाता गया इतिकत, लिए लग में कियत नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अवं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को वन्तरण मं, मं, उवत अधिनियम की धारा 269-म की वण्धारा (1) म्थ व्यक्ति विध्वतिश्वितः अक्तियों, वर्षात् ।— 32—216GI/85 1. श्री रसेश एकताथ काबलो।

(श्रन्तरक)

2 श्री शांतिलाल श्रानदर्जा माला।

(ग्रन्तरिती)

वा वह कृषना आही करने पृथानित कम्परित ने वर्णन के विष कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति को मर्जन को सम्बन्ध को करेड़ों भी काक्रोब:---

- (क) इस मुखना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिमों पर सृष्या की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यण में प्रकाबन की तारीय से किसी अस्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसी अस्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक्ष में किए वा सकेंगे ।

क्ष हो करिया --- क्षाक प्रसुक्त शब्दों और नवाँ का, वो जबक बाँधनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन स ची

णॉप नं० 29-बी, जो नेहरू ग्रॉपिंग एण्ड नेमी-नाथ ग्रंपार्टपेंट सोसायटी लिमिटेड, काम्बली वाडी, तेजपाल रोड़, बिले पार्ले (पू०), बम्बई-400 057 में स्थित है। ग्राज़्वी जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/14512/ 84-85 ग्रोर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक

12-11-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दात सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख. **8**-7-1985

मोहरः

प्रकम बाइं., टी. एन. २स.-----

नाथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14478/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 16 बी, श्रमिता को श्रापरेटिय हार्जिस सोसायटी लिमिटेड $141/\xi$ प्ले ग्राउंड रोड बिले पार्ले (प) बम्बई-400057 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 12 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धवय-मान प्रतिफल से, एसे धव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से मोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिर्ति (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी शाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ्री खभा को लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण रा, माँ उक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्लीलिखत व्यक्तियों, अथित् :--- (1) राठोउ एण्ड पारभार

(भ्रन्तरक)

(2)श्री श्रीदत्त जया राव

(भ्रन्तारती)

को यह तूचना बारी करके पूर्वोक्त स्थ्यति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उपत उम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अपनितयों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, वो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 बिन के औरार उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिउबक्ष किश्री बच्च कार्दित कुंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंचे।

स्पाचीकरण : ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त विधिनियम से प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपृष्ठी

"फ्लैंट नं० 16 बी, जो श्रमीता को श्रॉपरेटिव हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड $141/\xi$ प्ले ग्राउंड रोड विले पाल (प) बम्ब ξ 400057 में स्थित है।

्यनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ध्रई-2/37—ईई/14478/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मन दास मक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-2, बम्बई

दिनांक:- 8-7-1985 मोहर: प्रकृष बाइं.टी.एन.एइ.-----

बायकर निभिन्सम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्चना

बारत बरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) श्रर्जनरेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/14215/84-85-ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्वास परवाद 'उन्न अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैटन० 20 श्री गुरूकुल्णा को श्रॉपरेटिय हार्जामग सोमायटी लिमिटेड गुरूप्रसाद इमारत, एम० जी० रोड, विले पार्ले (प) बम्बई-400057 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है दिनाक 9 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरकार प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार नून्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल के पन्तर (अन्तरकारें) और अन्तरका प्रतिफल, निय्निलिश्चित उद्देष्य से उक्का अन्तर्ज जिल्हा के लिए देव प्रतिफल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त जींच-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कजी करने या उबसे बचने में नविभा के बिए; कीऊ/सा
- (च) इसी किसी नाम या किसी भन या नन्य वास्तिनों की जिल्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा चक्छ बीधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

बत: बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की बमुबरक मैं, मैं, जबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थातु:---- (1) श्री कान्तीलाल गुलाबचंद दोशी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र क्षत्रभुज पारेख ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकं ही 4.4. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचभा की तामील से 30 दिन की अवधि, तो भी जतिय वास में समस्य होती हो, को भीतर एवाँकित व्यक्तियों में वे सिसी स्पतित व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राधमत्र में अव्यासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उसल स्थानर कपितर में हित-बच्च किसी सम्य व्यक्ति इनारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकता।

स्वयद्वीव्यरम्:---इनमें प्रज्ञून्तः अध्यां क्षेण्ण पश्ची का, जो उपय अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में विषय नवा है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 20 जो तीसरी मंजिल, श्री गुरुक्कष्णा को भ्रॉपरेटिव हार्जीसंग मोमायटी लिमिटेड गुरूप्रसाद इमारत, एम० जी० रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० ग्रई-2/37–ईई/1421584–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया। गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 8-7-1985

प्रकल भार्त_ः टी. एउ_{.,} एव_{., वरण सम्ब}ल

भागकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के वभीन बूचना

भारत सरकार

कार्बाबय, तहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं. ग्र $\xi-2/37-\xi\xi/14796/84-85-$ -श्रतः मुक्को, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिन रहाने इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है'), व्य वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 147, हिस्सा नं० 1 सी०टी० एस० नं० 595, 596/1 से 24 एण्ड 597, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (प) बम्बई-400059 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 20 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित आजार मृत्य से कम के क्यमान विश्वल के सिए जंदरित की गई है जौर मुओ यह विश्वल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नीसिवत् उद्वरिय से उन्त जंतरण सिवित में आत्रिक कम से अधिक नहीं किया गया है ।—

- (क) ध्रन्तद्रक वे हुई कियी थान की बावत , जनक मिनियम के न्तीत कर दोने के शन्तद्रक के यामित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस निधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बक्क क्य रायत नीयितियम की भारा 269-म के अनुकरण में, में, उक्त मीयितियम की भारा 269-म की उपभारा '() में समीत, निम्मीसिक्क म्यानित्यों, स्थापि ह--- (1) नेल जोन केडो, उरियल ॲन्योनी केडो, विनस्टन जोसेफ कोलीन विक्टर केडो ॲस्टर केडो

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स विन्टर कनस्ट्रक्शन एण्ड डेवलोपर्, प्रायवेट लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

(३ श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
को वह यूचन नारी करके पूर्वा कर सम्पत्ति के जुनन की लिड़
कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सरमित के वर्षम के सम्मन्ध में कोई भी बाखेंप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें, 45 दिन की नविश्व मा तरसंबंधी व्यक्तिमों नहां बूचना की तामीज से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवबृष्ट् किसी बन्व व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकींगे।

स्विधिकरणः—इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जा उक्त जिथिभियम के जिथ्याय 20-क में परिभाविक्त हैं, कही कर्थ होगा जो उक्त सध्याय में दिया गया हैं।

वर्त्त्वी

"जमीन का हिस्सा जो भर्वे नं० 147, हिस्सा, नं०1 सी० टी० एस० नं० 595 596/1 मे 24 एण्ड 597, मरोल, मरोशी रोड, श्रंधेरी (प) बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-2/37-ईई/ 14796 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 20 नवस्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-2, बम्ब**र्द**

दिनांक · 10-7-1985

प्ररूप आर्द्घ टी. एन. एस. -----

कालका व्यविति १०० २०० १०० वर्ष ४८) की स्थाप १५० वर्ष (१) वे अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालर, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुल।ई 1985

निर्देश सं० अई- 2_/ 37-ई ई _/ 14035_/ 84-85--- अत मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त जिम्मिन्डम' कहा गया है) की भारा 269-क के अधीन सक्षेग गामिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि अधार सम्मित जिसका लिखत बाजार जल्ब 1,00,000/ क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिसना का हिस्सा जिसका सी व्टी व एस व नं व 192, 192/1, 192/2 अंधेरी वस्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या से क्यात हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्टी हैं। सारीख 1-11-1984

करें प्वोंक्स सम्पत्ति के उभित नाजार मल्य से कम के क्यमान जीनरूस को लिए कमिट की गर्न के रोप मक्के यह विक्रमान करने का कारण ही कि यथापवींक्य मंगील का लिखत बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल में एने क्यमान प्रतिकल का प्रस्क प्रतिकास से कीश्य, ही कि प्रतिक किया अंतरकर्ते, और अंतरिष्ठी (अंसरिकियों) को नीच होगे किया किया अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण म हुई किती बाद की बादत, उक्क प्रधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कसी करने बा उससे बचने में मुश्चिभा के लिए; और/थ।
- (क) गोनी जिल्ली कार का िसी र ए पर जारित्रमें भरे जिल्ली पारतीय स्थापन अधिनियम १००० (१००० का ११) जा जनस प्रतिस्थित ला भलकर अधिनियम १०५७ (१०५७ का २७) के प्रयोजनार्थ कातिनी का या प्रकार प्रति विकास स्थापन राजिया का जिल्ला के प्रयोजनार्थ कातिनी का प्रयोजनार्थ का जिल्ला का जिल्ला का जिल्ला का प्रयोजनार्थ का प्रयोजना का प्रयोजनार्थ का प्याप्त का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्य का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्य का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्थ का प्रयोजनार्य का प्रयोजनाय का प्रयोजनार्य का प्रयोजनार्य का प्रयोजन

त्रत अब, उक्त यशिनियम की धारा 269-ग क अनसरण में. में, उदल अधिनियम की धारा 269-घ की नपधारा (1) के अधीन, निम्मिनित व्यक्तियों, अर्थात :--- ग्रॅलन जमंनो फर्नाडीस, कुमारी पुरियल फर्नाडीस ग्रौर श्रीमती हेजल डेसमाँड डिसोजा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती फिलोमेना फान्सेस बुग्री ।

(भ्रन्सरिती)

की बह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विच की जबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजवा की साजीत वे 30 विज की जबीध, वांभी जबीध वाद में सजाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उतन स्थावर कम्बीस में हिस्स-वर्ष किमी क्षा व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के प्राप्त किमिर के किस का मान्य से ।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधीनसब, के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।।

नन्स्ची

"जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 192 192/1और 192/2 है गुंडवली विलेज, अंधेरी तालुका बम्बई है। ग्रंधेरी (पूर्व)

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई 2-/37-ईई/14035/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुरत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-7-1985

प्ररूप नाई. टी. एइ. एव. -====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264 ला (1) के अधीन सुख्या

STORE STORES

कार्यालय, सहायक आवकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, वम्बई विनांक 10 जुलाई 1985

ं निर्वेश सं० अई-२_/ 3*7-*ईई _/ 1 4 0 9 2_/ 8 4- 8 5 → - अतः मुझे लक्षमण दास

बायकर वर्डिशनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जीवीनसम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परितः, जिनका उचिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक ही

भीर जिसकी सं जमीन का हिस्सा जिसका मर्वे नं 11 हिस्सा नं 14 मोग्रा विलेज अंधेरी बस्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269क खके श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-11-1984

को व्योंक्त सम्पत्ति के लिंकत नावार मन्य से कम के दरमनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि एथापवाँकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दर्यमान प्रतिफल में, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे क्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- हैंक) कल्परण से हुए किसी साथ की नासत उपस् अभितियम के अधीन कर दोने के कस्तरक के दायित्व में कभी करने या उनने बचने में सीवधा के सिए; सीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के खबीजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जना धा शिक्य बाना चाहिए था, कियाने में बविचा औं जिए:

क्त- श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म श्रीमती अर्थण्यत रोवा श्रीमती अंती मेरी आसमोलकर, श्रीमती किस्टीना डीसोजा श्री अंन्थोनी सोग्ररम्

(अन्तरक)

2. मैसर्स व थानी कन्स्ट्रख्णन्स

(अन्तरिती)

3. अन्तीरती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में

सम्पत्ती है)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्य वस्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रम में प्रकलान की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पर्धोक्त स्पक्तियों ये से किसी व्यक्तिस त्वारा:
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं. वहीं वर्ष होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

सरमची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 11 हिस्सा नं० 14, सी०टी० एस० नं० 248 एण्ड 248/1 से 3 विलेज मोग्रा, अंधेरी बस्बई है

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई-2,37ईई०,14092, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्षमण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख 10-7-985 मोहर :

प्ररूपः अद्भः टीः एनः एस् ु - ८ - ८ -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के बधीर सचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14298/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17 श्री राजस्थान को० ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अंधेरी कुर्ला रोड अंधेरी (पु०) बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सैकम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रहप्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्ननिसित उद्देषय से उक्त बन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- ^{र्}क) दन्तरण तेह्र किसी नाव की नावत, सन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के प्राण्टिल्ल में कासी कारने का फसमे बचने में मविधा क्षं जिल्ला क्रीर्∕धाः
- 'को एसी किसी जात्र या किसी धन पा जन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय जाए-कर रुविभियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2<u>.</u>") के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, क्रियाने जो युविधा के क्षिप्र

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थार :---33 -- 216GI/85

1. मै० नयन बिलर्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पन्ना जसुभाई देसाई

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यगाहियां करता हु ।

बक्त बम्परि के बर्चन में संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र हैं प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वंबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों यें से किसी स्पक्ति दुवारा,
- (ब) इस स्वना क राज्यत में प्रकासन की तारीच ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितववृथ किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, बभोइस्ताक्षरी के पाय विविध में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗।

अनुसूची

"फ्लैटनं० 1.7 जो दूसरी मंजिल श्री राजस्थान को० ऑपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लोट नं० 68 अंधेरी-कुर्लारोड, अंधेरी (पु०) बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसाकि ऋम सं० अई-2/37-ईई/14.298/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 8-7-1985

ोह्र :

प्रकप बाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

बम्बई, दिनौंक 3 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई ०-2/37-ईई/14020/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृस्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, उर्मिला बिल्डिंग, कोल्डोग्री, सहार रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख, अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1 11-1984

का पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रूपमान बन्तरित की प्रतिफल को निए गड मभौ यह विषयास करन कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्यः, उसके ध्वयमान प्रतिफल से., एसे दरयमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया **₹*** E---

- (क) अन्तरण स नुर्ह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितिसम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के जि

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अनलरण को, भी, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (.) क अधीन, निम्नोसिक्ट व्यक्तियों, अर्थात् 1. मैंसर्स कमला कन्स्ट्रवशन्स

(भन्तरक)

2. मेसर्स क्षितिज इन्वेस्टमेट्स लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 604, जो उर्मिला बिल्डिंग, कोल्डों ग्रो, सहार रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-2/37-ईई/14020/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्स**ई**

तारीख: 3-7-1985

मोहर.

प्रक्रम बाइं, टी. एन. एक.-----

नायकर नीर्थीनयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नथीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्राई-2/37-ईई/14021/84-85—-श्रतः मुझे, सक्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 605, उमिला बिल्डिंग, कोल्डोंग्र सहार रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण पूर्ण से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रंपीन उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोंचस सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स मम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया रूपा है:—

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आग कर्त बावत , उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दानित्व में कमी करने वा उत्तरें वचने में सुनिका से सिए; जीर्/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारताय आय-कर वाधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधानयम, या धन-कर वाधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिन्हा गर्म ग्रीवधा के लिए;

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स ःमला कंस्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स इंटरकोम (प्रा०) लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

की वह गुणना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया वह सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं०605, जो उमिला बिल्डिंग, कोल्डोंग्री सहार रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37ईई/14021/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ्1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बर्स

तारीख: 3-7-1985

प्रकल बाहं. टी. एम. एक. -----

1. मै० गिरीराज कंस्ट्रवशन्स को० ।

(भ्रन्तरंक)

2. श्री गिरीण शिवराम पवार ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत कहनाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिर्वाक 10 जुलाई 1985

निवेश सं० **धर्६**-2/37**ईई**/15005/84-85—मतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर निभिन्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यमं' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/-छ. से निभक हैं

भौर जिसकी सं ब्लाक नं 24, गिरीराज भ्रपार्टमेंट, कदम बाडी के पास, कोंडविटा विलेज, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रंभीन सक्षन म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री

है, तारीख 27-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार भूत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूक्त, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और संतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए सब पाया नका प्रतिफल, निम्नसिवित ज्यूरोस्य से स्वत्य सम्बर्ग निवृत में पास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाव की वावत, उपत विधिनिक्ष के विधीन कहु दोने के बन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कीं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धय-कर अधिनियम या धय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा वीं लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वो, जो उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (११ को अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात् :--- को यह स्वता वारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनिथम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में विया

वनुसूची

ब्लो भ नं० 24, गिरोराज ग्रंपार्टमेंट, जो प्लोट नं० 176/1 (पार्ट), कोंडविटा विलेज, कदम वाडी के पास, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि में भई०-2/37-ईई/15005/84 85 और सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984-को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 10-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (नि<u>द</u>ीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/14810/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 15, गिरीराज श्रपार्टमेट, सी० टी०एस० नं० 176/1, इन्हम वाडी, 30 वायड डी०पी० रोड, श्राफ सर एम० वी० रोड, प्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रुनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-11-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त सर्वित का अध्यामान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृष्यिभा के निष्, भौर/शा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्टियों को, भिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1\ कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :~-

- (1) मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स को०। (भ्रन्तरक)
- (2) भ्रशोक हरी खेडकर । (भ्रन्तरिती)

को यह स्वामा जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्सि में क्रिए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बभ्स्चौ

फ्लैंट नं० 15, जो दूसरी मिजिल, गिरीराज श्रवार्टमेंट, सी०टी० एस० नं० 176/1, कदम बाडी, 30 वायड डी० पी० रोड, श्राफ सर एम० वी० रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई — 400093 में स्थित है।

श्रनुमूची ज सा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14810/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्ब ह

दिनांक : 10-7-1985

मुख्य बाइं.टी.एन.एस. """""

भावक दुर्जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भावत 269-व (1) के मुधीन सुचना

पारत सहस्राप

कार्याजय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्ष)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र $\xi-2/37\xi\xi/14811/84-85$ —श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, गिरीराज श्रपार्टमेंट, प्लाट न० 176/1, कदम वाडी, श्राफ सर एम० वीं० रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित हैं। (ऑर इससे प्राक्षद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, दिनांक 22-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्वदेश से उक्त जन्तरण निम्निचत में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जनतारण से दुर्द किसी जान की बावल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को जन्तरक खें दाजित्व में अभी करने या उत्तये वचने में सुविधा के लिए, और/धा
- (च) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर विधिनियम, या धम-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिनने में श्रीका की विद्य;

भतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अमूसरण हो - मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) फ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स को०।

(मन्तरक)

(2) सुनन्दा भ्राशोक खेडकर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांचित सम्पत्ति सं अर्थन के अथ कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

वक्त कन्तित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री बाक्स्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की जबिंध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में अनाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर अम्मीत्त में हितवव्य किसी बन्ध स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए को मकोंगे

"च्छाकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दः और पदों का, जो उच्च अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभा^{कि}ष हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

बन्भ्भी

पलैट नं ० 16, जो दूसरी मंजिल, गिरीराज श्रपार्टमेंट प्लाट नं ० 176/1 (पार्ट), कदम वाडी, श्राफ सर एम० बी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क्र० सं० भ्राई-2/37ईई/14811/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 10-7-1985

प्रकल आहाँ, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रर्इ-2/37ईई/15002/84-85—ग्रतः मुझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269 च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारूप हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 23, गिरीराज ग्रपार्टमेंट, प्लाट दं० 176/1 (पार्ट), कोंडिवटा विलेज, कदमवाडी के पास, ग्रंधेरी पूर्व, बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 27-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन्न के सहयमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गर्ह है और मुक्ते यह विष्वास का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृन्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं. एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) वन्तरण सं हुई किसी आय की अवत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे धचने में सविधा के लिए; और या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के १० अस्ति अ

कतः अब, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स को०

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती शान्ताबाई शिवराम पवार ।
 - (भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

(4) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को ग्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप हु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिसमें में से किपी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में कि में जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः---इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का., को उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्थी

ब्लाक नं० 23, जो गिरीराज ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 176/ 1 (पार्ट), कोंडविटा विलेज, कदमवाडी के पास, ग्रंधेरी (पूर्व) सम्बई-400059 में स्थित हैं।

श्रनसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/15002/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 27-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-7-1985

माहर :

प्रकथ नाइं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

29746

नारत स्रकार

कायां स्वयं , सहायक जागकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985 निदेण सं० अई-2/37ईई/15003/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 21, गिरीराज श्रपार्टमेंट, मरोल पाइप लाइन, कदम वाडी के पाम, सर एम० बी० रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 27-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (♥) अन्तरण क्षेत्रहाँ किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कजी करने वा उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा क न्तिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) गिरीराज कंस्ट्रक्शन्स को०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिधुताई रामचन्द्र भ्रटोली। (भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस न्या के रायपत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 21, जो गिरीराज श्रपार्टमेंट, मरोल पाईप लाइन, कदम वाडी के पास, सर एम० वी० रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्राई-2/37ईई/15003/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 27-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-7-1985

प्रकल् बाह्री, टॉ. एन. एच ,-------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन त्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकार ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985 निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/15004/84-85--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्राँर जिसकी स० ब्लाक नं० 22, गिरीराज श्रार्टमेट, प्लाट नं० 176/1 (पार्ट), कोंड विटा विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई~ 400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, दिनांक 27~11-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्दरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि दश्यप्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान क्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकास निम्नसिवित उद्वरिय से उनत अन्तरण सिवित हैं बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया प्रशाह है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अवत अभिनियम के अभीव कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कभी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए

(1) गिरीराज कंस्ट्रक्शन्स को०।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र रामचन्द्र श्रटोली।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) भन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

जनत सम्मतित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नवीं भाग तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सुक्या की ताबील से 30 दिन की नवीं थे, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतवों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बहुध कि ती अन्य व्यापित स्वारा कथोहत्ताक्षरी के पास निर्वात में किए था सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इक्षजें अधुनत कर्यों और पदों का, जो उनत अधिनिजय के वध्याय 20-क में परिभाधित हैं, रही वर्ष होगा, जो उस सध्याय में दिया दवा हैं।

धन्यूची

"ब्लाक धं० 22, जो गिरीराज भ्रपार्टमेट, प्लाट नं० 176/ 1 (पार्ट), कोंडविटा विलेज, भ्रंधेरी (पूर्व), बम्बई: 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/15004/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एत. -----

भायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महाबक वायकार बाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई-2/37ईई/14649/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्स 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीमरी मं।जल, मी/1, मापकान नगर बिल्डिंग, मारोल मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 059 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबंद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 17-11-1984, को पर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन बाजार मृत्य से कस के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह ग्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिस्ती (अंतरिसियों) के बीच ऐसे अंतरक अंतरण कि लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्व से उस्त अंतरण निविद्य में पस्तिकह हम से क्रियत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरक से हाई किसी बाय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी भाव या किसी धन वा जन्य आस्तियों का जिन्ही भारतीय आवकर सभिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनिवन, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में कृषिधा के सिक्;

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अभूतरण में, जै, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारी (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--- (1) मैसर्स ए० एस० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री रोमाल्डो बासल्डो जोस डिसूजा ग्रौर श्रीमती मारिया फलोटिया डिसूजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के अर्थ कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अजीधि या तन्मंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनसंची

"फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, सी–1, मापकान नगर बिल्डिंग, मारोल मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई– 400 059 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/14649/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 1-7-1985

प्ररूप आई'. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की

घर १५ म थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सङ्घायक वायकर, शायुक्त (निह्नीसण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14648/84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (**विश्वे इ**समें इसके परभात् 'जनक अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से **मधिक है**

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० बी/3, मापकान नगर, मारोल मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रॉर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विरनास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित क्षणार भूल्य, उसके ध्यममान प्रतिषक्ष से, एसं ध्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया वया 🗗 🚛

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बाभीन कुर दोने के अन्तरक कं ह्यायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा ऊंलिए; और/शा
- (ध) एं भी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अर्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में सुविधा क लिए;

अतः सव, उन्त विधिविषयं की बाद्ध 269-ग के अनुबहुण में, मैं, उन्हां अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीका, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् ः---

(1) मैसर्स ए० एस० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल रशीव अञ्दुल रशाक।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए क्लर्मशाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी माभ्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच स 45 पिन की अवधि या नात्मग्वन्धी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी क्षामील में 30 दिन को अवधि, अर्थ भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इदारा;
- (क) इस सूचमा के राजभन्न में प्रकाशन की तारीब स 45 किंन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध **किसी अन्य व्यक्ति ब्रान्ध** अभोहरूलाक्षरी के पास सिवित में किए या सकते ।

सम्ब**ोकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त** अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया मया दै।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० बी/3, मापकान नगर, मारोल मारोणी रोड, धंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14648/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 1-7-1985

मोहर 🖫

प्रका बार्ड . ही , एवं , एवं , -----

भाषयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चंडकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 **ब**म्बई

बम्बई दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/14470/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परकास 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-च के विधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट न० 30 जमीन मजिल, दामजी -शामजी इण्डिस्ट्रियल काम्प्लेक्स, महाकाली केवस रोड, श्रधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-11-1984,

को पूर्णोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान शितफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह व्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से., ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्योधय से उक्त अंतरण लिखित में बास्स-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी माय की बावत, जनस अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्तरक को दायित्य में कमी करने या उद्यक्ष सचने में सविधा के लिए, बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में तृतिभा के निए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निस्नलिचित व्यक्तियों जभात ह—

- (1) मेसर्स दामजी-शामजी एण्ड सन्म। (भ्रन्तरक)
- (2) मेमर्स निक इजीनियर्स । (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्या की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षें कथ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्रदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास त्रिकित में किए आ सकेगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 30 जो जमीन भिजल, दामजी-<mark>णामजी इण्ड-</mark> स्ट्रियल काम्प्लेक्स, महाकाली केवस रोड, श्रंबेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैमा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/14470/84--85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-11--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

विनाक : 1-7-1985

क्रम्म वार्ड: टी.एन एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई दिनाक 1 जुल।ई 1985

निवंग स० अर्ह-2/37ईई/14469/84-85—अन मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके प्रस्थात् 'उक्त सिंपिनियम' कहा गया है'), को धारा 2'69 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह रवश्वास करन का कारण है कि स्थानर संपत्ति, भिस्तका जिल्हा साजार मूल्य 1.00,000/- क. से अधिक है

भ्रीप जिसकी सं ग्रांच्य सं 109 पहली मजिल दामर्जा-णामजी इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स महाकाली केवस रोड, प्रधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (भ्रीप इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका कराप्तामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 12-11-1981,

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया आ या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभः के किया

बतः वयः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मों, मों, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-चं दूरी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्म दामजी-मामजी एण्ड सन्स ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स एडवान्स सिसटम कन्ट्रोल्स ।

(अन्त(रती)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इस 45 दिए के भाग उन न मान संपादित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए का साहित।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूधी

'यूनिट मं 109 जो पहनी मांजल दामजी-शामजी इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स महाकाली केंब्स रोड, श्रधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अतुसूची जैंसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/14469/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्ब**र्ध**

दिनांक : 1~7~1985

प्रकल नाइ. टी. एव. एस. -----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन स्थमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काम्क्त (निरक्षिक)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश स० अई-2/37ईई/1402884-85—अत मुझ, लक्ष्मण द।स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वनस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं य् । तट न व 145, पहली मं जिल दामजीणामजी इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स महाकली रोड श्रघेरी (पूर्व)
वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण
क्य में विणित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर, अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
क यां न्य, बन्बई न जिस्ट्री है दिना क 1-11-1984
को पूर्वोत्त्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूबाकत सपरित का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

अतरितो (अतरितियों) के बीच एंसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल निम्निलिखिस उद्वरेष्य से उक्त अंतरण निवित में

नास्तविक रूप से कथित नहीं किया ववाह":---

- (क) बंतरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें बचन में मृतिशा के चिन्न, और/मा
- (का) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिया के किया;

कता अन उक्त जिमानयम की भार २६२-ग के अनुसरण के, के, के, उक्त जिमानयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--

- (1) मैसर्स दामजी-शामजी एण्ड सन्स । (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स प्रेस्टॉन हैडॉलिक्स । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जा<u>री कारके पूर्वोक्त</u> संपरित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता ह**ूं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षी ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शासील वे 30 दिन की स्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी कम्ब स्थितित इंबारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए का सकी।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिकारित है, वहीं अर्थ द्वारोग का जम अधाय में । इया , गया है।

at will

"यूनिट सं 145, जो पह्ली मंजिल बामजी-णामजी इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स महाकाली केवस रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14028/84-85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक 1→7—1985 मो**हर**ः प्ररप वार्.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 जुलाई 1985

जनिदेश सं० अई-2/37ईई/14006/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260- ख को अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 13, तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं
1, प्लाट नं 8, भवानी नगर मारोल मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में
ग्रीर पूर्ण च्या से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया पवा है:—

- 'क) अन्दरण से हुई किसी अप्र की बाबत, उक्त अधि-नियम के बभीन कर देने के जंतरक के खेबित्व में कमी करने या उससे यचने में बुविधा खे चिए; शीप/वा
- (स) एसी किसी जाव या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, विन्हें आरतीय वावक रं विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वाधिनवन, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तै, मैं, उक्त अधि^{त्र}क्षम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- (1) मैसर्स दीपक बिल्डर्म (प्रा०) लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री कुरियन कुरियन, श्रीमती जेस्सी कुरियन।

(अन्म[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उकत अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिय गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 13 जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 1, ब्लाट नं० 8, भवानी नगर, मारोल मारोशी रोड श्रधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/14006/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांव : 1-7-1985

प्रक्रप आर्थ. टी. एन. एस. -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-श(1) के श्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश मं० अई-2, 37ईई/14005/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 12, तीमरी मंजिल बिल्डिंग मं० 4, फ्लांट नं० 8, भवानी नगर मारोल मारोणी रोड, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए दथ जावा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष से उक्त कम्सरण निचित में वास्तिक रूप से किया वहीं किया वहा है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स दीपक विल्डमं (प्रा०) लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री गुल्यान बुगगल। (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राषपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) ६त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट सं० 12, जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग सं० 4, प्लाट नं० 8, भवानी नगर मारोल मारोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसः कि ऋ० सं० अई-2/37ईईi 14005/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को एिंजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 1-7-1985

प्रकृष कार्ड दी. एन . एस . ----- (1) मैसर्म श्रीपक विरुद्ध (

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत बर्काड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/14923/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास,

नायकर जिनित्रम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें परचात 'उसत विभिन्नमं' कहा गया है), की धास 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12 तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 5 प्लाट नं० 8 भवानीनगर मारोल मारोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 24 नवम्बर 1984

को प्रविभित्त संपत्ति को उचित्त वाकार मुख्य ने कम के करवान अतिकल को निए अंतरित को नह है और मुन्ने यह विश्वाम करणे का कारण है कि ववापुर्वोक्त सम्मतित का उचित वाकार नृश्व अगयों दायमान प्रतिकल को, एके अवभान प्रतिकल का पन्तद वितास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तब बावा भवा शांतफल, निम्नितियों से बन्त कन्तरण कि कि वा शांतफल, निम्नितियों से अन्त कन्तरण कि कि वा शांतफल, निम्नितियों को वा शांतफल, निम्नितियों से अन्त कन्तरण कि कि वा शांतफल, वा स्वीविक स्थान की कि वा स्वीविक स्थान से अपने से अन्तर्भ स्थान से अपने से अपने

- (क) जग्तरण से हुई फिली जाम का बाक्ट, डक्ट जिथिनियम के अधीत लात ति के जन्तरक के शाबित्स के कमी करने या तसमें प्रथम या स्थिधा के लिए, जोर/या
- (क) एस किसी आय या किसी धन या करण कास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, कियान थे स्विधा के लिए:

अतः श्वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 35—216GI/85

- (1) मैसर्न- दीपक बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) श्री काम आई० रिबेल्लो (ग्रन्मरिती)

को सह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाही शुरू कारता हूं।

सकत सम्परित को कर्जन को संजंध में कारेर भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, को भीतर एनींबर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिंह-बहुध किसी व्यक्ति द्वारा, अकोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा तकी।

स्वक्षीक रण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्स विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभाविश हैं, उड़ी अर्थ हांगा जो उस अध्याद में दिमा वया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12 जो तीसरी मंजिल बिल्धिंग नं० 5, प्लाट नं० 8, भवानीनगर मारोल मारोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी फ्र॰ सं॰ अई-2-37 ईई/14923/ 84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई $_{l}14924/84-85$ —अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज पलेंट नंज 1, पहली मंजित, बिल्डिंग नंज 2, प्लाट नंज 6, भवानी नगर, मारोल मारोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से लिणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रिजस्ट्री है दिनांक 24 नवम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्र का पंद्रह प्रतिस्त्र का पंद्रह प्रतिस्त्र का पंद्रह प्रतिस्त्र से अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के दिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उंद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब कर से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोगा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैंसर्स दीपक बिल्डर्स (प्रा०) लिभिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मैंगडिलीन एम० डिसूजा । ' (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिगित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही उर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

अनुसूची जैसाकी कि सं० ग्राई-2, 37ईई/14924, 84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 नवम्बर 1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

्लक्ष्मण दास स**क्षम** प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2_/ बम्बई

दिनांक : 1-7-1985

प्रका बार्ष. टी. एन. एस.----

नाभकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वता

भारत सहकार

स्थामांसय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षक) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवंश सं० अई-2/37 ईई/14184/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण द।स

बाबकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13 तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, नं० प्लाट नं० 8, भवानी नगर मारोल मारोशी रोड़ अधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 7 नवम्बर 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरुष से हुई किसी बाब की धावत, अवस बिधीनसम के जधीन कर दोने के क्सररक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; बार्डि/बा
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियां को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कें अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अधिवृक्ष---

- (1) मैसर्स दीपक बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री द्हीद सुबेली, श्रीमती नीलूफर सुबेती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीक रण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा

अनुसुचने

मोहर :

फ्लैट नं० 13 जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 2; प्लाट नं० 8, भवानी नगर मारोल मारोशी ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईई/14184/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक /7 नवम्बर 1984 को रिजस्टिं किया गर्या है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-7-1985

प्ररूप आर्ड्. ट. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-2/37 ईई/ 14186/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल बिहिडग नं० 2, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, अंधेरी (पूर्व) बम्बई मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अशिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 7 नवम्बर 1985 को पूर्वाकत मम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्य) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कामित नहीं किया गया है ए—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के तिए; और/या
- ह) ऐसी किसी भाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सृविधा के लिए;

अतः अथः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं-, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैसर्स दोपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रशेखर काद्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

ंडक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 4: दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसे अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित र' से किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः—इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अभूस्ची

प्लैट नं० 13 जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 2 प्लाट नं० 13, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-2/37-ईई/14186/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 नवम्बर 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-7-1985

भोहर:

त्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/14187/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांग जिसकी स० फ्लैंट न० 5 एन 6, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, प्लाट नं० 8, भवानी नगर, मारोल मारोशी रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रींग इसमे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांग पूर्ण न्य में विणित है) ग्रींग जिसका करारनामा आयकण अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनोंक 7 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि बधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा को निए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाम वा किसी धन मा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैंसर्स दीवक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० सुन्दरम, श्रीमती अन्तपूर्णी सुन्दरम, श्री सुन्दरम सुब्रमण्यम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के तंत्रंभ में काई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की ताराख से 45 बिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस क्ष्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 5 एवं 6 जो पहली मंजिल, बिस्डिंग नं० 6 प्लाट नं० 8 भवानी नगर, मारोल मारोणी रोड़, ध्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-2/37-ईई/14187/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप काइ. टी. एम. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानिक सहायक सायकर काव्युक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई-2/37–ईई/14066/84–85–अत मुझे, लक्ष्मण दास

कारण र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षण प्रथाल 'उन्नर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- 45 स अधिक ही

श्रौर जिसकी म० फ्लैंट न० 43, 4थी मंजिल, बी-विंग मिलीटरी हाउम के सामने मिलीटरी रोड, रूईया पार्क, जुहू विले पार्ले(प), जुह, बम्बई-400049 मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 इ. ख है अधीन, यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 2 नवम्बर 1984

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुफे यह विश्वासं करने की कारण ही कि यथाप्नेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य देश है दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोत्तरित में प्रधिक है बौर अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई फिसी बाय की बावत उक्स अधिनयम क अधान कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा औ भिष्टु नहिं/बा
- (अ) एंसी किसी जाय या किसी भन वा जम्म कास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्द;

नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरच जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै नधीन र निम्निविचित व्यक्तित्वों, जनति ध− । (1) मैंसर्स गुन्डेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्चन गौरी कनैयालाल पोपट। (अन्तरिती)

को यह कुषना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबभ में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस ब्रामा के समयन ने प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति क्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्याचीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आंग गरी का, आ उका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विस् गया है।

धन्स्यो

"फ्लैंट न० 43, जो फ्लाबी बीचएनजल 4 थी मंजिल बी-विंग मिलीटरी हाऊम के सामने मिलीटरी रोड़, रूईया पार्क, जुहू विले पार्ले (पश्चिम) जुहू, बम्बई-400049 मे स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि फल सल अई-2/37ईई/14066 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राग्र दिनाक 2 नवम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

विनाक: 8-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप मार् .टी . एन .एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश स० अई 2/37—ईर्ह/ 14238/84—85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जितका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 121, जस्सावाला वाडी, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 9 नवम्बर 1984

को पूर्नोक्त तस्मीत के उचित बाजार मूख्य से सम के क्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य ते उक्त असरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सिवधा किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिखित व्यक्तिस्पर्यों, अर्थात् ,--- (1) श्रीमती गौरू दारा गान्धी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नवबहार बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

- (3) श्री के० जी० पूरूषोत्तम । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री कें जीं पुरूषोत्तम । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्परित में हितबंड है)

को यह सूचना जारी करके पृद्धांक्ष मध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्या सम्बक्ति को अर्चन को संबंध में कोई भी आक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तत्सील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकिरण:—इक्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त संधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, बह्दी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

ू"प्लाट नं० 121, जो जस्मावाला बाडा जुहू, बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37-ईई/14238/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 नवम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवस्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14742/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के ब्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 72 क्रिस्टल, 72 गुल मोहर रोड, जुह, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायहर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19 नवम्बर 1984

कारे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नस्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उच्चे दृश्यभान प्रतिफल का उच्चे दृश्यभान प्रतिफल का उच्चे प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक क्य से किश्य गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई अिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।ः——

- (1) श्री ग्रोस्कार कलाड टामस परतराव (अन्तरक)
- (2) श्री ॲन्थनी फिलीप्म ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्याक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 72 जो किस्टल, 72 गुल मोहर रोड़, जुह, बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की कि सं अई-2/37-ईई/14742 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 नवस्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आ**ग्र**कर अ। पृ**ष**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 4-7-1985

मोहरू 🛭

प्रकल आह. टी एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकात

कार्यालय, सहायक मामकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/ 14688/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितिकी सं० पर्नेष्ट नं० 304, जो तीनरी मंझिल, बी-स्कंध, मिल्यन अर्राटमेंट्स, आजाद रोड़, जुह कोलीवाडा, बम्बई में न्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), श्रीर जितिका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजिट्टी है दिनांक 17 नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतक्षत्र के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

पि यथा प्रवेषत सम्पंति का उचित बाजार मृन्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से बिधिक ही और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक स्प से फिथन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हाइ किसी आय की शब्त उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की धायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रुविधा

के लिए: गरि/मा

(का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम १०११ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभर को लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में अक्त गिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीत, जिस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36-216GI/85

(1) श्री दिवानचंद कपूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सप्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप उ-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वा उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

ू"पलैंट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, बी-स्कंघ, मिल्टन अगार्टमेंट्स, आजाद रोड़, जुह कोनीवाडा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं० अई-2/37-ईई/14688 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 17 नवस्त्रर 1984 को रजिल्टई किया गया है।

> लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

विनोक: 4-7-1985

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/14157/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ऑधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी कां, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

भीर जिसकी सं० भाँ। न० 11 जुहू प्रिन्सेस थापिंग आक्रेड, जुहू बीच, बम्बई—49 में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ये विणय है), ग्रीर जिनका करारतामा आयकर प्रिनियम की धारा की धारा 269क, ख के ग्रधीन पक्षम शाबि गरी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है विमांक 3 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बिल् से बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण चे हुई कियी बाव की बाब्त । सबसे अधिनियस के जबीन कार दोने के सन्तरक औ प्राप्तिल में कनी करने ना उन्तर्स क्यने में त्रीयधा औ सिछ।
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या कमा नामितमों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में स्तिभा मी विद्या

भक्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्रीमती प्रिया एच० धडानी।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सोनारिता स्किन एण्ड हेयर क्लिनीक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवादियां अरता हूं।

बाक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बत्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी गै।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

शॉप नं० 11 जुहू प्रिन्मेस शापिंग कार्केड, जुहू बीच, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-2/37-ईई/14157/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण व्राप्त सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बस्बई**

दिनांक : 4-7-1985

प्ररूप आइ .ट. एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारतं सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-2/37/ईई/14949/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ओर जिसकी यं० पर्नंष्ट नं० 105, पहली मंजिल जुहू त्रिन्सेस बिल्डिंग जुह तारा रोड़, बम्बई—400049 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में ग्रांर पूर्ण रूप से बिणत हैं), ग्रांर जिसहा करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अजीत मजन गाजिहारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दितांक 26 नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाज़ार मूल्य से कम को दृष्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रस्थ, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथल नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विनायक पुरुषोत्नमदास पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री अनंत गणेश बोरवंक ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह क्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोडे भी काओप '---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब की 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्ररताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः ----इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधि--नियम के सभ्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुची

पलैट नं 0 105, जो पहली मंजिल, जुह प्रिन्सेस बिल्डिंग जुह तारा रोड़ बम्बई 400049 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं अई-2/37-ईई/ 14949/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा बिनांक 26 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

विमांन : 4-7-1985

मुक्तम् वाद्द<u>े, दी. यन् . एव . तरा</u>तानानाना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

HIZE BEIN

कार्यामय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/ 14567/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लैट नं० 202, आयरलेट विल्ला सी० टी० एस० नं० 976, एन० नं० एच नं० 4 जुहू विहलेज, बांम्बे फलाईग कलब के पास बंब ई—400049 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 9 नवम्बर 1984

को पूनों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण निश्चित में नास्त्रिक रूप से कथ्त नहीं किया प्या है है

- (क) क्लारण से हुई किसी काय की वाबत, उक्त बीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करणे या उससे क्वाने में सुविधा के किए; बीद/वा
- क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स वृधिनियम, वा थुन-कर जोधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

सर्तः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीर, विस्तिसित स्वनियमों सम्बर्ध हुन् (1) आयरेलेट एन्टरप्रायसेस।

(अन्सर ह)

(2) कुमारी बंटी जे० फरनानडीस ।

(अन्तरिती)

(4) अन्सरक

(यह व्यक्ति जिसके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

सनत् सम्पत्ति के गर्पन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की वर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्षीय, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त हाती हो, क भीतर पूर्वाकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया

अप्राची

"पसैट नं० 202 जो आयरलेट निल्ला सी० टी० एस० नं० 976, एस० नं० 16 एच०नं० 4, जुह न्हिमेज, बाम्बे फलाईग क्लब के पास बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-2/37/ईई/14567/ 84-85 भीर जो सभम प्राजिमारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9 नवस्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक : 4-7-1985

मोहर 🛭

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ई ई/14559/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उप्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जि की सं० पर्लेट जो चौथी मजिल, सेका क्रपार्टमेंट, हिल रोड, न्यू टाकीज के सामने, बान्द्रा करबर्ट-400050 में स्थित हैं (और इ से उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है), और जिसरा वराजनामा क्रायकर क्रिकिटम की द्यारा 260 क ख के क्रवीन, सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15 नवम्बर, 1984

का प्रांक्त सम्पत्लि के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करां का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्लि का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहल प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्स अंतरण सिस्तित में बास्तिक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाम की बावत, सक्छ बिधिनियम कुँ अभीन कहा दोने के अन्तरक के पासित्य में कमी कहने या उत्तर्ध बचने में सूबिधा के लिए; बौड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित अधिनयमों, स्थादि क्रमा

1. मेलर्स झेबा इन्टरप्रायसेल ।

(अन्तरकः)

2. श्री और श्रीमती मोएज फक्ट्रीन घडीयाली । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निरु कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-पव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण ;—-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का., जो उकत जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका। गया हैं।

वन्स्यी

"फ्लैट, जो चीधी मंजिल, सेबा धपार्टमेंट, हिल रोड, स्यू टोकीज के सामने, बान्द्रा, बस्बई-400059 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं धाई-2/37-ईई/14549/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिशारीं, अम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

मोहर

क्रक्त आइ.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई-2/37-ई ई/14179/84-85-यत:, मुझे, सक्ष्मण दास,

अ। अभ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 202, जो गोल्टर, 20, सेंट फान्सीस राड, बान्त्रा बम्बई-400050 में स्थित है (अंतर इससे उपाबद अनुसूची में अर पूर्ण रूप से वर्णित है), अंद जिलका करारनामा आधकर ध्रविनियम की धारा 269 क ख के ब्रखीन, सक्षम प्राधियारी के वार्यालय, बम्बई में श्रीनस्ट्री है, तारीख 3 नवम्बर, 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल क लिए अन्तिरत की गद्द हैं म्भे यह विश्वास करने का कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अपार अतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के

बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्वय से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित

नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्ब अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिकिन व्यक्तियों, क्यांति:---

(1) सुहेन वनस्ट्रभगन्त ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विषेटे लीता डिमेली ।

(भन्तरिवीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्रागाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पाक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त शिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, गेल्टर, 20, सेन्ट, फान्सी र रोड, बान्बा बम्बई-400050 में स्थित है। अनुसूची जैरा कि क० सं० अई-2/37-ई ई/14179/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांश 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्वसमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ध

तारीख: 10-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 10 जुलाई 1985

निर्वेश सं॰ मई-2/37-ई ई/14178/84-85 -यत:, मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परणास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, शेल्टर, 20, सेन्ट फान्सीस रोड, बान्बा है तथा जो बम्बई-400050 में स्थित है (और इमसे उपाबई अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), और जिमना करारनामा आयदन अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 8 नवम्बन, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूल्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्द ही और मुक्ते यह विद्यास रनेका कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से उधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित मही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अवसरण भें, में. उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) हे अधीर निम्निसिम व्यक्तियों, अर्थात :—- (1) सुहेल कंस्ट्रक्शन्स ।

(%न्तरवः)

(2) श्री रं। चर्ड इवारीस्टल डिमेलो।

(मन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोरत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पत्नैट नं० 201, जो पहनीं मंजिल, मोल्टर, 20, सेन्ट फान्सी: रोड, बान्बा सम्बद्ध-400050 में रियत है।

अनुसूची जै 7 िक० सं०४ ई-2/37 -ई ई/14178/84-85 और जो 'क्षम प्रावि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 की 'रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर द्यायुक्स (निरोक्षण) भ्रजेन रेंज-2, **बम्बई**

नाराख : 10-7-1985

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्तण) प्रजीन रेंज-2, अम्बई

धम्बद्दे, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37रई ई/14804/84-85---प्रनः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिनकी मं॰ यूनिट नं॰ 301, से 305, प्लाट नं॰ सी-3, इ-अवा , त्रिलेज परीब एर तहसील, बान्द्रा-कुर्ली लिए रोड, बार्यई में स्थित हैं (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में बीणत हैं,) और जिमरा कारामा क्षायर किन्निम की धारा 269 के ख के ब्रधीन, सक्षम प्राधिनार के कार्यान्य, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीक 22 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सविधा के लिए;

अंतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 26०-ए के अनसरण कौ, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) ते अधीन, निम्निसिंद स्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. युनायटेड बिल्डर्स कारपोरेशन (इंडिया) प्रायंवेट ि.मिटेड (अन्तरः)
- 2 विडाया (इंडिया) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती्)

अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सुचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के जर्बन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक पै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जर्म-विश्वनियम के अध्याय 20-क सा परिभाष्टित ही, बड़ी अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिना गया है।

अनुसूची

"यूनिय नं 301 से 305 जो तीनरो मंजिन, प्लाट नं क्सी-3, इ-क्लाव, एस० नं 4, सी० एर० नं 8, दिले अपरीधकार तहसील, बान्द्रा-नुर्ली लिए रोड, धरबई में स्थित है।

अनुसूची जै ग िक्त० सं० अई-2/37-ई ई-/14804/84-85 और जो स्मन प्राधिकारी, यस्बई द्वारादिनी है 22-11-1984 को रजिस्टर्ड दिया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

प्रक्य भाइं.दी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत बरकाइ

कार्यालय, महायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्वेश सं० प्रई-2/37-ई 5/14647/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

घौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, स्कायलार्क घ्रपार्टमेंट, घ्रॉफ़ च्युम यूनियन पार्क, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध प्रनुसूची) में ग्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), घौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 के ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17 नवस्वर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई और मूफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ते सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्क्ष प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उच्क कृत्यरण निम्बल में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुदूँ किसी आय की बाबस, जबस विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा क लिए: और/बा
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जता अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे अधीर निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात ॥—— 37 216 GI/85 1. श्रो ए० सेथुमाधवन।

(अन्तरक)

2. श्री नसीम एन० लखानी, श्री शिराज एन० लखानी श्रीर श्रोमती श्रशाफ एन० लखानी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सुम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्य किसी अन्य व्यक्ति व्याय, अभोइस्साक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्परकीक रण:—हममें प्रयुक्त शस्तों और पवी का, जो उनत अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

arrell .

फ्लैट नं 12, जो स्कायलार्क भ्रपार्टमेंट, भ्रॉफ़ च्युम, यूनियन पार्क, बान्द्रा, अम्बई-400050 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं श्रई-2/37-ई ई/14647/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-7-1985

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

श्वासंस्य , महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जलाई 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37-ई ई/15001/84-85—यतः, मु**से**,

दाम,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िश्वसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 160-स के बर्गन मध्यम प्राधिनारों का तह फिल्मास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं णोप नं 4, न्यू कमल कुन्ज को श्राप हाउसिंग सोतायटो लिमिटेड, तैतीसवां रास्ता, टी पी एस 3, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित हैं (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रमुभूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय र श्रिवियम की बारा 269 कुख के श्रिकीन, सक्षम प्राधि तारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 27 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्ण, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित मे त्राम्नविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा केलिए; आर्र/या
- (ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य शिस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से निय;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण मं, जैं. अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री तुलसी । सः नर्रियदासः ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुस्ताक्युम यूसुफ, नक्कीर युसुफ वहाब भ्रीर माशिम युसुफ वहाब,

(अन्तरितो)

3. ग्रन्तरिती वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है

की यह स्थान धारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में की है भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीं।

स्थलीक एक: -- इसमें प्रयुक्त वाक्टों और पदों का, को उक्त कीथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन्सुची

णॉप नं० 4, जो न्य् कमल कुन्ज को० घ्राप० हाउसिंग सोसायटा लिमिटेड, तैर्तासवां रास्ता, टी० पी० एस-3, बान्द्रा, बम्बई-400050 स्थित है।

अनुसूचं: जैसाहिक० सं० प्रई-2/37-ईई/15001/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्दाक्षण) भ्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🗈

प्रकार बाहें. थी. एन. एव. ----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

बारत करकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37-ई ई/15000/84-85—यतः भृक्षे, लक्ष्मण द/स,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/~ रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, समर क्विन, प्लाट नं० 91, पंधरावा रास्ता, टी० पी० एस०-3, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), ग्रीर जिसका अरास्तामा श्रिधिनियम, को धारा 269 ज ख के ग्रधीन सक्षम प्राधि जरी के कार्यालय, बम्बई में एिस्ट है, तार्र ए 27 नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 '1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या न-कप अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की खिए;

बत: क्षव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की द्रपथारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात क्ष- श्रापेट् ः ग्रदेसीय गिल्डर ।

(भ्रन्तर ह)

2. मैसर्स कजुरिया एक्सपोर्टस लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रधि भोग में सम्पति है।)

का यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त सम्प्रतित के वर्चन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी कार्क्य हु--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या सत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवाया;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित स्वित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्व गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 10, जो समर क्योन, प्लाट नं० 91, पंधरावा रास्ता, टो०पी० एए० 3, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा फि ऋ० मं० ग्राई-2/37-ई ई/15000/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधि । रिं, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बस्बई

तारीख : 4-7-1985

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० भाई-2/37-ई ई/14241/84-85---यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

अगुरुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकें। सं भाप नं० 2, शिव-श्रस्थान (खार) को० श्राप० हार्कीनग बोनायटे। लिमिटेड, मोलावा स्ता, बान्द्रा है, तथा जो बम्बई-400050 में स्थित हैं (श्रांर इसमें उपाबढ़ अनुसुर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिस हा करारनामा श्रायार प्रधितियम की धारा 269 के ख के श्रधान, सक्षम प्रधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजर्ट्र। है तारी ख 9 नवम्बर, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उज्जित बाजार मूला से कम के इर्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित का उज्जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- श्री रामजं विरजी माला

(मन्तरक)

2. श्री विनोध देवशी शाह

(मन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

अनुसूची

"प्राप नं ए जो शिव-प्रस्थान (खार) को श्राप हार्कसिंग सोतायटो ्रिमिटेड, मोलास राम्ना, बादा, बम्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा ि कि सं० अई-2/37-ई ई/14242/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारो, बुम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालण्।, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
अम्बई, दिनाव, 4 जलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37 **६६**०/14514/84-85-—ग्रत: मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तं० 183, समल पुष्प को० श्राप० हार्जीयम सोनायटी, कृष्ण चंद्र मार्ग, बान्द्रा रेक्लेमेशन, बांद्रा पश्चिम, बम्बई 400050।

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ओर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्रथमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1' श्रीमतीं श्ररूना प्राश पाटील

(भ्रग्तरक)

(2) श्रीमती किर्ती राजेश मिश्राम

(ग्रन्तियती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं।

अन्स्ची

"फ्लट न० 183, जो कमल पुष्प को० श्राप० हाउसिंग सोनायटीं, रुष्ण चद्र मार्ग, क्षान्द्रा रेक्लेमेशन, बान्द्रा पश्चिम, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैना ि कि कि सं० अई-2/37/ईई/14514/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारीं, बम्बई द्वारा विनांक 12-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख ' 4-7-1985 । मोहर :

इस्त बाहै ही एन एम.

भागकार कींपनियम, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-व (३) के संधीन सुचना

मार्च संस्कार

कार्यालय, सङ्घायक बायकर बाय्यल (निर्दोक्तम)

भ्रजीन रेंज-2, धम्बद्धी धम्बद्दी, दिनांक 9 जुलाई 1985

जिदिदें हैं सं० श्राईब2/37 ईई/14270/84ब8 ---श्रत मझ लक्ष्मण वासे,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 32, तींसरी मंजिल, टीं० पीं० एस० 111, 33 वा रोड, न्यू कमन कुज कोन्नापरेष्टिव हाउभिंग सोनाइटी लि०, बान्द्रा, (प), बम्बई-50 में स्थित है (और रभसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धार 269 के खे के अधींन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्रीं है, तारींख 9-11-1984

को पूर्वीकत कथित के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि अथापूर्वीकत कथ्यित का उचित बाजार मूल्य उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक से निश्वीक विद्या के दिन्त करने कि विद्या में बास्तीक का के किया नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए अपस्ता
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा अन्य अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया आया वाहिए वा, जिनाने के सुविधा के तिए;

अतः अवः, उक्त जीधनियम, की भारा 269-त के जनुसरक कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभाषा (1) के अभीन, किम्निलिस व्यक्तियों, तथित्:—

- (1) शैरः श्रब्दुल मूमा
- (2) श्रीमती इखमाल जहां श्रवीय श्रली, श्रो सैयव श्रवीय श्रलीं नूरालीं।

(मन्तरितीं)

(3) प्रन्तरितो

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

का यह मुचना भारी कारक प्रांचित संपत्ति को अर्जन को निष् कार्यवाहिया करता हुं।

क्का क्लिरित से अर्थन से सम्बन्ध में सोई भी शाक्यें। --

- (क) इस स्वता के रावपन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अवध्या तत्यवधी कावितयों पर ब्या की तामीस से 30 दिन की जवित को भी ब्युटिय नाव में स्वान्त होती हो, के नीतर पृथानिय व्यक्तियों में से किसी स्वतित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपरित में हितनक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दी और पर्दों का, जा उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका क्या है।

वन्स्ची

पलैंट न० 32, जो तींसरी मजिल, टीं० पीं० एस० III, 33वा रोड, न्यू कमल कुज कोआपरेटिच हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट न० 417 ए, बान्द्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है।

श्रनुसूर्ची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37 ईई/14270/84-80 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड विया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिव**ारीं** सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख * 9-7-1985। मोहर *

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जलाई 1985

निर्वेश सं० भ्रह-2/37 ईई/14542/84-85----श्रतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हुं

श्रीर जिपकीं सं० फ्लैंट तं० 7, कान्तीं श्रापर्टमेंट्स, मोंट मेरी रोड, बान्त्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण स्प्र से वर्णित है), और जिपका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधि:ारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कमालुदीन एम० दाउदीनी

(प्रन्तरक)

(2) श्रीं राम मोहत राय

(श्रन्तरितीं)

(3) अन्तरक

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मम्स्ची

पलैट नं० 2, ओ कान्तीं भ्रापर्टमेंट्स, मोंट मेरीं रोड; बान्द्रा, कम्बई-50 में स्थित है।

श्रनसूचीं जैसा िः क० सं० श्राई-2/37 ईई/14542/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 15-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनगरी महायक ग्रायकर ग्रासुक्त, निरीक्षण), ग्रजन रोंज-2, कम्ब**६**

तारीख 4-7-1985 । फोइर प्रकृप आर्ह टी. एन. एस ----

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय,, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-7/37 ईई/14743/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक २६थात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्थानर सम्पत्ति, जिसका तिचन बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 511, मीट मेरी श्रणार्टमेंन्टन, डा० पीटर डायर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिपका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन नक्षम प्राधि गरी के गार्यान्य, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 1911-1984

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रौतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास परन का कारण है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार प्रमान कारण है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार प्रमान कारण है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार प्रमान कारण है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार प्रमान कारण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्स निस्तिलित उप्र डे उक्त अस्तरण निस्ति में बास्तिक में अधिन नहीं किश्ना गया है है—

- (क) बंधरण सं हुई कि बी बाब की बाबक, उक्त जीवनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या सससे अचने में सुविधा की निष्ट; खरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य बास्तिया कां, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिकार किसी पार (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क भ्राचीन निक्तिनिविद्य अधिकारों अधिक १० (1) श्रीमती श्रल्मास सलींम जूडा, श्री सलींम एस्सा जूडा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मदग्रलीं नान्जी पडानिया।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(बह न्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्थाना जारी करके पृथिक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्मति के कर्मन के सर्वेश में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वम्ध्यी

फ्लैंट नं० 511, जो मोंट मेरी श्रपार्टमेंन्डस, डा०पीटर डायर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जमा कि कि सि श्राध-2/37 ईहै/14743/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत, (निर्दाक्षण), श्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख ' 4ब7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अंबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देण सं० अई-2/37 ईई/22902/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर जिपितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विक्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जियका उचित प्राजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 4, आठवी संजिल, मनीश सीकाफ्ट, फर्ली माला रोड, बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, खके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3बा 1बा 984

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाबार मृल्य से कम के क्षणमान पूरितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वस्मान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संह्रुं किसी आयं की बाबता, उकता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य ब्रास्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया निया चाहिए था, छिपारे से सविधा के लिए;

बतः बयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, त्रवत अधिनियभ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्ष्मिं प्रतिनिधन व्यक्तिको, बधित :----38 216GI|85 (1) श्री रामचद निरूमाल ग्वालानी।

ग्रन्तर f)

(2) श्री याकूबअली बस्छा, श्री अहमदअली बस्छा, श्रीमती फातीमा अली वस्छा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्स मर्क्यान्त के प्रर्जन के सि कार्यवाहिमां करता हूं।

उन्तर सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं पकाशन की तारी से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी /बिध बाद में समाज्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ज्यांत्र द्वारा.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जबन स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशरा अधातस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारी।

ज्यासीकरणः — इसमें प्रयुक्त जन्मों और पर्यो का जा उनसे सिंगियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होगा को उस प्रध्याय में किया स्वाहित

अन्स्यो

फ्लैंट नं ० 4, जो आठवी पाजिल, सनीय सीकाफ्ट, शर्ली माला भोड, लान्द्रा तस्तर्ट 50 में स्थिम हैं।

अनुसूची जैमा कि ऋ० मं० अई-2/37 ईई/22002/ 84ब85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ाक्षम प्राजि ा**री** सहायक भायकर नासुबन (तिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, ब**म्बई**

तारीखा: 4-7-1985।

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन तृष्मा भारत सरकार

कार्यसम, सहायक भागकर भागुक्त (जिन्हीकण) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिना रु ४ जुलाई 1985

निर्देश सं श्र मई-2/37ईई/14976/84-85—मतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 29, कमल कुज, 33वा श्रीर 15 वा रोड के जंकशन मे, आन्द्रा, बस्बई में स्थित हैं (रोड इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 26-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह निक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल म, एन्य दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, मिल्लिबिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में तृतिभा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरकः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सगीता नारायण मदनानू

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऋस्तियन शैक

(अन्तरिती)

(3) न्यू कमल कुज कोआपरेटिव हार्जीसग सोसाइटी लि०।

> (व व्यक्ति., जिसके बार में अभोहस्ताभरी जानता है कि वह सम्परित में हितबर्भ हैं)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त सर्वत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

क्यत संपत्ति को वर्धन को संबंध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वकाबिक्नः — इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गीधीनवम्, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप न० 29, जो कमल कुज, 33 व ग्रीर 15वा रोड के जक्कल में बान्द्रा, बम्बई 4000 50 में स्थित है। अनुमूची जैमा कि कल्सल अईब2/37 ईई/14976/ 4-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 26-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहयक आयकर ग्रायुदत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

सारीख: 4-7-1985

बोहर :

प्ररूप बार्च टी.एन एवं - -----

आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

\$135 SE45

सार्पासयः, सहायक आयकर आ<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985

निदेश मं० अई-2/37ईई-1478684-85— प्रत: मुत्ते, लक्षमण दास,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी स फ्लंट न० 10, पहली मजिल, विनय सदन सी० एत० एत० एत० एत० 61-ा, सेट जान बाष्टिस्टा रोष्ठ बान्द्रा, बम्बई -400050 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 20-11.1981

कां पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास अकरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत म अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की अधित, उत्तर आधि-निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दरियक्ष में कमी करने या उसमे बचने में सृतिधा के लिए, आडि/वा
- (क्र) एंसी किसी आप या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर आ नियम 1922 (1922 का 11) या उसल आ विषयम, या धनकर अधिनियस, 1957 े गा 2// के प्रयोजनार्थ अतिरिती व्यारा अन्तर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए,

शतः वन, उक्त वीधनियम की धारा 269 ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपवारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें अथीत् .—

- (1) भीमती गैरभानुबाय, आलीभाय दरादिया। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पर्वीन अन्बास रिजवी। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यष्ट्र सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रुक करता हुं।

सकत संपत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 विन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की अविधि, जो भी वक्षि वाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पाधिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सुधी

फ्लैंट न० 10, जो उड़ी मिजित बिना सदन मी० एन० एन० एक, 61 ए. मेंट र बाल्डिस्टा ोड, बल्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैना कि का० ७० अई $2/37 = \frac{55}{14.580}/84.85$ स्रोर जो सजस प्राधित री, वश्वर्र द्वारा दिना ह 20-11-1984 को रजीस्टर्ट किया गया है।

लक्षाम दास सन्तन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निराक्षम) अर्जन रेज-५ वस्त्रई

तारीख: 477-1985

बोहर उ

प्रकृप भाष् . टी. **एन**ु **एव**ु-----

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (ा के अधीन स्चनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश स० अई-2/37/ईई/14874/84-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास.

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विक्यान कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोरिजिनकी पं० पर्नेट ां० 204, दूनरी मंजिल, बिल्डिंग डायागो श्रीर बी०, बिल्डिंगेली पाजन, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इक्षा उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पास बिणित है), श्रीरिजिलिंग स्पारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 दे, खे के जबीत पद्मम शिविकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्टी है, पारीब 23-11-1984

को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल को लिं अन्तिरित हो गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि अधार्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिपल म, एसे रूथमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीनिक उदहाय से उक्त सन्तरण जिवित में शास्तिक रूप से किया गया है:---

्रांत श्री आयं की बावत, उपक राजिनाम के जोकीय कार शीने की बन्तरक की रोज वी कारतें का उसकी वस्तें के बृद्धिया के लिए; और/बा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की। जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 'न कर अधिनियम, या 'न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाम अन्यिंगती स्वारा प्राप्त नहीं किया गया के, - एक के जाना काँक्षित का छिपाने के सृतिधा के लिख,

अतः अबः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उत्तर अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं नर्स अभिस कस्ट्रक शन्य

(अन्तरक)

(2) श्री हासू टी० गंगवानी

(अन्दरिती)

(3) अन्तरिती

वह व्यक्ति, जिपके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितव**ड है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

डामत संपत्ति के बर्जन क सबध मां काइ भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अक्तियाँ में किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए का सकर्गे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, को सक्त अधिनियम के अध्याप 20-फ या परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनमन्त्री

फ्लैंट नं० 204, जो त्मरी मंजिल, बिल्डिंग डायागी-बी, मी०टी० एस० नं० 1280, 1461, 1247, 1463, विलेज भैली राजम, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० म० अई-2/37 ऐई/14874/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयल्पर प्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रंज-2, बस्बई

नार्खाः ४-7-1985

ब्रक्स बार्च, टी एन एस.------

न्यकर नाभनिवम, 196। (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई 2/37 ईई/11960/84-85—-प्रत, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर विभागियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का काक्षम है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उधित बाकार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० फ्लैंट न० 11, मन्देश इमारत, मोनु को०आप० हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 203-ए
बान्द्रा, बंबई-400050 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 26-11-1984

की पूर्वीयत सम्पर्शत के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान लिए बन्तरित की 115. कारण मुभ्ते विश्वास करने का पूर्वोक्त शम्पति का उचित बाजार मुस्य, उसके वश्यकान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिकल के पन्द्रहप्रतिशत संअधिक है और **थन्तरक । अ**न्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के **बीच ए**से बन्तरण के लिए तयु पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योध्य से उक्त अभारण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ≝ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/सा
- (थ) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों अपरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जे सुविधा को प्राप्तः

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती विद्यावती हन्छ। ग्रौर श्री शिवचरनदास हन्डा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा कैलाश तिवारी

(ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इग सूचरा के राजमक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रक्षों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पता है।

नन्स्नी

फ्लैंट नं० 11, जो सन्देश इमारत सोनू को०-आप० हार्न्सिग सेसायटी लिमिटेड, प्लोट न० 203-ए, बान्द्रा, बंम्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं० अई-2/37ईई/14960/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रजीस्टर्ड कियागयाहै।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

तारीखाः 4-7-1985

माहर 🛭

प्ररूप आहर्. टी. एन, एस्,,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्का (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बर्फ दिनांक 4 जुल।ई 1985 निवंश सं० आई०-2/37 ईई०14014, 84-85—अतः मुझे लक्ष्मण द।स

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, जो न्यू राशमा कोआपरेटिक हाउसिंग सोमाइटी लि।मटेड, 11 हमना बाद सांताकुस (प०) बम्बई — 400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मंबर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा और गिलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हिं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्रीमती असमा गुलाम हुसैन रंगवाला। अन्तरक)
- (2) श्री अब्बास अली तःहीर अली उस्ताद श्रोमती साकिना अब्बास अली उस्ताद । श्रन्तरिती)
- (3) वह ब्लिक्त जिसके सिधभोग में सम्पति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीशर पूर्वीक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमे प्रयायत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वभ्सकी

फ्लैट नंब 305, जो न्य र.णमा को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि मेटेड, 11 हमना बाद लेन, प्लाट गंब 180 सांताऋस (प) बम्बई-54 में।स्थन है।

अनुमूची जैसा कि कम स० अई०-2,37 ईई० 14014, 84-85 र्श्वर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1 नवम्बर, 1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर काबुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 4 जुलाई 1985

निवेश स० अई०-2/37 ईई०/14205/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

बावकर श्रीपनिथम, 1961 (1961 का 43) (विवं ध्वाने इवके वश्यात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्वीत्त, जिसका उचित वाचार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 3 गीत भिलन को आपरेटिव हैं हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, चौथा रोड, सात कुस, बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन तारीख 7 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बूस वे कम के जनवान बतिफल को लिए बंतरित को गई है बार मुफे यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार कन्य बतके क्रवजान प्रतिफल से, एसं क्रवजान प्रतिफल का बन्द्र बतिबत से बिथक है और अन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं बन्तरण से लिए तक बाबा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कथ म कथित नहीं किया बबा है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्रीभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक स्र **शीयत्व में कमी** करने या उत्तर त्रवने में सुविधा के सिए; सार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नारिकारों की जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए।

बतः अक, उसत अधिनियम का भारा 269-ग के अनुसरम भी, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमर्ता निर्मल जे० बफाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्या एम० भाजक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जन्मत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी अयिक्तयों पर सूचना की तामौल में 30 दिन की वविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास किसी अन्य का किए या सकोंने।

क्षाच्यांकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाही।

नगरा भी

फ्लैंट नं० 3, जो गीता मिलन को आपरेटिव हाउमिग सोसाइटी लिमिटेंड, चौथा रोड, साताऋष (पूर्ण) बम्बई-55 स्थित है।

अनुसूची जैसः कि कम सं० अई०-2/37 ईई०,14205, 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7 नवम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 4-7-1985

मोहरः

प्रकप नार्ष: टी. प्र. प्रवासन्तरमञ्ज्ञ

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीप सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/14151/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकण अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' अस्तु गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार स्ट्या 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, नीसरी मंजिल, बिल्डिंग 6-ए, जुह सगीन। अपार्ट मेंटस कोआपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड जुहु रोड, सांताकुम (प) बम्बई-49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसक। करारनामा अत्यक्षर अधिनयम 1961 की धारा 269 क छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजिस्ट्रो है तारीख 3 नवस्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्मिति के उणित बाजार मूक्य से कम के ध्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते वह विश्वास करने की कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उणित बाजार बूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकात स श्रांधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिका का निम्नितिका संबद्धिय से उच्या अंतरण कि बिता में बास्तिकक क्या म क्षिण नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ स हुइ किसी आय की शावत, उक्त जिलिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उसते वचने में बुविधा . 1.11 मीर 41
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तिवां को, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के किए;

सतः अव. उस्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, वर्धातः :----

- (1) श्रीमती लुब्नः ए० अजीज मर्चेट । (अन्सरक)
- (2) श्रीमती अस्मा गुलामहुसैन नगवाला। (ग्रन्तः एती)

को वह तुचना चारी करके प्वॉक्ट सम्परित के वर्षन के तिए कार्यवाहिया करता हुं।

वक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इत् सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध् वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की स्वधि, को भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक स्थानितयों में से किसी स्थानित स्वायः;
- (व) इत स्वना के श्वपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के प्राप्त सिवित में किए या सकेंगे।

स्वाचीकरण:----इसमें प्रयुक्त कन्धों और पदों का, का उपत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ मोगा को उस अध्याय में दिवा वक्षा है।

अनुसूची

पलैट नं 16, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग 6-v, जुहू संगीतः अपार्टमेंटस कोअ।परेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि॰, जुहू रोड प्लाट नं॰ 71/v-2 सांताकुस (प) बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/14151/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनाक 3 नवम्बर 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीखा : 4-7-1985

माहर :

at_27____

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के अभीन सूचना

मारक बरकार

कार्यातय, तहायक नायकर नायुक्त (विद्रोधक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अम्बई दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेण मं० अई- 2/37 ईई ०/14175/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दाम,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं फ्लैट नं ० 4ए आउट हाउस, प्रेसाना संदिर कोआपरे टेब हाउसिंग सोसाइटी लिामटेड, 44 स्वामी विवेकानन्द रोड, काल्टेक्स पेट्रोल एम्प के सामने सांताकृस (प) बम्बई--54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्रााधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है मारीख 3 नवस्वर 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके रक्ष्यमान प्रतिफल से एगें रक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की नावत, उन्त बिधिनियम के बधीन कर इत ६ अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; बौर/का
- (स्त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविश्वा के बिद्धा

अतः अस, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् :—
39—216GI/85

(1) श्री चंद्रकांत धीरत लास वेरे ।

(ग्रन्नरक)

(2) श्री अर्जुन अपर नेपाल में। श्री मोहन बीठ प्रस्वना, श्री अणोक पीठ गोपप्तानी ।

(श्रन्तिरती)

को वह स्वना बारी करके प्रवॉक्स सम्पन्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

बच्छ सम्बद्धि के वर्षन के सध्यक्त हैं कोई भी बाध्ये :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के शाला के राज्य के राज्य का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्त गर्मात्त में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति वाला के शाहस्ताक्षण के शास सिसित में किए जा सकेंगा।

स्मर्व्हीकरण:----इसमा प्रयक्त पान्य गिर द्वा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्म्ची

पलैट नं० 4-ए, जो अ उट प्रेमाना मन्दिर कोआपरेटिय हाउसिंग सोमाइटी लि० 41 राजभी विवेकानन्द रोड, काल्टेक्स पेट्रोल पम्प के मामने गान कुम (प) बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम म० पर्दे ०-2/37 ईई ०/14175/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्रांधार्थ बस्तई हार दिनांक 3 नवस्वर 1984 को र जस्टक क्या गय है।

> लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रायालिय, सहायक आवकर आव्यक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/14401/84-84--**म**तः

मुझे, लक्ष्मण दास

श्रीयकर लिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बश्चात 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति जिसका जुचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जसकी सं० फ्लैट नं० 103, नाडिया ग्रपार्टमेंटस 11वां डि, सांताकुज (पू), बम्बई-55 में स्थित है (भीर इससं उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 9 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अतिरित्त की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार भ्रय, उसक दूरमान प्रतिफल से, एमें दूरयमान प्रतिफल का बेह्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि विद्वासित उब्दिश्य से उबत अन्तरण निक्ति में वास्तविक क्ष्म से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अलग्ण में हुई किसी आयं की बाबस, उक्स र्जार्थीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मा कभी करने या उससे बचने मो स्विभा के लिए; अलग्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ असिरियी व्वारा प्रकट नहीं किया गण पा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विशा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण माँ, माँ, नक्त अधिनियम भी धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निक्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं o लिबर्टी इनमेंट्स (प्रा०) लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सैय्यद मली सिबताइन नाखनी। (म्रन्तरिती)

का यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त क्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

फ्लैट नं । 103, जो नाडिया ग्रपार्टमेटम 11वा रोड, टी॰ पी॰ एस॰ सानाऋज (पू), बम्बई-400055 में स्थित

श्रनुसूची जैमा कि क्रम स० यई०-2/37 ईई०/14401/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9 नवम्बर, 1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🛚

प्रक्ष काई. टी. एन. एव. ----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यांत्तय, स**क्षायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

स्रर्जन रज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985

निदेश स० श्रर्ह0-2/37 ईई0/14400/84-85— मत: मुझे, लक्ष्मण, दाम

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पलैट न० 201, नाष्ट्रिया श्रपार्टमेटस 11वा रोड, साताकुं (पू), बम्बई – 55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण कर भूमें विणित हैं),श्रार जिसक करारनामा प्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 9 नवम्बर, 1984

को पूर्वावत संशास्ति के उचित बाजार मूल्य से कंस के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक रक्षमान प्रतिफल का एस रक्ष्मणन प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण मं हुए किसी आय की प्राथत उपत अधिनियम के अधीन कार वार्न के अन्तरक के बायित्य में कभी अपने या उससे अधन मा स्विधा के सिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य उपिनदों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, फिराज में ब्रिया के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 26% व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26% व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :- --

- (1) लिबर्टी इन्वेस्टमेटस (प्रा०) लिमिटेश । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वाजिदा जोफानी। (ग्रन्तरिती)

न्त्री सङ् श्रुपना भारी करके शृनामित सम्मृतित के वर्षन के शिक्ष कार्यनाहियां करता हूं।

क्या क्रम्पुरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तार्रीय वें 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की दामीस से 30 दिन की अवाधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भंतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरणः----इसमें प्रयुक्त धब्दों और पथा का, जा उज्ख विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, तहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। श्या है।

प्रशुवी

प्लैट न० 201, जो नाडिया श्रपाटंमटस, 11वा राइ, टी० पी० एस० साताऋज (पू), बम्बई-400056 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि क्रम स० श्रई०-2/37 ईई०/14400/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9 नवम्बर, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लश्मण दास सक्षम प्राधिकारः सहायक क्रायकर क्रापुक्त (निरीक्षण) क्षत्रंन रेज-2, बज्बई

तारीख 4--7-1085 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 259 ম (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रिजेन रज- 2, बम्बर्ड बम्नर्ड, दिनाय \rightarrow नृलाई 1985 निर्देश स० % ξ -2/., ईर्द्/14143/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयक र ऑधीन में भिष्ठ । 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्ना कर कि भारा 269- से के लिएन सकर का कारण ही कि स्थाय र स्थित जिसका उपित नावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीरका जित्र की १०विट तर्रु 3, एफ विग, जुहु अपार्टमेट्स जुहु रोड, का १०विरेटन हाउसिंग सोसाउटी लिमिटेड, जुहूराड, साता एक निक्त, रास्व. —40005 4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची न और पूर्ण रूप ने विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधीन्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राय्वकारी, क कार्यालय, बस्थई में रिजिस्ट्री है तारीख 3 नवस्वय, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए लिए लिए एक जे और मुक्ते यह निष्कास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति का उचित साजार सूच्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल स, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत स नार के नार कतरक (अतरकां) और अतरिती (अन्तरितिया) के किए एसे कलिए ते पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य स उचत अन्तरण निश्चित को नाम्सलिक एए न का कर्तरण किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हाई किसी आय की शायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिण म १८५ करन या उससे श्वन में सूविधा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भग या जन्म आस्तिकों किया । १८ कर अधिनियम, 1922 । १९४५ १९४४

अतः अत्रः जिक्तं र्याणिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मो, मी, उक्त अणिनियम की धारा 269-न की जपधारा (1) के अधीन, जिल्लिमिन व्यक्तियों, अर्थ्यत् :--- (1) श्री शेख हरून बशीर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुन्घीत कौर हरभजन सिंह चन्दोक । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यक्ति सम्पन्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध में काई भी आक्षप .--

- (क) इस स्चना क राजण्य म प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अर्जीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अन्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् निचित में किए का सकींग।

स्पष्टाकरण;—-इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वाका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, कही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 3, जो एफ बिग जुहु धपार्टमंटस, जुहू रोड को श्रापरेटिव हार्जासग सोसाइटी लिसिटब, जुहू रोड, साताश्रुज पश्चिम, बम्बई-400054 से स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्रर्य50-2/37 ईई50/14143/84-85 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 3 नवम्बर, 1984 का रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सरायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख · 4-7-1985 मोहर :

प्रक्रम आहाँ टी. एन. एस. -----

शावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ए (1) के स्थीन स्थना

ब्राह्म प्रस्कर

मार्वाज्ञकः, तहाकक वायकार वायकाः (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, अम्बर्ट

बम्बर्ड, दिनांक 4 ाई 1984 निदेश सं० ग्रर्ड०-2/37 ईंड०/14901/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/~ रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7. पहली संजिल 4थी स्कन्ध जुहू संगीता श्रपार्टमेंटस, जुहू रोड, सांताऋज (प), बम्बई-54 है (श्रीर इसमे उपावढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कर्य के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रिजिस्ट्री है 24 नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचि ! वाजार मून्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और भुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यक पृत्वोंक्त संपक्ति का उचित बाबार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिकार सं एसे दृश्यमान प्रतिकास का वंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्नसिविस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविस में वाम्यविक कप म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे गमने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन था अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्तिस स्यक्तियों, अधीस :---

- (1) श्रीमती खतीजा भ्रब्दुल कावर भवनगरवाला (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री जसबीर सिंह श्रमरीक सिंह श्रानन्द। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के कि कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्तक्षरी के पास
 सिचित में किए जा सकी।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट मं० 7 जो पहली मंजिल, 4थी स्कन्ध, जुहू संगीता भ्रण्यर्टेमेंट्स, जुहू रोड, सांताऋज (प), बम्बई— 400054 में स्थित है।

श्चनुसूको जैसा कि कम सं० श्रर्द०-2/37 ईर्दः/14901/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा देनांक 24 11-84 दो रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 4-7-1985 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, ब्रम्बई बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985 निर्देश स० श्रई-2/37-ईई/14423/84-85---यत., मुझे, लक्ष्मण दार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी स० फ्लैंट न २ 606 जो जमुना महल, प्रभात कालोनी, प्लाट न ० 73 साताकूल (प), बम्बई – 400054 में स्थित हैं (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची से ब्राट पूर्ण रूप से बर्णित हैं), ब्रांग जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, की धारा 269 कव के अधीत पक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है, तारोख 12-11-84

को पूबोक्त सम्परित के उणित बाजार मूस्य से कम के स्पर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सपित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ंस) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कोलिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्धन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राजीव रनछोडदाम गांधी ।

(अन्तरक)

(2) जमनाताग एन ० चौकमी एण्ड एसोसिण्ट्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.म. सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध कि कि के कि के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध कि पास सिवित मो किय जा सकनि।

समान की

पलैंट न० 606, जा अनुना नहल, प्रभात कालोनी, लाटन० 73, साताक्रुज (प), बम्बई—400054 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि क्र० स० श्रई—2/37 ईई/14423/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 12 नवम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम ग्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2, बम्बई

तारीखा : 1-7-1985

शक्षण बाह्यं टी एन एस - -

कायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तर्काड

कार्यास्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रर्ह-2/37—ईर्ह/14714/84-85—-यत , मुक्षे, लक्ष्मण दास,

शायकर आधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इरफे परकार् उक्त अधिनियम कहा गया हो।, का भारा 269 स के अधीन सक्षय प्राधिकार्य हा, यह 'पद्याप कारत का कारण स कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लैट नं० 404, जो चौथी मिजिल, बिल्डिंग नं० 1, सर्वे नं० 41 (पार्ट), वितेज क्रोशिकारा, बेहराम बाग के पीछे, जोपेश्वरी (प), बम्बई—400058 में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बिल्ति हैं), स्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितसम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17~11—1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का श्रंक प्रतिकार में विधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषित भें बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) बन्तरण स इ.इ. किसी आप की वाबत, सक्ष्य अधिनियम के अभीन कर दने के जन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बभने में सुविधा के लिए, अप्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिस्ति ववारा प्रकट नहीं किया गया था आ

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) मैंक झियाउद्दाल बाबारा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रम्मानी माहस्मद इस्मैत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के खि। कार्यवाहिया शरा करना हा।

सकत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीए भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थन, को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, कही अर्थ होना को उस प्रध्याय में लिया विश्व ही।

भ्रन्यूची

फ्लैट नं० 404, जो चौथी मजिल, बिल्डिंग न० 1, सर्वे 41 (पार्ट), बिलेज ब्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बस्पई--400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कम स० श्रई-2/37 ईई/14714/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनाँक 17-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाग ाक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 10-7-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर भिश्विसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्राई०-2/37--ईई/14769/84-85--यत्तः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस न० 6, जो पहली मंजिल, श्री घालाजी दर्णन, तिलक रोड, सांताक्रज (प), बम्बई-54 म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्तर श्रिधिनियम को धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-11-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कब के क्रथमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूझे यह बिश्माम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिह; और/वा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन वा अप्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उसत जीधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को सधीन, निम्नीलीकत स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भगवती बिन्डर्स।

(अन्तरक)

(2) दीना नाथ डी० िवारी, रमामणी पी० निवारो, विश्वनाथ यादव चाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में बधा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा को उन अध्याय से विका गवा है।

अमृत्यी

भाफिस नं० 6, जो पहली मजिल, श्री बालाजी दर्बन, तिलक रोड, सांताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है। भ्रमुसूची जैसा कि कम स० श्रई-2-37 ईई/14069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 2-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधित्रारी सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण) श्रार्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 4-7-1985

प्रकृष नाइ. टी. एन. एव.------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

मारत ब्रकार

कार्याजय, सञ्चयक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनाऊ 5 जुलाई 1985

निदेण स० अई०→7/37 ईई/14801/84→85→→म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास:

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्ष्म प्रीधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर स्प्राति, जिसका उणित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंद जिपकी स० फ्नैट न० 12, जो पांचिकी मंजिल,, 15 वी रोड खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (और इ.से. उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसला करारनामा अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन लक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं नारीख 20~11-1884

का पर्याक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य म कम के इस्यकान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुझे वह विश्वत्य करने का कारण है कि स्थाप्कों क्स संपत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एते इस्यमान प्रतिफल सा वंद्र प्रतिकात से बीधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिकों) के बीध एसे अन्तरक से लिए तब पामा बना इतिफल, निम्मीनिचित उद्देश्य से उस्त बन्तरक निम्मीनिचत

- (क) कसरण ते हुई किसी नाम की बस्तक कथड़ अधिनियस के बभीन कर रोगे के अन्तरफ की दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा में किसा करेंगे वा
- ाव) एसी किमी आय मा किसी अन या अन्य अस्तियों है । अहा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, शा जन-कर अधिनियम, शा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया थो या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भूत तक उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण भी, भी तक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) अक्त भारतिकत व्यक्तियाँ, स्थावित क् (1) श्री किणिनचन्द्र मारूमाल भोजवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वामू प्रभुदास भतीजा ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त सञ्चरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां गृक करता हूं।

उक्त सम्मरित के कर्मन के क्रम्मम्भ में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इत तूथना के राजयन में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि वा तुरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की शामीय हे 30 दिन की बद्धि, वो भी अवधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (थ) इब स्थान के समयन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीचर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनब्ध किशी जन्म स्थानित ब्वास नथोहस्ताकारी के नास जिलात में किए या मकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुस्ची

पलैट नं० 12, जो पांचवी मंजिल, 12 वीं रोड खार, अम्बर्ध-52 में स्थित है

श्रानुसूची जैमा ि कम सं० श्राई-2/37 हीई/14801/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1984 को रजिस्टाई किया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाधक भ्रायक्ष श्रायक्षत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 5-7-198

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई-2/37/ईई 1,4882/84~85--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पड़कान 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ड के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित आजार मृत्य सं कम के इत्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त मन्मित का उपित बाजार मृक्य, असके इक्यमान प्रतिकत्त से, एरी दक्यमान प्रतिक्षास का पन्नह प्रतिकत से अधिक है औं अत्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, जिम्मिनिवत उद्योक से स्वत अन्तरण विविद्य में बास्त-

- (क) अन्तरण वे हुई फिटी बाव की बावत, बक्त वीधीनसम्बद्ध कथीन कर दोने के अन्तरक के बादित्य में कमी करने या उसमें बचने में मृजिधा के लिए; श्रीह्र/वा
- (ख) श्रोसी किसी आय या किसी धन ध। बन्ध जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट अक्को किया बना था या किया आमा चाबिए अ कियाने में भृषिका के किया

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिकित व्यक्तियों, कर्धात् ह— (1) श्रीमती शारवा आर० आनन्द

(अंतरक)

(2) मास्टर फरीद कामर श्री चमनलाल सेसोडिया

(अंतरिती)

(3) अंतरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्श सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हाकत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोब ध-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष् की वविष वा उत्सन्यत्वी व्यक्तिकों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविष, वो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी स्वनित द्वारा
- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर सक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अथोहस्ताक्षरी में वास िक्ति मो किए हा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

पसैट नं० 4, जो जमीन मंजिल, बान्द्रा पारडैस सी० एस० एच० एल०, तैतीसवाँ रोड, खार, बम्बई-52 में स्थिल है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ऋई-2/37ईई/14882/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दस्त -सर्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप बाईं. टी. एत. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं ग्रई-2,37ईई/14941/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से गांधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका प्लाटन सी० 39 सर्बेबन स्कीम न० 8 उन्नीमा राज खार बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्ट्री है तारीख 24-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एम क्रियमान प्रोतफल का पन्ति प्रतिकार का पन्ति प्रतिकार का प्रतिकार का पन्ति प्रतिकार का प्रतिक

- (क) मसरण संदूषं कियी बायकी बाबका, उक्त, मिश्रियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मंक्रमी करने या उबसे बचने में सुविधा के लिए; और/पर
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ अतिरित्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था खिमाने में स्विधा के निए,

अत: अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरन कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३(1) श्री नोशीर मनेकजी इलाविया

(अंतरक)

(2) श्रीमती निवेदीता आधंषया

(अतः ग्ती)

(3) श्रीमती मावित्री सोलोमन श्री आर० बी० एल० भरद्वाराज श्रीमती साजीबाई टिनवाला (बह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारा करकं प्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

बन्त राम्पस्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई में कार्योप

- (क) इस स्वना के त्राक्षण में प्रकाशन की तारांच स 45 विन की जविभ का उत्तरमन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताजीज के 30 दिन की सर्वीभ, जा भी सर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त स्यक्तियों में साध्यक्ति व्यक्ति प्राप्त,

स्पष्णिकरण: — इसमें प्रमुक्त सब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. है, वहीं अब हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्यूचा

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट न० सी० 39 सबर्बन न० 8 उभीमवा रास्ता खार बम्बई है

अनुसूची जैंसाकि कि० स० अई-2/37ईई/14941/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टड किया या है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीदाण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 10-7-1985 मा**हर**ः

प्रकृष नार्षे . टो . एवं . एवं . -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के वभीन सूचना

बारक ब्रुट्याड

कार्यालय, सहामक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 10 जुलाई 1985

निवेश स० ग्रई-2, 37ईई, 14900, 84-85---अत मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतवें इसकें परवात 'उनते विभिनियम' कहा नवा ही, की पाछ 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका दिवत वाचार वृत्व

1,00,000/- रा से अधिक हैं
श्रीर जिसकी स० गाँप न 10, बिल्डिंग बी, कारटर रोड, खार बम्बई 400052 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धार। 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्रों है तारीख 24-11-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम इरयमान गतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे उस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत मार्थी कन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया शितफल निम्निलिखत उव्वरंग से उक्त बंतरण लिखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरभ व हुई किंग्डी साथ की शावत, उनका अभिनियम के नभीन कार दोने के अन्तरफ के गावित्य में कामी कारणे का उनको नमने में सुविधा के । सए, जार/बः
- (क) ऐती किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा क िल्स,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स पेटसन कन्स्ट्रकशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीराबिजलानी ग्रीर अमर बिजलानी (श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वेक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड सूचना के रावपन में प्रकाशन की शारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अदिष नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण, ही.

अनुसूची

णॉप नं 0 10 अण्डरनीथ बेसमेट के माथ जो विस्डिग बी, एस० न० 308 एण्ड 423 विलेज डान्डा (खार) कारटर रोड बम्बई 400052 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्ष० सर्द-2,37ईई,14900,84-85 ऋौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा∤दनाक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बाई

सारीख: 10-7-1984

बस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

वम्बई दिनाक 4 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रई-2_| 37ईई_| 14746_| 84-85---अनः मुझे, १६मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० युनिटन० 1, जमीन मंजिल, हाई-टेक वड़ स्ट्यल सेंटर, माजम विलेज जागेण्यरी (पूर्व) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्जिस्ट्री है नारीख 19-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृन्य से कम के ब्रयमान प्रतिफ ब के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथप्रपूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृन्य, उसके इद्यमान प्रतिफ ल से ऐसे इद्यमान प्रतिफ ल के पस्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बात ये से वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्मितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नायुभाय अजमेरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दाल्पत ए० लोछा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींचं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्यक्षि किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधीहस्पाक्षरी के पास निवास में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्वो का, जो उक्सं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्पी

यूनिट नं 1, जो जमीन मंजिल हाई-टेक इंडस्ट्रियल सेंटर प्लाट नं 5 एस० नं 65 माजस विलेज जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० 1-2/37 होई/14746/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 अम्बर्ष

नारीख: 4-7-1985

मोहर 🗓

प्रारूप आई टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आग्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाक 10 ज्लाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/14139/84-85-यतः, मुक्को, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी स० फ्लैट न० 703 जो सातवी मांशल, बिल्डिंग न० 9, सर्वे न० 41 (पार्ट) विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग कं पीछे, जोगेंग्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और जन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया यमा प्रतिफल, निम्नसिवित उव्वदेश से उसत अन्तरण सिवितु वे अस्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-प्रियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सुदिया के निष्: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था कियाने के स्विधा के सिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियाँ, जथित र— (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री इशाख गफूर मोमिन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहया करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सभ्यत्भी व्यक्तिया पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यस जिसिस में किए वा सकरें

स्वध्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्वत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ क्षंपा का उस अध्याय में विद्या वसा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 703, जो सानवी मजिल, बिल्डिंग नं० 9, सर्वे न० 41, (पार्ट) बिलेज श्रोणिवारा, बेहराम बाग क पीछे, जोगेण्वरी (प). बम्बई-400058, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सिंह 2/37-ईई/14139/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बस्ब**ई**

तारीख 10-7-1985 मोहर : **प्रकृप लाह**े ही एस एस ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, अस्वई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37 -ईई/14127/84-85--यतः, मुझे, लक्ष्मण दाम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० परैट नं० 702, जो मालवा मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज ग्रोशियारा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिनका करारतामा ग्रायक प्रिविणप की धारा 269 क ख के श्रयीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, यस्बई में एजिस्ट्री है, नारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्तिकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्वेषयों से उक्त अन्तरण कि बिखत के वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) जनसरण संबुद्ध किसी आम की बावस, अवस अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के साबित्य का अभी करने या अगम अन्तरे में सविधा के लिए; करिंग्या
- (का तासा किसी अहम सा किसी धन या जन्य आस्तियाँ क जिन्हाँ भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त (1) श्री क्षियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाहमुल्ताना ग्रनवर बुषेवी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सच्यन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की नारी से 45 दिन की विविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किस जा सकींगे।

हमक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

फ्लैंटनं २०२, जो नातनीं मंजिल, बिल्डिंगनं ६, एस० नं ६४१ (पार्ट), विलेज श्रोशित्रारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगैंश्वरी (प), वस्बई-400058 में स्थित है।

म्रनुसूची जैमा कि कि० सं० म्रई-2/37-ईई/14127/84-85 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मग दान मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारी**ख** : 10-7-1985

मोहर 🌢

प्ररूप काइ .टी. एन. एस. ------

काधकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के जधीन सुवना

भारत बरकार

कार्यालय, अहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्र रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 जुलाई, 1985

निर्वेषः सं० ग्रई-2/37ईई/14128/84-85--म्रनः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० पलैंट नं० 704, सातवी मंजिल, बिस्डिंग नं० 5, सर्वे नं० 41, (पार्ट) विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बस्बई-400058, में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उसते अंतरण लिखित में वास्तिक कम से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरण सं हुवाँ किसी आयं की वावत उसत विध-नियम के बधीन कार दोने के बस्तरक के शायित्व में कामी करने या उनसे वचने में स्विधा के लिए, योर 'या
- (स) ऐसी किसी वाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निविध्यक्त, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विधिनयक, 1922 कर निधिनयक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः जब, उन्त बाँधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्द में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिकित जिल्लामां अधीत —— (1) श्री शियाउद्दीन ब्लारी ।

((म्रन्तरक)

(2) श्री शामीम मिरजा अली खुषेवी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में के वि भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिस की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किस्र जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैटनं० 704, जो सातवीं मंजिल, बिल्डिंगनं० 5, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रत्स्वी जैसा कि क० सं० भ्रई-2/37ईई/14128/84-85 भ्रौर जो सक्ष म प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्शक्षण) स्नर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

प्रकप बाइं.टी.एन.एत.-----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के बधीन सूचना

भारत श्ररकार

क्रवांतव, बहावक गावकर गायका (गिर्माक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 10 जुलाई 1985 निवेश सं० श्चई-2/37ईई/14925/84-85-श्चतः मुझे, लक्ष्मण दास

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके वर्षात् (जनत विधिनियम) कहा यया हैं), की धारा 269 के के स्थीत सभय प्राधिकारी को यह विध्वास करने का सारक हैं कि स्थावर बस्पीत, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 703, सातवी मंजिल, बिस्डिंग नं ० 16, सर्वे नं ० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 मे स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1984

का पृथांकत सम्मतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के जिए अन्तरित की गई और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्वापुर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार कृत्व, उसके क्रमजान प्रतिकत्त से एंचे क्रमजान प्रतिकत का पन्नद्व प्रतिचान से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंचे अन्तरण के सिए तब पत्ना गया प्रतिकत, निम्नितियत उच्चेत्म के उक्त जन्तरण विश्वास में वास्तविक क्य के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की वासत, उपक महिंगीयम के संपीत कर दोने के अन्तरण की दासित्य में कनी करते ना उससे नमने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी थन या बन्य अंग्स्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अंक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में शृविधा के लिए;

शतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के, खक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन नियमितिका व्यक्तिकों, अर्थात् ६—— 4 1,—216GI/85 (1) श्री झियाउदील बुदारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रद्भुल शहमान माहरमद मुलमान । (श्रन्तिनी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रक्राशन को तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्धं किसी अन्य व्यक्ति व्नारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त लब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधि-निवंस की विध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं वर्ध होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रभी

फ्लैंट नं० 703 जें। मानवी मिनित बिल्डिंग न० 16, सर्वे न० 41 (पार्ट), विलेश फ्रोशिवारा,बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), वस्बर्ट-400 058 मस्थित है

अनुसूची जैना कि कि अ० २० अई-2/37ईई/14925/844 85 और जो नशम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनांक 24-11-83 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास (अस प्रतिकारी ' सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) र 2**बश्बर्ध**

नारीख: 10-7-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के जंभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, सम्बद्ध

बम्बई, दिनॉक 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० म्रई-2/37ईई/14440/84-85-मत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 304, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं ० 10 विलेज श्रोशिवारा, हुँबेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पं०) बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-11-1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्यवश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री शियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रन्सारी मोहम्मव सुलैमान

(भ्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मक्दीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, ते अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 304, जो ती परिपत्रिल, बिल्डिंग नं० 10, सर्वे नं० 41, (पार्ट), विलेज ध्रोणित्रारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई- 400058 में स्थित है

अनुसूतो जैमा कि क० सं० अई-2/37ईई/14440/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 12-11-1984-को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दात ः क्षम प्राधिकारी सहायकः आयकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 5-7-1985

मोहुर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश स० ग्रई-2/37ईई/14701/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

"भ्रीर जिनकी सं० पर्लंट न० 202, दूसरी मिजल, बिल्डिंगन० 13, लबेंन० 41 (पार्ट), विलेज जो भ्रोभिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जागेण्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (भ्रीर इसस उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख वे श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री ई,

का पूर्वाकः सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितिशा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक हुए से किया गया है .—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी जाम की बाधत उक्त कियन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में भागी कार्या या उसमें अवने में मुविधा के लिए; और/या
- ंप) एमी किसी बाथ या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या अक्त अधिनियम, या शन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या क्या जाना चाहिए था खिणाने में मृतिभा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री शैक दिलदार भ्रली राजा श्रहमद

(भन्तरिती)

(3)

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है)

(3) श्री मोहम्मद स्रव्वास स्नार० गैक। (यह व्यक्ति जिसके बारे में स्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

की वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तरप्रम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 तिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया ग्या है।

श्चर

फ्लैंट न० 202, जो दूनरा मिजिल, बिल्डिंग ने० 13 सव न० 41, (पार्ट), विनेज प्राधिवारा, बेहराम बाग के पीछे जीगेष्ट्यरी (र), बस्बई-400 0058, में स्थि। है

अनुसूर्व। जैता कि क० स० थई-2/37ईई/1470 /81 85 भौर जो सक्तम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा स्विक 20-11--84 को रजिस्टई क्या गया है।

> लक्ष्मण कार सप्तमाणिकारो **सहायक ग्राय**कर ग्रायुक्त (गिरीतण) श्रजंगरेज-_ ा ई

नारीखा 10-7-1985 मोहर प्रक्रम नाइं. टी. एम. इस ु- - ≥ ≥---

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत चडनाड

कार्यालय, महासक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज- 2, बस्वई बस्वई, दिनॉक 10 जुलाई 1985

निर्देश मं अर्ध-2/37र्दर्ड/14700/84-85—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह गिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंकि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एउटि तं । 10 , चार्था जिल्ल, बिल्डिंग नं 19, जर्बे नं 11 (पार्ट), बिलेज श्रीमिवारा, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरा (प) सम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुभूची में प्रार पूर्ण लप से बिणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय हर प्रविधित्म का धारा 269 ा, खं के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्म बम्बई में र्जास्ट्री है, नारीख 20-11-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य स कम के क्यान प्रतिफल के लिए अन्ता में का गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वायत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशास में अधिक ह आर अन्तर्य (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित अद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख के बास्तिक क्ये में किया नहीं किया नवा है :—

- ्क) अन्तर्था संहुष किसी आय की शायत, स्वतः अस्तर्यस्य के सभीन कर दोने के अन्तरक क यो १८४४ अस्ते या उससे वचने में सुविधा के किए, जरिश्या
- (स) एस किसो अप या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आएकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, दिल्याने में सूनिभा के लिए;

शर अब उक्त २ तिमन्द्रम का धारा 26% म के बनुवरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिश्चिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शरफुद्दीन मन्दुन्ला शैक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तश्यक्ति के सूर्वन के हैंक्स् कार्यनाहियां कारता हों।

उक्त बन्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी बार्क्स :---

- (क), इस स्वान के राज्यन में प्रकशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी मोक्तिकों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वाक्त यों में से किसी म्यक्ति दवादा;
- (क) इस सूचना के राजपण में अकाकन की तारीचं के 45 दिन के शीसर जक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितक्ष्रभ किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा मधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे

स्वयक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, को जक्क अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, जो चौथी मोजिल, बिल्डिंग गं० 19, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज घोशियारा, बेहराम बाग के पीड़े, जोगे श्वरी (प), बस्बई-400058, में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि० सं० आई-2/37ईई/14700/84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 20~11~84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीखाः 10-7-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

कांबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर मायुक्त (निर्शासक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाँक 10 जुलाई, 1985

निर्वेश सं ॰ अई-2/37ईई/14247/84~85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

वाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परवाह 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 401, चौथी मजिल, विल्डिंग नं० 14, विलेज घोषिवारा, बेहराम बाग के पीछे, (प), बम्बई-400058 में स्थिल है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

की पूर्विकल सम्मित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अचित बाजार कृष्य. उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकृत से जीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिकृत, निम्नसिचित उद्वेष्य में उत्तर बन्तरक जिलाह में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अप्तर्शन से हुई किसी नाय की नावत, अपने अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दामित्य में कमी कारने मा उससे अचने में सुविधा के लिए; और या/
- (क) एंसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सविधा की लिए;

कतः कव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण को, को, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वभीन निम्मसिवित व्यक्तियों, वधात् --- (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खाँरफी महमद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की व्यथि, को भी व्यथि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकती।

स्वाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कवाँ और पर्योका, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

फ्लैट नं० 401, जो चीथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 14, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेंश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूर्च। जैमा कि कि निं ग्रई-2/37ईई/14247/84-85 ग्रीर जे। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 9-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ल्क्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग-2, बम्बई

ता**रीख**: 10-7-1985

प्रकाप बाईं. टी. एभ. एत्.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुण्ना

भारत तरकार

भागांत्रय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांकः 10 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रर्ड-2/37ईई/14248/84-85—श्रतः मुझे, लक्षमण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विद्ये इसमें इसके प्रशाद जिस्त अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० फ्लैंट गं० 402, चौथी मंजिल, बिल्डिंग गं० 14, बिलेज, में णिवारा, देहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इसमें उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिमका करारनामा श्रायकर श्रिक्षित्यम की धारा 269 के द के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ही है, नारीख 9-11-1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति को उसित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान श्रतिफल की लिए अन्तरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने हैं। कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्बनिक का उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने हैं। कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्बनिक का उसित बाजार मूल् करने हैं। कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्बनिक का उसित बाजार मूल् के दिन के देश वर्ष कर कर के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक कि विश्वासिक उद्देश्य है इन्त अन्तरण निम्मित में वास्तिक क्य के क्यांत नहीं किया गया है !—

- (क) अन्तरण संहुदं निस्ती भाग की वावत, अन्तर अधिनियम के अधीत कर दीने के अन्तरक खें अधिक मो कमा असी असी वचने में सुविधा के निए; और/या
- एंसे किसी अध्य मा किसी पन या अन्य आक्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा के तिए; अरि/या

भतः मन, उनतः निर्मितयम की धारा 269-ग में अनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-च की प्रभारा (1) के जभी निम्नलिखिल व्यक्तियों, अभित् :---

(1) श्री कियाउदीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) खा मोहम्मद शपी मुन्सी राझे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिर्फे कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाझेंप :---

- (क) इस सूचना के उज्पन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूप किसी अन्य स्थाकि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्स विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ंदिया क्यों हैं।

नन संची

पर्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग, नं० 14, सर्वे नं 41 (पार्ट), विलेज जोणियारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प), बम्बई-400058 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ३०० मं० अई-2/37ईई/14248/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक >-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम गाफिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नरीकण) ग्राप्तरीक-2, बम्बई

ना**रीख**: 10-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बम्बर्ड

धान्बर्ध, दिसांक 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14249/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

मायकैर क्षिपिनममं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्देशत् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणहर कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,045,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 201, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 14, विनेज ओणिवारा, देहराम आग के पीछे, ओरेख्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (और इसमे उपाबद श्रनुसूची और पूर्ण इपाबद श्रनुसूची अपित के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-11-1984

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथाप्रवेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह रिताशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक इप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि-

(1) श्री भियाउद्दीन बुद्धारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद जलील रनिगृहला छ। । (अल्लिकी)

को यह स्चना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिमित में विष्णु जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत इ.ट्रॉ और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फर्नेट ने० 201, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग ने० 14, सर्वे ने० 41, (पार्ट), विलेज ओणिवारा, देहराम बाग के पीरुं, जोगेस्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है

प्रमुखी जैसा कि कि० में० प्रई-2/37ईई/14249/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-84 को रिजस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर क्षाप्तृक्त (तिरीक्षण) प्रार्थक रेंज-2, बम्बई

तारी**य**: 10-7-85

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेज-2, बम्गई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14176/84-85-ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

वायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्या:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री क्षियाउद्दीन ब्खारी

(ग्रन्तरक)

(2) था मती हमीदा बेगम दाउद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में किन बद्ध फिसी व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को खक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिशामित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिहा गया है।

वनस्ची

पलैट नं० 503, जो पांचिकी मंजिल, बिल्डिंग नं० 17, सर्वे नं० 41 \cdot (पार्ट), विलेज ओशिवारा, बेहरामबाग के धिके, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है

श्रनुसूची जैसायिक ३० सं० श्रई-2/37ईई/14176/84-8,5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिनांकथ3-11-उ98,4जको रजिस्टर्ड थिकया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुडत (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-7-85

प्रकृष बाईं.डी. एन . एस . -----

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की बधीन सुमना

शारत सरकाड

भार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्फ,न रेंज-2, बम्बई

बम्गई, दिनांक 10 ज्लाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14819/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति.. जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. पे अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोरेश्वरी (प), बम्बई 400 058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-1984

को प्वोंक्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान के तिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का विम्नलिखित उद्देश्य है उचत अन्तरण लिखित में बाम्तिवस का से कि विम्नलिखित उद्देश से उचत अन्तरण लिखित में बाम्तिवस का से कि विम्नलिखित उद्देश से उचत अन्तरण लिखित में बाम्तिवस

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय क। बाबत, उक्त भीपनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाशिश्य को काजी करने वा उसने क्यने को सुविधा अन्तर्भ काकि
- 'का रामि किसी बाय या किसी धन वा बस्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर किभिनयंग, 1922 (1722 का 11) या उक्त अधिनियम, वा वन-कर बिधिनियम, वा वन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्रा १४व , उत्तर अधिनियम की भारा 269-व की अवस्वरूप में में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निग्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24 --- 216GI/85

(1) श्री क्षियाउदीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) बुभापी मन्सूरी खडीजा शाह मोहम्मद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्यवाहिया करता हैं।

उक्त सक्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पण सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का न 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबरुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

न्यस्टोकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों सौर पर्यों का, को उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हु⁴, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया प्रया हु⁴,।

वन्स्ची

पलैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, पार्ट सर्वे नं० 41, विलेज ओशियारा, देहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/14818/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 10-7-85

मोहर∶

लक्ष्मण दास

जक्य **बाह**ै. टी. **एव. एड्.**,-======

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा २६९-म (1) के बभीन स्भना भारत सरकार

भागांत्रणः, सहायक आयकर वास्कत (निरीक्षण)

अर्जान रेज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 जुलाई, 1985 निदेश सं० आई-2/37ईई/14927/84-85——अनः म्झे,

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट न० 404, चौथी मंजिल, बिल्डिंग, नं० 2, सर्वे न० 41 (पार्ट), विलेज भ्रोणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी, (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (भ्रौर इसर्व उनाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) भ्रौर जिसका करारनामः जायकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 24-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान वितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझै शह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल तो, एसे द्रश्यमान वितिफल को पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अभन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भग गार्थ सन्तियों हुदारा प्रकट तहीं किया असा था या किया बाना चाहिए था खिपाने में स्विधा है सिए।

अत जब, उक्त जीधनिषम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, एक्त अधिनिएम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री क्षियाई हीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद यूस्फ मोहम्मद इन्नाहीम।

(अन्तरिती)

को यह सृषता बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में जिस-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाखीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो स्थल विधिनयम, के बध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, कही अर्थ हैं। जो उस सध्याय में दिया गया है।

यम्भू चा

फ्लैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, मर्वे न० 41 (पार्ट), विलेज, श्रोशिवरा, बेह्राम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-400058में स्थित है

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई-2/38ईई/14927/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-7-1985 मोहर: प्रकार आपा . ती . एम . व्य . -----

मायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समाना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देण सं० आई-2/37ईई/14007/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्णाध करने का कारण है कि ग्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० पर्लंडन० 401, चौथी मजिल, बिल्डिंग नं० 20, सर्वे न० 41 (पार्ट), विलेज भ्रोशिवना, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई- 4000 58 में स्थित है (भ्रौप इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) भ्रौर जिसका करा नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं विनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पेड्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसिंगत उद्देष्य से उक्त कस्तरण निवित में वास्त-दिक रूप म कथिस नहीं किया गया है:---

- िक्ष) अन्तरक से हुन् किसी आय की वाबतः, उक्त अभिनियम से अभीन कर दोने में अन्तरक से सावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिस्, सार/ए।
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जर:, अब, उक्त मधिनियम, की भारा 269-म में अनुवरक् तं में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित स्मिक्तमों, संधति :--- 1. श्री झियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाहीन राफीख

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स मपस्ति के बजन का भए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्कन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथो मंजिल, बिल्डिंग नं० 20, पार्ट सर्वे नं० 41 विलेज, ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अई-2/37ईई/14007/84-85 स्रोर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रे ज-2, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

माहर 🛊

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

बम्बई, विनांक 10 ज्लाई 1985

निर्देश स० अई-2/37ईई/14065/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उन्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उजित गणार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसक सं० फ्लैंट नं० 403, चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 16, पार्ट सर्वे नं० 41, विलेज भौशिवरा, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनिम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 2-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य है कम के दृश्यमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंशरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के सिए तब पासा नवा प्रति-फल निम्नसिचित उद्वेदस से उक्त बन्तरण सिम्बित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत उक्त नाभ-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नीर/या
- (व) एंबी किसी जाम वा किसी धन वा कत्य वास्तिवीं को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या बब-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण थैं. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधादा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यथितमें अधीत :——

1. श्री झियाउद्दीम बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शाफी अब्दुल्ला खां।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सूरू करता हूं।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य का किस ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास का किए का करोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत व्यक्षिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 403, जो जौथी मंजिल, बिहिंडग नं० 16, पार्ट सर्वे नं० 41, विलेज, श्रोशिवरा, बहुराम बाग के पीछे, जोगश्वरी (प०), बम्बई-4000 58 में स्थित है।

अनुसूचीजेंगा कि क० सं० आई०-2/37ईई/14054/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया र।

> लक्ष्मअ दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

मस्य गाइं.टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

रक्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विभांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० अ - /37ईई/14933/84-85——अतः मुझे लक्ष्मण रास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० फ्लैंट नं० 102, पहल मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, सर्वे नं० 41 (पार्ट), बिलज, श्रोशिवरा, बहराम बाग के पीछ,, जोगेण्वरी (प०), बम्बई-4000 58 में स्थित हैं) (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप में विजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 24-11-1984

को पूर्वोकत सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में कारतिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

श्री झियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री गुल्नार नाजिर अहमद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वयवञ्

पलैट नं० 102, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज भ्रोशिवरा, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-4000 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ मं॰ आई-2/37ईई/14933/84-85 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मअ दास अम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक 10- -198 मो**हर** ः प्ररूप कार्च. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14684/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्थ्वा 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज, ग्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 17-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किवित बें सस्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है.—

- (क) बन्धरण से हुई किसी काय की शबत, उसर बहिनयम को स्थीन कर दोने को प्रशास्त को दाधित्व मों कमी कारने ग। उससे बचने मो मृतिधा ले लिए; बॉर/या
- (श) एस किसी बाब अ िंश्तां धन या अन्य आस्तियी करा, जिन्हें भारतीय आय कर दे के कि कि नियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षणाने में स्विधा के सिए;

अत: संग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) भा अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 2. श्री क्षियाउद्दीन ब्खारी

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिफउद्दीन शर्फुद्दीन।

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के क्याँन कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकह् । किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के श्रम सिस्ति में किये जा सकती।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अगसची

फ्लैंट नं० 104, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज, श्रोणिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेण्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/14684/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्राजीन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14208/84-85--- अतः मुझे लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, पहली मंजिल, बिडिंग नं० 5, विलेज, श्रीशिवारा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेण्वरी (प), बम्बर्ड-400 058 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-11-1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाल प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य में की से सहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी और की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. िव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) भे अधीर, रिक्टोलिखत अयिक्तयों, अर्थात् :— . 1. झियाउद्दीन बुखारी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रब्दुबला, श्रब्बास पारकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्ति यों मों से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर स्मिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिस्पिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों।

श्रनुसूची

प्रलैट नं० 104, जो पहली मंजिल, बिर्लिडग नं० 5, एस० नं**०∐4**1 (पार्ट), विलेज, घोशिवारा, बेहराम आग के पीछे, जो**गै**यवरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/14208/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक 10-7-1985 मोहर: प्रकृप बाहाँ, टी एन. एस.-----

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समा 2 श्री मोहम्मद माहेद गडुभाय ग्रीक।

(भ्रन्तरिती)

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14618/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहें. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 404, चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 17, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज, श्रोणिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेष्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-11-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देष्य से उक्त अतरण जिल्हा में मान्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अबने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आफ्तिया को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना बाहिए था, छिपाने में मित्रिया के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें में. उक्त अधिनियम की भारा-269-च की उपभारा (1) के अधीन, ज्ञिनलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुए।

रक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की समीध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त विभिनियम के विभाव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 17, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज, ग्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रर्ड-2/37ईई/14618/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षण प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुम रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-7-1985 मोहर: प्रस्थ बाह्र'.टी.एन.एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) क विभीन सुचना

भारत संश्कार

कायांतय, सहायक मामकार आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई,दिनाक 10 जुलाई 1985

निदेश मं० भ्राई-2/37ईई/14334/84-85—-श्रत मक्षे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' काञ्चा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिमकी म० फ्लैट नं० 38, दसवी मंजिल, (गरू कृपा) भ्रपार्टमेन्ट्स, एन० सी० केलकर शेड, दादर (प०), बम्बई-28 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 9-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्श्योदय से उक्त अन्तरण निचित्त में नास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ने हुवं कियी बाय की बायल, उन्नन अधिनियस के अधीन कर दोने की अन्तरक के शियल्य में केमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए अरि/शा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्स कास्तिबों को, जिन्हों भारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोपनार्थ जन्त्रिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

्रत्त. अर्थ, उक्त ऑधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वि अधीन निम्निक्ति व्यक्तियों, अर्थात ं— 43—216GI/85 1. मैसर्स बिल्कॉन कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शरद शिवराम पेडनकर, श्रीर श्रीमती शिला शरद पेडणकर।

🞎 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

इ.क्त सम्मरित को अर्थन को नम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में

स्वक्रिकरणः ---- इसमं . े पदाँ का, जो उन्हें अर्थित है साथ स्वास्त्र में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस सन्दाय में दिस्क नवां है।

arrest.

पलाट न० 38, जो दसवी मंजिल, (ग्रूक्कुपा) प्रपार्टमेन्द्स, एन० सो० केलकर रोड, दादर (प०), विस्वई-400028 में स्थित है

भ्रमसूची जसाकि ऋ० संं्ध्राई-37ईई/14334/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

विनांक 10-7-1985 मोहर: इक्न बाड'. टी. हर. एस. ----

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई /14967/84-85—अत:

मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 3, बिल्डिंग न० 4, पहली मजिल, महालक्ष्मी सी० एच० एस० एल०, 120 मनमाला, टैक रोड, माटुगा, बम्बई-16 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौंर पूर्ण रूप से विणन है), ग्रौंर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हे तारीख 26-11-1984,

का प्रवास्त सपति के उचित बाजार मृन्य स कम कर क्ष्यमान अतिफल के लिए अतार ही गई है और मिल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रिचत बाजार मृन्य पासा गथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरम लिकिन के सारविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहूर किसी बाय की बाबत. उद्ध विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ दायित्व में कमी करने या उससे बचन से सुविजा के विष्; और/वा
- क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीर निम्निलिखत् व्हिन्त्मों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पद्मनी केशवदास नर्सियान। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेद्र जेठानन्द सोमाया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिसिस में किए जा सकी।

स्थव्दीकरण: -- इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, वां अक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 3 'विलिंडग नं० 4, जो पहली मंजिल महालक्ष्मी सी०एच० एम० एच० 120 मनमाला टैंक रोड, माटुंगा, बम्बई-16 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा ि कम पं० आई०-2/37 ईई/14967/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26 नवम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 5-7-1985

माहर :

प्रक्ष. बाइं. टी. प्रव. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269×41) क अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985 देश स० आई-2/37-ईई०/15053/8

দি**वे**श स॰ आई-2/37-ईई॰/15053/84-85--**अ**तः

मुझे, लक्ष्मण दास,

और जिसकी स० फ्लैट न० 10 जमीन मजिल, बिल्डिंग न० 3, माहीम मेहता पार्क, सी० एच० एस० एल०, टी० पी० एस० न० 111 पीताम्बर लेन, माहीम, बम्बई—16 मे स्थित है (ग्रा इससे उपावड अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण इस ने विभिन्न है प्रीर जिल्ला कर रनाम आयकण अधिनियम 1961 की धारा 259 एस के पंधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दारीख 29 नवबमर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति व उाचत बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अदिरितियाँ) के बीव ऐसे अतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित म्ं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (को अतरफ संहर किल राग में बावत उक्त प्रीक्षितियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के कमा करन या उसम दचने में मुक्किश के विष्, बांद्र/बा
- (वां) एसी किसी आय या किसी अन ए पन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उस्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 का 2, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विषय के विष्;

बतः बब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, प्रवत अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री जैमुद्दीन इंस्लाम शैक।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश कें वर्नेकर, श्रीमती प्रवीना पी० वेर्नेकरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में 'मा जा मकोग ।

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में पिल्किक्किन के है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया दें।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो जमीन मजिल, बिल्डिंग नं० 3, माहीम मेहता पार्क सी० एच० एस० एल०, ई० पी० नं० 392, टी० पी० एस० न० 111, 11 पीनाम्बर लैंन, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनु सूची जैसा कि क० स० आई०-3/37 ईई/15053 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 29-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1985

मोहर .

प्रकृप: बाह्रों, ही, एन, एवं, -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २७५-भ (1) के अभीन सुबना

भारत सरकाह

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई अम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निवेश स॰ आई-2/37-ईई॰/15053/84-85-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का न्यस के कार्य के स्थान करने का का कार्य के कार्य मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी स० पलँट न० 10 जमीन मजिल, बिल्डिंग न० 3, माहीम मेहना पार्क, सी० एच० एस० एल०, टी० पी० एस० न० 111 पीताम्बर लेन, माहीम, बम्बई—16 में स्थित है (ग्री॰ इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण कर प्रवासित है, ग्रीर निरास करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 एख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है नारीख 29 नवबमर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिसत से विभिक्त हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अत्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य म् बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (को अत्यक्ष में हुई कि मी आय की बावल तबसे अधिनियम को अधीन कार दोने के अन्तरंक के दायित्व मीं कामा कारने या उसमें बचने मी मुविधा को विष्, बांद्र√वा
- (वं) एसी किसी जाम या किसी भग गा कन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27' के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिक्य के बिए;

बतः वथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीन निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीन निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीन निम्निलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री जैम् द्दीन इंस्लाम 'शैक।

(अन्तरक)

(2) श्रीप्रकाश कें० वेर्नेकर, श्रीमती प्रवीना पी० वेर्नेकर।।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सबंग में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तिया पर कुला की दावीस से 30 दिन की जविभ, जो भी बुद्दीय बाद में समाप्त होती हा, मास्त पर क्यक्तियाँ मास्त कि ते कि व

स्वाधिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में पिल्हिए प्रव है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया तो

अन्स्नी

पलैट नं 0 10, जो जमीन मंजिल, बिल्डिंग नं 3, माहीम मेहता पार्क सी० एच० एस० एल०, ई० पी० नं 0 392, टी० पी० एस० न० 0 111, 0 पीताम्बर लैंग, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है 0

अनुसूची जैसा कि कि० स० आई०-3/37 ईई/15053 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 29-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्ब**ई**

नारीख: 5-7-1985

प्ररूप बाई टी एम. एवं. -----

सायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 जुलाई 1985

निवेश स० अई०-2/37 ईई/22901/84-85—अत. मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 26.3-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रींग जिसकी में पलैट ने 0 7, साधना निवास, सी 0 एवं 0 एस 0 एस 0 एस 0 लेडी जामणे तजी रोड, माहीस, बम्बई—16. स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप में विणित है), प्रींग जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 13 नवम्बर 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एस विश्वास प्रतिफल का पत्तिक दृष्यमान प्रतिफल का पत्तिह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और बतरिती (अतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्धरेश्य से उसते अंतरण निकित में वास्तिक रूप में कथिस नहीं किया गया है .—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, प्रकत अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासिस्य में क्सी करने वा उन्नते अपने में सुविधा के सिए; कीट्र/वा
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स जिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियान में स्विधा के लिए,

जतः वंद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के प्रभीन, निम्नीलिक्कित व्यक्तियों, अथाँत

- (1) श्रीमती वासादीबाय श्रीमती वासादीबाय माधवदास सुन्निया। (अन्तरक)
- (2) श्री अर्जुन चेतनराम दुदानी, श्रामती लाजवन्ती अरुण दुवानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपत्ति हैं)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिय् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सध्यन्थ में कोई भी बाक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दश सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अवृध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के गांच् निचित में किए वा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियंत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित कीं, कड़ी कर्य होना, को उस कथ्याय में दिशा गया है।

वन्त्रकी

फ्लैंट नं० 7, जो साधना निवास सी० एच० एस० एल०, प्लाट नं० 378, लेडी जामग्रेटजी रोड, साहीम बम्बई–16 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई०-2/37 ईई/22091/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी ख ' 5-7-1985 मोहर:

त्रकार बाद्दी, ही, यूपी, ध्या, परण्या

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर नाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश मं० अई०-2, 37 ईई/ 19401/84-85--अतः मुक्षे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलंट नं० 7, तीसरी मंजिल एफ० पी० नं० 1262 (ए) टी० पी० एस० 4, माहीम प्रभादेवी, बम्बई-400025 में ।स्थत है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित हैं), श्रीर जिसका कर।रनाम। आयकर अधि— नियम 1961 की धार। 269 कख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी के का यालिय, बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 10 नवम्बर 1984 को पूर्वाकत सम्मात क उचित्र को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल के पिए अतिरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्दोश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दने के अन्तरह के वायित्व में कभी अरने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एेमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया 'जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य को अनूसरण गें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) को अधीन, निस्निहित व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) मैंसर्स सकेत बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वानता बाई विद्याधर ईकावडे। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपित के अर्जन के सबभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तमों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 7, जो तीसरी मंजिल एफ० पी० नं० 1262 (ए) टी० पी० एस० 4, महीम प्रसादेवी बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई/19401/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह(यक आयकर अ।युक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1985

मोहर 🎍

प्रक्रम बार्च . ती एत एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269 व (१) के कधीर समस्ट

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-2437 ईई/19404/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1.00.000/- रा से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 तीसरी मंजिल एफ० पी० नं० 1262 (ए) टी० पी० एस० 4, माहीम प्रभादेवी, बम्बई-400025 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपबाद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 17-11-

को पर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और अभेर मुद्र विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्न सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्न-मिश्विस उद्देश्य से उक्त अंतरण सिश्वित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- '#' ां से कहाँ किसी बाय की बायता, उपल अभिनियस के अभीर पर दोने के अस्तरक के लाग्रिस्य में कसी करने या उससे बचने में सेनिशा चैकिता बॉर/स
- (स) ग्रोमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों " रिक्स प्राप्तीय यायकर अधिनियम, 1922 '1900 का 11) या तकत अधिनियम प्रा अनकरा अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्यारा प्रकर नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिष्धा के लिए

अत् अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में उपल अधिनियम की धारा 269-घ की प्रमुखारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात् :— (1) मैसर्स सकेन बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनी मृदिना अनन्त मुर्वे ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध पे कोड़ भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, खो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकत प्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृदारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ हागा जो तस अध्याय में विका

नमृत्यी

फ्लैट नं० 9 तीसरी मंजिल जो एफ० पी० नं० 1262 (ए), टी० पी० एस० 4 माहीस प्रभावेशी, बस्ब ξ -400025 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०--2/37 ईई, 19404/ 84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 17-11-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सह।यक प्रायकर अ।युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 5-7-1985

इस्म बाइ.टी.एन एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-च(1) के अधीन संचता

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० अर्ड0-2, 37 र्द्श14302, 84-85—असः मझे लक्ष्मण दास

जायकर इंग्लिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि भ्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा से इंग्लिक हैं

ग्रीर जिसकी सं गूनिट नं 6, हिन्द सर्वीं इण्डस्ट्रीयल त्रिमैंसेस मी०,एच० एल० वीर सावर्कर मार्ग, बम्बई—28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उिचन बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिगत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्मरण से हुई जिल्ली आयू की वाबसा, उपस् अभिनियम के अभीन कर दोने हे अन्तरक के श्रीवरण में कभी कारने या उससे गणने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, किया में सुविधा से लिए;

अल्ला अल्ल, उक्त लिधिनियम की भारा 269-ग के लम्बरण में मी, उक्त लिधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) लिधीन निम्मलिणित व्यक्तिगों, वर्षात "—— (1) मैसर्स संदीप एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स रूबी मेटल वर्कस।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सन्यत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई' भी जाओंप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी पर पूर्वोक्त श्वास्त्रियों में से फिसी स्वित हवारा:
- (कं) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकतें है।

स्वकारिकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, को सक्त किय-मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वह अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचीं

यूनिट नं० 6, जो हिन्द सर्वीज इण्डस्ट्रीयल प्रिमैसेस सी० एस० एल० वीर मावर्कर मार्ग, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई०-2,37 ईई०,14302, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 5-7-1985

प्ररूप . बाइ . टी. एन , एस . -------

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभूना

भारत स्रकाड

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई/14803/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी सं० लैण्ड एण्ड शोड जीसका एस० नं० 177, 177/2, टी० पी० एस० नं० 3 माहीम डिवीजन बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

बम्बई में रजिस्ट्री है तःरोख 20-11-84,

को पूर्वोक्त सम्प्रीस के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिष्दित् में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः व्यक्ष उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण र्षः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इंक्षधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 44—2660[|85 (1) श्रीमती बानूबाई एन० खांड वाला श्रीमती नसीम एम० पुनावाला, श्रीमती खुरशीद एम० चोरघे ग्रौर शमीम एम० हुसैन।

(अन्सरक)

(2) मै॰ इण्डियन टैक्सटाइल मिल्स।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति को हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

लैंण्ड एण्ड शेड जिसका सर्वे नं० 177 फ्रौर 1,177, यू एम० नं० 1-2-3-177 फ्रौर टी०पी० एस० नं० 272, माहीम डिवीजन बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/14803/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा विनांक 20-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध।

सारीख: 10-7-1985

प्ररूप बाह् .टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत गरकाहर

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/14265/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, श्रीर 24, गैरेज के साथ, मी० पैलेस कोन्नापरेटिव हार्जिस सोमायटी लि०, जुह तारा रोड़, सान्ताकुज (प०), बम्बई-400 054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाब स्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-11-1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ट्रयमान प्रतिफल से, एमें ट्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) स्रौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव रूप से किया कम है :---

- (फा) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबरा, सक्द अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दायिस्य में कमी करने ना उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत, निम्नकिसिक व्यक्तियों, अर्थात् ⊪— 1. मेसर्स तुलसी सिन्थेटिक्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्राशा गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री लक्ष्मी नारायन गुप्ता।

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री लक्ष्मी नारायन गुप्ता।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पृष्ठोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं 18 (3री मंजिल) श्रीर 24 (4थी मंजिल) जो गैरेज के साथ, जो, सी पैलेस कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू तारा रोड़, सान्ताक्रुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क्र० सं० ध्रई-2/37-ईई/14265/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→2, **बम्बई**

तारीख: 12-7-1985

हरू बाइ, टी. एर १४

1. श्री ए० डी० नाडकर्णी।

(अन्तर ह)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्चना 2. कुमारी मुनीरा ए० टिनवाला।

(म्रन्त(स्ती)

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र\$-2/37-\$\$/14072/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्चास करन का कारण

हैं कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 38—सी०, जो, भ्रोल्ड वर्गोवा
भाति निकेतन, हर्रामदर सिंग रोड़, 7 वंगला, श्रंधेरी-वर्मावा,
अम्बई—61 से स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा
भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,
अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 2-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित के गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय गामा गया प्रति-फश निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिथक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण संहुई किभी अब की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा कें। लए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के सिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मं, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को पानीय, निम्नितिबिक व्यक्तियों, विधात धन् का यह स्थाना पारी कारके पूर्वोचन संपरित के वर्षन के लियू कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्मन्भ में कोई भी जाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के डाजपंच में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः ----द्रसमं प्रयुक्त कव्हों और पदों का, जो खक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

प्लैट नं० 36-सी०, श्रोल्ड वर्सीवा, शांति निकेतन, हर्रामदर सिंग रोड़, 7 बंगला, श्रंधेरी वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कर सं भई-2/37-ईई/14072/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-7-1985

म्रोहर ध

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985 निदेश सं० भई-2/37-ईई/14152/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम'' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भौर जिसकी सं० 16-बी०, जो, 1 ली मंजिल, श्री स्वामी कीपा को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत नं० 35, मनिष नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (म्रोर इसस उराबब अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बाई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984 करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने **का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का** बाजार भूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल क्ष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रसिषात से अधिक ह **और** अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिएसों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्विषय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुंच किसी जाब की बाबत, बचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, खिपाने ये सुविभा के सिए;

कतः जन, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-गं की जनुसर्व भौ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) की जभीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, संश्रोतः :---

- 1. (1) श्रीमती गुष्दर्शन कौर कपूर ग्रीर (2) श्रीमती राज बेदी।
- 2. (1) श्री विकम सूर्यकांत मेहता श्रौर (2) श्रीमती सरयू सूर्यकांत मेहता। (ग्रन्तरिती)

3. प्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--- 🗿

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकोंगे।

भनुसूची

पलैट नं० 16-बी०, जो, 1 ली मंजिल, श्री स्वामी कीपा को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, इमारत नं० 35, मनिष नगर, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई०/14152/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक, 3-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज~II, बम्बई

तारीख: 11~7-1985

शक्य बाह्रं. टी. एन. एस. - - + - +-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के म्भीन स्थ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाव्यत (निर्याक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/14226/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 20-ए०, सहजानंद को-श्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, 4 बंगला, जे० पी० रोड़, मनिष नगर, श्रन्वेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बाब की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 को 27) अधि प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में स्विभा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ठाकुर लीला राम खुशालानी श्रीर श्रीमती सवीरा ठाकुर खुशालानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सलीम रेहमस्तु ला विरानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सभाजारों करके पृब्हेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप 🛌

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अवस अधिनियम् के अध्याय 20 क में प्रिमाधिक है, नहीं जर्भ होगा, जो उस अध्याय में विक्रा वया है।

1960

प्लैट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 20-ए, सहजानंद को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 4 बंगला, जे० पी० रोड़, मनिष नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि के सं॰ भई-2/37-55/14226/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वासं सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख : 11-7-1985

मोहरु '

प्ररूप बाईंटी. एन एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारां 269-च (1) को अधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय. सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रर्थ-2/37-ईई/14544/84-85---श्रतः मृक्षे, स्थमण वास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गीर जिनकी संव पलैट नंव 14, जो, 3री मंजिल, "प्रपंणा" इमारा, श्रा महालका की प्रांति हाउति पो प्रायट लिमिटेड, बीगा देश है रोड़, अंधेरे (पव), बम्बई-58 में स्थि। विगित है, और जिन्ना हरायतामा आवार प्रधितियम की धारा 2697, ख के अपान, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारों के हार्यालय में एजिस्ट्रा है, तारीख 15-11-1984 को पूर्वीवय सम्पत्ति के उथित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीवय संपतित का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीवय संपतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत्त का पन्तर प्राया गया प्रतिकत्त, (अन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिसित उद्देश्य से उचित बन्तरण लिसित से बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त खिंधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बाँड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन का जन्य आस्तिया की जिन्हों भारतीय जायात्र अस्तितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए।

जतः वंध, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उनत अधिनियम की भारा 269-ों की उपधारा (1) को अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अभित् ≅ श्राः स्मेश डा० श्रांयान ।

(भ्रन्तर ह)

श्रीमती गोभावधी विश्वनाथ करकेरा।

(मन्तरितः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

बन्त्यी

पलैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, "मर्पणा" इमारस, श्री महालक्ष्यी को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वीरा देसाई मार्ग, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूबः जैसः कि ऋ० सं० धर-2/37-ईई/14544/ 84-85 श्रार जो सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में बम्बई हारा दिनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज-2, बस्बई

तारीख: 11-7-1985

प्रारूप बाइं.टी. एन. एस. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्राजेन रेश-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्रई--2/37 -ईई/14625/84--85----श्रतः भुझे, सक्ष्मण दासः

विणित है), श्रीर जिन्हा त्रारनामा श्राय्या श्रिक्त श्रिक्ति, 1961 की धारा 269म, ख के श्रधन, बश्दई स्थित निस्ता निस्ता के प्राधिनार के प्राथित्य में परिष्ट्र हैं, त्रार स्

कां पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से किम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापर्वोक्त संयति का रिश्वन वाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिकिन उद्योध्य में उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (का) अम्लरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्क ५ प्रतिक्षण के बशीम कर व्याने के कृत्युरक के ग्रांबल्च माँ कभी करत शालसर क्रमल मास्करा के सिए, बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को चिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा असिए;

जत: गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रः लक्ष्मण टा० सालियन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रांटी० डिसोमा।

(भ्रन्तिरतिः)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त राब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० बी-10, जो, 27ी मंडिक, द्वांणा इमान्त, श्री महालक्ष्मी को-श्राप० हाउनिंग सीनायटी किसिटड, बीरा देसाई रोड, श्रधेरी (प०), बम्ब ξ -58 में स्थित है।

श्रनुसूच जैसा ति कि० सं० ग्रई- 2/37- ईई/14625/ 84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिनार , ब्रव्ह द्वारा हिनाक 17—11—1984 को रजिस्टई (रया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारिखः 11--7-1985 मो**हर**ः प्ररूप कार्ड .टी .एन .एस . ------

भाय । इस भारत समितियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निधेश सं **अर्ह** 37 ईई/14877/84-85—-श्रतः मुझे, रूक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ना के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 112, जो, इमारत नं० 7, प्राक्षाय नगर, जयप्रवाश रोड, प्रघेरे (ए०), अक्ष्य है-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), श्रौर जिसा तरारनामा श्रीयत प्रश्निय प्राप्त मा प्राप्त प्राप्त प्राप्त मा प्राप्त प्राप्त प्राप्त के श्री किया 269 में बिक्स के श्री न, वस्ब है रिथत रक्षम प्राद्धिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनौं 23-11-84 को पूर्वोक्त मंपरित के उच्चित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कियन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्र पित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के गलसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियमें, अधीन, 'चल 1. थाः हलगणनाः शामनाः छातबर।

(भ्रन्तरक)

श्री हरिछाबेन एम० जोशी।

(अन्तरिती)

3. धन्तरिती।

(बह ^{ध्यक्ति}, जिसके भ्रधिभोग में^{र्} सम्पत्ति **है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िनक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि दा तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन का तारीस वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

पलैंट नं० 112, जो, इमारत नं० 7, श्राजाह नगर, जयप्रकाण रोड अंघेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

म्रतुभून' जैसा हि क० सं० श्रई-2/37-ईई/14877/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि ार्रा, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-1984 को रजिस्टर्ड विया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिक्तरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किर्राष्टण) श्रार्गन रेंज-2, बम्बई

तार ख: 11-7-1985

प्र**रूप बार्ष**, दी. एन. एस, ------ 1. श्रं(मतं) ज्योति मानकर।

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जलाई 1985

निदेश मं० श्रई-2/37-ईई/14880/84-85--श्रतः मझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो इमारत नं० 8, वर्सीवा, म्हय को-भ्रॉप० हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रम्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रक्षीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-84 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिर्फल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दर्यमान प्रतिकर्ल से, एसे दर्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरन से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसे किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तिको को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आ बानवन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अस्तमरक **बै. बैं उक्त अ**धिनियम की धारा २६०-म की उपभारा (1) के अधीन निक्तिनिष्ट न्यक्तियों प्रथांत ---45-216GI/85

(म्रन्तरक)

- 2. श्रीमता फ़ेला इला चेन ग्रीर श्री कें वे कें चेन। (ग्रन्तरिती)
- भ्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकरें।

स्थ्यकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अर्थिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्सूची

पत्तैट नं० 2, जो, इमारत नं० 8, वर्सीवा अहुयु को-प्रॉप० हाउपिंग सोक्षायटी लिमिटेड, बम्बई-58 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/14880/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24--11--1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

भारीख: 11-7-1985

इक्ष्य आहें टी एन एस ----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के बभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर <mark>वायुक्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनाक 11 जुलाई 1985

निदेश स० अई-2/37 ईई/14916/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६५० व्ह्वान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास अपने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- र से अधिक है

प्रौर जिसकी स० पर्नेट न० एक०/8, जो न्यू अबिवली को-ऑप० ह उनिए सोसायटी लिमिटेड जीवन नगर, बीरा देसाई रोड अधेरी (प०) बस्बई-58 में स्थित है (प्रौर इसमें उप बढ़ अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में बिणित है) प्रौर जिसक फर रन मा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 24-11-1984

का वर्शेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती श्रितिरिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसक अन्तरण निचित में बास्य"यक स्था म कि धर नहीं किया गया है" ——

- ेको अपन्यक सं हुए कि ती साम की बावत सक्य सूचिक रियम के बधीन कर दोने से सन्तरक के दावित्व को फड़ी करने या सत्तरे स्वयं में सूचिया के शिवे, वीर भा
- (य) एर्सा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों १८ रिक्ड भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के राज्यार अध्यितियम, विकास का प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा है सिए;

अभ अब, जबस अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्स अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) के सभीन, निम्नि-चिक्त व्यक्तियों, सर्थात् ः⊶ 1 श्री बद्देव रतीलाल मेहता।

(अन्सर^{गर})

2 मेसर्स साई ट्रेडिंग कम्पनी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है ।

उनत सम्परित क नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाश्रेष ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताशील से 30 दिन की बनीध, वो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकारी।

स्वक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, वो उन्तर अधिनियम के अध्याम 20 के में परिभाषि। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाः गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० एच/8, जो न्यू ग्रंबिवली को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० जीवन नगर, विरा देसाई रोड, अंग्रेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि स प्रई-2/37/ईई14916/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वे कार्यालय मे बम्बई बारा दिनोक 24-11-1984 को रजिस्टर्ध किया गया है।

> लक्ष्मण दःस सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बस्बर्ध

नारीख 11-7-1985 मो**हर** ≟ प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269- ध को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, विनांक 11 जुलाई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. सं अधिक है

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्व बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. सं अधिक है और जिसको मे प्लैट नं एस 67 जो 6वीं मंजिल, न्यू अबिवली को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जीवन नगर विरा देसाई मार्ग अधेरी (प०) बम्बई-58 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रांजस्ट्री है तारीख 24-11-84 को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्के दश्यमान प्रतिफल से एसे द्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री बोमन सी० मारकर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बासूदेव रतीलाल मेहसा।

(अन्तर्गरती)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ कृषा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एच/67 जो 6वी मंजिल न्यू अंबिवली को-आप० हार्जीसम सोसायटी लिमिटेड जीवन नगर वीरा देसाई रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं० ई-2/37 ईई/14917/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-7-1985

ेंहर अ

त्रकष् वार्चं हो एक एक :----

बावकर वृधिनिय्त्र, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नधीन सूचना

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई--2/37 ईई/149/5684-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं), की वारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाजार मृन्व, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं पर्लंट नं 33 जो 3री मंजिल नपांलिन को-आप हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड जे पी० रोड
7 बंगला वसंवि। अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित
है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26-11-1984
को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान
ग्रीतफ स के निए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पारत का उचित बाजार
गूक्य, उसके ख्यमान प्रतिफ स से, एसे ख्यमान प्रतिफ का
पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय नय पाया
वसा प्रतिफ त निम्मानित उद्वेष से अवत बनरण है निम्बत में
वास्त्विक कथ से कीयत नहीं किया वसा है:--

- (क) जन्मारण वे हुई विश्वी नाम की शावच, उक्त अधिनिक्त को अधीन कर दोने के जन्तरण को अधिरण को कभी करने वा उक्क अधने को स्थिया वी (क्यू: वीस्ट/वा
- (थ) ऐसी फिली बाव वा किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा वा विका धना वाहिए था, छियान से स्टिशा के सिए;

बता बब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के बभीन, निम्नसिखत व्यक्तियों. बर्थात् :---- 1. श्रीमती बी० डी० मर्चेन्ट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री डी० जे० लोबो

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभग बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास शिक्ति में किए जा सकींगे।

वगत्तर्य

प्लैंट नं० 33 जी 3री मंजिल नपोलिना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड जे० पी० रोड 7 बंगला, वर्सोवा अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-2/37 ईई/14956/ .84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-1985

मोहर 🗷

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

आवकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ई-2/37 ईई, 14955, 84-85--अप्तः मुझे लक्ष्मण दास

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 32 जो उरी मंजिल नपोलि न की-आपव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जेव पीव रोड 7 बंगला वसींवा अंधेरी (पव) बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारन सा अत्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26-11-1984 को पृथंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती बी० डी० मर्चन्ट।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी एइ० एम० मार्टिन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सभ्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के पाम लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 32 जो 3री मीजिल नपोलिना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, जे० पी० रोड़ 7 बंगला वर्सीवा अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं $\xi-2/37$ $\xi\xi/14955/84-85$ अौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

तारीख: 11~7-1985

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जुलाई 1985

निर्देश स० श्रर्ड $-2/37-\frac{1}{2}$ र्ड/15028/84-85—श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी में एक हैं नं बी/17, जो, एवर स्वीट प्रपार्टमेंटस, 142/4, जें जो पी रोड, अधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, नारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा कै सिए;

अतः बंब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ं— 1 श्रीके० रामचन्द्रन।

(भ्रन्तरक

्म॰ भार॰ विपाठी।

(ग्रन्तरिती)

3 ग्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोगमे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यवधीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नगुज्

फर्नेट न० बी/17, एवर स्वीट अपार्टमेट,स, 142/4, जे० पी० रोड, अधेरी (प०), बस्बई-458 मे स्थित है। अनुसूची जैसा कि ३०० स० अई-2/37-ईई/15028/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 11-7-1985 मोहर . प्ररूप वाइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज-2, नम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देण सं० अई-2/37-ईई/14051/84-85---श्रतः मुसे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचाल् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से **अधिक ह**ै और जिसकी सं० फ्लैट नं० मी०—7,75—ए०, यदि यूनिवर्मल को०-ग्राप० हार्जासग मोसायटी लिमिटेड, मन्टजोन बप्टीस्टा रोड, बान्धा, पर्मिपग पश्चिम गम्गई-400050 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिकल से, ऐसे प्रथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय / वाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या करूव आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उण्भाग (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात:——

श्री धनवन्त क्रजलाल दोरा।

(ग्रन्तरक)

2. डा० विभोद कुमार बाकूलाल जैन।

(भ्रन्तरिती)

3. म्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोगमें सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोश्र भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मं से किसी स्थित स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अमृस्ची

फ्लैंट नं० भी-7, जो 75-ए,यदि यूनिवर्सल भो-म्राप० हाउसिंग कोसायटी लिमिटेड, सेन्ट जोन बेर्पटस्टा रोज, बांडा पश्चिम, बम्बई-400050 में स्थित है।

प्रमुची जैंगा कि कि के ब्रई-2/37–ईई/14051/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

नक्ष्मण दाम सक्षम प्राद्धियारी सहायक ग्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीफ: 11−7−1985

मोहर :

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14209/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रांके पृथ्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्यति आजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संव गलैट संव 23, जो, ६मारत संव बी/2, रूप. टोप को-प्रापित हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केव्स रोड, अंधेरी पूर्व, बस्बई में स्थित है (और ६मसे उपबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्व रूप से विज्ति है), और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्दी है, तारीख 7-11-984

में एडॉक्स संपरित के रिकित नाजार मृत्य से कम के स्थमम प्रतिफल के लिए जन्तरिए की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्परित का उचित वाजार बस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का श्रीतफल से श्रीभक ही बीद सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति शिया) के शीख एमें अन्तरण के लिए त्य पासा गया प्रतिकार, निक्तिक्त से किया है उस्त अन्तरण में विश्वास प्रतिकार से सिंप त्य पासा गया प्रतिकार, निक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

्रांतक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

प्रशिक्षिकाच के अधील कार तीने के बन्तकसा की

दायित्व में कमी करन या उससे धचन में स्विधा

कं िता व्यक्ति√सा

(क) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अयक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त

व्यक्तिसामें में किसी व्यक्तिम द्वार ,

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितनवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यव्योकरण:— इसमें प्रयुक्त कर्वी और पर्वो का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्र**ुश्चनी**ं

पलैट रं० 23, को इमारत रं० दी/2, रुप टोंप बो० धाप० हार्जासन सोसायटी, महाकाली केट्स रोह ब्रंधेरी पूर्व में $\frac{1}{2}$ त है।

त्रक्य लाह<u>ी, हो, हुन, यु</u>च . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) ने वर्षीन सूचना

भारत बरकार

कार्याभय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985 निर्देश सं अई-2/37-ईई/14142/84-85-- मन म्झे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕-रः संअधिक **ह**ै

और जिसकी संव पर्वेट नंव 203, जो, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग म्रान्राधा पदालाल घोष रोड, जोगेण्यरी (प०), बम्बई-60 में स्थित है (और इसक उपाबद्ध प्रक्षिकी में और पूर्ण रूप मे विजित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीध-धारा 269क, ख के अधीन, प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1984

का पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल्नीम्नलिसित उद्देश्य से उन्त् अन्तरण निषित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

> (क' अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम व रोपोन कर दन क उत्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए, और/या

1. श्री प्रकोत गुरुवाधी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री लब्दीचद कपूरचद राधोर।

(अन्तरिकी)

अन्तरका

(बहु व्यक्ति, जिसके म्रधिकोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्दबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्स्ताक्षरी के पास निवित में किए वासकों से ।

लक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही जर्भ होगा को उस अध्याय में दिवा मयाह"ै।

पलैट नं० 203, जो, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग श्रनराधा. पञ्चालाल कोष रोड, जोगे मवरी (प०), बम्बई-60 में स्थित

भारत का राजपत्न, अगस्त 31, 1985 (भाद्रपद 9, 1907)

[भाग III --- खण्ड 1

श्रटोन केनी

(श्रनारक)

29844

प्रस्थ बार्ड . टी . एव . एस . ------

मायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

2 श्रीमती मुमताज अब्दुल बयान मिस्त्री

1. श्री डैं नियल धन्दोन कनी मेरी

विलियम रोजारियो।

(अलारिती) ।

सवास्टियन जेरोम केनी श्रीर श्रीसती सिमीलिया

धारत सर्वतप्र

क्यों बहु सूचना चारी करके पुत्रों कत सध्योत्त की अर्थन को बिए कार्यवाद्दियां करता 💽 1

शक्य शाह री एन एस ००० ०० 1 श्री एम० के० राम न्न्नी ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री पन्यम्रल वाइ.।

(श्रन्तरिती)

बायकर मधिवियम, 1961 (1964 का 43) का भारत १६० - घ (१) के मधीन मधाना

भारत सूरकार

कार्यालय महायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ज्लाई 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/14209/84-85- श्रत. मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 'हे क्यीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से आभिक **हैं**

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, जो, इमारन नं० बी/2, ६५. टोप वो-न्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केब्स रोट, अंधेरी पूर्व, बम्बई में स्थित है (और इससे उपबद्ध भ्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विष्त है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ब्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजम्द्री है, तारीक 7-11-984

नी एउँकिं रंगरित के रिक्त बाबार मूल्य से कम के क्यमाद पतिफाल के लिए बन्तरिए की गई है और मफे वह विश्वाध करने का कारण है कि संधापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसं अत्रथमान प्रतिफल आस क्ष्मह प्रतिवात से मधिक ही और अन्तरक (बन्तरकाँ) केर अन्तरिती (अक्सिपिंग्यां) के बीच गोरें कत्तरक के लिए एक गया क्या प्रतिकार, प्रेपप्रतिकारिक इंटरलिया से उत्तर काल्यारक पिरिकास में बास्तातिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- 🕩 गलारण रेक्ट्र किसी आप की गयत. विभिन्तिरास में अभीर कार तेने के बन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे यवने में सुविधा उ ए ब्रीस/सा
- र अर्थात कार का किसी अन्य का अन्य **कारिता**सी को निकल भारतीय भारतीय अधिनीतियम, 1922 (192) का (1) म उच्च अधिनियम, या यहरू अरिनिया, 1957 (1957 जा 27) को प्रयोगनार्थ जन्तरिसी दुवास प्रका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सविधा केलिए.

इस अब अपन अधिनियम की पारा 269-स वं अनसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) [⇒] अभील निम्नलि**शित व्यक्तियों अर्थात्**:---

करियह स्वाना पारी करके प्राप्तिल संपरित के वर्जन के सिक् कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

बबत सम्पत्ति के अर्जन में सार्य पा सार्व भी कार्यन ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सुषना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्यवितयां में में कि मी व्यक्ति दवार
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबवन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:—- इसमें प्रयुक्त गब्दों बीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

प्र**ामु**ची

फबैट २ं० 2.3, को इमारत २० की/2, रुप धोप बोल श्चापः हार्जीयग सोसायटी, महाकाली केव्स रोड ४६री पूर्व में स्थित है।

प्रानसूची जैसा कि ३० ६० प्राई-2/37-ईई/14209/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम पश्चिकारी महायक भायकर भारका (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

ना रीट. 11-7-1985 ज**ेल्य**

46-216GT/85

प्रक्ष नाई. टी. एव . एस . ------

नायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ण (1) के अधीन मुखना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई; दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 2/37जी०/3721-नवंबर/84--अत. मुझे लक्ष्मण दास

बायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० एफ०, 222 फायनल प्लाट नं० 88 हाउम नं० 77 खारी विलेज खारी गोवर्धन प्रोरेड खार बम्बई-400 052 में स्थित हैं (प्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिनरी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के सिए बन्तरित की गई है और बुधे बुई विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सन्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह् प्रतिस्तत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तर्भों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब बाबा मबा प्रतिस्त, भिन्नीबीचत उद्देश से सक्त बन्तरण कि विद्यास के बारा कि कि वास्तरित कर में कीचन कहीं किया वहा है रे----

- (क) जन्महरूप संहुई फिश्री शाय की शायत, उत्तर विधिनित्र को वधीन कह दोने के अन्तरक ओ वाजित्य में कभी करने या उसके श्रम में बुविधा को सिए; बरि/या
- (व) एंडी कियी बाद या कियी थय वा अन्य आस्तियों का, विनक्षे अप्तीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, श्रा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था. व्यिपान में नृविधा के तिक्य;

कत जय, उक्त निधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ नती उपधारा (1) वे स्थीन, निज्निलि**विट स्थितियों स्थान् :---** श्री डैनियल श्रन्टोन केनी मेरी श्रटोन केनी सर्वास्टियन जेरोम केनी श्रीर श्रीमती सिमीलिया विलियम रोजा रियो।

(ग्रन्मरक)

2. श्रीमती मुमताज अब्दुल बयान मिस्त्री

(अन्तरिती) ।

को बहु सूचना चारी करके वृत्तांक्य सम्परित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत बन्धरित के अर्थन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बाबोप:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सें 45 दिवा की स्वतिष ना तस्त्रव्या व्यक्तिकों पर स्वता की तानील से 30 दिन की सविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्राचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के शाम लिखित में किए या सकींगे।

स्वक्रदीकारण: ---इसमी प्रयुक्त कंक्दों और पर्दों का, जो जबता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास मा विका स्वाह हैं।

and whi

अनुची जैसा कि विलेख मं० 3190/1984 फ्रीर जो उप राजस्ट्रार बंबई द्वारा दिनांक 23-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—11 बम्बई

नारीख ' 10 जुलाई 1985

मोहर्ड 🖫

प्रक्रम् बार्ड ० टीव एन० एस०-

अगयकार व्यक्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 260-च (1) जे अधीन सूचना

भारत सरकार

कावलिया, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 2/37 जी०-3719/ नवम्बर्/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दास

गामकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इतनें इसके परेवात् 'उक्त अभिनियम कक्ष गया हैं), की वास 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का काइण है कि स्थावर तस्मिति विसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रुन् से अभिक ही

म्रोर जिसकी सं गावशा रेण्ड स्ट्रस्वर के साथ जीसका सी किटी एस कां की -406 मीर बी -407 मुनी सिपल बार्ड न एच इंडल्यू 803 स्ट्रीट नं 13 वरोडा रोड़, बान्द्रा बस्बई -400050 है तथा जो बस्बई में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) मीर रिजस्ट्रीकरण आंधानियम रिजस्ट्रीकर्ता आंधकारी के कार्यालय बस्बई में राजस्ट्रीकरण अधिनयम रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्बई में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-84

- (क) जल्तरण से हुई किसी शाय की बावब्र , उक्त अधि-नियम को अधीय कर धोने के जल्परक के वायित्थ में कमी कहने या उससे, क्यने भें सुविश्या के लिए; शौर/शः
- (वा) एती किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों का राजकी मार्जनीय अप्रकार अधिनिधमा 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनिधमा, वा पत्कर विभिन्न , वा पत्कर विभिन्न , वा पत्कर विभिन्न , वा पत्कर विभिन्न , वा पत्कर विभाग । विभाग प्रकार वहाँ किया राज या पत्कर वा पत्र वा पत्कर वा पत्कर

कत अब. उथन अभिनियम की धारा 269 म के सबुकरण की, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात् .

1. श्रीमती सिवील मिरांडा श्रीर श्रीमती थेल्मा मिरांडा।

(भ्रन्सरक)

2. श्री रेमड ए० रेमंडियोस श्रीर श्रीमती मोती रेमांडियोस।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना भारी कारके पूर्वोक्त तम्परित के वर्षन के निस् कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्या के ग्रथमत में प्रकाशन की तहरील से 45 दिन की अविभ मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभ वास में सुनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इमागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास किसित में किए जा सकींने।

स्थळकरण ह इसमें प्रवृक्त शब्दों और वदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मसरी

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3304/83 और जो उप र/जस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-84 को रिज-स्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अस्बई

तारीख: 10 जनाई 1985

मोहर:

mand is a <u>least the transfer transfer</u> of the contract of the

शक्ष्म वार्षः, द्वीः एतः, शनः,-------

मानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-१ (1) के अधीन सुच्ता

बारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुल।ई 1985

ांगर्देश सं० 2/37-जी 2722 नवम्बर 84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 एफ० पी० नं० 90 टी० पी० एस० 1 णान्ताकुज विलेज डान्डा बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 29-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकृत बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिवात मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षित नृहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुप्धिक्ती श्राय की बावस जिल्ला अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्तरण के दासित्व में कमी करने या उससे वचने से सुविधा के बिए; क्षरिया
- (च) ऐसी किसी नाय का फिसी धन वा अन्य कास्तिकों को . जिन्हीं निर्दाय नाय-कर जीवीनवाम 1922 (1922 का 11) हा उक्स मिनियम, या प्रस्टर जीवीनयम, 1957 (1957 का 27) अ अभाषनार्थ अस्तिरिदी ध्यारा प्रस्ट नहीं किया सहार्था में अभाषा अभा अभा को साहिए था क्रिकार में स्विधा के सिए;

अस. अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्भरण भें, भें, अक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती रामटीका सुल्लान सांग मकीना । (अन्तरक)
- श्रीमती सन्तोश कुमारी मदन सींग भरारा। (अन्तरिती)
- 3. (1) सत्याविन परब (2) मनसुखलाल खादसं ग्रीर मनीलाल भीखाभाई (3) पन्नालाल आर० गुप्ता (4) महमूद सुयद (5) श्री थिमाया शेटी (6) सत्यावान डी० बिरमील (7) डा० अजीय

(6) सत्यावान डी० बिरमोल (7) डा० अजीय आर० वोरा (8) मुशील।बाई मालपीकर श्रीर

(9) मनजीत सीह मुल्तान सींग। (ह व्यक्ति जिसके अ

(ह^{ें ड्य}क्सि जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को गृह सुभना बारी कारके पृशाँक्त संपन्ति कं शर्बन के विष् कार्यशाहियां कारता हुं।

उनत संब्दित के अर्थन के संबंध में कोएं भी बाकोप है---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, बांधी सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए वा करोंचे।

स्वाधिकरणः-इतमे प्रयुक्त सम्बा और पदां का, जो उत्तर विभिन्यम, के अध्याय 20-क माँ परिभाजित है, वहीं वर्ष होगा, भो उस अध्याय में दिमा गया है।

बनस की

अनुसूची जैंसा कि विलेख सं० 1172/83 श्रीर जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दौस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

मारीख : 10 जुलाई 1985 मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 5th July 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III—In continuation of this office Notifications of even number dated 25-1-1985 and 8-3-1985, the President is pleased to appoint S/Shri K.P. Iyer and Inderjit Singh, regular Section Officers of the CSS cadre of the Umo n Public Service Commission to officiate as Desk Officers in the Office of the U.P.S.C. on regular basis with effect from 1st July 1985 until further orders.

2. The President is also pleased to appoint the following regular section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

Sl. Name of the	r				:	Period of ad-hoc appoint- ment as Desk Offi- cer	
1 2	2						3
S/Shri 1. R.P. Saroj					•		1-7-85 to 31-8-85
2. Ram Autar	•			•	•	•	1-7-85 to 31-8-85
3. Sudesh Kum	ar	-			•	•	2-7-85 to 31-8-8 5
4. N.P.S. Gujra	.l ·		•		•	•	2-7-85 to 31-8-85
5. Krishan Lal-	II ·		•	,	•	٠	13-7-85 to 31-8-85
6. Anil Kumar						•	15-6-85 to 29-6-85

^{3.} The above noted officers shall draw special pay (@ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. (now Deptt. of Personnel and Training) O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11-12-1975.

No. A. 32014/1/85-Admn. III—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Si. No.	Name of th	s Offi	icer				á	Period of ad-hoc appoint- nent
1		2		_ ,				3
	/Shrı			- 				
1. K	C.L. Sud		•	-	-	,	•	2-7-85 to 30-9-85
2. S	.D. Mall	•	•	•	•	•	•	2-7-85 to 29-10-85
3. B	ir Inder	٠	•	•	•	•	٠	2-7-85 to 29-10-8:
4. F	I.C. Sharma	•		•	٠	•	•	1-7-8: to :31-8-8:
5. P	ahlad Singh				,		•	15-7-85 to 31-8-85

1 2							3
S/Shri							-
6. A.S. Bedi				•	•		2-7-85 to 31-8-85
7. S.B. Gupta	•	•	٠	٠		•	2-7-85 to 31-8-85
8. O.P. Trehan	•		•	•	•	•	15-6-85 to 31-7-85
9. R.N. Mathur	•	•		•	•		2-7-85 to 16-8-85
10. Smt. Santosh F	Capo	or	•	•	•	•	2-7-85 to 16-8-85
1. Avtar Singb		•	•	1	•	•	2-7-85 to 16-8-8 5
12. Bishamber Day	/al	•	٠	٠	-	ě	3-7-85 to 17-8-85
13. Tara Singh (SC	. ")	•	•	•	-		13-7-85 to 31-8-85
14. J.P. Sharma	•	٠	٠	•	•	•	3-7-85 to 17-8-85
15, S.P.S. Sagar (Se	C)		•	•			16-6-85 to 31-7-85

The 16th July 1985

No. A.32013|3|83-Admn.I.—In pursuance of the instructions contained in the Department of Personnel & Training O, M No. 5|1|83-CS.II dated the 30th July, 1983 and consequent on the nomination of Shri T. R. Veeraraghavan, Grade 'B' Stenographer of CSSS cadre of the Ministry of Finance, presently on deputation with the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi for appointment to Grade 'A', of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of Union Public Service Commission by that Department under the Zoning Scheme vide their O. M. No. 7|18|83-CS.II dated the 5th June, 1985, the President is pleased to appoint Shri T. R. Veeraraghavan, Grade 'B' Stenographer of CSSS as temporary Private Secretary (Grade 'A' of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th July, 1985 until further orders.

2. Shri T. R. Veeraraghavan, Private Secretary (Grade A of CSSS) is hereby relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission on the forenoon of 16th July, 1985 in connection with his appointment as Private Secretary on deputation basis with the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi. The term of deputation of Shri Vecraraghavan with the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal will be upto 31st December, 1985 only.

The 19th July 1985

No. A. 32014|1|85|(i)-Admn.1.—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:

Sl. No. Name & Period

- 1, Shri V. P. Mahajan--2-7-85 to 30-9-85
- 2. Smt. Saroj K. Kapooi -2-7-85 to 30-9-85
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

The 22nd July 1985

No. A. 35021|1|85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, Assistant Director (OL) in the office of Union Service Commission, to the post of Senior Research Officer (Language Medium) (Group 'A' Gazetted) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 in the Commission's office on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 17-7-1985 to 16-1-1986 or until further orders whichever is earlier subject to the concurrence further orders whichever is earlier, subject to the concurrence of Deptt, of Official Language,

2. The appointment of Smt. Sudha Bhargava to the post of Senior Research Officer (Language Medium) will be on deputation basis and her pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O. M. No. F.1 (11).E. III (B) 75 dated 7-11-1975.

The 26th July 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers ou ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, Whichever is earlier;

SI. Name No.									Period
1	2				-	_			3
1.	S/Shri S.L. Kumar								31-7-85 to 29-10-85
2.	Philip John	•		•	•	•	•	•	31-7-85 to 29-10-85
3.	A.S. Jat	•	•		•	•	•	•	31-7-85 to 31-8-85

M.P. JAIN, Under Secv. (Admn.) Union Public Service Commissioon

New Delhi, the 13th June 1985

No. A.32014 185-Admn. III.—The President is pleased appoint Shri Krishan Lal-II, a regular Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Desk Officer on an ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 10-6-85 12-7-1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Krishan Lal-II shall draw a special pay @ Rs. 75|- p.m. in terms of Deptt. of Personnel & A.Rs. O. M. No. 12|1|74-CS,I dated 11-12-1975.

ROOP CHAND SHARMA Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 9th August 1985

No. 6P PRS 014.—In Supersession of this Commission's notification No. 2 21 84-Admn. dated 13th June 1985, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. L. Pinto, Chief Engineer (Civil), Level-II in the Office of Director-General of Works, C.P.W.D. as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 2250-125|2-2500 with effect form the forenoon of 1st June, 1985 for whichever is a period of five years or until further orders.

> K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 6th August 1985

No. C-4[65-AD.V.—Shri C. Sitaramamurthy, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the alternoon of 30th June, 1985, on superan-

No. P-4|69-AD.V.—The services of Shri P. P. Singh, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on repatriation are placed at the disposal of Govt. of Bihar w.c.f. the forenoon of 2nd July, 1985,

No. S-2|70-AD.V.—On his substative appointment as Asstt. Legal Adviser (Grade-IV) in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Director|SPE CBI as Head of the Department hereby terminates the lien of Shri Shiv Parkash held by him on the substantive post of Public Procecutor|CBI under FR 14-A(B) with effect from 20|5|1985.

The 8th August 1985

No. A-19021|7|80-Ad.V.—The services of Shri K. J. Singh, IPS (WB-1969) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW Delhi Branch are placed at the disposal of Govt. of West Bengal with effect from the afternoon of 18th July, 1985, on repatricion.

No. R-4|70-AD.V.—Shri R. K. Bandha having been moved from service by order of the President, relinquished charge of the office of Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Training Centre, New Delhi w.e.f. 29th July, 1985 afternoon.

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI New Delhi.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 5th August 1985

No. O. II-1971|84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 29-6-85 to 7-7-85 (AN) only.

No. O.II-1971 84-Est.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 13-7-1985 (FN) for a period of three months or till the recruitment is made to the post on regular basis, whichever is carlier.

No. O.II-2001 [85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyothrmayee Lahon as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 9-7-85 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the peet is made on regular basis, whichever is earlier ment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

O.II-2045 84-Estt (CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Seetharamaraj as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis for a period of three months with effect from 21-6-1985 (FN) or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II-2046|85-Estt.-The Director General, CRPF pleased to appoint Dr. V. P. Narang as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 20-5-85 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O. 11-2047[85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Dinesh Chandra Goswami as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 13th June, 1985 for a period of three months that the contraction having which or till recruitment is made to the post on regular basis, whichever is carlier.

The 6th August, 1985

No. O. II-1764]82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. B. P. Hazarika, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 3-6-1985 (FN) for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier

The 16th August 1985

No. O. II-2010]85-Estt.—The Cinecto General, CRPF is pleased to appoint Dr. W. Yavan Rao, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16th July, 1985 for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th August 1985

No. E-32015(3)]6[85-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri P. R. Bhuttan, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, NALCO Angul with effect from the forenoon of 25th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(3)|5|85-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri S. K. Verma, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, FCL Sectalput with effect from the forenoon of 22nd July, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

Sd. ILLEGIBLE: Director General CISF

-4 7 -3 conduct to 1 - 10-

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th August 1985

No. Admn. 1/8-132/85-86/72—The Accountant General (Audit).-I, Andhra Pradesh, Hyderahad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840/40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders:—

Name					Date of assump- tion of charge
1					2
S/Shri 1. P.V.P. Mrutyanjaya Rao	•			•	On depu- tation
2. C. Hanumantha Rao. I	٠	•	•	•	10-7-1985 (F.N.
3. K. Seeth Rama Rao. II	•	٠	•	•	10-7-1985 (F.N.
4. T. Siva Rao	•		•	•	10-7-1985 (F.N.
5. K. Bhimeswara Rao	•	•	•	•	11-7-198: (F.N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt (P.1) dt. 26-9-81.

ANANDA SHANKAR, Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum, the 6th August 1985

No. Entt & Cash 1 10-3 85-86 61.—Shri K. K. Alexander, Audit Officer and Shri P. Renganathan, Assistant Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superanguation on 31-7-1985 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

(AUDIT)-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 1st August 1985

No. Admn. XI/Gr. I/Promotion/AO/153—The Accountant General (Audit)-I, Madhya radesh, Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the dates of their taking over as noted against them:—

Sl. Name No.	Perma- nent No.	Date of taking over	Allocated to
1 2	3	4	5
S/Shri 1, J. P. Sharma S/o Pt. Roop	01/		
Kishore	331	18-7-1985 F.N.	A.G. (Audit): II M. P. Gwalior · Branch, Gwa- lior
2. R.K. Bhatt	347	22-7-1985 F.N.	Do.
3. B.N. Singh	345	22-7-1985 F.N.	Do.

[Authority: A.G. (Audit): I Orders dated 5-7-1985 and 17-7-1985]

M. DEENA DAYALAN

Dy. Accountant General/(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

(AUDIT)-I, MAHARASHTRA Bombay-20, the 17th July 1985

No. Admn. 1|Audit|Gent|AO|1(1)|5.—In partial modification of this office Notification No. Admn I|Audit|Gent|AO|1(1)|3 dated 27-6-1985, it is notified that Shri. R. B. Choubal, whose name appears at Sr. No. 4, has been appointed to officiate as Audit Officer in the Office of the Director of Audit, Central. Bombay, on 13-6-1985 forenoon, until further orders.

The 6th August, 1985

No. Admn. I/Audit/Genl/AAO/2 (1)/6—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit

Officers (Group-B-Gazetted), with effect from the dates $\exists e \vdash \exists$ tioned against their names, until further orders:—

Sr. Name No.			Date of appoint- ment	Office to which posted
1 2	-		3	4
S/Shri	—	-		
 H.L. Manghnani 			28-6-1985	A.G. (Au)-II
			(A.N.)	Nagpur,
2. T.R. Vijayan .			5-7-198 5	D.A. (SCD),
			(F.N.)	Bombay
G.H. Donwad			24-6-1985	D.A. (C), Bom-
			(F.N.)	bay,
4. C.J. Thomas .			26-6-1985	D.A. (C), Bom-
			(Γ, N_i)	bay.
5. C.P. Ahirrao .			24-6-1985	D.A. (C), Bom-
			(F.N.)	bay.
U.R. Deshpande			1-7-1985	D.A. (C), Bom_
			(F.N.)	bay.

P.K. RAMACHANDRA N Sr. Dy. Accountant General/Admn •

Bombay-400 020, the 22nd July 1985

No. Admn.I|Genl|31-Vol.III|C1(1)826.—The Principal Accountant General, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint Shri M. R. Khare, Section Officer to officiate as Accounts Officer, with effect from 18-7-1985 F.N. until further orders.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E): RAJASTHAN

Jaipur, the 9th August 1985

No. Admn.II[G-Notfn.]85-86[141.—The Accountant General (A&E), Rajasthan, Jaipur, is pleased to promote the following Selection Grade Section Officer Section Officer of this Office ad to appoint them as officiating Accounts Officer with effect from the date noted against each till further orders:—

S[Shri

- 1. Purushottam Dass-2-8-85 (F.N.).
- 2. Hira Lal Gupta-2-8-85 (F.N.).

A. K. MAITRA

Sr. Deputy Accountant General (Adnm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I (ACCOUNTS) UTTAR PRADESH

Allahabad, the 26th July 1985

No. Admin I | 1492.—Shri Radhey Shyam Agarwal, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I (A&E), Uttar Pradesh, Allahabad, retired on 30-6-81 AN on attaining the age of superannuation.

Y. S. JOGLEKAR Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 7th August 1985

No. 28|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri T. D. Mukherjee, Director (Subst. Jt. Director) Dy. GM) retired from service w.e.f. 31st July, 1985 (AN).
V. K. MEHTA DDGOF[ESTT.

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICES SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 5th August 1985

No. 33|4|84-Fstt,—The Head of Department. Drectorate General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri A. G. Samant as Additional Assistant Director (Dock Safety). Inspectorate Dock Safety, Bombay under the DGFASLI-Bombay in an officiating capacity with effect from 1-7-85 (F.N.).

S. B. HEGDE PATIL
Dy. Director General &
Head of Department

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 2nd August 1985

No. A6|247(142)|76.—Shri S. N. Vohra, Permanent Grade I Officer of Indian Inspection Service, Group 'A' and Officiating Dy. Director General (Inspection), South West Zone at Bombay expired on the 17th July, 1985.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th August 1985

No. A-19012(213)|85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri B. T. Ukhalkar, officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st August, 1985, until further orders.

No. A. 19011(382) 85-Estt.A. Vol. I.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Mahendra Kumar Somani, Senior Technical Assistant (Geo.) to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the 16th July, 1985 (Forenoon), until further orders

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mincs.

DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 5th August 1985

(ARCHAPOLOGY)

No. 10|4|85-M.—In exercise of powers conferred under rule 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules. 1959. I, M. D. Khare, Director (Monuments), hereby direct that the Archaeological Area, Red Fort. Delhi will remain closed to the visitors on 14th August, 1985 and upto 1200 hrs. on 15th August, 1985.

M. D. KHARE Director (Monuments)

<u>- - \-----</u>

DIRECTORATE GENERAL DOORDARSHAN New Delhi, the 1st August 1985

No. 8/7/85-SII —In pursuance of the Directorate General: All India Radio, Order No. 1/18/84-S II (Vol. II) dated the 29th April, 1985, the Director General: Doordarshan is pleased to appoint the following Head Clerk/Accountant/Sr. Storekeyper as Administrative Officers in a temporary capacity on regular basis in the pay scale of Rs. 650-969 with effect from the dates indicated against each:—

SI. Nar No.	ne & Kendra v		Date of assuming charg of the post.				
1	2			·—		3	
S/Sh	rł					<u> </u>	
1. V.H. DD f	S., Iyer . K. Trivandrum	i		٠	•	16- 5 -85 (F.N.	
	Shinge, Bombay.	•	•	•	٠	10-585 (F.N.)	
3. D.N.	Bhakhri, . Delhi,	•		•		22-5-85 (F.N.)	
4. G.J.	Samuel, Madras.	٠		• ,	•	10-5-85 (F.N.)	
5. Kum	. Usha Tirkey, . Ranchi.					23-5-85 (F.N.)	
6. M.A.	Khadilkar, Nagpur.	•	•	•		6-5-85 (F.N.)	

KASHMIRI LAL, Dy, Director of Admn. for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 5th August 1985

No. A-32014|4|83-RC.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the competent authority has appointed Shri G. K. Guru Raju, Permanent Assistant Cameraman and Officiating Assistant Newsreel Officer on ad-hoc basis in Films Division, New Delhi, to officiate as Cameraman in the same office on a pay of Rs. 680|- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-960 with effect from the forenoon of 18-6-1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 2nd August 1985

No. AMD-16[8]85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ram Nath, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant. Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on ad-hoc hoc basis with effect from June 17, 1985 to July 17, 1985 vice Shri I. S. Mokha, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

The 5th August 1985

No. AMD-2|2723|77-Adm.—The resignation tendered by Shri Rajan Sahoo Scientific Officer|SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has 47—216GI|85

been accepted by Director, Atomic Minerals Division with effect from 31-7-1985 (A|N).

Sr Admy. & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 8th August 1985

No. 05012|R2|Feb.85|2941.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Anil Mitra, Scientific Assistant-C, Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same Plant w.e.f. the forenoon of 2-2-1985 until further orders.

No. 05012|Feb.85|2946.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri C. S. Shrivastava, Scientific Assistant-D Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same Plant w.e.f. the forenoon of 1-2-1985 until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 26th July 1985

No. 020|1(15.4)|85-Est.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri K. R. Hemant Kumar from the post of Scientist Engineer 'SB' in the ISRO satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space, with effect from the afternoon of July 23, 1985.

II. S. RAMADAS

Administrative Officer-I

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 30th July 1985

No. VSSC|EST|F|1(17).—The Director, VSSC hereby appoints on promotion Shri KC Kurup as Scientist|Engineer 'SB' in the Vikram Sarabhai Space Centre of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of October 1, 1983 and until further orders.

G. MURALIDHARAN NAIR Administrative Officer-II (EST) for Director-VSSC

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 8th August 1985

No. E(1)05397.—Shri K. B. Punnaiah, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, has retired voluntarily from the Government service with effect from 11-3-1985 (AN). under Rule FR 56(k).

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st July 1985

No. A.38013|1|85-EC(.).—Shri B. C. Ghosh, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Calcutta, in Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 30-6-85 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 1st August 1985

No. A. 32014/5/85-EC(.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants (at present working as Assistant Communication Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Communication Officer in the pay scale of Rs. 65)-1200/- on regular basis with effect from the date shown against each and until furthe orders:—

Sì. No.	Na	ıme				Date of appointment on regular basis
1	2	·				 3
S/Shri					 	
1. A,S, S	ivaramal	rish	nan			1-2-85
2. M.S. S	inghal					1-2-85
3. P. Bos	е.					1-3-85
4. S.S. Sa	ındhu					1-3-85
5. B.M. (Bulati					1-4-8
6. S.P. Va	ısawada		٠.			1-48
7. Kaur S	ingh					1-6-8
8. J.S. Ve	di .					1-6-85
9. J. Gho	sh ,					1-7-85
10. Jagdish	ı Chand		,	ï		1 -7 -8 5
11. G.N. N	Jailwal					1-7-85
12. C.L. Se	en Chow	dhur	y (SC)		٠,	1-7-85
3, R.K. B	epari (SC	2)				1-7-85

V. JAYACHANDRAN Dy. Dir of Admn,

New Delhi, the 11th July, 1985

No. A. 32013/6/84-I.A.—The President is pleased to continue ad hoc appointment of the undermentioned Aerodrome Officers for the period from 1-1-85 to 13-2-85:—

SI.	Namo			
1	2	 e de la companya de l	(1997 <mark>-1988) - 1997-1998</mark>	CC 7.COMPHIME / PARTY

S/Shri

- 1. K.C. Biswas.
- 2. S.L. Biswas.
- 3. V.V.Divekar.
- 4. C.B. Yadnaik.
- 5. S.A. Krishnan.
- 6. A.C. Das
- 7. Y.P. Sawhney.
- G.L. Snngh.
 M.S. Rawat.
- 10. J.P. Kapoor.
- 11. N.C. Edbore.
- 12. P.N. Dhanraj.
- 13. A.C. Jassal.
- 14. J.C. Kartania.
- D.K. jain.
 S.B. Kamble.
- 17. K.B. Khurade.
- 18. R. Sampath.
- 19. Gurmukh Singh II.

M. BHATTACHARJEE, Dy. Dir. of Admn.,

New Delhi-22, the 27th June 1985

No. A.380f3|1|885-EA.—Shri Y. P. Sawhney, Acrodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Delhi retired from Government services on the 30-4-85 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJFE
Asstt. Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 8th August 1985

No. 17|85.—Shri Moti Lal Bala, lately posted as Senior Supdt. of Central Excise Collectorate Calcutta-II, on his transfer to the D.D.I.C.C.E., New Delhi vide Ministry's Order No. 98|85 dated 9-7-85 issued vide letter No. A-22012|42|85-Ad.II. assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (C&CE) in the East Regional Unit of DGICCE at Calcutta on the forenoon of 18-7-85.

A. C. SALDANHA Director General of Inspection

CT STOPE IN THE COMMUNICATION TO THE COMMUNICATION OF THE COMMUNICATION

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

Now Delhi, the 6th August 1985

No. 492/85. F.No. 22/1/85-Admn. I (B)—The Chairman Central Electricity Authority hereby appoints the following, Technical Assistants to the grade of EAD/AE of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the date noted against each:—

SI. No.	Namo				Date of appointment as EAD 1
1	2	 			3
1. 2.	S/Shri Sharad K. Varshney Balbir Singh-II V.K. Sharma		,		30-7-1985 30-7-1985 31-7-1985

R. SESHADRI, Under Secy for Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES ANDHRA PRADESH

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Srec Ramakrishna Gur & Khandsarl Sugar Works Private Limited,

Hyderabad, the 9th August 1985

No. 1284|TA III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sree Ramakrishna Gur & Khandsari Sugar Works Private Limited unless cause is

shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sankhya Sea Foods Private Limited.

Hyderabad, the 9th August 1985

No. 2582 TA III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Sankhya Sea Foods Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Navkala Sarees Private Limited,

Hyderabad, the 9th August 1985

No. 2604/TA III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereby the name of the Navkala Sarces Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies Andhra Pradesh Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and

In the matter of Travancore Ogale Glass Manufacturing Company Limited.

Trivandrum, the 5th August 1985

No. 1185 Liq. 5779 85.—By an order dated 10-6-1985 in C.P. No. 3 1983 of the High Court of judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up Travancore Ogale Glass Manufacturing Company Limited.

V. A. VIJAYANMENON Registrar of Companies, Kerala

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.)
U.P. & COMMISSIONER OF INCOMETAX, LUCKNOW

INCOME TAX DEPARTMENT

Lucknow, the 5th August 1985

C. No. 22(A) 85-IV.—1. Shri S. C. Bhattacharya, ITO (Gr. 'A') posted as Income-tax Officer, A-Ward, Faizabad

has since been retired in the afternoon of 31-7-85 due to age of superannuation.

- 2. Shri P. N. Kansal, ITO (Gr. 'B') posted as PRO and ITO (Recovery) Lucknow has since been retired in the afternoon of 31-7-85 due to age of superannuation.
- 3. Shri K. K. Mahajan, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200. On his promotion he joined as Income-tax Officer, A-Ward, Lucknow Circle, Lucknow in the forenoon of 16-7-85.
- 4. Shri A. B. Ram (SC), Income-tax Inspector of Allahabad Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000 EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer (Ivt.) Gorakhpur in the forenoon of 24-7-85.

Chief Commissioner of Income-tax (Admn.) U.P.
Commissioner of Income Tax, Lucknow

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN

Cochin-682 016, the 26th July 1985

ORDER

Sub: Establishment: Promotion to the cadre of Incometax Officer, Group 'B'.

- C. No. 2|Estt|Con|85-86.—The following Inspectors of Income-tax are promoted to officiate as Income-tax Officers, Group 'B', in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with offect from the date(s) they take over charge and until further orders:
 - 1. Shri P. T. Nethran
 - 2. Shri N. R. C. Menon

(Presently on deputation to the office of the Competent Authority, Madras).

They will be on probation for a period of two years.

2. The above promotions are made on a provisional basis. The promotions are liable to termination without notice. It will not confer on the promoted officials any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

M. J. MATHAN Commissioner of Incometax, Cochin

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Lokhandwala Prmises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Muster N. R. Babla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14690 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 505 5th floor, Residency A.
Plot No. 38, S. No. 41 (Pt.) four bungalows,
Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 505, 5th floor, Residency A, Plot No. 38, S. No. 41 (Pt.), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under Serial No. AR.II|37EE|14690|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

Scal:

(1) M|s. Properties & Estate, Management (P) 1.td. (Transferor)

(2) Prem Maithil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II 37-1 E 4666 84-85 .-- Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 702, 7th floor, ACCORD. A, Plot No. 17, S. No. 41 (Pt.), four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor ACCORD. A, Plot No. 17, S. No. 41 (Pt), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11[37EF]14666[85-85 on 16-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-7-1985

(1) M/s, Lokhandwala Estates & Develop, Co. (P), Ltd. (Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss U. S Multani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.H 37EE 14594 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]—and bearing No.

R. 1,00,000]- and beating No. Flat No. 1209, 12th koor, Magnum Towers, plot No. 357, S. No. 41 (Pt.), four bunglows, Versova, Andheti (W), Bombay 58 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons watchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1209, 12th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 (Pt.) four bungalows, Versova, Andheri (W), Hombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14594|84-85 on 16-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

Date: 5-7-1985

(1) Inderint Properties P. Ltd,

(funnsfe: ir)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sayceda A. S. Motlikar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Rcf. No. AR. [I] 37EE [14610] 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. Flat No. 7. 8th floot, B Wing, Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Pt.) Oshiwara, four bungalows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecting the consideration and that the Officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

HER TALETTEE NAME TO THAT HE T

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 8th floor, B Wing, Twin Towers, plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Pt.), Oshiwara, four bungalows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 14610 | 84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

FORM ITNS-----

(1) M|s, Hiranandani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Minoo Naval Madon & Mr. Naval Minoo Madon

(3) Transferor,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15031|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 609, Neptune Arartments, Hiranandani Estate, Off. J.P. Road, behind Apn. Ghar. Oshiwara,

Andhei; (W), Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Acst, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 609, in Neptune Apartments at Hiranandani Estate, Off. J.P. Road, behind Apar Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR.II[37EF]15031[84-85 on 30-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-7-1985.

Scal:

(1) Mis. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anup Shankar Sabnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. AR.II|37EE|14657|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Breeze Flat No 705, A-Wing,
7th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part)

Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe: assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Breeze' Flat No. 705, A-wing, 7th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part) Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14657|84-85 on 17-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-48-216GI|85

Date: 3-7-1985.

FORM ITNS----

(1) M/s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2()Mrs. anta Shrikant Dalvie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14827|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Property having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000]Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Breeze' Flat No. 406, A-wing,
4th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part)

Four Bunglows, Oshiwara, Versova,
Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under Section

269 AB of the Incomo-lox Act. 1961 in the office of the

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

'Breeze' Flat No. 406, 'A' Wing, 4th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part), Four Bungalows Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II[37EE]14827[84-85 Competent on 22-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons unnely :---

Date: 3-7-1985.

(1) Ms. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shrikant Eknath Dalvie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14828|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the introv-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. "Breeze" Flat No. 405, A-wing, 4th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part) Four Bunglows, Versova, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section

nas peen transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Breeze" Flat No. 405, A-wing, 4th floor, Plot No. 25 S. No. 41 (part) Four Bunglows, Versova, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14828[84-85] on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985.

(1) M|s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Mahendra S. Chopra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14654|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 'BREEZE' Flat No. 605, B-Wing, 6th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*PLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

BREEZE Flat No. 605, B-wing, 6th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14654 84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

(1) Mls. Raviraj Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Dr. Anil Tilakraj Arora & Mrs. Dr. Jyotika Anil Arora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14826|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

roperty having a fair market value exceeds. 1,00,000|- and beating No. "Denzil" Flat No. 502, A-Wing, 5th floor, Plot No. 31, S. No. 41 (pt.) Four Bungalows, Oshiwara, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ors
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Denzil' Flat No. 502 'A' Wing, 5th floor, Plot No. 31, S. No. 41 (part) Four Bungalows, Oshiwara, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14826[84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :--

Date: 3-7-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Atul Vijay Garg & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14449 84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II]37EE[14449]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]- and beating No. Flat No. 701, 7th floor, 'Richmond' Bldgs,, Situated at Plot No. 13, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Ardheri (W). Bombay-58

Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tunsferred and agreement is registered under Section

has been t ansierred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Com etent Authority at Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of suc! apparent consideration and that the consideration for suc! transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

tacilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 701, on the 7th floor in the Bldg. Richmond situated in Plot No. 13 of S. No. 41 (part), Four Bunglaw, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14449|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Patrick Caddy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. ARII|37EE|14404|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1001, 10th floor, 'Everest' Bldgs, Jay Prakash

Narayan Road, Versova, Andheri (W),

Bombay-61.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984 in the office of the

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Everest' Bldgs., Flat No. 1001 on 10th floor, Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14404 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-7-1985

Scal ·

FORM ITNS ----

(1) M|s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

> Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II[37EE|14389|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

nems the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 204, II floor, 'Home Court' Building, situated at
Plot No. 336 of S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova,
Andhe.i (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facil'taing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri A. P. Tawadia & Z. A. Tawadia

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 on II floor in the Bldg. Home Court situated at Puot No. 336 of S. No. 41 (part), Four Bunglows Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14389| Authority, Bombay 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1985

(1) Shri Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Myrtle Manuel Almeadi & Sri Ralph Manuel Almeida.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31d July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15055|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Shop No. 3, Ground Floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Naraynan Road, Versova, Andheri (W), Bomaby-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the monaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferous and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —49-216GI|35

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on Gr. Floor, 'Everest' Bunlding, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|15055]84-85 on 30-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 3-7-1985 Seal :

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Harbansh N. Mathur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II/37EE/14405/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to velieve that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 410, 4th Floor, 'Everest' Bldgs., Jay Prakash Narayan Road Versova, Andheri (W), Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority et Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the maid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as even in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 on 4th Floor in 'Everest' Bldgs., Jay Prakash Narayan Road. Versova, Andheri (W), Bombay

The agreement has been 10g, stored by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14405[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Phitoze B. Chapgar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX \(CQUISTION PANGE-II, \) ROMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14406|84-85.-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

and bearing No. Flat No. 202, Il floor, 'Everent' Building, Jay Parkash Nara-yan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule below) has been has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I come-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mattures at of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on II floor, 'Everest Iddg.' Jay Piskish Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

The agreement has been registered by the Comp.tent Authority. Bembay under Serial No. AR 1°|27FF|14406|84-85 on 9-11-1984.

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of I scome-tax
Acquisition Pance-U
Bombay

Date: 3-7-1985 Seal:

(1) M|s. Hiranandani Builders

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Prasad Pande.

(Transferce)

(3 Transferor.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, DOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15030|84-85 -- Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 201 A. (1 floor, in Neptune at Hiranandani Estate, Oshiwara, Andherr (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been stuly stated in the said instrument of anafer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the nustron on Fay that under the said Act, in respect of any means arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of a y income or any monrys or other assets which tave not been or which ought to be disclosed by he transferes for the purposes of the Indian Inco no-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 201 A on the II floor in Neptune at Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15030|84-85 on 30-1 -1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok K. Shab.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14891|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1406, 14th floor, Bldg. 'Ivory Heights', situated at Plot No. 1. S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheii (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 All of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 1406 on the 14th floor in the Bldg. 'Ivory Heights', situated at Plot No. 1, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, + ombay under Script No. AR.II|37EE|14891|84-85 on 24-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok K. Shah.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Bombay, the 3rd July 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.H:37EF|14889|84-85 - - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,0001, and bening No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat Nc. 1304, 13th ficor, 'Ivo; y Height,' Bidgs, situated at Plot No. 1, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule anineved hereto), here been described and large annual independent annual model.

(and more fully described in the Schedule animexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

EXPLANATION — The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay fax under the said Act in respect of au, income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which kave not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Hat No. 1304 on the 13th floor in the Bldg. Tvory Heights situated at Plet No. 1 of S. No. 41 (Part Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreen ent has been registered by the Competent Authority, Bo nbay under Serial No. AR,II[37EE]14889[8 \pm 85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 249C of the mid-Act, I proby initiate proceedings for the a quisition of the aforesak property by the issue of this section and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985 Veal: FORM ITNS-- --- ---

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(2) Mr Sabhir Tahen Mithaiwala.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FIFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14397|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000]- and bearing Flat No. 703, 7th floor, 'Prime Rose' Bldg., situated at Plot No. 318 of S. No. 41 (part), Four Bungalows, Ve sova Andheri (W), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen percent of such apparent consideration and that the ensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectic 269D of the Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pro arty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor in the Bld. Prime Rose situated at Plot 318 of S. No. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14397|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

FORM ITINS-----

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Champaklal C. Godiwala, Smt Kusum C. Godiwala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14537|84-85.-heeras, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Flat No. 44, on 4th floor of 'B' Wing on Plot No. 24, of Shree Swami Samurtha Prasanna Co-operative Housing. Society Ltd.. O hiwara Village Andheri (W).

situated at Bomaby

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the production of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor of 'B' Wing on Plot No. 24, of Shree Swami Samartha Prasanna Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 41 (part), Oshiwara Village, Versova, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14537|84-85 on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

(1) Mls Rajkumar Agencies.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Riyaz Sultan Sajan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Rcf. No. AR II|37EE|14629|84 85 —Whereas, J, _AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding 8. 1.00,000|- and bearing No. lat No 702, 7th floor in Everest Bldg., Juy Prakash Road,

/er ova Andheri (W), Bombay-61

tuated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), uss been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of he Competent Authority at Bombay on 17-11-1944

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that Le consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said tell shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor Everest Bld , Jay Parkash Road, Versova Andheir (Wr. Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE 14629 84-85 on 17-11-1984.

> LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the last ag nersons namely 50—216GI|85

.ate : 5-7-1985

(1) Mrs. Kamla J. Wadhwa.

(Transferor)

(2) Mr. Allan Pereira & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref No. AR.II[37EE]14776|84-85.--Wherens, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. 8, Crossgates at Plot No. 334 of S. No. 41 (part), 4 Bungalows, Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58

situa'ed at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

blow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, ground floor in the building Crossgates at Flot No. 334 of S. No. 41 Part, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14776[84-85 on 19-11-1984.

LAXMAN DA' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985 Seal;

(1) M/s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vijaya Saigal and Dr. N. C. Puri,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14734|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 601, Skywalkar at Hiranandani Estate, Off J. P. Road, Oshiwara, Andheri (West), Bombay stuated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office o the Competent Authority at

Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat No. 601, A-Wing Skywalkar at Hiranandani Estate Off J. P. Road, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the C ompetent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14734|84-85 on 19-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

(1) Smt, Premarani Tandon.

(Transferor)

(2) Shri Dharmendra Kumar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupations of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14721|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Hat No. 4C|22, Versova View Soc. Plot No. 13, 4 Bunglow-, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered und a Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Burnhay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inst, ument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to one acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person latertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4C|22, Versova View Society Plot No. 13, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14721/84-85 on 17-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:-

Date: 5-7-1985

Seal ·

FORM ITN8---

(1) Mr. Gulshan Juneja, Mr. Dilip Juneja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushila R. Jagtiani, Mr. Rupchand W. Jagtiani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14724 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the namov-

able property having a fair market value
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flut No. A-52, Sai Apartments, Opp. Pratap Society J. P.
Road, 7 Bunglows, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-52, Sai Apartments, Opp. Pratap Society, J. P. Road, 7 Bunglows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II]37EE|14724|84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

(1) MJs. Vardhan Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Agarwal & Manoj Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14730|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 303, 3rd floor 'A' Bldg., 'Pink Apats., 7 Bunglows, Versova Road, near Garden Versova, Andheri, Bombay-61 (and proper fully described in the Schedule converted beareto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to be apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, 'A' Bldg. in Pink Apts., 7 Bungalows, Versova Rd., Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14730|84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

(1) Aashirwad Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Dr. Mira Parikh, and Dr. Suresh Parikh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II 37EE 14702.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 1, 'A' Wing, Aashirwad, at Oshiwara, Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this norice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, 542, 'A' Wing of Bldg. Aashirwad, at Oshiward, Oshiwara, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/14702/84-85, on 17-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II 37EE 14703.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Flat No. 25, 7th floor, A-Wing, Aashirwad, Oshiwara, Andheri (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Aashirwad Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Shectal G. Shah Mr. Girish P. Shah

(Transferee)

(3) Transferors (4) Transferors

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be)

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 on the 7th floor, 'Aashirwad' at Oshiwara, Andheri (West) plot No. 11, S. No. 41 (Part) Village Oshiwara, Taluka Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14703 84-85. on 17-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Urban Developers

(Transferor)

(2) Shri Gajendra P. Shukla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II|37EE|14651|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000|- and bearing No. Flat No. 131, 13th floor in 'Amit Estate', Plot No. 44, 4 Bunglows, Lokhahndwal Compled, Andheri (West) Bombay-61

Flat No. 131, 13th floor in 'Amit Estate', Plot No. 44, 4 Bunglows, Lokhahndwal Compled. Andheri (West) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51--216GI85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 131, 13th floor in 'Amit Estates, Plot No. 44, 4 Bunglows, Near Lokhadwal Complex, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II[37EE]14651]84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. K. C. Gidwani

(Transferor)

(2) Mr. Harender Kumar Bhasin, and Mrs. Amita H. Bhasin

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II|37EE|14655|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001, and hearing

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 704, 'Denzil' (with Garage) Plot No. 31 S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfessed under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 'Denzil' A-Wing on 7th floor Plot No. 31 S. No. 41 (Pt.) Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14655 84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

(1) Mr. Bachubhai A. Patel Mrs. Sarojben B. Patel

(Transferor)

(2) Mr. Laxmichand Girdharlal Sheth Mrs. Lataben Laxmichand Sheth

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferors

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. $\Pi|37EE|14627|84-85$.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

and bearing
Flat No. III B, 3rd floor, Utkarsha Co-operative Housing
Society Madhavdas Amersey Road, Andheri (W) Bombay-58.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on
17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning in given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of pay income arising from the transfer;
 and/or

Flat No. III-B, 3rd floor, Utkarsha Co-operative Housing Society Madhavdas Amersey Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14627|84-85, on 17-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westib-tax Act, 1957 (27 of 1997);

LAXMAN DAS
Competent Authority

Jrepecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Vimal Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Hiralal V. Kriplani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II]37EE]14750]84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority uder Section 269B of the Income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Nand-Kripa Annexe, Shopping Centre Char Bangala Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Nand-Kripa Annex, Shopping, Char Bungalows Road, Andherl (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14750 84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. 37EE|14617|84-85.-Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact to be a second t movable property, having a fair market value exceeding ks 1,00,000|- and bearing Flat No. A|13, Flower Bloom, Veeradesai Road, Andheri

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Basanti Bhojraj Gurnani

Transferce)

(2) Mr. Fakhı uddin Ahmed Nasrulla Mrs. Sona Fahruddin Nasrulla Mrs. Asmi Taher Vasi Mrs. Yasmin Zohair Mogri

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|13 Flower Bloom, Veeradesai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II[37EE]14617[84-85, on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

FORM ITNS

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Yasmin Motiwala & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II|37EE|14552|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 705, 7th floor, Arena A at Plot No. 338 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923), or the mid Act, or the Weelth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th floor in the Bullding Arena-A at Plot No. 338, of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]14552-84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-7-1985

FORM ITNS-

(1) Inderlit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Savitridevi Chopra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14614|84-85.--Whereas, I I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and

bearing No.
Flat No. 1, 5th floor in building Twin Towers Plot 8A & 8B,
S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bungalows, Off J. P.
Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chaster.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor in Twin Towers Plot 8A & 8B, Survey No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14614|84-85, on16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-7-1985

(1) Ms. Thakkar & Karwa Associates (Partner-Prabhudus Tulsidas).

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. K. K. Mohommed

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1955

Ref. No. AR. II|37EE|14736|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing Flat No. 105, 1st floor in Kush Apartments, Veera Desal Rd. Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax w ader the mid Ast, i respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tes Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Kush Apartments at Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II[37EE]14736[84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

FORM ITNS -----

(1) Mis. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mrs. Nimmi Ram Pal.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14641|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104, 1st floor in the Bidg. Home Court at Plot No. 336, of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha, been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Au hority at

Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor in the Building Home Court, at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II[37EE]14641[84-85, on 17-11-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Competent Authority

Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-52-216GI|85

Date: 5-7-1985

(W), Bombay-58.

FORM TINS-

- M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Rajendra Uttamdas Babla

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Bombay

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14691|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.0 00.000 and bearing

Flat No. 403, 4th floor Residency—A at Plot No. 38, S. No. 41

(P) 4 Bungalows, Versova, Andherl (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. In respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor in the building Residency-A at Plot No. 38, of S. No. 41 (Part). 4 Bungalows, Versova, Adheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR, II[37EE|14691|84-85, on 17-11-1984.

> LAXMAN DAS C ent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.

(1) Ms. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hemangini R. Babla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14692 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 401, 4th floor Residency-A at Plot No. 38 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1984,

sombay on 17-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor in the building Residency-A, at Plot No. 38 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14692|84-85, on 17-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

Mis. Lokhandwala Estate & Development.

(Transferor)

Mr. B. Mukundrai Gandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14720|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 203 on the 2nd floor Premium Towers at Plot No.

351, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor in the Bldg. Premium Towers at Plot No. 351, of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14720|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

TO MILLINS

(1) Mls. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Vivi Orgo-Chem Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14744|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Post 1,00000, and beginn

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing Unit No. 32|QG Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 32 Q.G Ground floor in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Exten., Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14/44|84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. MPI Ethicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.H|37EE|14770|84-85.-Whereas; I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 30|101, 102, 103, 104 & 106 1st floor, Jaxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any, income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the afficeadt persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 30 101, 102, 103, 104 & 106, First floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extn., Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14770| Authority, Bombay 84-85, on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-7-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Salim N. Khan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14793|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Flat No. 504, 5th floor in Arena-B, at Plot No. 338, of S. No.
41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombny (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the obect of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor in the building Arena-B at Plot No. 338 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andherl (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14793 Authority, Bo on 20-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

FORM ITNS ---

(1) Ms. Sheler.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Dipti Dipak Vyas & Dr. Dipak Prataprai Vyas. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|14737|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearign No.
Flat No. 306, Sinchan Co-op, housing Society Lt. Plot No.
M.1 Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to betwen the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

tw) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any memers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th floor in Sinchan Co.-operative Housing Society Ltd., at Plot No. M.1 Veera Desai Rd., Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14737|84-85, on 19-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-7-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) M/s. R,N,A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manoj David & Miss Sandra Chaves.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUUISITION RANGE-II. ВОМВЛҮ

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14532|84-85.--Whereas, I.

Ref. No. AR.II|3/EE|14552|84-85.—whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 71, 7th floor, Roshanlal Aggrawal Complex Off J.P. Rotd, S. No. 41 (Pt.) Near Apna Ghar, Andheri (West), Versora Rombay-58

Versova, Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habiity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which hat not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income (c) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Object.ons, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor, Roshanlal Aggrawal Complex Off I.P. Rotd, S. No. 41 (Pt.) Near Apna Ghar, Andheri (West), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H|37EE|14532|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 269D of the said Act to be follower. nersons namely :---

53- 216GJ[85]

Date: 5-7-1985

FORM ITNS

(1) M/s. Lokhandwala Estate & Devolopment Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Pankaj Sahney (HUF).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14639|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (because the referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 602, 6th Floor Magnum Towers, at Plot No. 357, of S. No. 41(Part), 4 Bungalows, Versova, Audneri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 17-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Flat No. 602, 6th Floor Magnum Towers, at Plot No. 357, of S. No. 41(Part). 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been register... by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II|37EE|14639|84-85, on 17-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assutant Commissioner of Income-tax Compeent Authority Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 5-7-1985 Seal :

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Brighon Fnterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, he 5th July 1985

AR.II|37EE|14534|84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Montana-A, Annexe, of S. No. 41 Part, Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14954|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Lokhandwala Estate & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Manjul Kumar Sinha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, he 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14536[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 505, 5th floor Premium Towers at Plot No. 351 of No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheii (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factilitating the reduction or evasion of the Uability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor in the Bldg. Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part). 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14536|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 5-7-1985

Seal

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA (2) Shi Sundeen Vasant Bambolkar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14538|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority mader Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 74, 'C' Wing, Shree Swami Samartha Prasanna
Co-operative Housing Society Ltd., Near 4 Bungalows,
Versova, Andheri (W).

Versova, Andhori (W).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(4) facilitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 74, 7th floor 'C' Wing, on Plot No. 24, of Shree Swami Samartha Pinsanaa Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 41 (Part) Oshiwara Village, Near 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14538|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14747|84-85.—Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 to us the 'said Act'),

have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 603, 6th floor Smyphony-A at Plot No. 344, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
- (2) Mr. Akhtar Alam Shah.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be stade in writing to the undereigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor Smyphony-A at Plot No. 344, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14747|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Jaycee Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. C. Patel,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14845|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000 and bearing
Premises No. 16, ground floor, 21, Purshottam Building,
J.P. Road, Near Navrang Cinema, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises No. 16, ground floor, 21, Purshottam Building, J.P. Road, Near Navrang Cinema, Andheri (W), Bombay-The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 14835 | 84-85, on 22-11-1984,

andlor

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Bombay

Date: 5-7-1985

(1) Mr. Vidyadhar Gajanan Mhatre & Others. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Build Quick.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14471|84 85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing S. No. 27, Hissa No. 1 (Part), CTS. No. 1198 (Part),

Versova, Andheri.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have ceason to believe that the fair market value of the property at more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

S. No. 27, Hissa No. 1 (Part), CTS. No. 1198 (Part), Versova, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]14471 84-85, on 12-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Rizvi Foundations.

(Transferor)

(2) Mr. Puthenycetil Abraham Type & Others. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37FF|15048|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Flat No. 501, 5th floor, Gulistan Building, Plot No. 12, J.P. Road, Seven Bungalews, Versova, Andheri (W), Bombay has been transferred

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

with the object of :-

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

54 - 216GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Gulistan Building, Plot No. 12, J.P. Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE 15084 84-85, on 1-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. $AR.\Pi|37EE|14008|84-85$.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 311-B, 3rd floor, B-Block, Inlaks Nagar, Plot No. 15. Yari Lane, Versova, Andheri, Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), here have fewered and he consequent by registered under

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Deepak Kumar S. Gurmani.

(Transferor)

(2) Mrs. Promila Manbhar Nagpal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311-B, 3rd floor, B-Block, Inlaks Nagar, Plot No. 15, Yari Lane, Versova, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14008|84-85, on 1 11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shankar Bhimrao Dayan Monte.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14257|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Room No. 73, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Road, S. No. 41 (Part), Ntar Apna Ghar, Andheri (W), Bombay-58. Roshanlal Aggarwal Shopping

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9 11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as so believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the parties has not been truly stated in the said instrument of object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 73, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off J.P. Road, S. No. 41 (Part), Near Apna Ghai, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|371 E|14257|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Chabriria.

be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UTCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14117|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000|- and bearing Room No. 76, 1st floor, Roshanlul Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41 (Pt.), Near Apna Ghar, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of said property may

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 76, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41 (Pt.), Near Apna Ghar, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14117[84-85, on 3-11-1984]

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 5-7-1985

(1) M|s R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. A. Vaswani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37EF|14854|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No Room No. 84, 1st floor Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Olf. J.P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Apna Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waeith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Room No. 84, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Apna Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II 37EE 14854 84-85, on 23-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

Scal .

(1) MIs R. N. A. Builders.

(2) Mt. M. G Jhaveri.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14256|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Room No. 67, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Apna Ghat, Andheri (W), Versova, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 67, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Agan Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scikal No. AR.II|37EE|14256|84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

(1) M|s R N A Builders.

(Transferor)

(2) Mt Hatish Aggarwal & Oths.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II вомвлу

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14531|84-85 - Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Room No. 86, 1st floor. Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade. Off. J.P. Road. S. No. 41 (pt.), Near Apna Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

rity at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .b) facilitating the conocalment of may income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 86, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Road, S. No 41 (pt.), Near Apna Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14531[84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. G. Jhaven

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14530|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and

No. Room No. 68, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Alcade, Off. J.P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Apan Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

rity at Bombay on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No 68, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. 1 P. Road, S No. 41 (part), Near Apna Ghar Andher! (W), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14530|84-85, on 13-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, paracly :--

Date · 5-7-1985

(1) Mls. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. B. Thareja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14849|84 95.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Room No 82, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping

No. Room No 82, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J.P. Apna Road, S. No 41 (pt.), Near Apna Ghar, Andheri (W). Bombuy-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

55--216GI|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 82, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off. J. P. Road, S. No. 41 (pt.), Near Apan Ghar, Andheri (W), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IIJ37EE 14849 84-85, on 23-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. D. Modí.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II]37FE|14561|84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAŞ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 708, 7th floor, Montana. C, Bldg., plot No. 4. S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or use Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 708, 7th floor, Montana C. Bldg. plot No. 4, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14561|84-85, on 15-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 4-7-1985

(1) M|s. Lachmibai Dalamal Punjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maruti Narayan Bhagatlal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14562|84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 305, 31d floor, BRIGHTON TOWERS Bldg., Plot No. 356, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. said the

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, BRIGHTON TOWERS bldg., Plot No. 356, S. No. 41 (part), from bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14562 84-85 on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqueition Range-II, Bombay

Act, I herefore, in parusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Harasiddh Corporation, (2) Shri V. M. Shah Chug.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14518|84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 5, 2nd floor, LENNIE Bldg., plot No. 90, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., off. J.P. Road. Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regisered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 5, 2nd floor, LENNIE bldg., plot no. 90, Swami Samaratha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd. J. P. Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14518 84-85, on 13-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqueition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 4-7-1985

(1) M[s. Lokhandwala Esates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Miss A. S. Multani &Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Whereas I, LAXMAN DAS,

Ref. No. AR.II|37EE|14554|84-85.-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1210, 12th floor, MAGNUM TIWERS Bldg., plot no. 357, s. no. 41 (part), four bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1210, 12th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., Plot No. 357, S. No. 41 (part), Four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/14554/84-85 on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Nehal P. Sahi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14551|84-85.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding. property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000] and bearing
Rs. 1.00.000] and bearing
Flat No. 511, 5th floor, Magnum Towers Bldg., Plot No.
357, s. no. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri
(West), Bombay-58 Versova, Andheri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamer

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, endior
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 511, 5th floor, MAGNUM TOWERS, plot no. 357, s. no. 41 (part), Versova, Four bunwlows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14551|84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Anthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquaition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 4-7-1985

FORM NO. LT.N.S.-

- (1) M|s. Lokhandwala Esates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Master Karanrai P Sahi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14565|84-85.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 512, 5th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri

(West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), hes been transferred and the agreement 's registered under section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair maket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 512, 5th floor, Magnum Towers Bldg., plot no. 357, S. No. 41 (part), Versova, Four bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14565 84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF !NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14640|84-85| — Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bebaring No.

Flat No. 910, 9th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot no. 357, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regisered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Licitioning the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferrend/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, it pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mis. Lokhanadwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Fransferor)
- (2) Rajan N. Tiwari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 910, 9th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE|14640|84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Harasiddh Corporation.

(2) Shr S V. Shah,

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX UFFICE OF THE INSPECTING ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II[37]:E[14520[84-85.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 4, ground floor, B Nestle Bldg., plot no 78, Shri Swami Samartha Co-op. Hsg. Ltd. off. J. P. Rd., Andheri

(West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-216GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; period
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saut Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Nestle Bldg., plot no. 78, Shii Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off. I. P. Rd., Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|14520|84-85, on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqueltion Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Harasiddh Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant T. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II]37EE[14521]84-85.—

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 7th floor, LENNIE Bldg., plot No. 90, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. I.td., off. J. P. Road,

Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed herete)
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said manaovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 7th floor, I.ENNIE Bldg., plot No. 90, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off. J. P. Rd., Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14521|84-85, on 12-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

(1) M|s, Lokhandwala Esates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr. Sunii Dutt Maria.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14533|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 411, 4th floor, MAGNUM TOWERS Bldgs., plot no. 357, s. no. 41 (part), four bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hetein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Flat No. 411, 4th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot no. 357, s. no. 41 (part) four bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14533|84-85, on 12-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

(1) M/s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Harish M. Parwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

> Bombay, the 4th July 1985

Ref. No AR II]37EE]14556|84-85.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000|- and bearing
Flat No 706, 7th floor, RESIDENCY. A Bidg, plot no. 38,
section 41 (part) four bunglove. Versove Andhers (W)

no 41 (part), four bunglows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1984

persons, namely:---

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 706, 7th floor, RESIDENCY A Bldg. plot no 38, s no 41 (part) four bunglows, Versova, Andheir (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II,37EL 14556 84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

FORM TINS-

(1) Mis Bindiya R. Guliajani.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M₁, D, R Chaudhan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ret. No. ΔR -H|37EE|14656|84-85 —Whereas, I, L ΔX MAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Hat No 502. 5th floor A wing, 'BENZER' plot Nos 9 & 9A, S No 41 (Part), four bungalows, Oshiwara Versova, Andherr (W), Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 502, 5th floor, A wing, BENZER, plot Nos. 9 & 9A, S. No. 41 (part), four bungalows, Oshiwara, Veisova, Angheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR II 37EE 14656 84-85, 17 11 11984

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-7-1985

Stal:

(1) Priti H. Nagpal.

(Transferor)

(2) Ireda Keskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14663|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 104, 1st floor, HARMONY, A Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheii (W), Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 26°AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, HARMONY. A Bldg., plot No. 343, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE 14663 84-85 on 17 11 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-7-1985

(1) Monocast Developers & Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Darryl Lobo.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15038|84-85.-Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 9, Silver Anklet, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to btlieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publi-ation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

Flat No. 9, 'Silver Anklet' Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15038|84-85 on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following

oersons, namely :-

Date: 4-7-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Ajit Singh Gullati,

(Tinnsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II]37EE]14638]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 916, D. Gitanidi, Plot No. 3, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (W), Bombay-61,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any memors or other amoun which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 916, D. Gitanjall, plot No. 3, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authorny, Bombay under Serial No AR II|37EE|14638|84-85 on 17|11|1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Date: 4-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Monocast Developers & Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Ms. Edwina Simplicia Nazareth.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37F1 | 15037|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fur market value exceeding Rs. 100,000- and learing No Flat No. 10, Silver Vaklet Yati Road Versova, Andhen (West), Bombay-61,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority ut Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the far-market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of remotes with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-1ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Silver Anklet, Yarr Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]15037[84-85 on 1-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 259D of the said Act, to the following neisons manually:

Date 4-7-1985

Seal:

57--216GI|85

(1) M[s. Harasiddh Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii P. J. Trivedi.

(Transfrice)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14519|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immov-

to as the said Act) have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 5, 4th floor, LENNIE Bldg., Plot No. 90, Shra Swami Samartha Piasanna Co-op. Hsg. Soc 1td, Oil 1 P Road, Andheri (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 12|11|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ofher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor, LI-NNII- Bldg., Plot No. 90, Shri Swami Samartha Prasanna Co-13 Hsg. Soc. Ltd., Off. J. P. Road, Andheii (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A.R.II/37EE/14519/84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

PORM ITNS----

(1) M_{IS} Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Irashad Faroogui.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EL|14643₁84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 1808, 18th floor, MAGNUM FOWERS Bldg., plot No. 357, S. No. 41(part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the (fit of the Competent Authority at Bombay on 17-14-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomε arising from the transfer and or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1808, 18th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357. S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14643|84-85 on 17|11|1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(2) Mis. Mona Pankaj Sahney.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Rel. No. AR-11/37EE/14642/84-85.—Wheretas, I, IAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter refrered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Flat No. 601, 6th floor, MAGNUM TOWERS Bldg, Prot No. 357, S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 \(B \) of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of wransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

anid (b) by any other person interested in the mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, MAGNUM TOWERS Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), four Bunglows, Andheri (W), Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EF|14642|84-85 on 17|11|1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dute : 4-7-1985 Scal :

FORM ITNS----

(1) M s. I okhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mls. Anita Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ret. No. AR-II|371 I |14818₁84-85. --Whereas, f, LAXMAN DAS,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, 5th floor MAGNUM TOWERS Bldg, plot

Flat No. 502, 5th floor MAGNUM TOWERS Bldg, plot No. 357, S. No. 41(part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 VB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, MAGNUM TOWFRS Bldg., plot No. 357, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14818 84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269I) of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 5-7-1985

PORM ITMS----

(1) My Lokh individa Estates & Develop Co (P) Ltd

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr D V Pat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay the 5th July 1985

Ref No AR-II|37EE|14843| 485 -Whereas, I, LAMMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), has reason to believe that the immovable

Rs 1,00 000/- and bearing No
Flat No 1010 10th floor MA' NUM TOWERS Bldg, , lot
No 357, S No 41(part) four sungatows Versova, Andhen (W), Bomoay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2092B of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the tau market and of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concentinent of any income or any moneys or other assets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a seriod of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall he e the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1010, 10th floor MAGNUM TOWIRS Bldg, plot No. 357 S. No. 41 (part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay 58

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR II]37EE]14843[84-85 on 22 11 1984

> LAXMAN DAS Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby unit ate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date 5 7 1985 Seal .

FORM ITNS-

(1) M₁s. Ravital Construction.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Fitoze Irani & Mr., Kamakashi Irani,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 'th July 1985

Ret. No. AR-II|371 E|1|652|84-85 -- Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 405 4th floor. Plot No. 9 & 9A BENZER bldg, S. No. 41 (part), four bunglows, Versora, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Not 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 17-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian accome tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the sald set, or the Wealth-tax at 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offi led (az to or a per od of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person in record in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this name in the Official (razette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell by the box a promine as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 405, 4th floor, Plet No. 9 & 9 \, BENZER Bldg., No. 41 (p.ut), tour bungalovs. Versova. Andhen (W)... Bombay-58.

The agreement his been registered by the Competent Authority, Bombay under Senal No. AR II[37EE]14652[84-85 on 17]11]1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date . 5-7-1985 Seal:

PORM I.T.N.S. (1) MI

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mıs. Sunita Copaldas Rajwani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ret. No. AR-II|37FE|14841|84-85,—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302 31d floor, Rt Gl-NCY. A Bldg., Plot No. 342, S. No. 41 (part), four bungallows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombey on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 31d floor, REGENCY A Bldg., Plot No. 342, S. No. 41 (part), four bung lows, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EE|14841|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s, Lokhandwala Premises Pyt. Ltd.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yashpal Malaram Dhawan.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 5th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. AR.II 37EE 14842 84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Regency, A Bldg., Plot No. 342, S. No. 41 (part), four bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58

> Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor, Regency A. Plot No. 342, S. Ne. 41 (pt.), four bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-58 The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|14842|84-85 on 22-11-1984.

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely : --

LAXMAN, DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Seal:

Date: 5-7-1985

58—216GI[85]

FORM I.T.N.S.

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shashikumar Mehra & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II | 37FE | 14910 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Om Niketan, blat No. 53, 5th floor, Om Marg, 314, Pali Ram Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred and the agreement is registered under section, 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument in transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-rix Act. 1927 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Omt Niketan, Flat No. 53, 5th floor, Om Marg, 314, Pali Ram Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriel No. AR II/37FE/14917/84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the avereadd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-7-1985

Iohn Baptista Coelho.

(Transferor:

(2) James Jude Mehrotra.

(3) Tronsferor.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31d July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14193 84-85 - Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. 503, Vikiamaditya CHSL, Four Bunglows Road, Varnas Andreis (W.) Beath 1959.

Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the Property).

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 503, in Vikramaditya CHSL, Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58. Four Bunglows

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seual No AR II 37EE 14193 84-85 on 7-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 3-7-1985 Seal:

(1) Mrs. Nilima Balkrishna Deshpande.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Razak Ebrahim Merchant.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14237|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208, 11 floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036, Yari Road, Oli. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 208, II floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036, Yari Road, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14237|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

FORM 1.T.N.S.---

(1) M/s. Krishna Trading Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Amina S. Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No AR II 37EF | 14201 | 84-85.—Whereas, I, 1 AXMAN DAS,

haxman DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Flot No 1 of un t 5 on the Gr floor, Bidg. Stellar Towers situated at Plot No 352 of S. No. 41 (po.t), Four Bunglows, Value Appliers (W). Bombay 88

Veisova Andheri (W), Bombay58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regulated under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid prope ty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 of unit 5 on the Gr. floor in the Bldg. Stellar Towers situated at Plot No. 352 of S No. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombiy-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|14201|84-85

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14214|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herwinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 64, C-wing, II floor, Rohit Apartment Bldgs., Plot No. 52, S. No. 41 (part) Oshiwara, Off. J. P. Rond, Versova, Andheri (W), Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tramferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the min Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferor)

(2) Ankur Vasantrao Kamble.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Persons in occupation of the property).

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, 'C' Wing, II floor, Bldg. 'Rohit Apartment', Plot No. 52, S. No. 41 (part) Oshiwara, Off. Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-59.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14214 84-85 on 7-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14235 84-85.—Whereas, 1 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flut No 303. III floor, Plot No 50-54, Seven Bunglows, Andheir (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Manjul K. Sinha.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Rita Anand Agarwal.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, III floor, Sholay Premises Co-op. Society I td., Plot No. 50-54, 7 Bungalows, Andheir (W), Bombay-58 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Ser, al No. AR II 37EE 14235 84-85 on 9-11-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Date , 3-7-1985

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr Sagir Ahmed Siddiqi and Mr Sharif Ahmed Siddiqi.

(Transferor)

(2) Mr. Purushottam Murlidhar Bhargan and Mi Banwailal Purushottam Bhaigau.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref No AR II|37EE|14227|84-85—Whereas, I, L-AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No 2, Gr Floor, Bldg. No. 9-10, Manish Nagar, Kanchan Ganga (premises), CHSI, J. P. Road, Andhell (W), 4 Rungalous, Rombay, 58

Bungalows, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property,. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 2, Gr Iloor, Bldg No 9-10, Kanchan Ganga (premises) Clist, Manish Nagar, J P. Road, Andheri (W). Bunglows, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EF 14227 84-85 on 7-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 3-7-1985

(1) Mls. Giriraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Edgar Ignating D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 'the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14297 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-269B of

Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Flat No. 2, (south-east), I floor, 'Maratha Palace' Plot bearing CT.S. No. 385|B Off. Jai Bhawanimata Marg. Amboli Village Analheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority tt Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tactitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, (South-East), I floor, 'Maratha Palace', Plot bearing C.T.S. No. 385|B Off. Jai Bhawanimata Marg, Amboli Village, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14297 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59---216GI[85

Date: 3-7-1985

(1) M|s. Giriraj Constructions. (2) Mrs. Yvette Mascarenhas.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14296|84-85 -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing Flat No. 6 (North side) II floor, 'Alpine' Plot bearing C.T.S. No. 406, Bhawanimata Marffi Ceasor Road, Amboli Village, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomb iy on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 6(North-side), II floor, 'Alpine' Plot bearing C.T.S. No. 406, Bhawanimata Marg, Ceasor Road, Village, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 14296 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date; 3-7-1985

(1) M|s. Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14057|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 62, 6th floor, B-wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Presanna CHSL, S. No. 41 (part), Oshiwara Village, Near 4 Bungalows, Versova, Andheri (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Farzeen Iqbal Mukadam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputes later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, B-wng, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna CHSL., S. No. 41(part), Oshiwara Village, Near Four Bungalows, Versova, Andheri Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14057 84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1985

Scal

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14060|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2 of Unit No. 12, I floor, Bldg. 'Steller Tower', Plot No. 353, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Makikum Nisha.

(Transferor

(2) Mrs Pratibha Arora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Unit No. 12, I floor, Bldg. 'Steller Tower', Plot No. 353, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14060|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Chimandas H. Khilnani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravi Tandon.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II 37EE 4061 84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 403, 4th floor, Bldg. 'Homestead' Plot No. 337, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 403, 4th floor, Building Homestead, Plot No. 337, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[14061]84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bomba*

Date: 3-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Gala Gangji Surji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanji Jetha Patel, Shri Devji Bhura Patel, Shri Gothi Parbat Manji.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II 37££ 14331 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 5, Manish Sunflower CHSL, 25|26, Manish Nagat, Four Bungalows, Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop 5, Manish Sunflower CHSL, 25|26, Manish Nagar, Four Bungalows Road, Andheri (W), Bombay-58.

agreement has been registered by the Authority, Bombay under Setial No. AR.Π 37EE 14331 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1985

FURM ITNS----

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Damayanti Laxmidas Karani & Mr. Prakash Luxmidas Karani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II|37F1 |14309|84 85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Fiat No. 702 A. A-wing, Skywalker Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the usue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702|A. A-wing Skywalker, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14309[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, Shree Balajı Carrier.

(Transferor)

(2) Shri Shahnaz Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14199|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flnt No. 2, Unit No. 5, I Floor, Building 'Steller Tower', Plot No. 352, of S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Unit No. 5, I floor, Building 'Steller Tower', Plot No. 352 of S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14199 84-85 on 7-11-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :--

Date: 3-7-1985

(1) La Bonne Wineries Pvt. Ltd.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natendra M. Modi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37LE|14253|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00!- and bearing

Unit No. 310, Building No. A Ghanshyam Industrial Shed situated on the Second Floor, Veera Desai Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer was agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Iscilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—216G1|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of tier publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 31 & 32, Building No. A, Ghanshyam Industrial Shed situated on the Second Floor, on Veera Desai Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14253|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maria Angelica Gomes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II[37FE]14254[84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.00]- and bearing Hat No. 33, Hi floor, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Off. LP Road, S No. 41 (part) Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Rombay-58

(and more tolly described in the chedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offeren per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, III floor, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Off. J. P. Road, S. No. 41 (part), Near Apna Ghar Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 371 E 14254 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II[37LL]14285[84.85 —Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immvable property, having a fail market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing Flat No 604, Venus Apartments, Hiranandani Estate, Off JP Road, Venera Andheli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- f) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 195/ (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hiranandat i Builders

(Transferor)

(2) Mrs Reema Karnam

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The teams and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flit No. 604, in Vents, Apartments, at Huanandam I state, Off J.P. Road Versova, Andbert (W), Bombay

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE 14285 84-85 on 9-11 1984

J AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition R inge-II
Bombay

Date 3-7-1985 Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Siraj A. Cementwala, Kaizer A. Cementwala & Lolakshi K. Hejmodi,

(2) Shri Mənojkumai Jethalal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II|37FE|14387|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No. 6. Gr. Floor, in proposed building Twing fowers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (part) Situated at Village Oshiwaea, Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agroement is registered und, r section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on Gr. Floor in proposed Building, Twint Towers, Flot No. 8A & 8B, S No. 41 (part) situated at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri (W) Borabay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]14387[34-85 on 9-11-1984.

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the *Aid Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

Seal ;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II 37FL/14 14 84-85. - Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. N|604, 6th Floor, Neptune Apartments, Hironandoni Estate, Off. J.P. Road, Versova, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the onject of --

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following Act, I hereby untiate proceedings for acquisition of the zersons, namely:— (1) M/s. Hiranandani Builders.

(Transferor)

(2) Sunita R. Choithramani.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. N/604 on the 6th floor in Neptune Apartments, in Hiranandam Estate, at CH J.P. Rond, Versova, Andheri (W),

The agreement has been registered by the Connetent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37FE]14314[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II 371 I 14315 84 85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs 100,000 and bearing

Shop No. 15, Building Nebula, Hiranandani Estate, Off. J.P. Rand. Oshiwara, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Smt Sangeeta N Lalwani & Master Sunil N, Lalwani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 15 in Building Nebula At Hiranandani Estate, Off. J P Road, Oshiwara, Andheri (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE 14315 81-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-7-1985 Scal:

(3) Transferot.

FORM ITNS

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash Lexmidas Karani & Mrs Damayanti Laxmidas Karani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref No AR II|37TE|14311|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value avecading Re. 100 0001 and begins No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00.000], and bearing No. Flat No 702 B, A-wing, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Versova, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unity section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702|B. A-wing, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37FF 14311 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-LAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14312|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvement of the property, having a fair market value

novable property, having a fair market value exceeding R 1,00,000]- and bearing No. 1-1.4 No. Al501, A-wing. 5th floor, Skywalker Apartments, Hiranandani Latate. Oshwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9.11-1984

on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Adarsh Vallabh Sharma & Mohini A. Sharma.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|501, A-wing, 5th floor, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sorial No. AR.II|37EE|14312|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 3-7-1985

(1) Smty Chand Bhasin

(Transferou)

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref No AR II 37FF 14245 84-85 - Whereas, I,

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 100,000/ and bearing Flat No 303, III Floor, 'Benhur-A', Lokhandwala Develop-ment Corporation, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—61—216GI|85

Objections, if any, to the acquisision of the said property may be made in writing to the unacraigned:-

(2) Capi Hatimivder Singh & Smt Raminder Kaui

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 303, III Floor, 'Benhui A', Lokhandwala Development Corporation, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Bombay under Serial No AR II 37EF 14245 84-Authority 85, on 9-11 1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date 3 7 1985 Seal

(1) Mrs. Sarita Singh.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14027|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 404, 'Benhur-B' Wing, Lokhandwala Complycx, Versova, Andheri (W), Bombay-52.

'and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay or 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rregister with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(2) Mr. Tehmurusp Naoroji Dastur & Mrs. Dolly Tehmurasp Dastur. (Transferee)

(3) Oshiwara Land Development Corporation. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 'Benhur-B' Wing, Lokhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A&.11-37EF|14027184-85 on I-11-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 3-7-1985

Scal:

(1) Vinodchandra Odhavji Kagdada, Rama Vinodchandra Kagdada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anandkumar Bhadreswar Das & Ramarani Anandkumar Das.

Transferor. (4) Transferor.

(Person in occupation of the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR.II]37EE]14034]84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 203, II floor, Blue Chips, Blue Chips CHSL., Juhu Lanc, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 \(\text{B}\) of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Anthority at Bombay on 3-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 203, II floor, Blue Chips, Blue Chips CHSL., Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the

Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[14034[84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) Bimla. G. Khanna & Girdhatilal G. Khanna. (Transferor)

(2) Mitta Dev. V. Ghei, & Pushpa Mitra Devghei.
(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|14001|84-85.—Wheraes, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 703, 7th floor, 'Gamb's Tower', Versovi Andheri (W), Bombay.

land more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than written per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transferor
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fress the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, 'Gamb's Tower', Versova Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[14001]84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

FORM I.T.N.S,———

(1) Shri Sayed Hamid.

(Transferor)

(2) Shrimati Hansaben Indukumar Bhatt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14233|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 502, Bldg. No. 2-3-4, B' W Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. Wing, Monish Nagar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Bldg. No. 2-3-4, 'B' Wing, Monish Nagar, Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR'137EE|14223|84 Authority, Bon 85 on 7-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date 3-7-1985

Scal:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) M/s. Hiranandani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil T. Sharma,

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14310|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 501]A, Jupiter Apailments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andhri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexes.)

Flat No. 501 A, Jupiter Apaltments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andhri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of évasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 A, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andhri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14310[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mt. (Dr.) Sharad J. Kale.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37CE|14189|84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 204, Bldg, 'Horizon View-II', Plot No. 70, S. Nos. 91A (pat), and 95A (part), Off Jai Prakash Road, Versova, Andhen (W), Bembay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, in Bldg., known as 'Horizon View-II', situated on Plot No. 79 at S. Nos. 91A (Part) and 95A (part), Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14189[84-85, on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Atuhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE LYCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14228|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 402, Flat No. 402, 4th floor, Bldg. Basera Apartments, A-wing Plot No. 47-48, Off Four Banglows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property has not been truly stated in the consideration. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ux Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) S. S. Development Corporation.

(Transferor)

- (2) Miss Komala Bains.
- (3) Oshiwara Land Dev. Co. Pvt. Ltd.

(Transferce) (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, on 4th floor, Bldg. Basera Apartments, Awing, Plot No. 37-48, off. Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14228[84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-7-1985

(1) Ms. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shirish Bhaskar Paranjape.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14829|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

> Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Blidg No. B-6, Flat No. 407, 4th floor, Apna Ghat Unit No. 7, Co. operative Housing Society L'd at Oshiwara, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Bldg No. B-6, Flat No. 407, 4th floor, Apna Ghat Unit No. 7, Co.operative Housing Society Ltd at Oshiwara, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(b) facilitatig the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957) (27 of 1957).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14829|84-85, on 22-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—62—216GI|85

Date: 3-7-1985

Seal ;

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Arun Bhagwandas Malavia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15040|84-85.-Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 301, Gitanjall, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herin as any defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Gitanjali, Plot No. 3 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15040 84-85, on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 27-6-1985

FORM LT.N.S .--

(1) M|s. Lokhandwala Estaes & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukdeo Agrawal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14892|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 1103 on the 11th floor Magnum Towers at plot No. 357, 3. No. 41 (Part) 4 Bungalow, Versova, Andheri

(W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 42-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967); Flat No. 1103 on the 11th floor Magnum Towers at plot No. 357, S. No. 41 (Part) 4 Bungaolws, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14892|84-85, on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

Scai :

FORM LT.N.S.-

(1) Mls. Lokhandwala Estate & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhagwan R. Refwani & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14399|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 402, on the 4th floor, Bldg. Magnum Towers, at plot No. 357 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the pareement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, on the 4th floor, in the Bldg. Magnum Towers, at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14399|84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority's
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

- (1) M|s. Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt. (Transferor) Ltd.
- (2) Mrs. Lajwanti B. Relwani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 14396 | 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000; and bearing No.
Flat No. 401, 4th floor, Magnum Towers
at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part)
4 Bungolows, Versoya, Andheri (W).

4 Bungalows, Versova, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Verseva, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II[37EE]14396|84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 27-6-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Lokhandwala Estate & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Thakur Lilaram Khushlani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14887|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0006/and bearing No.

Flat No. 611 on the 6th floor, 'Magnum Towers' Plot No. 357 of S. No. 41 (Pa-t), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 on the 6th floor, in the building Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14887|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

(1) Mis. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Uday Bahel & Mrs. Savita Bahel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14324|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 107, Montana-A, at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, Montana-A, at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14324 84-85, on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-6-1985

FORM ITNO-

(1) M|s. Lokhandwala Estate & Develop Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pushpa Rathi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14165|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 911, 9th floor in the Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungelows.

of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than far a particular to be the particular time for such than far a particular time for such than the fair market value of the property and I have read to be such than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as a foresaid exceeds the property as a foresaid exc consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 911, 9th floor in the building Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14165 84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-6-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr C. Narayan Menon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II 37FF [14292 | 84-85.-Whereas, I, I AXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing No. Flat No 128-C. Citanjali. Plot No 3, S. No. 121. 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the schedule annexed hereto), have the standard and the schedule annexed hereto), have the standard and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 128-G, Gitanjali Plot No. 3, S. No. 121, 7 Buncalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 14292 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons (namely:—63—216GI 85

Date: 27-6-1985

(1) Bombay Housing Corporation

(Transferor)

(2) My Mohimbai Pravinchandra Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref No AR II 37FE 14291 84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No. Flat No 127-G in Gitanjali, Plot No 3 S No 121 7 Bungalows, Versiwa Village, Andheri (W),

Rombay-61.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9 11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Flat No 127-G in Gitanjali Plot No 3, 8 No 21, 7 Bun galows, Versova Village, Andheii (W), Bonibay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EF | 14291 | 84-85 on 9 11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-6-1985

FORM ITNS----

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Neelam Kumar Luthia & Mrs. Lata Luthara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II]37EE|14289|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 102, Gitanjali, Plot No. 3, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Gitanjali plot No. 3, S. No. 121, 7 Bungalows Versova Village, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/14289/84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Date: 27-6-1985

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Amrita N. Ahuja,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14163|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, Montana-C, at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andher; (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 503, on the 5th floor in the building Montana-C at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andhen (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14163|84-85 or 3-11-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF IHL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 27th June 1985

Ref. No. AR II]37EE]14042-84-85 —Whereas, I, I AXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000|- and bearing No Flat No 102, 1st floor in the bldg Crossgates-A, at plot No 334 of 5 No 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Lokhandwala Piemises Piivate Itd (Transferor)
- (2) Mi Gopalkumar Govindankutty Menon (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.
- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it, that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 102, 1st floor Crossgates A at Plot No. 334 of S. No. 41 (Part). 4 Bungalows, Andher (W), Bombay 58

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR II/37EF/14042/84-85 on 1-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Bombay

Date 27-6-1985 Seal

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1061 (43 OF 1961) (2) Saveera Thakur Khushlani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|14888|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing No. Flat No. 612, on the 6th floor Magnum Tower at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

THE SCHEDULE

Flat No. 612, on the 6th floor in the building Magnum Tower at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14888[84-85 on 22-11-1984.

(b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

Scal ;

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14890|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1302, 13th floor Ivory Heights at Plot No. 1 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 1302, on the 13th floor in the building IVORY HEIGHTS at plot No. 1 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.-II|37EE|14890|84-85, on 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Govind Nene.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15039|84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No. 305-B, 'Anjali' Plot No. 2 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

(and more fully described in the schedule agnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of N922) or the said Act, or the Wealth-tay 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305-B, 'Anjali', Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15039|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-6-1985

(1) M/s, Lokhandwala Premises Private Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Sushilkumar Chatteriee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. ВОМВЛУ

Bombay, the 27th Juno 1985

Rcf. No. AR.II]37EF|14447|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Flat No. 206, 2nd floor in the building Montana A, at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Varsova, Andheri (West), Bombay 58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--64-216GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Montana A, at Plot No. 4 of No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Ancheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II₃7EE|14447|84-85, on 10-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985.

Soal:

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash Vishwadatt Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ret. No AR II 37EE 14293 84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 207, Catanjali, Plot No. 3 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Another (W) Bombay-61, (and more fully described in the schedule approved berefet).

(and more fully describ d in the schedule annexed hereto),

(and more fully destrib d in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or our 1 assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Gitanjali, Plot No. 3, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Binhay under Serial No. AR II 37EF 14293 84-85, on 9 11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 27-6-1985.

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mi Laxmidas Gordhandas Dayda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1385

Rcf. No. AR.II | 37EE | 14294 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 216, Gitanjali, Plot No. 3 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Ardheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomb ty on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaal exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 216, Gitanjah, Plot No. 3, 5, No. 121, 7 Bungalows Versova Andherr (West), Bombay 61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37 F [14294] 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate 27-6-1985.

Scal:

- (1) M/s Lokhandwala Estate Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Manilal J. Wadhwa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR 11|37EE|14321|84-85.—Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1503, 15th floor in the building Magnum Towers at Plot 357 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tex under the sald Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1503, 15th floor in the building Magnum Towers at Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR II[37EE]14321[84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 27-6-1985. Seal :

ocar

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Nandlal K. Ahuja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II|37EE|14074|84-85.—Whereus I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 502 5th floor Montana-C at plot No. 4 of S. No. 11 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andneri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 5th floor in the building 'Montana-C at Plot No. 4 of 5 No. 41 (Part) 4 Bunglalows Versova, Andhert (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR II[37EE]14074[84-85, on 2 11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bermbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985.

Scal:

(1) Mrs. Laxmibai S. Ramrakhyani Trust Trustee Ram B. Ramrakhyam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Mr. Shaikh F. Ahmed & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGF-II, BOMBΛΥ

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No AR.II|37EE|14062|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 604, 6th floor Regency-A at Plot No. B-3, of S No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-(tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore... exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the caste of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 604, 6th floor, Reveney-A at Plot No B-3, of S. No. 41 (Part) Four Bungalows Versova, Andheri-West, Lombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II'37EE[14062] 84-85, on I 11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 27-6-1985.

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Lokhandwala Estate & Development Co. (P)

(Person in occupation of the property)

(Transferor)

(2) Mr Sushil Kumar Bhasin & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) Tenants.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II|37EE|14040|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 504, 5th floor in the building, Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41 (Part), 4 bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR-II|37EE|14040|84-85, on 1-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-6-1985.

TORM HNS-----

(1) M/s Lokhandwala Estate & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishin Naraindas Kalera

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No AR II | 37FF | 14196 | 84-85.—Whereas, I, LAXM NO DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 962 on the 9th floor in the building Mingham Towers Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under rection 260 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7.11.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, 9th floor in the building Magnum Towers at Plot No. 357 of S No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheii (Wesc), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II[37FE]14196] 84-85, on 7-11-1984

IAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistan Communication of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 27 6-1985.

(1) M|s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bipinkumar Jain & Sunita B Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref No. AR.II|37EE|14131|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB(i)(b) Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Fiat No. 302 'B', Breeze' Plot No. 25 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Andheri (West) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed hereto). Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trans' as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wh hought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Breeze, on 3rd floor, Plot No. 25 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Oshiwara Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14131 84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

65-216GU85

Date: 27-6-1985.

(1) M|s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Mrs. Sapna Bali Chawla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II 57EE 14073 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000|- and bearing
Flat No 407, 4th floor in the building Montana A at Plot
No 4 of S No 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri
(West), Bombay-58

(and more fully excribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appraient consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor in the building Montana-A at Plot No. 4 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II 37EF 14073 84-85, on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 27-6-1985.

FORM ITNS

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Vrushali Vijay Sawapt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1935

Ref. No. AR.II|37EE|14174|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 401 Bidg No. B-5, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Housing Society Ltd., Oshiwara 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:-The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 401. Building No. B-5, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Hsg. Society Ltd. at Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar Off J.P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 14174 84-85, on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, wantely :-

Date: 27-6-1985.

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh Nanalal Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Pombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II₁37EE|14158|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 53, 'Om Nikotan' 5th floor, Om Marg, 314 Pali
Ram Road, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquistion of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Om Niketan Om Marg, 314 Pali Ram Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|14158|84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-6-1985.

Scal:

(1) Ms, Shyam M, Sumatani.

(Transferor)

(2) Mis. Jasbir Gulați.

(Transferec)

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14422 84-85. - Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Sunil Nivas CHSL, Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Ac, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly visted in the said instrument of the said instrument Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning a given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or

THE SCHEDULE

Sunil Nivas CHSL, Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows. Andheri (W), Bombay-58.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other samets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

The agretment has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE Authority, Bombay 14452 84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-6-1985

(1) Mr. Prakash Radharishna Tuisiani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxman Jethanand Khanchandani & Mrs. Mohini Jethanand Khachandani & Mr. Kishore Jethanand Khanchandani & Prakash Jethanand Khanchandani.

(Transferce).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14451|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. A-54, Building A, 5th floor, Sunil Niwas CHSL,
Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows, J.P. Road, Andheri
(W), Bombay-58.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concraiment of any income or any moneys or other assets which have not been owhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-54, Building A, 5th floor, Sunil Niwas CHSL, Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 14451|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 27-6-1985

(1) Sudha Madhav Mane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Tanaji Eknath Mane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15043|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Flat No. A-9, Eversun CHSL, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Ac, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bartles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. A-9, Eversun CHSL, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agretment has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 15043|84-85 on 30-11-1984.

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II|37EE|14939|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No. Flat No. 401-A, 4th floor, A-Wing, Chandraptabha Building, Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Ac, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984

for an appurent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sala instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dilip Jiyandas Diwan H.U.F.

(Transferor)

(2) Shri Anil Manilal Sanghvi, Mina Jagdish Sanghvi, Maner Manilal Sanghvi & Harshad Manilal Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401-A, 4th floor, A-Wing, Chandraprabha Building, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| Authority, Bombay unde 14939 84-85 on 24-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

- (1) Shri Peruvamba Lakshmana Iyer Raman, (Transforor)
- (2) Mr. Shyam Sunder Choudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR II|37EE|14497|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 4A, I floor, Wing-A, Proposed Building, 'Twin

Flat No. 4A, I floor, Wing-A, Proposed Building, 'Twin Towers', Plot No. 8A 8B, S. No. 41 (Part) Village Oshiwara, Four Bungalows, Off, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Ac, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said apperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said warnovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as aven in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4A, J floor, A-Wng, in Proposed Building, 'Twin Towers', Plot No. 8A 8B, S. No. 41 (Part) Village Oshiwara, Four Bungalows. Off. J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 14497|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 27-6-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

66-216GI|85

(1) Mrs. Asha Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amit Kapadia & Mrs. Nalini Kapadia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14943|84-85.-Whereas, I, NAXMAN DAS,

trying the Competent Authority under Section 269B of the frecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to any the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000 and bearing.
Flat No. 401, Plot No. 29, Off J.P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rad/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Plot No. 29, Off J.P. Road, Feur Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been resgistered by the Competent athority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE Authority, Bombay und 14943 84-85 on 24-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-It, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alternation of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:-

Date ' 27-6-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) M/s. Vimal Constructions

(2) Shri Abdul Rashid Abdul Razzak.

(Transferon) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bomb is the 27th June 1985

Ref No AR II 371 F 14903 84 85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs 1,00,000/-

Shop No. 11, ground floor Nand Kirpa Annexe Shopping Centre, Char Bangah Road Andherr (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, Bombay on 24-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorisaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubproperty, within 43 days from the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, ground floor, Nand Kitpa Annexe Shopping Centre, Char Bangala Road, Andheri (W), Bombiy

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No AR II 37: F 14903/84 85 on 24 11 1984

TAXM & D 5 Competent Authority In pecting Assistant Commission r of Ircome tax Acquisition Range II Pumbiy

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Date 27-6-1935 Seal:

(1) Mr. B. D. Merchant. (2) Shri V. V Lobo.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No AR.II|37TE|14954|84-85 —Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 31, III Floor, Napolina CIISI, (Regd No. Bom HSG./2653 of 1970) IP Road, Seven Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incomercial Act 1961, in the Office of the Competent Suthority, Bombay or 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuderation for such transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: LBT / Oi
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores, id property by the issue of this 1 office under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, III Floor, Napolina CHSI., J.P. Road, Seven Bungalows, Veisova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14954 84-85 on 26-11-1984. under Serial No. AR, II 37EE

> LAXMAN DAS Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

(1) Mr. P K. Gupta

(Transferor)

(2) Mr. Bernadette Parvaresh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14985 - Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 102, I floor, Gold Crown CHSL. Versova, Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the saud property may be made in writing to the undersigned

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

Explanation — The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 107, I floor, Gold Crown CHSL, Versova, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II 37EE 14985 84-85 on 27-11-1984,

LAXMAN DAS Competert Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 27-6 1985

FORM DINS---

(1) M/s. Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shii Tapan Kumar Chatterjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II[373] [14982]84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tair Act, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat (still under construction), Lourth Floor, Wimbledon CHSL, Plot No. 10, Four Bungalows Road, Andheri (W), Wimbledon Bombay-58.

(and more fully do that in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AE of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Correctent Authority at Bombny on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mones with round which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (N1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Net, to the following persons namely '-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Fourth Floor, Wimbledon CHSL, Plot No. 10, Four Bunglow Road, Andheri (W), Pombay-58, (still under construc-

The agreement has been registered by the Competent **3ombay** Authority. Serial No. A R.H 37EE under 14982|84-85 or 26-11-1984.

> LAXI AN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

(1) Mr. Lalit Radhakrishna Tulsiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Mohini 1 khanchandani & Mt. Prakash Jeftanood Khanchandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37FF|14450|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0000]- and bearing

Rs. 1,00,0000] and bearing Flat No. A-53, Building A, 5th floor, Sunil Niwas CHSL, Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows, 1 P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- The facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the taid property many be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used berein as are defined by Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Flat No. A-53, Building 'A', 5th floor, Sunil Niwas CHSL, Plot No. 89 & 90, Near Four Bungalows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FF| 14450|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 27-6-1985

Seal ·

(1) Shri Narindar Singh Bedi.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Mathardas Teckchandani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II[37EI³]14881[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1306, 13th floor, 'Manish Tower', Plot No. 5 & 6, J. P. Road, Near Indian Oil, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under rection 2500 R. of the Incorporative Act 1061 in the Office.

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1306, 13th floor, 'Manish Tower', Plot No. 5 & 6, J. P. Road, Near Indian Oil Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14881 84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 27-6-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Ajit Mahadeo Kshirasagar.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Indralal Jhunjhunwala & Shri Sudhir Indralal Jhunjhunwala.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15054|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 301, III Floor, Bldg. A-29, Apna Ghar Unit No.
3, CHSL, Off. J. P. Road, Four Bunglows, Andheri (W),
Bombay-58,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, III floor, Bldg. A-29, Apna Ghar Unit No. 3 CHSL., Off. J. P. Road, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR, II | 37EE | 15054 | 84-85, on 30-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

67-216GI|85

(1) Mrs. Kokılagvari Mansukhlal Banjara

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Savitagavri Rasirlal Banjara & Mrs. Rasirlal Pranjivandas Banjara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15021|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

C-4. New Paradise, 137, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liatures of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, saidler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslet-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-4, New Paradise, 137, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. II 37EE 15021 84-85, on 27-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 27-6-1985

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. S. Choudhery & Sons.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II/37EE/14498/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Re. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 4B, I Floor, A-wing, Proposed Bldg. 'Twin Towers',
Plot No. 8A & 8B, S. No. 4I (part), Village Oshiwara, Four
Bungalows, Off. J.F. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay
on 9-11-198.

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the separent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igneed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meoms arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concentraent of any meccase or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B on Ist floor, A-wing in proposed Bldg. Twin Towers, Plot No. 8A & B, S. No. 41 (part), situate at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14498 84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

SeaI :

(1) M|s. Vardhan Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalpana Sudhakar Khedde.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II[37EE]14966]84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

Shop No. 10, B-wing, Gr. Floor, Pink Apartments, Seven

Bunglows, Near Garden, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; m4/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, B-wing, Gr. Floor, Pink Apartments, Seven Bunglows, Near Garden, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14966|84-85, on 25-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-6-1985

FORM IINS ----

(1) Mr. Arjun Parsram Kalra.

(Transferor)

(2) Mr. Mehboobali M. Mukadam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. AR. II|37EE|14884|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000|- and bearing

Rs. 100,000|- and bearing
Flat No. 503, A-wing, Plot No. 125|26, Manish Nagar, Four
Bunglows Road, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay
on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 503, A-wing. Plot No. 25|26, Manish Nagar, Four Bunglows Road, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14884|84-85, on 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1985

Scal:

- (1) M|s. India Electric Poles Mfg. Co.
- (Transferor)
- (2) Abhaykumar H. Shah Family Trust.
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M|s. India Electric Poles Mfg. Co.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15044|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Gala No. 3-B & K, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compotent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the Said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 3-B & K, Laxmi Industrial Estate, Veera Desal Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. 11|37EE|15044|84-85, on 30-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IJ, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons.

Date: 27-6-1985

Scal :

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. $\Pi[37FE|14911|84-85.$ —Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Om Niketan, Flat No. 52, 5th floor, Om Marg, 314 Pali Ram

Road, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Authority at
Bombay on 24-11-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and 1 have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. M. L. Mehra & Mis. Nirmala M. Mehra.

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Om Niketan, Flat No. 52, 5th floor, Om Marg, 314, Pali Ram Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 14911 84-85, on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Date: 27-6-1985

Soal:

FURM ITNS-

(1) Mrs. Zareena Rahim Thariani & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mushteq Ahmed Qureshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14894|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 402, 4th floor, 'Greenfields-B' Bldgs., Plot No. 333, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg Greenfields-B, Plot No. 333, S. No. 41 (part), Four Bunglovs, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14894|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Pranabendu Goswami.

(Transferor)

(2) Daulat H. Adnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Hiranandani Builders. (Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14079|84-85 - Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 406, Venus Apartments, Off Four Bunglows, Versova,

Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any choness or other assets which have not been or which pugut to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Venus Apartments, Off. Four Bunglows, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Rombay under Serial No AR. II 37EE 14079 84-85, on 2-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 68-216G||85

Date: 27-6-1985

(1) Mr. Ujagan Singh & Surjit Singh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Madhu N. Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14895|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

Shop No. 17, Gr. Floor, Bldg. No. 353, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less can the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, Gr. Floor, Bldg. 353, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. H[37EE]14895]84-85, on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition R inge-II, Bombay

Date: 27-6-1985

(1) Tulsiani Builders & Textiles Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaajal Arjan Advani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14415|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 501, 5th floor, of a 16 storied Bldg. under construction to be known as Iower on Plot No. 22 in Tulsiani Complex at Four Bunglow, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11 1984

8 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 501, 5th floor of a 16 storied Bldg, under construction to be known as Tower on Plot No. 22, in Tulsiani Complex at Four Bungalow, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14415|84-85, on 9-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-6-1985

(1) M|s. Kabeer Enterpreners.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mayadevi Ramjidas Malhotra & Mrs. Shakuntala Omprakash Malhotra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|14825|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Benzer Flat No. 303, A-wing, III floor, Plot No. 9 & 9A, S. No. 303, A-wing, III floor, Plot No. 303, A-win

Benzer Flat No. 303, A-wing, III floor, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), Oshiwara, Versova, Andheri (W). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Benzer Flat No. 303, A-wing, III floor, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (part), Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14825|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 27-6-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14953 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and beating No. Unit No. 32 N, Laxmi Indl. Estate, New Link Road Extension, Andher (W). Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M|s. Stardent Laboratory.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32|N in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14953|84-85, on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 27-6-1985

PORM LINS

(1) M|s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gracy Fredrick Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14941|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 104, I floor, 'Suman', C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 104, I floor, 'Suman', C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14941|84-85, on 24 11-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 27-6-1985

Scal .

(1) Skipper Construction Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sudarshan C. Kohli.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14969|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Flat No. 604, 6th floor, Skipper Beach Queen, I. P. Road, Versova, Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 604, 6th floor, Skipper Beach Queen, Jayprakash. Road, Versova Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. $\Delta R.II|37EE|14969|84-85$, on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:—

Date: 27-6-1985

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Monaji Padya & Smt. Fratibha Bharat Pandya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14940|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

ond bearing No.
Om Niketan, Flat No. 61, 6th floor, Om Marg, 314, Pali Ram Road, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule unnexed herto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by at y other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Om Niketan, Om Marg, 314, Pali Ram Road, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14940|84-85, on 24-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 27-6-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14084|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Shop No. 26, Gr. Floor, Bldg. No. A, Laram Centre, Plot No. 24, S. V. Road, Andheii (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent' consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (w) (acclitating the reduction of system of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /+1 of (922) or the said Act, or the Wealth-tax Six, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 2690 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 69--216GI 85

(1) Shri Raishi Dhanji Shah.

(Transferor)

Shri Amin Abdulmohamed Tharani &
 Shri Mohamedali Kasamali Merchant.

(Transferee)

(3) Transferces

(Person in occupation of the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicoalen of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26. Gr. Floor, Bldg. No. A, Laram Centre, Plot No. 24, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14083 84-85, on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-6-1985

beal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14878|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000- and bearing
Shop No. 1, Versova Spring Leaf CHSL, J. P. Road, Seven
Bungalows, Versova, Bombay-61
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Mr. Suresh M. Shamdasani; Mr. Chandru M. Shamdasani; &
 Mr. Mohan I. Shamdasani.

(Transferor)

- (2) I. Mrs. Sofia Banu Iqbal Hussain Subedar & 2. Mrs. Zuber Khatoon Azizullah Subedar. (Transferee)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Versova Spring Leaf CHSL, J. P. Road, Seven Bungalows, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.III37EE|14878| Authority, Bombay 84-85, on 23-11-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Ringe-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 27-6-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Asian Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Singh Malhotra, & Jaspal Singh Malhotra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14945|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing
Shop No. 2, Plot No. 29, Off J. P. Road, Four Bungalows,
Versova, Andheri (W), Bombay-61
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 29, Off. J. P. Road, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14945[84-85, on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 27-6-1985

(1) M|s. Samartha Development Corporation.
(Transferor)

(2) Khalil Hasan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-П, ВОМВАҮ

Bombay, the 4th July 1985 Ref. No. AR.II|37EE|14832|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 409, 4th floor, Bldg. No. A.19, Apna Ghar Unit oN. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, opp. four bungalows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object cel:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Flat No. 409, 4th floor, Bldg. No. A.9, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, opp. four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14832|84-85, on 22-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-7-1985

- (1) Mrs. Taru Mahendra Vaidya.
- (Transferor)

(2) Mr. J. K. Mukim.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14823|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000[- and bearing
Flat No. 205, Sejal Apartments, Plot No. M 1 & M 2,
Veera Desai Rd., Andheri (W), Bombay-58
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fadr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which queht to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Sejal Apartment, plot No. M 1 & M 2, Veera Desai Rd., Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14823|84-85, on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 4-7-1985

(1) Miss Amruta N. Ahuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Satyanarayana Ramswamy & Ors. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Kamal Land Corporation-Partner—Ghanshyamdas J. Bhatiya & Co., 'Ghansheel'—Nr. Panchsheel Socy., Usmanpura Rly. Crossing—Ahmedabad-13

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

(Transferee)

Bombay, the 4th June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No. AR.II 37EE 14064 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 705, 7th floor, Bldg. 'Harmony-B', Plot No. 343, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, the respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th floor Bldg. 'Harmony-B' Plot No. 343, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14064|84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-7-1985

NOBCE U

FORM ITNS-

(1) Samartha Development Corporation.

(2) Miss Navncet Dhillon.

(Transferor) (Transferee)

a tall to the

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37FF|14830|84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 203, 2nd floor, Bldg. No. B.5, Apna Ghar Unit No. 6 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, four bingalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule unpreved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Bldg. No. B.5, Apna Ghar Unit No. 6 co.op. Hsg. S c. Ltd., Oshiwara, Shii Swami Samartha Nagar, Near four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14830|84-85, on 22-11-1984.

JAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Mis. Mohini Jethanand Khanchandani.

(Transferor)

(2) Mrs. U. A. M. Merchant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 4th July 1985

Rof. No. AR.II|37EE|14410|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 14. (A & B wing), Andheri Manish Vijay Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Jackitating the concealment of any income or any arises of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922-1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, (A & B. Wing), Andheri Manish Vijay Co.op. Hsg Soc. Ltd., Manish Nagar, Andheri (W, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 14410 |

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

84-85, on 11-11-1984.

FORM I.T.N.S.--

(1) Mr. Bimal K. Basu & Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Jee Karyalaya,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

> Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14834|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 132, 1st floor, Andheri Industrial Estate, Andheri Versova Road, Andheri, Bombay-54

situated at Bombay

70-216GI 85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 132, 1st floor, Andheri Industrial Estate, Andheri Versova, Road, Andheri, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF|14834|84-85 on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Smt. Sushma G. Guglani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L. D. Palani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **FOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14513|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 601, 6th floor, Jewel Mahal, J. P. Road, Versova, Pombey 61.

Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as afore-mid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A|41, 4th floor, Sai Apt. Co-op. Hsg. Soc. Ltd. bay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14513|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-7-1985

(1) Mrs, Rozy V. Monteiro

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. S K Awatramani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref No AR-II|37EE|14420|84-85 —Whereas, J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

Flat No A|41. 4th floor, Sat Apt Co op Hig Soc Ltd, Pratap Colony, Vetsova, Rd, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any ...come or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No A|41, 4th floor, Sai Apt Co op. Hsg. Soc Ltd, P_1 atap Colony, Versova Rd, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14420|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date 4 7-1985 Scal .

(1) Mrs. Minoo J. Chopra.

(Transferor)

(2) C. M. Avlani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14463|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 403, 4th floor, SUNNY SIDE 'B' plot No. 355, S. No 41, (part), four bungalows, Versova, Andheii (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, SUNNY SIDE, B, Plot No. 355 S. No. 41 (pt.), Versova, Four bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14463|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

(1) Mis. Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. S. Gogate & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14458|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. B-13, Apna Ghar Unit No. 8 Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar. Andheri (W), Bombay-58

tha Nagar, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, fourth floor, Bldg. No. B-13, Unit No. 8 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Samartha Nagar, Andheri (W), Bombay-58. Apna Ghar

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|14458|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 4-7-1985

(1)M[s, Lokhandwala Estates & Develop Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. R. F. Driver,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TOTAL SEASON OF COMMENT

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II[37EE]14779[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing Flat No. 1705, 17th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 (pt.) four bungalows; Versova, Andheri (W). Romboy 58

(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1705, 17th floot, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 (pt.), Versova, four bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14779|84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

(2) Miss Bela Sodhi.

(Transferee)

MOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11. BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37FE|14436|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable expensive having a fact warranty having a fact warranty having a fact. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing Flat No. 206, 2nd floor Pen. Ganga, Yamuna Nagar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58

Sulve lescribed in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Jucome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 206, 2nd floor, Pen. Ganga, Yamuna Nagar Oshiwaia, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37Et | 14436|84-85 on 12-11-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

(1) Mrs. Nascera Shabbir Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chouhan & Brothers.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II/37EE/14288/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No 2, 5th floor, Sajid Tower, 58|59 Mogra Village, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 2, 5th floor, Sajid Tower, 58|59, Mogra Village, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14288|84-85 on 9-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxy Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

alabara dalah lahir da darim sada dalah darim da darim darah darim dari FORM ITNS-

(1) Mr. Faziur Rehman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14063|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1, Unit No. 12, Bldg. 'Steller Tower', Plot No. 352, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

71-216GI|85

(2) Mr. Prem Kumar Arora.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Unit No. 12 in the Bld. Steller Tower, situated at Plot No. 352 of S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Com-tent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE] petent Authority, Bombay 14063|84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Rajesh Suresh S. & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Sawhney.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Kef. No. AR-II|37EE|14041|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immev-

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 1005, 10th floor, Bldg. 'Belscot Tower', Plot No. 15|7, S No. 4! (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of exten with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer **4/4**

(b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresala property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLAMATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005 on the 10th floor in the bldg. 'Belscot Tower' situated at Plot No. 15/7 of S. No. 41 (part), Four Bangalows, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14041|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. B. S. Sheth & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Ruturaj K. Sawhney.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. AR-II]37EE[14065[84-85.—Whereas, I. LAYMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable projecty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 1006, 10th fl., Bldg. 'Belscot Tower', Plot No. 15/7, S No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be discosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons namely—92—206 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immov-property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10006, on he 10h floor in the Bldg. 'Belscot Tower', situated at Plot No. 15/7 of S. No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14065|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-7-1985

(1) Mrs. Sheetal G. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rasheed Feroz Pattl & Mrs. Silloo Feroz Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14049|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

or operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 604, 6th floor, Mahavir Apartments-2, Plot No. 154 (B), S. No. 137, C.T.S. No. 1317, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act in respect of any income arising from the transferand/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Mahavir Apartments-2, Plot No. 154, (B), S. No. 137, C.T.S. No. 1317, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58.

The ugreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 14049|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authoritys
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-7-1985

(1) Pranial C. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Silloo Feroz Patel & Sri. Rasheed Feroz Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|140550|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Plot No. 154 (B), S. No. 137, C.T.S. No. 1317, Fat No. 603, Muhavir Apartments-2, Versova Road, Andheri, Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, Piot No. 154(B), S. No. 137, C.T.S. No. 1317, Mahavir Apartments-2, Versova Road, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14050|84-85, on 3-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Dated: 3-7-1985

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vasant Comotim Bambolca.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14056|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 71, 7th floor, C-wing Plot No. 24, Shree Swams Samartha Prasanna CHSL., S. No. 41 (Part), Oshiwara Vitago Near 4 Bungalovs, Versova Andheri (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor C-wing Plot No. 24, Shree Swaml Samartha Presanna CHSL., S. No. 41 (Part), Oshiwara Village, Near Four Bungalows, Versova, Andheri

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]14056[84-85, on 3-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

1 100

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-7-1985

(1) Mis, Ravirai Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shankar Vissomal Sabnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-II]37-EE]14504]84-85.---

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 705, 'A', 7th floor, 'BREEZE' Plot No. 25, S. No. 21 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Oshiwara, Bonbay-58

Bombay-58.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at

Bornbay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 706, 'A', 7th flior, BREEZE' Plot No. 25 S. No. 41 (Part), Four Bungalows; Versova, Oshiwara, Andheri (w) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14504|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated . 5-7-1985 Seal :

M|s. Vinay Builders.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Ramchandra Bapat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14108.—
Whereas. I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the said Act.) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00 000|- and bearing No.
Flut No. 7. Shree Swami Samauth Apartments. Plot No. 60.

referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing No.
Flat No 7. Shree Swami Samaith Apartments, Plot No. 60, Tarun Bhuat CHSL 298 Sahai Road, Andheri (E), Bombay 93 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is ices than the Jair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax let 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as used herein as used herein as the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.-7, Shree Swami Samarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat CHSL, Sahar Road, Andheri (E), Bomba-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]14108[84-35, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-II,
Bornson

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269F of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7.1 con

A STANDARD CONTRACTOR (1) M|s. Vinay Builders.

(Transferor)

(2) Shi i Sathe Pramod Prabhakar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II|37-EE|14681,-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Flat No. 5, Shree Swami Samarth Apartments, Plot No. 60,

Tarun Bharat CHSL., Sahar Road, Andheri (E), Bombay-93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Flut No. 5, Shiee Swami Samarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat CHSL, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37-FE|14681|84-85, on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

72-216GI/85

Date . 2-7-1985

(1) Mls Ansa Builders

(Transferor)

(2) Shri Kalicharan D Makhijani

may be made in writing to the undersigned -

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-IJ BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref No AR II|37-FE|14307 --

Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000; and bearing
Unit No 211 II Floi, H Bedg Ansa Industrial Istate Saki Vikar Road, Saki Naka, Bombay 72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bomby, on 9 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THF SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other 1884s, which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No 211 II Floor, Bldg 'H Ansa Industrial Estate, Siki Vihaj Rond Saki Naka Bombay 72

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR-II]37 EE]140307|84-85, on 9 11 1984

LAXMAN DAS Comp tent Authority Inspecting Assistant Comm ssi nei of Income tax Acquisition Range II Bomb iv

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 269 \(\mathbb{B}\) of the Income (1x Act 1961 in the Office of section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

2 7 100 5 Date Seal

(1) Mis. Makharia Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14583.-

Whoreas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Unit No. 27, Gi. Floor, Plot No. 27, Makharia Industrial Complex, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) M/s. Chemi-Treat.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27, Gi. Flooi, Makharia Industrial Complex Plot No. 27, Mahal Indi. Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]14583[84-85, on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date . 2-7-1985 Seal :

(1) Seiko Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dipak Udyog.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14408|84-85.---

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 15, Gr. Floor, 'Dev Darshan' Old Nagardas Road, Andheri (F). Bombay-69.

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomic arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Gr. Floor, 'Dev Darshan', Old Nagar Das Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Comvetent Authority, Bombay under Serial No. II]37-EE|14408|84-85 on 9-11-1985

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

(1) Seiko Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanderjeet C. Bhatia & Sbri Kailash C. Bhatia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14407|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Shop No. 10, Gr. Floor, 'Dev Darshan', Old Nagar Das Road, Andheri (E), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compotent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Floor, Devdashan Old Nagar Das Road, Andheii (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37-EE|14407|84-85, on 9-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd July 1985

Rcf. No. AR-II|37-EE|14936|84-85.---Whereas. I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Gala No. 9A, Nand Deep Indl. CSL., Kondivita Andheri (E).

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (I) Ushaben Mithubhai Ganatra,

(Transferor)

(2) Arco Manufacturing Co.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Gala No. 9A, Nand Deep Indl. CSL. Kondivita Lane, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14936|84-85, on 24-11-1984.

(b) faillitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1985

(1) Kamla Constructions.

(Transferor)

(2) Mis. Ranjana Vinay Kumai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISTRON RANGUAL BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref No AR-J1|37-EE|14017|84-85 ---

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 504, Urmila Bldg. Kol Dongii, Sahar Road, Andheri

(E), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Not. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of With the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tan Act, 1957 +27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, Urmila Bldg, Kol Dongri, sahir Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Schal No. AR-II|37-EE|14017|84-85 on 12-11-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-II Bombay

Ni vi, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeuaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Dated . 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14418|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Flat No. 602, 6th floor, Nirman Vihar, B-Wing, Rajemata, Jijabai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M[s. Nirman Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Raju Gomes & Mrs. Tejce Gomes.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Nirman Vihar, B-Wing, Rajemata, Jijibai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14418|84-85, 12-11-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

FORM ITNS----

NCITICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 3th July, 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14010|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flate No. K-4, KITISHA APARTMENT, 1st floor, S. No. 160, H. No. 3, CTS No. 144, March Mayorki, Road, William

160, H. No. 3, CTS No. 94, Marol Maroshi Road, Marol, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesato property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

73-216 GI 85

(1) M|s. Virat Construction.

(Transferor)

(2) Mrs. Accamma George and Dr. George Oomen.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. K-4, 1st floor KITISHA APARTMENT, Survey No. 160 H. No. 3, CTS No. 94, Marol Maroshi Road, Village Marol, Bombay"

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE Authority, Bombay und 14010 84-85, on 1-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 3-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IMSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR II|37EF|148234-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

rand beating No.
Flat No. 6, 1st floor BUNNY HOME Plot No. 118 Shere-e-Punjab Co-op. Society Limi ed. Mahakali caves Road, Andheri (e), Bombay-93

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) racditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269L of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons namely:—

(1) M|s. Satish Enterprises

(Transferor)

(2) Sarita Harish Kapoor & Harish Kapoor (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 6, 1st floor, Bunny Home, Plot No. 118, Shere-e-Punjab Co-op, Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andherl (E), Bombay-93"

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14821 84-85, on 22-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated: 3-7-1985.

FORM ITNS ---

(1) Smt. Shobha Krishanan

(Transferor)

(2) V. Ramdasan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Deepak Builders Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property))

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14003[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 6 on 1st floor, Building No. 13
Flat No. 3, Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri
(East), Bombay 400 059.
(and more fully described the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 6, 1st floor of Building No. 13, on Plot No. in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East. Bombay 59.

The agreement has been to steed by the Competent uthority, Bombay under bound No. AR.II 37EE Authority, Bombay und. 14003 84-85, on 2-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-7-1985.

(1) M|s. Nirman Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mhoamed Salim Siddique & Mrs. Mehtab Johan Siddiqui

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MMISSIONER OF INCOME-TAX

BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14419|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000- and bearing

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 502, 5th floor, Nirman Vihar, B-Wing, Rejaemata Jijiabai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferl and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 502, 5th floor, Nirman Vihar, B-Wing, Rajmemat Jijabai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93"

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 14419|84-85, on 12-11-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 3-7-1985.

Soal :

(1) Shri Suresh Vasant Sawant Smt Archana Suresh Sawant

(Transferor)

(2) Smt. Premlata Govind Naro

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14303|84-85.—Whhereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 304, 3rd floor, Nirman Vihar 'A' Wing, Rajemata Jijabai Rd, Near Pump House, Opp Vikar Nagar Andheri (E) Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has heen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office of the Competent Authortiy at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein -EXPLANATION. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 304 on 3rd floor in Nirman Vihar 'A' Wing, Rajemata Jijabai Rd. Near Pump House, Opp. Vikar Nagar, Andherhi (E), Bombay-93"

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. A 14303 84-85, on 9-11-1984. Serial No. AR.II 37EE

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 3-7-1985.

(1) Ramesh Isaidas Advani

(Transferor)

(2) Bhimraj Mangilal Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No AR.II|37EE|14068|84-85.—Whhrease, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing No Shop No. 4, ground floor in Everyoy Apartment, Maro hi Road, Marol, Andheri, Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 A B of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Component Authority Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

"Shop No 4 on Ground floor in Ever Joy Apa tment, Marosa Road, Marci Anar , Fombay-59.

The agreement has been a gistered by the Competent authority, Bombay under behalf No AR.II 37EE Authority, Bombry and 14032 84-85, on 2-11-1984.

> LAXMAN DAŞ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 3-7-1985.

(1) Mustaalibhai T. Zakiuddin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shabbir Abdulhusain Morbiwalla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR, II 37EE 14011 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 64, 'Shamikh', Saiftt Park, Marol Village, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfured and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at

Competent Autnortiy at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 64, 6th floor, Saifee Park, Shamik Building, Marol Village, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 14011[84-85, on 2-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person namely :-

Dated: 2-7-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref No. AR.11|37EE|14231|84-85.--Whereas,, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Industrial Unit No. 114, Shiva Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Rd., Bombay-59.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Mazda International Private Limited

(Transferor)

(2) Mr. Avtarsingh A. Arora & Mr. Ramchand G. Chabria.

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 114, Shivaj Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Rd. Bombay-59.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 3-7-1985.

FORM ITNS ...

Shri K. L. Adhikari & Shri U. K. Adhikari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14965|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. G1|2 Pramukh Vijay Premi e3 Co-op. Society I.td., Vijaynagar, Apartments, Marol Maroshi Road, Andheri

(East), Bombay-59 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-11-1984. for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :-74-216 GI|85

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (2) Mrs N. S. Kapadia, Mr Rustom S. Kapadia Mr. Rohinton Sorab Kapadia & Mr. Peshotom S. Kapadia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G1|2 Pramukh Vijay Premises Co-op. Society Ltd., Vijay Nagar Apts. Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] Authority, Bombay under 14965 84-85, on 26-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR.II]37EE[15029]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Shed, being Unit No. 4 Luthra Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Safaid Pool, Andheri-Kurla Rd., Sakinaka, Bombay-72.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sabanali I. Merchant Ramzanali I. Merchant Abdul Rahim I. Merchant Trustees of Ismat Trust.

(Transferor)

(2) Mohamedbhai M. Patel.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shed, being Unit No. 4, Luthra Industrial Premises, Co. operative Society Ltd., Safaid Pool, Andherl-Kurla Road, Sakinaka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 15029|84-85, on 29-|11|1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated: 3-7-1985.

Soal:

(1) M/s. Allied Manufacturers.

(Transferor)

(2) M|s Galaxy Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 3th July, 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14202|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Industrial Unit No. 11, Ground floor in building known as Navyug Industrial Estate at off Andheri-Kurla Road, Andheri

(E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of eversion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 11, Ground floor in building known as Navyug Industrial Estate at off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14202 84 85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 3-7-1985.

Scal:

(1) M/s Spectrum Rubber Works Pvt. Ltd.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Adarsh Print Art.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 3th July, 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14252|84-85.-Wherens, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property havin Rs. 1,00,000|- and bearing No

Unit No. 9, Ground floor, Madhuban Indl. Estate Mahakali Caves Rond, Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Lx Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the law market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate pioceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 9, Ground floor, Maduban, Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE Authority, Bombay und 14252 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Onted: 3-7-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Surindarsingh Sabharwal (HUF), Shri Ushpal Singh Sabharwal.

(Transferor)

(2) Coss Electronics.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the propert,)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14272|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 1. New India Industrial Estate, Mahakali Caves
Road, Andheri (E), Bombay-93.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreemen' is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of

the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such 'ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 1, New India Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Audheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14272[84-85] on 9-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1985,

FORM ITNS ----

(1) Shri Sajjad Ali A. Doriwala,

(Transferor)

(2) Miss Sakina Nuruddin Dohadwala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|14603|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the Said Act), have reason to believe that the munovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
Flat No. 34, 3rd floor, Shamikh Co-op. Housing Society, Marol, Andheri (E), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 2694B of the Incorporaty Act 1961 in the Office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-11-1985

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, Shamikh Co-op, Housing Society, Marol, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14603|84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1985.

Soal:

(1) Smt. Nafisabai Sajjad Doriwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Yusufi Hatimbhai Kantawala. Shri Shabbar Hatimbhai Kantawala, Shri Shabbir Hatimbhai Kantawala & Smt. Khozema Hatimbhai Kantawala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14602|84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 33, 3rd floor, with Garage No. 2, Shamikh Go-op, Housing Society Ltd., Marol, Andheri, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ?—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any resoneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 33, 3rd floor, with Garage No. 2, Shamikh Co-op, Housing Society Ltd., Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14602 84-85 on 16-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely:-

Date: 2-7-1985.

Scal:

(1) Dulcet Electronics Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak R. Killawala,

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Of 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14326|84-85.-

Ref. No. AR.II|37EE|14326|84-85.—
Whereas, I. LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Industrial Unit No. 31|Sethi Industrial Es'ate, 10|E. Suren
Rd., Andheri (E), Bombay-93
(and more fully described in the Scheduled nnnexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 31. Sethi Industrial Estate, 10 E. Suren Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14326|84.85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-7-1985.

FORM ITNS-

(1) Techno Field Sales Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mayur Amritlal Vora.

(3) Transferor.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 8th July 1985

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Ref. No. AR.II[37EE]14948[84-85,---

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income tax and the said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act') have reason to believe that the income tax as the 'said Act' have reason to believe that the income tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the tax as the 'said Act' have reason to be the 'said Act' have reason to be the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as the 'said Act' have reason to be tax as movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 305, 3rd floor, Bldg. No. F, Manish Park, Pump House, Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

Bombay on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Bldg. No. F, Manish Park, Pump House, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14948 84-85 on 26-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

75-216 GU85

Date: 8-7-1985,

Seal ;

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Recta Harish Malhotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukund Chunilal Kothari,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14445[84-85,---

Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
Flat No. 42, Building No. 7, Amita Mandir Co-op, Housing Society 11d. Old Nagardas Road Andheri (F) Rombay-69

Flat No. 42, Building No. 7, Amita Mandir Co-op, Housing Society 1 d. Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Varma Nagar, Amita Mandir Co-op, Housing Society, Building No. 7, Andheri (East), Bombay-69, of The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III37EE 14445 84-85 on 12-[1-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

interest. In pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985.

(1) Smt. Jahnavi D. D'Souza,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Promila Mehra.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14771|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 8, Kamla Bhavan No. 2, Sahar Rd., Andheri (East), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-11-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, ground floor of Kamla Bhavan No. 2, Plot No. 30(B), Part of the Scheme 'C', Sahar Road, Koldongri, Andhert (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II 37EE 14771 84-85 on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985.

FORM ITNE

(1) Shri Somesh S. Maurya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Mannalal Solanki & Ois

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref No AR II|37EE|14106|84 85 — Whereas I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income ax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000|- and bearing Unit No 29|B New Empire Industrial Estate, Kandivita

Road Bombay 59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3 11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the percation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No 29 B New Empire Industrial Estate Kandivita Road Bombay-59

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Schal No AR II 37EF 14106 84 85 on 3-11-1984

> TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

2-7-1985 Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prabhudas Jethalal Rathod & Shri Vasant Kumar Jethalal Rathod. (Transferor)

(1) Shri Ramesh Kumar C, Jain,

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14084|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No Islat No. 201. Had Floor, Rasila Apartment, Tejpal Scheme, Road No. 5. Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, II floor, Rasila Apartment, Tejpal Scheme Road No. 5, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14084/84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985.

(1) Shri Ramesh Kumar C. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravindra Shankar Joshi & Mrs. Sunanda R. Joshi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14085|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No 304, Rasila Apartment, Plot No. 12, Tejpal Scheme Road No 5, Vile Parle (F), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesind exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Rasila Apartment, Plot No. 12, Tejpal Scheme Road, No. 5, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37 EE 14085 84-85 on 3-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1985.

Scal:

(1) Shri Ramesh Kumar C. Jain.

(Transferor)

(2) Shri Roopchand T, Golani.

(Iransteice)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14086|84-85.— Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 203, Rasila Apartment, Plot No. 12, Tejpal Scheme Road-5, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Rasila Apartment, Plot No. 12, Tejpal Scheme Road, No. 5, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14086|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

sublowing Date: 3-7-1985, Seal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S ----

(1) Sii Pratapbhai Bakubhai Sagar & Sii Yashwant Pratapbhai Sagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Premji Monshi Savla,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Bombay, the 31d July 196.

Ref. No AR II | 37EE | 14957 | 84-85 — Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 | and bearing Room No C-26 & C-27, Amardeep Mahal, II Floor, C-Wing, Nanda Patkar Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2690 of the said Act, to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-26 & C-27, Amardeep Mahal, II Floor, C-wing, Nanda Patkai Road Vile Parle (E), Bombay-57,

the agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR.II[37EE]14957[84-85 on 26-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date . 3-7-1985.

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mt. Heronio Nazareto S. Luis.

(T) ansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14952|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Per 100 0001, and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 403, Nand Deep on 4th floor, Village Chakala. Tarun Bharat Co.op. Hsg. Sty. Road, Vile Parle East, Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Nand Deep on 4th floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co.op, Hsg. Sty. Road, Vile Parle East, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, B. mb. w under Sc al No. AR.II 37EE 14952 84-85 on 26-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—76—216GI|85

Date: 3-7-1985

Soal:

(1) M/s Javshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Sohanlal Hiralal Pandya & 2. Shri Shesmal Rataji Kumhar

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANSGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Rcf. N AR.II|37EE|14250|84-85.—.
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-land bearing F. P. No. 66-B, T.P.S. No. IV, Vile Parle (E), Prathana Samai Rd., Vile Parle East, Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Gr. floor, Javshri Building, F.P. No. 66-B. T.P.S. No. IV, Prathana Samai Road, Vile Parle East, Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II/37EE/14256/84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3td July 1985

Ret 110 AR II137EE|14493|84-85.— Whereas I, LAXMAN DAS, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Ratha you Industrial Estate, Unit No. 48, I Floor, Irla Gauthan, Vile Parle (W), Hombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section _694B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12 11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to both a ting the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Munaf Shafi Memon & Mrs. Shirin Munaf Memon

(Transferor)

(2) Industrial Services.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaoter

THE SCHEDULE

Ratna Jyot Industrial Estate, Unit No. 48, I Floor, Illa Gauthan, Vile Patle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Authority, Lombay under Serial No AR II/37ET 11 193 84-85 on 12-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald sait. I hereby and are proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

7 1985 Date Scal .

(1) Mis Divya Kaushik Majumdar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Shalini Dinesh Divecha & Mr Dinesh P Divecha

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 3rd July5 1985

Ret No AR 11|37EE|14110|84 85 ---

Wherea: I, I AXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing Flat No B + Sir Sudar Patel CHSL Plot No 210 Patel Baug Nehru Rold Vile Parle (E) Bombay 57

and more rully described to the schedule annexed hereto) has been to disterred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Boml iy on 3 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fift i per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the cognistion of the afores ud property by the issue of this source under subsection (1) of Section 269D of the said Agt, to the following persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Hlat No B 4 Sir Saidai Patel CHSL, Plot No 210, Patel Buig N hin Road Vile Parle E) Bombay-57

The agreement has been registered by the Competent Authority Fombay under Serial No. AR II|37EE|14110|84-85 on 311-1984

LAXMAN DAS Competert Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

D۱۲۰ 3-7 985 Scal .

(1) Capt. H. K. Shetty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr, D. S. Yajnik

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14266|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 54, Bldg. No. 4, Alaknanda, HIG Advance Contribution Scheme in Vile Parle, Bombay-49. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, Bldg. No. 4, Alaknanda, HIG Advance Contribution Scheme in Vile Parle, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lomay under Serial No. AR.II|37EE|14266|84-85, on 9-11-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitien Range-II, Bombay

Date: 3-7-1985

FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ret. No. AR.II|37EE|14634|84-85.-

Ref. No. AR.IIJ37EE|14634|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the saic Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 1, Bldg. No 10, Or. Floor, Shri Rama Krishna
CHSL, J.V.P.D. Scheme, Juhu, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:-

(1) Shii Rama Krishna CHSL.

(Transferor)

(2) Smt. Radhabai Kishinchand Dondani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 10 Gr. Floor, Shri Ra na Krishna CHSL., J.V.P.D. Scheme, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37E E|14634|84-85 on 17-11 1984.

> LAXMAN DAS Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitie 1 Range-II, Bombay

Date: 3-7-1985

Scal:

(3) Transferor

FORM I.T.N.S.———

(1) Mrs. Hansaben Indukumai Bhatt

(Transferci)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jaysukhlal Gopaldas Parekh & Vinod Gopaldas Parekh & Mansukhlal Gopaldas Parekh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

> Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14541|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,000000|- and bearing No
Flat No. 37, III Floor, "Nandanvan", Ansari Road, Vile
Paile (W) Rombay-56

Paile (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

*(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 37, III Floor, Ansari Road, Vile Parel (W), Bombay-56,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|14541|84-85 on 16-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following wins, namely :-

Date: 3-7-1985

(1) Vishwas Bave & Associates

(Transferor)

(2) Vasant J. Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14195|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 6, 1st floor, F. P. No. 15, TPS V, Vile Parle (E), Hanuman Road, Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and $|o_T|$

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 6, 1st floor, Ancesh Apartments, F.P. No. 15, TPS-V, Vile Parle (E), Hanuman Road, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14195/84-85 on 7-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1:
Bombay

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ramesh Eknath Kambli

<u>ಸ್ಥಾಪ್ರಮಾಡಿದ್ದಾರೆ ಜಾವಾಸ್ಟ್ರಿಸ್ ಪ್ರವಾಧಿಸಿಕ ಮಾರ್ಥಿಸಿ ಕ್ರಾಮ್ ಪ್ರವಾಧಿಸುವ ಪ್ರಭಾವಿಸುವ ಪ್ರಭಾವಿಸುವ ಪ್ರಭಾವಿಸುವ ಪ್ರಭಾವಿಸ</u>

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shantilal Anandji Gala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14512|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Shop No. 29B, Nehru Shopping & Neminath Apt. Society Limited. Kambli Wadi, Tejpal Road. 'Vile Parle (East).

Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombas on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ciscle in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 29B, Nehru Shopping & Neminath Apt. Society Limited, Kambli Wadi, Tejpal Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14512 84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I be solv imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:-77-216G1[85

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. F. C. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(b) by any other person interested in the said immov-Mi. Narender H. Khurana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 2nd July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14928|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I 00,000|- and bearing Shop No. 7 at Icrome Villa, 432, Azad Road, Vile Parle Fact. Rombay. 57

Fast, Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is 5registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

formbay on 24-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:

Shop No. 7 at Jerome Villa, 432, Azad Road, Vile Parle East, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14928|84-85 on 24-11-1984.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, anapoly :--

Date: 27-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Nikesh Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Mangala Prakash Shenai & Mr. Prakash Kashinath Shenai

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfere:)

CONTRACTOR OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14413|84-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS,

whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorphable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 804, 8th Floor, Plot bearing CS No. 662 & 669 in Village title, Ville Parle (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, and agreement is registered under

has been transferred and agreement is registered under Sec.ion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesar' exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

That No. 804, bearing CS No. 662 & 669 in Village Irla, Vile Faile (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14413|84-85 on 12 11-1984.

LAXMAN DA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomertax Acquisition Range-II. Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

5. Ed :

FORM IINS-

(1) Rathod & Parmar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sridatt Jaya Rao

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE[14478]84-85.—

Ref. No. AR.II[37EE]14478[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 16-B, Amita Co.op. Housing Society Ltd. 141[E, Vile Tarle(E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following rsons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 'B', Amita Co.op. Housing Society Ltd. 141 E Play Ground Road, Opp. Play Ground Vile-Parle (E), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under Serial No. AR.II|37EE|14478|84-85 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8 7-1985

(1) Shri Kantilal Gulabchand Doghi

(Transferor)

OME-

(2) Shri Mahendra Chatrabhuj Parekh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No AR.II|37EE|14215|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000|- and bearing

Flat No. 20, 3rd floor, Shri Gurukrishna Co-operative Housing Society Ltd. M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for me apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

b) facilitating the reduction or evasion of the the fine of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b, he is use of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 3rd floor, Shri Gurukrishna Co-operative Housing Society Ltd., Guruprasad Bldg., M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14215|84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 8-7-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14796|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Survey No. 147, Hissa No. 1, CTS No. 595, 596 1 to 24 & 597 Hissa No 1 Marol Village at Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Neil John Creado Darryl Anthony Creado Winston Joseph Colin Victor Creado Astor Thomas Creado

(Transferor)

- (2) M/s Wintor Construction & Developer Pvt. Ltd. (Transferce)
- (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Vaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing CTS No. 593, 596|1 to 24 & 597 S. No. 147, Hissa No. 1 at Marol Maroshi Road, Marol Village, Andheri (East), Bembay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|14796|84-85 on 20-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, derefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby matiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, tamely:-

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) I. Allan Germano Fernandes
 - 2. Miss Puriel Fernandes and 3 Mrs. Hard Mrs. Hazel Desmond D'Souza

(Transferor)

(2) M15, Philomena Francis Bugri

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14035|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 0 (961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Land at Gundavli, Taluka Andheri bearing C.T.S. Nos. 192
192|1 and 192|2, Andheri (E), Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that exe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the linkship of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the and Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gundavli, Taluka Andheri bearing C.T.S. Nos. 192 192|1 and 192|2, Andheri(E), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14035|84-85 on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.

Date: 10-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14092|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Piece or Parcel of land at village Mogra, Taluka Andheri
bearing S. No. 11, H. No. 14, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act_ 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 2-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Coonception Rocha Mrs. Anne Mary Asgolkar Mrs. Christina D'Souca Mr. Anthony Soares

(Transferor)

(2) M/s. Vadhani Constructions

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same memory is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Mogra, S. Ne. 11. H. No. 14. Taluka, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37EE | 14092 | 84-85 on 2-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 10-7-1985

Scal:

PORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u> المعالم المعا</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14298|84-85.--Whereas, I.

IAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 17, Plot No. 68, Shri Rajasthan Co. operative Hsg. Society Ltd. Andheri-Kurla Road, Andheri (Fast), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been to different and the represent is registered under Section 269 VB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1934

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under mis-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

78-216GI[85

(1) Nayan Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Panna Jasubhai Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 2nd floor, Plot No 68, Shri Rajasthan Co. operative Housing Society Itd., Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. A.R. II|37EE|14298|84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-7-1985

Seal ;

ent of the first state and the first state and

FORM ITNS-

(1) Kamla Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M's. Kshitij Investments Ltd.,

(Iransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14020|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS.
being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 604 in Urmila, Bldg, at Koldongri, Sahar Road, Andheri Fast, Bombay.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said tetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, in Urmila, Bldg. at Koldongri Sahar Road, Ardheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14020 84-85 on 1-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:--

Date: 3-7-1985

(1) Kamla Constructions.

(Transferor)

(2) M[s. Interchrome Pvt. Lid.,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14021|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Improvable property, having a fair market value

Rs. $1,00,000^{\dagger}$ and bearing No. Hat No. 605, in Urmila, Bldg, at Kol Dongri, Sahar Road, Andheri Hast, Bonibay,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trinsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-fix Act, 1961 in the office of the Competent Vuthority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, in Urmila Bldg at Koldongri, Sahar Road.

Andheri East, Bombay,
The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE:14021/84-8 on 1-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II, Bombay

Date: 3-7-1985

Seil:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15005|84-85.---Wheteas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Block No. 25, Giring Apartment, Plot No. 176|1 Pt.) Kondivita Village, Andheri (East), Near Kadamwadi, Andheri, Bombay-59.

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons samely :--

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Girish Shivram Pawar.

(Transferee)

(3) Transferm.

(Person in occupation of the Property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this solice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 24, Giriraj Apartment, Plot No. 176/1 (Pt.) Kondivita Village, Andheri (East), Near Kadamwadi, Andheri, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Setial No. AR.II 37EE 15005 84-85, on 27-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-7-1985

(1) M|s Giriraj Construction Co.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferor)

(2) Ashok Hari Khedkac.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ret. No. AR II[37]:E[]4810 84-85.— Whereas, I. IAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

Flat No. 15, 2nd floor, Giriraj Apartments, CTS No. 176]1, Kadamwadi 30' wide D. P. Rd. Off, Sir M. V. Rd., Andheil

(East) Bombay-93. situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomptax Act, 1961 in the other of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1984

(and more fully described in the schedule annexed hereto). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XNA of the said Acshall have the same meaning as given in that hapt i

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor of Girnai Apartments, Plot bearing CT3 No. 176 1, Kadamwadi, 30' Wide D. P. Road Off. Sir M. V. Road, Andheri (tast), Bombay-93

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14810/84 85, on 22-11-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-7-1985

Mls Girirai Construction Co.

(Transferor)

(2) Sunanda Ashok Khedkar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.H|37EL|14811|34-85...-Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 16, 2nd floor of Unital Apts., Plot bearing CTS No. 176 I, Kadamwadi, 30' Wide D. P. Rd. Off Sir M. V. Road, Andheri (F), Bombay 93.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule agnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1934

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ctated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:--The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd floor of Girian Apartments, Plot No. CTS No. 176 I, Kadamwadi, 30. Wide D. P. Rd. Off Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II137EE14811[84-85, on 22-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR II|37EE|15002|84-85 ----Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]. and bearing No Block No. 23, Girnaj Apartment, Plot No. 176[1 (Pt.) Kondivita Village, Near Endamy edi. Andheri (F.), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hireto), his been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Vulbority of Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of isfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) M/s Giriraj Constituction Co.

___ (Transferor)

(2) Smt. Shingiba Shiv an Pawai

(Transferee)

(3) Transferor (Person in occupation of the Property)

(4) Transferor.

(Person whom the understand from to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 23, Girnaj Apartment Plot No. 1761. (Pt.) Kondivita Villim Nem Kadimwadi Anilieri (E). Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb in under Scirl No. AR 1137F1 15002184-85, on 27-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

(1) Giriraj Construccion Co.

(Transferor)

(2) Smt. Sindhutai Ramchandra Atoley

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Girma Construction Co. (4) Giriraj Construction Co.

GOVERNMENT OF INDIA

(Person whom the undersigned knows /70 be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bomoay, the 10th July 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II 37FB 15003 84-85,—Whereas, I.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

LAXMAN DAS, bearing the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00]- and bearing Block No. 21. Girin Apartment, Marol Pipe Line, Near Kadamwadi, Sir. M. V. Road, Audheri (East), Bombay-59. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the noome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer at the consideration for and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) localitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Giriraj Apartment, Block No. 21, Marol Pipe Line, Near Kadamwadi, Off Sir. M. V. Roed, Andheri (East), Bombay-59 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR HI37EE '5003|84-850 on 27-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitioin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.11|37E1 |15004|84-85 -- Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Block No. 22, Giriraj Apartment, Plot No. 176|1 (Pt.)

Bombay-58

Andheri (East), Bombay-58

Kondivita Village Andheri (East), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombav on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1944 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a foresaid property by the issue of this otice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

79-216GI[85

(1) Girrai Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr Rajendra Romachandra A toley

(Transferce)

(3) Transferor, (Person in occupation of the Property)

(4) Transferoi.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said et, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No. 22, Giriraj Aparita no. Plot No. 176/1 (Pt.) Kondivita Village, New Kallery B. Anologi (East)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay ander Seran No. 42 H12714 [15004]84-85, on 27-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-7-1985

FORM ITNS ---

(1) M|s. A. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Romaldo Bazeldo Jose D'Souza & Maria Flotia D'Souza. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14649 84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II|37EE|14649|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. Flat No. 301, Third Floor, in C|1, Building Mapkhan Nagar, Marol Matoshi Rd., Andheri East, Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, On third Floor, in C11, Bldg of Mapkhan Nagar, Marol Maioshi Rd., Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARII|37EE|14649|84-85 on 17-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 1-7-1985

Seal;

(1) M. A. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombry, the 1st July 1995

Ref. No. AR II:37EE:14648[84-85.—Whereas, 1, 1 AXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding being the Competent

Rs. 1,00,000]- and hearing No. Flat No. 103, on First Floor, in Building No. B₁3, Mapkhan Nagar, Marol Marshi Rd, Andheri (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compsient Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1% of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) Abdul Rashid Abdul Razzaque.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on First Floor, in B.3, Building Mapkhan Nagar, Marol Marshi Rd, Andheri (E), Bombay.

The agree nent has been registered by the temperate Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 146, 174.85 Bombay on 12-11-1984

TAXA OF DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incidental Acquisition Real of Bumbay

Date: 17 985 Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomb iy, the 1st July 1985

Ref. No. AR.11|37E1 |4470|84-85.-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Longeter authority under Section 269B of the income-tax vct, 1963 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the bank bet in him reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Re 100.0 ml. (hereinage and solve the immovable property).

property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1.00,0 mls. A property to Unit No. 30 on Ground Floor, in Damji Samji Industrial Complex Mair hali and Rd., Andheri East, Bombay, situated at Bompay.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Lieu 1-tax Aug, 1961, in the Office of the Competent Arthought
Bombay on 12 11-1984

for an apparent constitution which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial, proceedings for the acquisition of the aforesaid errors a bit the initial of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

- (1) M/s. Damji Shamji & Sons.
- · [ransferor]
- (2) M/s. Nik Engineers.

(Transferee)

(3) Transferee.

Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 30, on Ground Floor, in Damji Samji Industrial Complex, Mahakali Caves Rd., Andheri Last, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE,14470]84-85 on 12-11-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14469|84-85.-W-hereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 109, on First Floor, in Damji Shamji Industrial Complex, Mahakah Caves Rd., Andheri East, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) o fSection 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mrs Damji Shamji & Sons.

(Transferor)

(2) M/s. Advance System Controls.

(Transferee)

(3) Transferee.

Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withis 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms' and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 09, On first Floor, in Damji Shamji Industrial Complex, Is'ahakali Caves Rd., Andheri East, Fombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Fombay under Serial No. AR.II|37EF 14469|84-85 on 12-11-19384.

LAYMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang:-II, Pombay

Date: 1-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14028|84-85, -Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 145, on 1st Floor, in Damyi Shamji Industri Complex, Mahakali Caves Rd., Andheri East, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 \B of the Incorpe-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Damji Shamji & Sons.

(fransferor)

(2) M/s. Preston Hydrqulics.

(Transferee)

(3) Transferee.

Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 145, 1st Floor, In Damji Shamji Industri Complex, Nahakali Caves Rd., Andheri East, Bombay. !ndustrial

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Setial No AR.II[37FF]14028[84-85 on 1-11-1984.

> LAXIAN DAS Competen Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisinon Range-II, Bombay

Date: 1-7-1985

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lutien Kurian & Mrs. Jesay Kurian

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref No. II|37FF|14006|84-85,---Whereas, I. I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000|- and beating No
Flat No 13, 3rd floor, Bldg No 1, Plot No. 8, in Bahwani
Nagar, Matol Manoshi Rd, Andheri Fast, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tix Net, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that mitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, of Bldg No 1 Plot No. 8, in Bhavani Nagar, Marol Maioshi Rd Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II|37EF|14006|84-85 on 1-11-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R nge-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-7-1985

Seal

- (1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.
- (Transferee)
- (2) Mr. Gulshan Duggal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14005|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 12, 3rd floor, Building No. 4, Plot No. 8, in Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memow able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Building No. 4, Plot No. 8, in Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14005/84-85 on 1-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 1-7-1985

(1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bram I. Rebello.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st July 1985

Rtf. No. AR.II|37EE|14923|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable of the property builty of fair market value exceeding Rev. 100 000/ property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 12, 3rd Floor, Building No. 5, Plot No. 8, in Bhavani

Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E). Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the insi-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Building No. 5, Plot No. 8, in Bhavani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Serial No. AR.II/37EE/ Authority, Bombay under 14923/84-85 on 24-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C) of the said Act. to the following persons, namely:—
80—216©I[85]

Date: 1-7-1985

FORM ITNS-----

(1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Magdelene M. D'Souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37FF|14924|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1, on 1st floor, Building No. 2, Plot No. 6, in Photomic No. 2, Market Park Porchay.

Flat No. 1, on 1st floor, Building No. 2, Plot No. 6, in Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombav. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official George

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on 1st floor, Building No. 2, Plot No. 6, in Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14924/84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

Scal.

FORM I.T.N.S.-

- (1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Zahid Shubaily & Mrs. Nilufer Shubaily

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14184|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 13, 3rd floor, Building No. 2, Plot No. 8, in Bhayani Nagar, Marol Maroshi Road, Andhert Fast, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Hombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 13, 3rd floor, Building No. 2, on Plot No. 8, in Bhayani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scriel No. AR, II/37EE/14184/84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

(1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Chandrashekar Kadrı.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14186|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Compotent Authority under Section 3609 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,99,000 and bearing No.

and bearing No. Flat No. 13, 3rd floor, Building No. 2, on Plot No. 13, in Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any become arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (w) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, on 3rd floor, Building No. 2, on Plot No. 13, in Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14186/84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, **BOMBAY**

Bombay, the 1st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14187|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a few parts of the competence of the able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 5 & 6, on 1st floor, Bulding No. 5, Plot No. 8

in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheii East,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.
- (Transferor)
- (2) A. V. Sundaram, Smt. Annapoorni Sundaram & Mi. Sundram Subramanian.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 5 & 6, on 1st floor, Building No. 6, Plot No. 8 ın Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri Fast, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent nority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/ Authority, Bombay un 14187/84-85 on 7-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-7-1985

(1) Mls. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanchangauri Kanaiyalal Popat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14066|84-85.—Whereas, I,

I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 43, 4th floor, Wing-B, Pallavi Beach-Angec Opp. Military House, Military Road, Ruia Park, Juhu Vile Parle (W). Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 43, 4th floor, Wing-B, Pallavi Beach-Angle, Opp. Military House, Military Road, Ruia Park, Juhu Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scrial No. AR.II 37-EE 14066 84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H Bombay⁷

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 8-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR.I.[37EE]14238[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and Plot No. 121, Jasawala Wadi, Juhu, Bombay-400 049

Plot No. 121, Jasawala Wadi, Juhu, Bombay-400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subternon (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Mrs. Sheroo Data Gandhi.

(Transferor)

(2) Ms. Nav Bahar Builders.

(Transferce)

(3) Shri K. G. Purushottam.

(Person in occupation of the propert)

(4) Shri K. G. Purshottam.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 121, Jasawala Wadi, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.Π[37ΕΕ]14238[84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date 12-7-1985

-T-- 1 -1 t

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR JU37FE|14742|84-85.—Whereas, I,

I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 72, Crystal, 72-Gulmohar Road, Juhu, Bombay 49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mr Oscai Claude Thomas Patrao.
- (2) Mr. Anthony Phillips.

(Transferor)

(3) Transferce.

(Transferee)

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72, Crystal, 72-Gulmohar Road, Juhu, Bombay-49

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14742|84-85 on 19-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 4-7-1985

Seal;

(1) Mr. Dewanchand Kapoor.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ratan Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR II|37EL|14688|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 304, III Floor, B-Wing, Milton Apartments, Azad Road, Juhu Koliwada, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the property of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income training from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

81—216 GI|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, tll Floor, 'B' Wing, Milton Apartments, Azad Road, Bombay, Juhu, Koliwada.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II[37FE]14688[84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS———

(1) Mrs. Priya H. Thadani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Sonarita Skin & Hair Clinic.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Rombay, the 4th July 1985

Ref. No AR II|37FE|14157.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000|- and bearing No. Shop No. 11, Juhu Princes Shopping Arcade

Shop No. 11, Junit Princes Snopping Arcade, Shop No. 11, Junit Princess Shopping Arcade, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proparty may be made in writing to the understand:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aoi, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No .11, Juhu Princess Shopping Arcade, Juhu Beach,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|14157|84-85 on 3-11 1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Vinayak Purshottamdas Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anang Gancel, Borwankar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No AR.II[37 Γ F]14949]84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

roing the Competent Authority under Section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 105, I Floor, Juhe Princess Building,

Juhu Tara Road, Bombay-49

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the changed at the property as a supered to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

a) 'actitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 105, J Floor, Juliu Princess Building, Juliu Tara Road, Bembay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II]37EE[14949:84-85] on 26-11-1984.

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Вотьач

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

17 ite . 4-7 1985

(1) Irolette Enterprises.

(Transferor)

(2) Miss Betty J. Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14567|84-85.—Whereas, I. I.AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor in Irolette Villa on Plot bearing CTS No. 976, S. No. 16, H. No. 4 of Juhu Village, near Bombay Flying Club, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, stochever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor in Irolette Villa on Plot bearing C IS No. 976, S No. 16, H. No. 4 of Juhu Village, Bombay Flying Club, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 14567 84-85 on 9-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-18
Bombay

Date: 4-7-1985

(1) M/s. Zeba Enterprises.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Eembay, the 10th July 1985

Ref. No. AR 11/371 E/14559/84 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair mraket value exceeding Ks. 1,00,00|- and bearing

Flat No. on 4th floor, Zeba Apartments, Hill Road, Opp. New Talkies Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Mis. Fakhtuddin Ghadiali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. on 4th floor. Zeba Apartments, Hill Road, Opp. New Talkies, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 14559 84-85 on 15-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

(1) Suhail Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vivette Louisa D Mellow.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14179|84-85.--Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,60,000|- and bearing No. Hat No. 202, 2nd floor, Shelter 20, St. Francis Road,

Bandra, Fombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay cn 3-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Shelter, 20, St. Francis Road,

Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14179 84-85 on 3-11-1984.

IAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IT Bombay

Dule: 10-7-1985

Scal:

(1) Sumail Constructions,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Richard Evaristus D'Mello.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|3715E|14178|84-85.--Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Hat No. 201, 2nd floor, Shelter 20, St. Francis Road, Bandta, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), having a fair market value exceeding

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3 11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Shelter, 20, St., Francis Road,

Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37FF]14178[84-85 on 3-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1985

Scal ·

(1) United Builders Corporation (India) Pvt, Ltd. (Transferor)

(2) Vidia (India) Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II[37Fi] 14804[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

Seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Unit Nos. 301 to 305, 31d floor, in Plot No. C-3, E-Block, S. No. 4, C.S. No. 8 of Village Parighkhar Tahsil Bandra Keila Link Road, Bombay (and though fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 22-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit Nos. 301 to 305, 3rd floor, in Plot No. C-3, E-Block S. No. 4, C.S. No. 8 of Village Perighkhar Tahsil Bandia Kurla link Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14804 84-85 on 22-11-1984.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

(1) Mr. A. Sethumadhavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nazim N. Lakhani Mr. Shiraz N. Lakhani & Mrs. Ashraf N. Lakhani.

(3) Transferees

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II;37FE;14647[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 12, 3rd floor, Skylark Apts., Off. Chuim Union Park, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Skylark Apartments, Off. Chulm, Union Park, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14647 84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authorky
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

82—216 GI|85

Dato: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15001|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Shop No. 4, New Kamal Kunj Co-operative Housing Society
Ltd., 331d Road, TPS III, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Tulsidas Narsingdas Raghoowanshi, through his duly Constituted Attorney, Shri Ramchand Narsingdas Raghoowanshi.

(Transferor)

(2) Mustakuim Yusuf Wahab, Nazir Yusuf Wahab, and Moshim Yusuf Wahab.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 4, New Kamal Kunj Co-operative Housing Society, Plot No. 417-A, 33rd Road, T.P.S III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15001|84-85 on 27-11-1984.

LAXMAN DASCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

(1) Mr. Petric Ardesir Gilder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ms Kajuria Exports Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15000|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, 'Summer Queen' at Plot No. 91 15th Road, TPS III, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-11-1984

to an apparent consideration which is less than the fair maker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, 'Summer Queen' at Plot No. 91, 15th Road, TPS III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15000 84-85 on 27-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:---

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM TINS-

(1) Shri Ramji Virji Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

(2) Shri Vinod Devshi Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14241 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority Autorised by the Central Govremment in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 2, Shiv-Asthan (Khar) Co-op. Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Scheduled Livery).

(and more fully described in the Scheduled below), has been has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and loc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivt persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 31, TPS III Shiv-Asthan (Khar) Coop. Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14241|84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Aruna Prakash Patil.

(Transferor)

(2) Smt. Kirti Rajesh Mishram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14514|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 183, Kamal Pushpa Co-op, Housing Society, Kr shna Chendra Marg, Bandra Reciamation, Bandra (W), Bomb³y-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising fram the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 183, Kamal Pushpa Co-op. Housing Society, Krishna Chandra Marg, Bandra Reclamation, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14514 84-35 on 12-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II. BUMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14270|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 32, III Floor, TPS III, 33rd Road, New Kamal Kunj CHSL., Plot No. 417-A, Bandra (W), Bombay-50 has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granufor with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shaikh Iqbal Moosa.

Transferor)

(2) Smt. Iqbal Jahan Abidali and Srı Syed Abidali Noorali.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, III floor, TPS III, 33rd Road, New Kunj CHSL, Plot No. 417-A, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14270 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

Scal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR II|37EE|14542|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 2, Kanti Apartment, Mount Mary Roal, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the regreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Kamaluddin M. Dawoodani.

(Transferor)

(2) Mr. Ram Mohan Rai.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Kanti Apertment, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14542 84-85 on 15-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit.on Range-II, Bombay

Date: 4-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14743|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 511, Bldg. Mount Mary Apats.

Dr. Peter Dier Road, Bandra,

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ward /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Almas Salim Judha & Mr. Salim Essa Judha.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamedali Nanji Padania.

(Transferce)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

· THE SCHEDULE

Flat No. 511, Bldg. Mount Mary Apartments, Dr. Peter Diar Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14743[84-85] on 19-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

(1) Mr. Ramchand Sirumal Gwaleni,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yakubali Barucha & Mr. Ahmedali Barucha & Mrs. Fatima Ali Barucha,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|22902|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 4, 8th floor, Manish Seacroft, Shirley Mala Road, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days fro inthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 8th floor, Manish Seacroft, Shirley Mala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serlal No. AR.II 37EE 22902 84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— 83-216 GI 85

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 14976 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing No. Shop No. 29, Kamal Kunj CHSL, situated at Junction of 33rd & 15th

situated at Junction of 33rd & 15th

Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sangeeta Narayan Mudnaneu.

(Transferor)

(2) Smt. Christine Shaikh.

(Transferee)

(4) New Kamal Kunj CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29, Kamal Kunj CHSL, situate at Junction of 33rd & 15th Road, Bandra, Bombay-50.

the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14976|84-85 on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 4-7-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14786|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 10, I Floor, Vinay Sadan CHSL. 61-A, St. John Beptista Road, Bandra

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mrs. Sherbanubai Alibhai Daradya.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Parveen Abass Rajvi.

(Transferee)

(3) Transferor,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, I Floor, Vinay Sadan CHSL., 61-A, St. John Beptista Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14786|84-85 on 20-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-7-1985 Seal:

interested in the property)

FORM ITNS-

(1) M|s. Abis Constructions.

(Transferor)

(2) Hasso T. Gangwani. (3) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14874|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 204, II Floor,
Bldg. Diago-B', Plot bearing CTS Nos.
1280, 1461, 1247 & 1463, Village

Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, II Floor, Bldg. 'Diago-B', Plot bearing CT5 Nos. 1280, 1461, 1247 & 1463, Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14874 84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-7-1985

Seal .

I-ORM I'INS-----

(1) Smt. Vidyawati Handa Sri Shivcharandas Handa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabha Kailash Tiwari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14960|84-85.-Wheresa, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

RS. 1,00,000] and bearing
Flat No. 11 of Sandesh Bldg.
Sonoo Co.op. Housing Society Ltd.
Plot No. 203-A, Bandra, Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at Bombay on
26-11-1984 26-11-1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferce (s) has not been truly total in the said instrument of transfer rolls the chief of stated in the said instrument of transfer with the object of-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 of Sandesh Bldg. Sonoo Co.op. Housing Society Ltd. Plot No. 203-A, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14960|84-85 on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

(Transferor)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14014|84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No. Flat No. 305, New Rashma CHSL, II Hasnabad Lane, Plot No. 180, Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908). In the office of the registering officer. 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mrs. Asma Gulam Husain Rangwala.

(2) Mr. Abbasali Tahirally Ustad & Mrs. Sakina Abbasali Ustad.

(Transferee) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, New Rashma CHSL, II Hasnabad Lane, Plot No. 180 Santacruz (W), Bombay-54

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14014|84-85, on 1-11-1984.

LAXMAN DAS. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:---

Date: 4-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Nirmal J. Bafana.

(2) Mrs. Aruna M. Bhojak.

(Transferor)
(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14205|84-85.—Wheeras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 3, Geet Milan CHSL., 4th Road, Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Geet Milan CHSL., 4th Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14205[84-85, on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Lubna A. Aziz Merchant.

(Transferor)

(2) Mrs. Asma Gulamhusein Rangwala.

(Transferee)

Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. (No. AR.II|37EE|14151|84-85.—Wheeras, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 16, III Floor, Bldg., 6A, Juhu Sangeeta Apartments CHSL., Juhu Road, Plot No. 71|A-2, Santacruz (W), Bom-

bay-49,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Bombay on 3-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end∕or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Flat No. 16, III Floor, Bldg., 6A, Juhu Sangeeta Apartments CHSL., Plot No. 71 A 2 Juhu Road, Santacruz (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14151|84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

Date: 4-7-1985

Scal :

FORM ITHS

(1) Sh Chandrakani Dhirajlal Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Atjun R. Gopalani; 2. Mohan V. Alwani; & 3 Ashok P. Gopalani

Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY .

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR II|37EE|14175|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Flat No 4A, Outhouse, Presana Mandir CHSL., 44-Swami Vivekananda Road, Opp. Caltex Petrol Pump, Santacruz (W.

Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4A, Outhouse, Presana Mandir CHSL., 44-Swams Bombay-54. Vivekananda Road, Opp Cultex Petrol Pump Santaciuz (W). The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under Serial No. AR II 37FE 14175 84-85, on 3-11-1984.

> LAXMAN DA' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ru nuc-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

84—216 GI|85

Date: 4-7-1985

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Syedalı Sibtain Naqvi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14401|84-85.--Whereas, I, IAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 103, Nadia Apartments, 11th Road, T.P.S., Santa-

cruz (E), Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as regreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or nnv moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 103, Nadia Apartments, 11th Road, T.P.S, Santagraz (Γ), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombuy under Schal No. AR.III37FE|14401|84-85 Authority, I on 9/11/184.

> LANMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date · 4-7-1984 Seal:

(1) Liberty Investments (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Wajida Jofani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|14400|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 201, Nadia Apartments, 11th Road, T.P.S., Santacuz (F), Bombay-55,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 VB of the Income-tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the property as a foresaid the pro exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ab) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 201, Nadia Apartments, 11th Road, T.P.S., Santá-

CIUZ (E), Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14400[84-85 on 9]11[1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-" Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 4-7-1985

THE CHATTER DESCRIPTION OF THE PARTY NAMED AND ADDRESS OF THE FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Shaikh Haroon Bashir.

(Transferor)

(2) Mrs. Guruprit Kaur Harbhajansingh Chandok. (Transferce)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14143|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, Gro. Floor, F-wing, Juhu Apartments, Juhu Road, CHSL., Juhu Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, F-wing Juhu Apartments, Juhu Road CHSL., Juhu Road, Santacruz (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14143|84-85

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

on 3|11|1984.

(1) Smt. Khatija Abdul Kadai Bhavnagaiwala. (Transferor)

(2) Shri Jashbirsingh Amilksingh Anand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 4th July 1985

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Ret. No AR.II|371 E|14901|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No.7, I floor, 4B-Bldg., Juhu Songeeta Apartments, (HSL.,

Juhu Road, Santacruz (W), Bombay-54,

Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombuy on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to firm for the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1 floor, 4-B Bldg, Juhu Sangceta Apartments, CHSL., Juhu Road, Santacruz (W), Bombay-54.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14901|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Sald Act to the following persons, namely: -

Date : 4-7-1985

(1) Mr. Rajiv Ranchhoddas Gandhi,

(Transferor) (Transferce)

(2) Shri Jamnadas M. Choksi & Asociates,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14423[84-85,---Whereas, I,

Ref. No. AR.II]37EE]14423|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No. 606, Jamuna Mahel, Prabhat Colony, Plot No. 7 3, TPS Santaccuz (E) Rombay-54

TPS. Santacruz (E), Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984,

sompay on 12-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian In come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, JAMUNA MAHFL, Prabhat Colony, Plot No. 7 3, TPS, Santacuz (F), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14423[84-85, on 12-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 47-1985

and the second second second second

FORM ITNS---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asmabi Mohd, Ismail,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR II/37F F114714[84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No.

Flat No. 404, 4th Floor, Bldg. No. 1, Forming part of S.

No. 41, of Village Omerana Behad Pehram Baug, Jogeshwari (W), Bombar 58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax. Not. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- it) facilitation the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor of Bldg., No. 1, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37FE | 14714 | 84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to the following persons according to the said Act, to t ing persons namely :-

Date: 10-7-1985

(1) Bhagwati Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dinanath D. Tiwari & Ramamani P. Tiwari Vishwanath Yadav Chawl. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14069|84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

office No. 6, I Floor, Shri Balaji Darshan, Filak Road, Santa Cruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6, 1 Floor, Shri Balaji Darshan, Tilak Road, Santa Cruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14069 84-85 on 2-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Kishinchand Morumal Bhojwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vasu Prabhdas Bathija.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14801|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 12, 5th Floor, 15th Road, Khar, Bombay-52, (and reason followed by the described in the Schedule annual hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12, 5th floor, 15th Road, Khar, Bombay-52. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II|37EH|14801|84-85 Authority, Bor on 20-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-85-216 GJ|85

Date: 5-7-1985

Scal;

ECRM LINS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37FF]14882[84-85, -Whereos, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 4, Gr. Floor, Bandra Paradise CHSL., 33rd Road, Road, Khar, Bombay-52,

has been transferred and the egicement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1561 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liabil to
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been on which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Sharda R. Anand.

(Transferor)

- (2) Master Farced Camar & Mr. Chaman Lal Scsodia. (Transferce)
- (3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Bandra Paradise CHSL., <u>33rd</u> Road, Khar, Bombay-52.

the agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Script No. AR.III37EE 14882 84-85 on 24-11-1984.

IAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the sed Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of I aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

(1) Noshir Manekji Elavia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Nivedita Adyanthaya,

(Fransleice)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Savitii Solomon, Mr. R. B. L. Bharadwarj, Smt. Sajiabai Tinwala.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objectios, if any, to the acquisition of the said property has be made in writing to the understand:—

Bombay, the 10th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. AR.II|37EE|14941|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing plot No (39 Suburban Scheme No, VII, Khar 19th Road, Bombay, situated at Bombay

EXPLANATION

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is egistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 24-11-1984,

-The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Thapter

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land bearing Plot No. C 39 Suburban Scheme No. VII, Ichai 19th Road, Bombay.

the agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14941/84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Soction 169°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid priority by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said oct, to the following ing persons, namely:

Dire : 10-7 1985

ocal:

(1) Mis. Patson Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Meera Bijlani & Amar Bijlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14900|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Shop No. 10 with its underneath basement on ground floor in Bldg, B on a land bearing S. No. 308 & 423 of Village Danda (Khai) Carter Road, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, with its underneath Basement on ground floor in Bldg. 'B' on land bearing S. No. 308 & 423 of Village Danda (Khar), Carter Road, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|14900|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following ourseens. namely:

Date: 10-7-1985

Scal:

(1) Natubhai Aimera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dalpat A. Locha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14746|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

Rs. 1,00,000 and bearing
Unit No. 1, Ground Floor, High Tech. Industrial Centre, Plot No. 5, S. No. 65, Majas Village, Jogeshwari (E), Bombay-52. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, I any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Ground Floor, High Tech. Industrial Centre, Plot No. 5, S. No. 65, Majas Village, Jogeshwari (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14746|84-85 on 19-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Eshaque Gafoor Momin.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|3/EE|14139|84-85. -\\\hoteas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc'), have reason to delive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 703, 7th floor, Bidg., No. 9, Lorning part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behiam Lang, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor of Bldg., No. 9, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwan (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|371 E 14139|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 'c. he following persons, namely:—

Date 10-7-1985

Scal :

FORM TANS-----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Sultana Anwai Bushevi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14127|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 702, 7th floor, Bldg. No. 6, Forming part of S.
No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Brug, Jogeshwari
(W). Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or disclosed by transferce for (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made. writing in a "in lersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the solvice of notice on the respective persons, whichever period expires linter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Fypianation —The it ms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, on 7th floor, of Bldg. No. 6, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwaii (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bembay under Serial No NR.II/37FP/14127/84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 10-7-1985

(1) Mr. Ziwuddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shamim Mirza Ali Bushevi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EF|14128|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 704, 7th floor, Bldg., No. 5, Forming part of S. No. 41, Village Osue Work, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor to believe that the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transferund/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 on 7th floor of Bldg., No. 5, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Compent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14128|84-85 on 3-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 10-7-1985

Scal :

(1) M1. Ziouddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Hamid Mohd. Suleman,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR II[37FF[14925]84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 703, 7th floor, Bldg., No. 16, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari

(W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sense property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the maid unation able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herei are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor of Bldg., No. 16, Forming part S No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogestwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14925|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 86-216 GI|85

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Zauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-_ .=....<u>--</u> _= =--=-

(2) Ansari Mohd. Suleman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION R OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref No. AR.II|37EE|14440|84-85.--Whereas, I,

LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 304. Itt floor, Bldg., No. 10, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400,058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference of apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer—ith the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- 4) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No 304 on 3rd Floor of Bldg., No. 10, Forming part of S. No 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, logeshware (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Compent Authority, Bombay under Serial No AR II|37FF|14440|84-85 on 12-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date · 5-7-1985

Seal +

FORM I.T.N.S.--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14701|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 202, 11 floor, Bldg., No. 13, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W). Bombay-400 058

(W). Bombay-400 058 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Shaikh Dildarati Raza Ahmed.

(Transferce

(3) Mis, Mohd, Abbas R. Shaikh.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gallette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on II floor of Buliding 13 forming part of S No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogethwan (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Compent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14701|84-85 on 20-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharfuddin Abdulla Shaikh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Rei. No. AR.II|37EE|14700|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 19, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor of Bldg, No. 19 Forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|14700|84-85 on 20-11-1984.

LAXMAN DAS.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-71985

FORM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Khan Rafee Ahmed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14247 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Flat No. 401, 4th floor, Bldg. No. 14, Forming part of S. No. 41, Village, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari

(W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flac No. 401, of Building-14 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14247 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khan Mohammed Saafee Munshi Raze. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 10th July 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR..II|37EE|14248|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Hat No .402, 4th floor, Bldg. No. 14, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

(a) feellitating the reduction or evertien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 402 on 4th floor, of Building No. 14, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwaii (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14248|84-85 on 9-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

FORM NO. ITNS-

(1) M1. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd, Jalil Rahimulla Khan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 14249 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. I-lat No. 201, 2nd floor, Bldg. No. 14, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari

(W), Bombay-400 058

has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by anore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor, of Building No. 14, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behroun Baug Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14249 84-85 on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent, Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1985

Beal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Hamida Begum Dawood.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II 37FH 14176 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 503, 5th floor, Bldg. No. 17, Forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trasfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor of Bldg. No. 17 Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14176 84-85 on 3-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

Seat :

(1) Mi Ziauddin Bukhar!

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Mansuri Khadija Shah Mohamad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. $\Lambda R II|37EE|14819|84-85$.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. Flat No 403, 4th floor, Bldg No 15, Forming part of S. No 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), waii (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay-400 058 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-87-216 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor of Bldg No 15 forming part of S No 41, of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwarı (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II|37EE|14819|84-85 on 22 11 1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 10-7-1985 heal '

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Momh. Yusuf Momd. Ibrahim.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II/37EE/14927/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 2, Forming part of S. No. 41. Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 24-11-1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, in 4th floor of Bldg, No. 2, Forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]14927[84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferee)

(2) Mrs. Shaheen Rafique.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14007|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 401, 4th floor, Building No. 20, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behand Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or syncion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401, 4th floor, Building No. 20, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14007/84-85 on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely '--

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Shafi Abdulla Khan,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14054|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act of the Classification of the Control of the Contro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same may ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Building No. 16, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay und 14054/84-85 on 2-11-1984. under Serial No. AR.II/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196: (43 OF 1961)

(2) Mr. Gulnar Nazir Ahmed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR, 11/37EE/14933-A/84-85.—Whereas. I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 102, 1st floor, Building No. 5, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058, situated at Bombay

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor of Building No. 5, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/ Authority, Bombay under 14933-A 84-85 on 24-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raffiuddin Shariuddin.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14684|84-85.--Whereas, J.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000, and bearing No.
Flat No. 140, I floor, Building No. 15, forming part of

S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BONG /C :

Flat No. 104 on I floor of building No. 15, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14684/84-85 on 77-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdulla Abbas Parker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1935

Ref. No. AR.II|37EE|14208|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authrity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

Flat No. 104, on I floor Building No. 5 forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is tegistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the counderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104 on I floor, of Building No. 5, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14208|84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd, Sahed Gudu Bhai Sk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, OMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14618|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000l- and bearing
Flat No. 404, 4th floor, Building No. 17, forming part of
S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said propertý may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor of Bldg. No. 17, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/14618/84-85 on 16-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Bilcon Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharad Shivram Pednekar and Smt Sheela Sharad Pednekar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref No AR II[37I E]14334|84 85—Wheteas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000; and bearing No Flat No 38, 10th floor 'Gurukripa Apartments', NC Kelkar Road Dadai (W) Borrbay 400 028 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9 11 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 38 on 10th floor in 'Gurukmpa Apartmente', N C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-400 028

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE 14334 84-85 on 9-11-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely 88-216 GI 85

Date 10 7-1985 Scal .

FORM NO. ITNS---

(1) M[s. Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrika Jyotindra Doshi, Mr. Jyotindra Ramniklal Doshi & Amol Jyotindra Doshi (Minor).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 4333 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 35, 9th Floor, 'Gurukripa Apartments'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the that the reduction of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the Time meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35 on 9th floor in 'Gurukripa Apartments', N. C. Kelkar Road, Dadar (W), Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14333[84-85] on 9-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14967|84-85.—Whereas,I , LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

Flat No 3. Building No. 4, I floor, Mahalaxmi CHSL, 120—Manmala Tank Road, Matunga, Bombay-16

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sint. Padmani Keshavdas Narsian.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Jethanand Somaya.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building No. 4, I floor, Mahalaxmi CHSL, 120, Manmala Tank Road, Matunga, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14967|84-85 on 26-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-7-1985

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15053[84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 10, Ground Floor, Building No. 3, Mahim Mehta Park CHSL., F.P. No. 392, TPS.III, 11-Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which is the stansferee for the purpose of the Ind in Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Jaimuddin Esmail Shaikh,

(Transferor)

(2) Mr. Prakash K. Vernekar & Mrs. Pravina P. Vernekar.

(Transferee)

Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Gr. floor, Building No. 3, Mahim Mehta Park CHSL, FP No. 392, TPS.III, 11 Pitamber Lane, Mahim,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15053|84-85 on 29-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-7-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|22901|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing

Flat No. 7, Sadhna Nivas CHSL., Plot No. 378, Lady Jamshedji Road, Mahim, Bombay-16

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tam Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Vasadibai & Mrs. Vasadibai Madhavdas Lutbria.

(Transferor)

(2) Mr. Arun Chetanram Dudaa & Mrs. Lajwanti Arun Dudani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Sadhna Nivas, CHSL., Plot No. 378 Lady Jamshedji Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 22901 84-85 on 13-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-7-1985

(1) M|s. Sanket Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Vanitabai Vidyadhar Ekawade,

(Transferce)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EL|19401|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor on F.P. No. 1262(A) TPS IV,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1985. Mahim at Prabhadevi, Bombay-400 025

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid 'mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

Flat No. 7, 3rd floor on FP No. 1262(A) TPS IV, Mahim @ Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 1940 84-85 on 10-11-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis Sanket Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudita Anant Surve.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR,11[37EE|19404]84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 9, 3rd floor, F.P. No. 1262 (A) TPS IV, Mahim,

at Prabhadevi, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of te Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or

ib) ficilitating the oncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, F.P. No. 1262 (A) TPS IV Mahim at Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]19404|84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985 Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS-----

(1) Mls Sundip & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Ruby Metal Works.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14302|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Umt No. 6, Hind Service Industrial Premises, CSL, Veer Savarkar Marg, Bombay-28,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 6. Hind Service Industrial Premises CHSL, Veer Savarkar Marg, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37 EE 14302 84-85, on 9-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR.II]37EE|14803.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land and Shed bearing S. No. 177 and 1]177 New S. Nos. 1-2-3 177 & TPS III Reg. No. 13 F.P. No. 272 Mahim, Division

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Eombay on 20-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons rample

89-216 GI|85

 Mrs. Banubai N. Khandwawalla Mrs. Naseem M. Poonawalla, Mrs. Khurshid M. Chorghey, Mrs. Shamim M. Hussain.

(Transferor)

(2) Indian Textile Mills.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land shed bearing Survey Nos. 177 & 1/177 New S. Nos. 1-2-3/177 and TPS III Reg No. 13 F.P. No. 272, Mahim. Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE|14803|84-85, on 20-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14265|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Flat Nos. 18 and 24 with garage, Sea Palace Co-operative Housing Society Limited, Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comp. tent Authority at Bombay on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rabsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

(1) M|5 Tulsi Synthetics.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Gunta.

(Transferee)

(3) Shri Laxminarayan Gupta.

(Person in occupation of the property) (4) Shri Laxminarayan Gupta.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat Nos. 18 (3rd floor) and 24 (4th floor), and Garage, 'Sea Palace Co-o, ciutive Housing Society Limited, Juhu Tara Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14265|84-85,

on 9-11-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-7-1985

(1) Mr. A. D. Nadkarni.

(Transferor)

(2) Miss Munira A. Tinwalla.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14072[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rb. 1,00,000/and bearing No.

36C. Old Versova Shant; Niketan Harmindarsingh Road,

7 Bungalows, Andhen (W), Bombuy-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

36-C. Old Versova Shanti Niketan Harmindarsingh Road, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/14072/84-85, on 2-11-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

(1) Smt. Gurudarshan Kaur Kapoor & Smt. Raj Bedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vikram Suryakent Mehta & Smt. Saryu Suryakent Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]14152[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 16-B, I floor, Shri Swami Kripa CHSL, Bldg.

No. 35, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said practy may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16-B, I floor, Shri Swami Kripa CHSL, Bldg. No. 35, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14152|84-85, on 3-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-7-1985

(1) Mr. Ihakur Lilaram Khushalami & Mrs. Saveera Thakur Khushanalni

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Salım Rehemtulla Virani

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14226|84-85.— Vin tens I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,000,000]- and bearing

movable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,000,000]- and bearing Flat No. 43, 4th floor, Bldg. No. 20-A, Sahajanand CHSL, Lour Bungalows, J. P. Raod, Andheri (W), Manish Nagar,

Bombay-58

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

 (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or Flat No. 43, 4th floor, Bldg. No. 20-A. Sahajanand CHSL., Four Bungalows, J. P. Raod, Andheri (W), Manish Nagar, Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14226 84-85 on 7-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

Seal

FORM ITNS ---

(1) Shri Ramesh D. Shriyan

(Transferor)

(2) Smt. Shobhavathi Vishwanath Karkera

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

R-f No. AR.II|37EE|14544|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 14, III Floor, Bldg. 'Arpana', Shree Mahalakshmi CHSL., Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the omes of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tran ferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, III Floor, Bldg. 'Arpana', Shree Mahalakshmi CHSL., Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58. (

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 14544 84-85 on 15-11-1984

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II.

Rombay

atow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said sect, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1935

Scal

FORM ITNS----

(1) Shri Laxman T. Salian

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Theobald D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14625|84-85.—
Wherens, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. B-16, II Floor, Bldg. 'Arpana'. Shree Mahalaxmi CHSL., Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-10, II Floor, Bldg, 'Arpana', Shree Mahalaxml CHSL., Veera Desal Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14625[84-85 on 17-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax
Acquisition Ranke-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

(Person in occupation of the Property)

FORM ITNS-

(1) Kalyanji Shamji Chhatbar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Harichhaben M. Joshi

(Transferee)

(3) Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14877|84-85.—
Whereus, I. LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
moveble property has long a fair market, value over diag

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000l- and bearing Flat No. 112, Bldg. No. 7, Azad Nagar, Jayaprakash Road, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under exceeding 269AB of the Irrepresentation 269AB of the Irrepresentation and the other control of the other co section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACF shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indan Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat Uo. 112, Bldg. No. 7, Azad Nagar, Jayanrakash Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14877|84-85 on 23-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 11-7-1985

- ----ORM ITNS-(1) Smt Jyoti Mankar (Transferor) (2) Smt. Feng Ying Chen & Mr. Kuo Kwa Chen NUTICE UNDER SECTION D(1) OF THE (Transferee) INCOME-TAX ACT, 1 % 3 OF 1961) (3) Transferee (Person in occupation of the Property) GOVERNMENT C Objections, if any, to the acquisition of the said property INDIA may be made in writing to the undersigned :-OFFICE OF THE HOPLE G ASSISTANT **OME-TAX** COMMISSIONER OF ACQUISITION R GE-II, (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days BOMBAY from the service of notice on the respective persons, Bombay, the 11th · 1985 whichever period expires later: Ref No. AR.II|37EE|14880|84-83 ---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority 31. ised by the Central action 269B of the (hereinafte referred to Government in this behalf under action 269B of the licome-t x Act, 1961 (43 of 116 as the 's id Act'), have reason to be that the immovable Dioperty, having a fair market var exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. Hlat No. 2. Bldg. No. 8, Versova V aw CHSL., Bombay-58. (and more fully described in the - sedule annexed hereto) has been transferred and the agre, ent is registered under section 239AB of the Income-tax A 1, 1961, in the office of the Competent Authority at
Bombay on 24-11-1984
for an apparent consideration w... 1 is less than the fair
market value of the aforesaid provey and I have reason to
believe that the fair market value. he property as afore-EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given said exceeds the apparent conside on therefo by than fifteen per cent of such appa. considerat on and that in that Chapter. the consideration for such transfer s agreed to between the parties has not been truly stated the said instrument of transfer with the object of:— (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ander the said Act, is respect of any income a sing from the transfer; andlor THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealm : o any income or any have not been or moneys or other asses which ought to be disc oy the transferee for the purposes of the line rencome tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sur Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) Flat No. 2, Bldg. No. 8, Versova View CHSL., Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14880|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance o. ...tion 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding r the acquisition of the aforesaid property by the issue section (1) of Section 269D of the this notice under subd Act, to the following persons, namely:--90-216 GI 85

Date: 11-7-1985

(1) Vadudco Ratilal Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sat Trading Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|14916|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tag Act, 1961 (43) of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and occurre No.

H-8, New Ambivali CHSL., Jivan Nagar, Veera Desai Road.

Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1984 for ar apparent consideration which is, less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the iransferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pvlication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-8, New Ambivali CHSL., Jivan Nagar, Vecra Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|14916|84-85 on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 11-7-1985

FORM ITNS

- (1) Boman C. Markar.
- (Transferor)
- (2) Shri Vasudev Ratilal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14917|84-85.—
Whoreas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

H-67, 6th floor, Ambivali CHSL., Jivan Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Act, 111084

Bombay on 24-11-1984

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redutection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

91-216 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-67, 6th floor, New Ambivali CHSL., Jivan Nagar, Vecra Desai Road, Andherl (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14917|84-85. on 24-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Date: 11-7-1985

(1) Mrs. B. D. Merchant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. J. Loba,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-II)37-EE|14956|84-85.-

Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 33, 3rd floor, Napolina Co-operative Housing Society Ltd., J.P. Road, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- '(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor, Napolina Co-operative Society Ltd. J.P. Road, Seven Bunglow, Versova (West), Bombay-400 058. Housing Versova.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-Π|37-EE|14950 84-85, on 26-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Date: 11-7-1985

Seal 1

(1) Mrs. B. D. Merchant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss E. M. Martin

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|14955|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 32, 3rd floor, Napolina Co-op. Housing Society Ltd., J. P. Road, 7 Bungalow, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this not
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period captres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Napolina Cooperative Housing Society Ltd., J.P. Road, 7 Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II|37-EE|14955|84-85, on 26-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 11-7-1985

Seal .

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15028|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

B-17, Eversweet Apartments, 142|4, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. K. Ramchandran.

(Transferor)

(2) Mr. M. R. Tripathi.

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occuption of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

B-17, Eversweet Apartments, 142|4, J.P. Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15028|84-85, on 29-11-1984.

LAXMAN DAS

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Combay.

Date: 11-7-1985

FORM ITNS—— ~--

(1) Mr. Dhanvant-Vrajlal-Vohra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vinodkumar Babulal Jain

(3) Transferee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EF|14051|84-85,---

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. C-7, 75-A, The Universal CHSL., St. John-Baptista Road, Bandra (W), Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Person in occuption of the Property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-7, 75-A, The Universal CHSL., St. John-Baptista Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|14051|84-85, on 1-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:— 92--216 GJ|85

Date: 11-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR.II|37FE|14142|84-85.-Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 203, II Floor, Bldg. 'Anuradha', Pannalal Ghosh

Road, Jogeshwari (W), Bombay-60.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). hus been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hat slity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Ashok Gulvady.

(Transferor)

(2) Mr. Labdhichand Kapoorchand Rathor.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the perperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, IIFloor, Bldg, 'Anuradha', Pannalal Ghosh Road, Jogeshwari (F), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]14142[84-85 on 3-11-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Date: 11-7-1985

(1) M. K. Ramanunni.

(Transferor)

(2) Mr. Manuel Vas.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the perperty)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43. OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. AR.II|37EE|14209|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Flat No. 23, Bldg. No. B|2, Roof-Top Co-operative Housing Society Ltd. Mahakali Caves Road, Andheri (E) Bombay-93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe thit the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Bldg. No. B|2, Roof-Top Co-operative Housing Society Ltd. Mahakali Caves Road, Andheri (E) Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|14209|84-85 on 7-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. II|37G|3721|11-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing CTS No. F|222, Final Plot No. 88, House No. 77, Khari Village, Khari Gaothan, Old Khar, Bombay-400 052,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-11-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeward exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Daniel Antone Kenny,

2. Mary Antone Kenny,

Sebastian Jerome Kenny, and
 Mrs. Cecillia William Rosario.

(Transferor)

(2) Mrs. Mumtaz Wlo Abdul Bayan Mistry,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3190 1984 and registered on 23-11-84 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date :10-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Sybil Miranda and Mrs. Thelme Mirande.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-II|37G|3719|Nov. 84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Land bearing CTS Nos. B|406 & B|407 alongwith structure bearing Municipal Ward No. H|W 803, Street No. 13, at Waroda Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferel to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Raymond A. Remedion, Mrs. Molly Remedios.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3304|83 and registered on 23-11-84 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date :10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. 2|37G|3722|Nov. 84.—Whereas, I, LΛΧΜΑΝ DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Plot No. 3 of F. P. No. 90, T.P.S. I, Santacruz Village Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfect andler
- ,(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

(1) Smt. Ramtika Wlo Sultan Singh Makin.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Wo Madan Singh Bharara.

(Transferee)

(3) 1. Satyaben Parab,

- 2. Mansukhlal Khodas and Manilal Bihikhabhai,
 3. Pannalal R. Gupta,
 4. Mohammed Sayed,
- Thimayya Shetty,
- 6. Satyawan D. Birmole,
 7. Dr. Ajoy R. Vora,
 8. Sushilabai Malpekar and

Manjeetsingh

Slo Sultan Singh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1172|83 and registered on 29-11-84 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-X Bombay

Date: 10-7-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ro Balagani, Mandsaur.

(Transferor)

Vasudeo S|o Asumal Sindhi, H. No. 109|2, Gandhi Chouraha, Balaganj (Nai Abadi), Mandsaur.

Asharam So Gopaldas Manwani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.5826.-Wherens, I, C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House No. 109/2 situated at Gandhi Chouraha, Balagani, (Nai Abadi), Mandsaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Mandsaur on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or

THE SCHEDULE

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

House No. 109|2 is situated at Gandhi Chouraha, Balagant (Nai Abadi), Mandsaur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely :--

Date: 29-7-85